

# मिरा भाईंदर महानगरपालिका

मुख्य कार्यालय, तिसरा मजला, छत्रपती शिवाजी महाराज सभागृह

मा. महासभा दि. ०९/०५/२०२२ (२९/०४/२०२२ ची तहकुब सभा)

शुक्रवार दि. २९/०४/२०२२ रोजी मिरा भाईंदर महानगरपालिकेची मा. महासभा सकाळी ११.०० वाजता आयोजित करण्यात आली होती. सदर सभा तहकुब केल्याने विषयपत्रिकेवरील प्रलंबित विषयांवर चर्चा करण्यासाठी ही सभा सोमवार, दि. ०९/०५/२०२२ रोजी सकाळी ठिक ११.०० वाजता मा. महापौर यांच्या अध्यक्षतेखाली आयोजित केली असता खालीलप्रमाणे सदस्य हजर होते.

## उपस्थित सदस्य

|     |                          |                      |
|-----|--------------------------|----------------------|
| १)  | हसनाळे ज्योत्सना जालींदर | महापौर               |
| २)  | गेहलोट हसमुख मोहनलाल     | उपमहापौर             |
| ३)  | दळवी प्रशांत जानदेव      | सभागृह नेता          |
| ४)  | शाह राकेश रतिशचंद्र      | सभापती, स्थायी समिती |
| ५)  | पाटील धनेश परशुराम       | विरोधी पक्षनेता      |
| ६)  | भोईर सुनिता शशिकांत      | सदस्या               |
| ७)  | शाह रिटा सुभाष           | सदस्या               |
| ८)  | तिवारी अशोक सूर्यदेव     | सदस्य                |
| ९)  | पांडेय पंकज सूर्यमणि     | सदस्य                |
| १०) | पाटील रोहिदास शंकर       | सदस्य                |
| ११) | गोहिल शानू जोरावर सिंह   | सदस्या               |
| १२) | कांगणे मीना यशवंत        | सदस्या               |
| १३) | सिंह मदन उदितनारायण      | सदस्य                |
| १४) | शेट्टी गणेश गोपाळ        | सदस्य                |
| १५) | ढवण निलम हरीशचंद्र       | सदस्या               |
| १६) | कदम अर्चना अरुण          | सदस्या               |
| १७) | नलावडे दिनेश दगडु        | सदस्य                |
| १८) | भोईर गणेश गजानन          | सदस्य                |
| १९) | गुप्ता कुसुम संतोष       | सदस्या               |
| २०) | पाटील वंदना मंगेश        | सदस्या               |
| २१) | सिंग श्रीप्रकाश जिलेदार  | सदस्य                |
| २२) | धृवकिशोर मन्साराम पाटील  | सदस्य                |
| २३) | जैन गीता भरत             | सदस्या.              |
| २४) | जैन सुनिता रमेश          | सदस्या               |
| २५) | भूपताणी रक्षा सतीश (शाह) | सदस्या               |
| २६) | रकवी वैशाली गर्जेद्र     | सदस्य                |
| २७) | अग्रवाल सुशील गोपीकिशन   | सदस्य                |
| २८) | पाटील नरेश तुकाराम       | सदस्य                |
| २९) | पाटील जयंतीलाल गुरूनाथ   | सदस्य                |
| ३०) | घरत तारा विनायक          | सदस्या               |

|     |                             |                    |
|-----|-----------------------------|--------------------|
| ३१) | पांडे स्नेहा शैलेश          | सदस्या             |
| ३२) | शिर्के अनंत गणू             | सदस्य              |
| ३३) | पाटील वंदना विकास           | सदस्या             |
| ३४) | पाटील संध्या प्रफुल्ल       | सदस्या             |
| ३५) | पाटील प्रविण मोरेश्वर       | सदस्य              |
| ३६) | डॉ. पाटील प्रिती जयप्रकाश   | सदस्या             |
| ३७) | मेहता डिम्पल विनोद          | सदस्या             |
| ३८) | शेट्टी अरविंद आनंद          | सदस्य              |
| ३९) | शिंदे रुपाली वसंत (मोदी)    | सदस्या             |
| ४०) | थेराडे संजय अनंत            | सदस्य              |
| ४१) | पारधी सुजाता यशवंत          | सदस्या             |
| ४२) | यादव मिरादेवी रामलाल        | सदस्या             |
| ४३) | म्हात्रे मोहन गोपाळ         | सदस्य              |
| ४४) | सोनार सुरेखा प्रकाश         | सदस्या             |
| ४५) | भोईर विणा सुर्यकांत         | सदस्या             |
| ४६) | भोईर कमलेश यशवंत            | सदस्य              |
| ४७) | पाटील अनिता जयवंत           | सदस्या             |
| ४८) | भोईर भावना राजू             | सदस्या             |
| ४९) | भोईर राजू यशवंत             | सदस्य              |
| ५०) | मांजरेकर आनंद दत्ताराम      | सदस्य              |
| ५१) | अरोरा दीपिका पंकज           | सदस्या             |
| ५२) | बेलानी हेमा राजेश           | सदस्या             |
| ५३) | नाईक विविता विवेक           | सदस्या             |
| ५४) | सॉस नीला बर्नाड             | सदस्या             |
| ५५) | राय विजयकुमार सिस्थन नारायण | सदस्य              |
| ५६) | सावंत अनिल दिवाकर           | सदस्य              |
| ५७) | परमार हेतल रतिलाल           | सदस्या             |
| ५८) | जैन दिनेश तेजराज            | सदस्य              |
| ५९) | भावसार वंदना संजय           | सदस्या             |
| ६०) | शाह सीमाबेन कमलेश           | सदस्या             |
| ६१) | दुबे मनोज रामनारायण         | सदस्य              |
| ६२) | अहमद साराह अकरम             | सदस्या             |
| ६३) | इनामदार जुबेर अब्दुल्ला     | सदस्य              |
| ६४) | शेख अशरफ मोहम्मद इब्राहीम   | सदस्य              |
| ६५) | भोईर जयेश भानुदास           | सदस्य              |
| ६६) | म्हात्रे नयना गजानन         | सदस्या             |
| ६७) | म्हात्रे विनोद काशिनाथ      | सदस्य              |
| ६८) | गोविंद हेलन जॉर्जी          | सदस्या             |
| ६९) | बगाजी शर्मिला विन्सन्ट      | सदस्या             |
| ७०) | शर्मा भगवती शर्मा           | नामनिर्देशित सदस्य |
| ७१) | अॅड शफीक अहमद सादत खान      | नामनिर्देशित सदस्य |

|     |                            |                    |
|-----|----------------------------|--------------------|
| ७२) | भोसले अनिल बाबुराव         | नामनिर्देशित सदस्य |
| ७३) | सिंह विक्रमप्रताप रमाप्रती | नामनिर्देशित सदस्य |

गौरहजर सदस्य -

|     |                            |                    |
|-----|----------------------------|--------------------|
| १)  | पाटील प्रभात प्रकाश        | सदस्या             |
| २)  | रावल मेघना दिपक            | सदस्या             |
| ३)  | जैन राजेंद्र भवरलाल        | सदस्य              |
| ४)  | मोकाशी दिपाली आनंदराव      | सदस्या             |
| ५)  | व्यास रवि वासुदेव          | सदस्य              |
| ६)  | परेरा कॅटलीन एन्थोनी       | सदस्या             |
| ७)  | खंडेलवाल सुरेश जगदीश       | सदस्य              |
| ८)  | परदेशी गिता हरीश           | सदस्या             |
| ९)  | सय्यद नुरजाहॉ नाझर हुसेन   | सदस्या             |
| १०) | शेख अमजद गफार              | सदस्य              |
| ११) | मुखर्जी अनिता बबलू         | सदस्या             |
| १२) | चंद्रकांत सिताराम वैती     | सदस्य              |
| १३) | म्हात्रे सचिन केसरीनाथ     | सदस्य              |
| १४) | म्हात्रे परशुराम पदमाकर    | सदस्य              |
| १५) | गजरे दौलत तुकाराम          | सदस्य              |
| १६) | शेख रुबीना फिरोझ           | सदस्या             |
| १७) | मेहरा राजीव ओमप्रकाश       | सदस्य              |
| १८) | भट दीप्ती शेखर             | सदस्या             |
| १९) | कासोदारिया अश्विन शामजीभाई | सदस्य              |
| २०) | विराणी अनिल रावजीभाई       | सदस्य              |
| २१) | भानुशाली वर्षा गिरधर       | सदस्या             |
| २२) | बांड्या एलायस दुमिंग       | सदस्य              |
| २३) | अजित भगवान पाटील           | नामनिर्देशित सदस्य |

रजेचा अर्ज -

|    |                     |        |
|----|---------------------|--------|
| १) | रॉड्रीकस मोरस जोसेफ | सदस्य  |
| २) | डिसा मर्लिन मर्विन  | सदस्या |

नगरसचिव :-

सर्व सदस्यांचे आजच्या सभेसाठी स्वागत. महानगरपालिकेची मा. महासभा शुक्रवार दि. २९/०४/२०२२ रोजी सकाळी ठिक ११.०० वाजता आयोजित करण्यात आली होती. सदर सभा ठरावाद्वारे तहकुब केल्याने विषयपत्रिकेवरील विषय क्र. ०१ ते १६ व पुरक घोषणा क्र. १७ ते १९ या विषयांवर चर्चा करण्यासाठी ही सभा सोमवार, दिनांक ०९/०५/२०२२ रोजी सकाळी ठिक ११.०० वाजता मिरा भाईंदर महानगरपालिका, स्व. इंदिरा गांधी भवन, मुख्य कार्यालय, तिसरा मजला, छत्रपती शिवाजी महाराज सभागृहात आयोजित केलेली आहे. प्रश्नोत्तराच्या तासाला सुरुवात होणार आहे.

रोहिदास पाटील :-

मा. महापौरांच्या परवानगीने आपले अभिनंदन करू इच्छितो आपल्या कार्यकालामध्ये आपल्या महापालिकेला जी वेगवेगळी पारितोषिके मिळाली स्वाभाविक आहे मा. महापौर, मा. उपमहापौर, स्थायी

समितीचे सभापती, सभागृह नेते, विरोधी पक्षनेते आणि सर्व सभागृह ह्याला पात्र आहे. आनंद ह्या गोष्टीचा आहे की जे काम चालंगले होते देशामध्ये असलेल्या महापालिका महाराष्ट्रामध्ये असलेल्या महापालिका ह्याच्यामध्ये आपल्या महापालिकेचा वयोमानाच्या दृष्टीने आपल्या महापालिकेला तिसरे पारितोषिक मिळाले त्यामुळे जसे मी महापौरांचे अभिनंदन करतो त्याप्रमाणे आपले आयुक्त दोन्ही अतिरिक्त आयुक्त तसेच ह्या कामकाजामध्ये जे प्रत्यक्ष सहभागी झाले त्या सर्वांचे अभिनंदन करतो की ही स्पर्धा असावी आपण आपल्या कामगिरीने एखादी गोष्टी चांगली होऊन आपल्या शहराचे नाव होत असेल तर ती चांगली गोष्ट आहे. आणि म्हणून मी आपलं अभिनंदन करतो. अभिनंदन करते वेळी साहेब जसं तुमचे अभिनंदन केले महापौरांचे अभिनंदन केले आमचेही अभिनंदन व्हावे अशी आमची ही अपेक्षा आहे. आमचे अभिनंदन ह्यासाठी की प्रभाग क्र. 02 तुम्ही स्पर्धा लावली होती. माणूस कधी भाग घेतो किंवा विश्वास ठेवतो आम्ही तुमच्यावर विश्वास ठेवला देवावरही विश्वास ठेवला डॉक्टरांना विश्वासात घेतले, कारखानदारांना विश्वासात घेतले, व्यापाऱ्यांना विश्वासात घेतलं, नागरिकांनाही घेतलं त्याचबरोबर सभागृहातल्या नगरसेवकांना मध्ये तुम्ही स्पर्धा लावली होती. महापौर मॅडम, तुम्ही स्पर्धा लावली होती ज्या प्रभागाचा नंबर पहिला येईल त्याला 25 लाखांचं विकासनिधी देण्यास येईल. आम्हाला तुम्ही दिलाच नाही. हे सांगण्यासाठीच मी उभा आहे. आमच्या सकट तुम्ही जाहिर करावा. प्रभाग क्र. 2 च्या 25 लाखाचा विकास निधी आजच जाहिर करतो असं तुम्ही दोघांच्या समतीने ते जाहिर करावं.

धनेश पाटील :-

महापौर मॅडम नंबर कुठे डिक्लेअर झाला?

मा. महापौर :-

नाही झाला.

रोहिदास पाटील :-

रेकॉर्ड काढा.

(सभागृहात गोंधळ)

निलम ढवण :-

नंबर तर आम्हाला कळला तर पाहिजे.

धनेश पाटील :-

नंबर कुठे डिक्लेअर झालेला आहे. आपण निधी देणार हे सर्व सदस्यांना माहित आहे.

रोहिदास पाटील :-

हा अभिनंदनचा ठराव आहे आणि आमची मागणी आहे सुचना आहे तुम्ही तपासून घ्या.

धनेश पाटील :-

आपण आपलं करू पहिला बक्षिस कोणाला देईल ते बघुया पहिला.

श्रीप्रकाश सिंग :-

महासभा में जाहिर किया था| महापौर मॅडम महासभा में जाहिर किया हुआ है।

रोहिदास पाटील :-

तपासून घ्या.

मा. आयुक्त :-

मा. महापौर मॅडमच्या परवानगीने बोलतो, ह्या वर्षी मा. महापौर मॅडमने ह्यापूर्वी जाहिर केलेले आहे. त्यानुसार आपण स्पर्धा सुरु रहावी यावर निधी लावलेला आहे. प्रत्यक्ष सर्व वॉर्डची स्थळ पाहणी करून लवकरात लवकरच पहिला, दुसरा, तिसरा नंबर जाहिर जाहिर करण्यांत येईल. ज्यांचा पहिला नंबर येईल, दुसरा, तिसरा येईल तो उत्तेजनार्थ असेल. मा. महापौर मॅडमने ह्यापूर्वी निर्देशित

केले आदेश दिले आहेत त्यानुसार अंमलबजावणी होईल. अद्यापपर्यंत कोणाचा नंबर पहिला दुसरा किंवा तिसरा हे जाहिर झाले नसेल.....

शानु गोहिल :-

डिकलेअर झालेले आहे साहेब.

मा. आयुक्त :-

गेल्यावर्षीच मी सांगत नाही.

शानु गोहिल :-

महापौर मॅडम असताना डिकलेअर झाले. स्टेजवरती आम्हाला.....

मा. आयुक्त :-

ते वेगळ होतं.

निलम ढवण :-

स्वयंमघोषित.

मा. आयुक्त :-

जेव्हा महापौर मॅडमने निर्देशित केल्यानुसार आता जे आपण नंबर काढत आहोत त्याविषयी मी बोलत आहे लवकरच आमचा सर्व्हे संपल्यानंतर स्थळ पाहणी करून पहिला, दुसरा, तिसरा अधिक उत्तेजनार्थ हे आम्ही नंबर जाहिर करून त्यानंतर मा. महापौर मॅडमने जे आदेश दिले आहेत त्यानुसार पुढील कार्यवाही करण्यांत येईल.

मा. महापौर :-

काका अभिनंदन झालेले आहे आपले अभिनंदन, सभागृहाचे अभिनंदन. शिरवळकर साहेब विषयाला सुरुवात करा. आयुक्तांनी सांगितलेले आहे ह्या वर्षीचे कोणालाही दिलेले नाही वॉर्ड तपासणी करून देण्यात येईल.

रोहिदास पाटील :-

आम्ही कधी मागतो वॉर्ड बघून थकल्यानंतर मागतो आमचा विश्वास होता हे आधीच आहे.

मा. महापौर :-

तेव्हा जाहिर केले होते का? किती लाख?

रोहिदास पाटील :-

25 लाख.

मा. महापौर :-

त्यावेळी महापौरांनी जाहिर केले होते का?

(सभागृहात गोंधळ)

शानु गोहिल :-

महापौर मॅडम तेव्हा जाहिर केले अभिनंदन सुध्दा केले.

मा. महापौर :-

माहिती घेऊन कारवाई करण्यात येईल. विषयाला सुरुवात करा.

डिम्पल मेहता :-

मॅडम त्यावेळी शासनाकडून येणार होते.

मा. महापौर :-

माहिती घेऊन कारवाई करण्यात येईल.

दिनेश नलावडे :-

महापौर मॅडम, आम्ही सुचना करतो ऐकून घ्या. इथे तुम्ही सगळ्यांसाठी महापौर आहेत. एकासाठी नाही. सत्ताधाऱ्यांसाठी नाहीत.

मा. महापौर :-

मी इथे सगळ्यांसाठी महापौर आहे हे मी मान्य करते.

दिनेश नलावडे :-

माझे हे सांगणे आहे पारितोषिक देताना भेदभाव करू नका. ही माझी तुमच्याकडे विनंती आहे. महापौर मॅडम कुठले वॉर्ड अतिशय सुंदर आहेत त्याठिकाणी कसलीही समस्या नाही. परंतु तुम्हाला ह्याच्यातून काय निवडायचे आहे ह्या ठिकाणी अतिशय दलीत वस्ती आहे ज्या ज्या ठिकाणी प्रॉब्लेम आहेत जी ग्रामपंचायतमध्ये झालेले आहेत. तसे वॉर्ड नं. 3,4,11,10 एवढे वॉर्ड देखील अतिशय गंभीर अवस्थेमध्ये आहेत. अशा ठिकाणी जे काही नगरसेवक तडफडीने काम करत आहेत त्यांच्याकडे तुम्हाला लक्ष दिले पाहिजे किती सुंदर आहेत. सुशोभित आहेत. त्याठिकाणी तुम्हाला तुम्ही इथे गेले तुम्हाला सुंदर दिसले याच्यावरती जाऊ नका. ही माझी आपल्याला विनंती आहे.

रोहिदास पाटील :-

आयुक्त साहेब तुमचेही अभिनंदन करतो. अभिनंदन ह्या गोष्टीसाठी करतो की आपण आलात सगळ्या नगरसेवकांना विश्वासात घेतात. समाजातल्या मान्यवर लोकांना विश्वासात घेतात. तुमच्या कामाच्या दृष्टीने आवश्यक आहेत त्यांना तुम्ही खाजगीमध्ये बोलावतात. तुमच्या बैठका होतात. रिझल्ट चांगला मिळतो आता आपण आयुक्त म्हणून आलात ते खरं आहे ना की ह्या महापालिकेमध्ये अनेक वर्षांच्या काही मागण्या होत्या. त्या आपण निकाली काढल्या ज्यांना काही प्रमोशन दिली त्याच्या बदलही तुमचे अभिनंदन करतो. पण दोन गोष्टी तुमच्यासमोर आणतो. हे सगळ करतवेळी थोड जनमनाचाही कानोसा घेणे गरजेचे आहे ही आमची मागणी आहे. आमची मागणी आहे की ह्या महापालिकेमध्ये जे काम करणारे आहेत पदोन्नतीने जे दोन उपायुक्त व्हायला पाहिजे होते.....

रोहिदास पाटील :-

काका आता त्यावरती लक्षवेधी आहे तुम्ही आता त्या विषयावरती बोलू नका. लक्षवेधी त्या विषयावरती आहे. तुमचा अभिनंदनाचा ठराव आपल्याला मान्य आहे.

शानु गोहिल :-

महापौर मॅडम त्याच्यावरती सर्टिफिकेट ठेवले आहे की काय?

मा. महापौर :-

ठिक आहे याची तपासणी करून माहिती घेऊन हा पण करण्यात येईल. मला वाटते विषयाच्या व्यतिरिक्त कोणीही बोलू नये. सचिव साहेब आपण विषयाला सुरुवात करा.

निलम ढवण :-

रिटा शहा यांचे सर्व प्रथम आभार कारण त्यांनी लक्षवेधी आणली ती झालेल्या कामाबाबत. यापुर्वी लक्षवेधी प्रशासन काम करित नाहीत म्हणून आल्या आहेत. त्यांच्या लक्षवेधी मुळेच आयुक्त श्री. ढोले यांच्या एक वर्षाचा कार्यकाळातील मागे जावून कामाचा आढावा घ्यावा लागला. नगरसेवक/नगरसेविका/पदाधिकारी नव्हेच तर सर्व सामान्य नागरीक यांच्या कामाने प्रभावीत झाले आहेत. शहरात शिरताना येवढे बकाळ वाटत असे पण आज काशीमिरा उड्डाण पुल किंवा शहरातील दर्शनी भागावरील खराब झालेल्या भिंती आज उजळून निघाल्या आहेत आणि आपल्या शहराची महती सांगत आहेत असे वाटते.

### एक वर्षात केलेल्या कामाचा लेखा-जोखा

बऱ्याच वर्षांपासून प्रलंबीत असलेली कर्मचाऱ्यांची पदोन्नती

| अ.क्र. | पदनाम          | संख्या |
|--------|----------------|--------|
| 1.     | सिस्टीम मॅनेजर | 01     |
| 2.     | लेखाधिकारी     | 01     |

|     |                           |    |
|-----|---------------------------|----|
| 3.  | अधिपरिचारीका              | 08 |
| 4.  | हेडमाळी                   | 05 |
| 5.  | मिस्त्री                  | 01 |
| 6.  | कार्यालय अधिक्षक          | 07 |
| 7.  | सहाय्यक अधिसेविका         | 01 |
| 8.  | उप मुख्य स्वच्छता अधिकारी | 02 |
| 9.  | शाखा अभियंता              | 10 |
| 10. | अग्निशमन केंद्र अधिकारी   | 3  |
| 11. | शस्त्रक्रिया गृहपरिचर     | 1  |
| 12. | परिसेविका                 | 2  |
| 13. | कार्य अभियंता             | 2  |
|     | एकूण                      | 44 |

|    |  |            |            |
|----|--|------------|------------|
| 1. | <b>स्थायित्व प्रमाणपत्र</b>  |            |            |
|    | स्थायित्व प्रमाणपत्र देण्यात आलेल्या अधिकारी/कर्मचारी संख्या                                       | अनु.जाती   | अनु.जमाती  |
|    | <b>783</b>   | <b>141</b> | <b>118</b> |
| 2. | <b>मराठी/हिंदी भाषा सुट</b>  |            |            |
|    | मराठी/हिंदी भाषा सुट देण्यात आलेल्या अधिकारी/कर्मचारी संख्या                                       | अनु.जाती   | अनु.जमाती  |
|    | <b>211</b>   | <b>28</b>  | <b>39</b>  |
| 3. | <b>परिविक्षाधीन कालावधी</b>  |            |            |
|    | परिविक्षाधीन कालावधी समाप्त करण्यात आलेल्या अधिकारी/ कर्मचारी संख्या                               | अनु.जाती   | अनु.जमाती  |
|    | <b>298</b>   | <b>33</b>  | <b>62</b>  |
| 4. | <b>सेवेच्या 50/55 वर्षी पुनर्विलोकन</b>  |            |            |
|    | सेवेच्या 50/55 वर्षी पुनर्विलोकन करण्यात आलेल्या अधिकारी/ कर्मचारी संख्या                          | अनु.जाती   | अनु.जमाती  |
|    | <b>86</b>  | <b>11</b>  | <b>06</b>  |
| 5. | <b>अनुकंपा/वारस</b>  |            |            |
|    | अनुकंपा तत्वावर/कोरोना काळात मयत झालेल्या कर्मचाऱ्यांच्या वारसास मनपा सेवेत नियुक्ती केलेली संख्या | अनु.जाती   | अनु.जमाती  |
|    | <b>11</b>  | <b>03</b>  | <b>02</b>  |
| 6. | <b>लाड/पांगे शिफारसी</b>   |            |            |
|    | लाड/पांगे शिफारशीनुसार मनपा सेवेत नियुक्ती केलेली संख्या   | अनु.जाती   | अनु.जमाती  |
|    | <b>04</b><br>(उर्वरित 04 प्रस्तावित आहेत)  | <b>04</b>  | <b>-</b>   |

| 7. | श्रम साफल्य आवास योजना  |  |           |
|----|---|--|-----------|
|    | संख्या  | अनु.जाती                                     | अनु.जमाती |
|    | डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर श्रम साफल्य आवास योजनेअंतर्गत महानगरपालिकेमध्ये 25 वर्षे सेवा झालेल्या 45 लाभार्थी व 23 मृत लाभार्थी असे एकुण 68 लाभार्थ्यांना दि.03/08/2015 रोजी घरे वाटप करण्यात आली.  | 41 लाभार्थ्यांना घर वाटप करण्यात आलेली आहेत. | -         |
|    | उर्वरित पात्र 178 सफाई कामगारांना घरे देण्याबाबत मान्यता मिळणेकरीता प्रस्ताव मा. जिल्हाधिकारी सो., जिल्हाधिकारी कार्यालय ठाणे तसेच सहा.आयुक्त समाजकल्याण विभाग यांचेकडे सादर करण्यात आला आहे. | -  | -         |

### वैद्यकिय आरोग्य कोरोना-

आयुक्तांचा कार्यकाळ सुरु झाला तो कोरोना सारख्या दुसऱ्या महामारिच्या लाटेने, जेव्हा रुग्णांच्या संख्येत झपाट्याने वाढ होत होती, वैद्यकिय सेवा-सुविधांचा सर्व देशात, राज्यात तुटवटा होता. अशा बीकट परिस्थितीत त्यांनी Control, Capacity and Care या त्रिसुत्री कार्यक्रम राबविला व शहर कोरोना मात करण्यात यशस्वी झाले. आज रोजी मिरा भाईंदर महानगरपालिका केंद्र शासन व राज्य शासनाने दिलेल्या इंष्टांकापेक्षा दुपटीने अधिक ऑक्सीजन, औषधे व इतर सुविधा मध्ये परिपूर्ण आहे. तसेच राज्यात लसीकरणामध्ये देखिल मिरा भाईंदर महानगरपालिका अग्रेसर आहे. याची पोच पावती म्हणजे

- ❖ दिनांक ८ ऑक्टोबर २०२१ रोजी मा. महामहीम राज्यपाल श्री. भगत सिंहजी कोश्यारी यांच्या हस्ते सन्मान करण्यात आला. त्यामध्ये प्राप्त रक्कम मिरा भाईंदर क्षेत्रातील कोविडमूळे निराधार झालेल्या मुलांच्या शिक्षणासाठी देण्यात आली.
- ❖ दिनांक 25 मार्च 2022 रोजी मा. भारताचे रस्ते वाहतूक व महामार्ग मंत्री श्री. नितीन गडकरी यांच्या शुभ हस्ते सकाळ सन्मान 2022 या कार्यक्रमात सन्मानचिन्ह देऊन गौरविण्यात आले.
- ❖ ठाणे येथे मा. पालक मंत्री ठाणे व गडचिरोली आणि मा. नगर विकास तथा बांधकाम मंत्री मा. श्री. एकनाथजी शिंदे साहेब तसेच मा. राज्यमंत्री, जलसंपदा व लाभक्षेत्र विकास, शालेय शिक्षण, महिला व बालविकास इतर मागास वर्ग, सामाजिक व शैक्षणिक मागास प्रवर्ग, विमुक्त जाती, भटक्या जमाती आणि विशेष मागास प्रवर्ग कल्याण, कामगार श्री. ओमप्रकाश उर्फ बच्चू कडू यांचे शुभ हस्ते गौरविण्यात आले.

कोरोनामध्ये थोडी उसंत मिळाली पण ते थांबले नाहीत. त्यांनी Walk with Commissioner ही संकल्पना राबविली व सर्व मिरा भाईंदर महानगरपालिका कार्यक्षेत्र पिंजून काढले त्यामुळे नागरीकांच्या मूळ समस्याची जाणीव झाली.

शहरातील मुख्य समस्या पाणी- ही दोन प्रकारे होती

#### 1) पिण्याचे पाणी

2) पावसाचे पाणी या दोन्ही बाबीमुळे शहरातील नागरीकांच्या डोळ्यात पाणी येत होते. ही समस्या दूर करण्यासाठी त्यांनी प्राधान्य दिले.

मिरा भाईंदर महानगरपालिकेस शहाड-टेमघर व एमआयडीसीकडून पाणी पुरवठा होत होता, त्यामध्ये होणारी गळती शोधून काढली, ज्या इंष्टाकाप्रमाणे पाणी येणे अपेक्षित होते तेवढा



पाणी पुरवठा होत नव्हता तो सुरु करून घेतला त्याकरिता एका उपअभियंत्याची नेमणूक केली व येणाऱ्या पाणी पुरवठ्याची नियमित नोंद ठेवण्यास सुरुवात झाली.

दुसरी बाब म्हणजे मिळणाऱ्या पाण्यापेक्षा अधिकचे बील महापालिका अदा करत होती याकरिता शहरात प्रवेश होणाऱ्या पाण्याच्या ठिकाणी मिटर बॉक्स बसवून घेतला यापुर्वी तो कापूर बावडी येथे होता.

नवघर येथील जनतेला नेहमीच पाणी पुरवठा कमी होत होता त्यासाठी नवीन जलकुंभातून पाणी पुरवठा होण्यासाठी नवीन जलवाहीनी अंतरण्यात आली. यापुर्वी शहरात विषम पाणी पुरवठा होत होता काही ठिकाणी 36 तास तर काही भागात 52 त्याचे नियोजन करून शहरात एकसारखा पाणी पुरवठा होईल याची उपाययोजना केल्या.

एमएमआरडीए यांचेकडे सातत्याने समन्वय साधून सुर्या प्रकल्पाचे काम पूर्ण होण्यासाठी प्रयत्नशील राहिले. मिरा भाईंदर महानगरपालिका पुढील वर्षापासून मुबलक पाणी पुरवठा होईल. सुर्या धरणातून येणारे पाणी महापालिकेत आल्यानंतर सर्वांना समान वाटप झाले पाहिजे करिता सर्व शहरात पाण्याची लाईन अंतरण्याचे काम हाती घेतले. तसेच पाण्याची साठवून केली पाहिजे करिता मोठ्या पाण्याच्या टाक्या (जलकुंभ) बांधण्याचे काम सुरु केले.

पावसाळ्यात येणाऱ्या पाण्यामुळे सखल भागात पाणी सुचवून नागरीकांचे आर्थिक नुकसान होत होते. त्याचे मूळ कारण, स्त्रोत लक्षात घेण्यासाठी सर्व प्रथम शहरातील सखल भागाची तसेच डोंगरातून शहरात येणाऱ्या पाण्याच्या स्त्रोताची पहाणी केली . समुद्रात पाणी जाण्यासाठी कांदळवनाच्या मुळाची बाधा होत होती, तेथे गाळ साचला जात होता त्यामुळे पाण्याचा निचरा व्यवस्थित होत नव्हता. याकरिता कांदळवन समिती(शासनाकडून) परवानगी मिळविल्या. काही भागात नाल्याची रुंदी वाढविणे आवश्यक होते. अशा ठिकाणी नवीन नाल्याचे काम हाती घेतले. नाल्याच्या सुरुवातीला व शेवटी स्क्रीनिंग जाळ्या बसविल्या त्यामुळे जंगलातून येणारी झाडे-झुडपे, कचरा यांना अटकाव झाला. तसेच जेथे नागरीक नाल्याच्या शेजारी रहातात ते नाल्यात कचरा टाकतात तेथे नाले बंदीस्त करण्यात आले. यामुळे दरवर्षी पेक्षा मागील वर्षी शहरात कमी पाणी साचले. असे सर्व सामान्य नागरीक देखिल बोलत होते.

➤ कोरोना मध्ये मागील 2 वर्षे शाळा सुरु होवू शकल्या नाहीत परंतु आता कोरोनाची लाट ओसरली असून शाळा सुरु झाल्या आहेत. परंतु शाळा सुरु होणार हे लक्षात घेवून शहरात 3 नवीन शाळांचे बांधकाम पूर्ण केले तसेच शाळा सुरु होण्यापूर्वी शाळेतील साफ-सफाई डागडुजीचे काम करण्यासाठी सर्व संबंधित विभागांना आदेश दिले. आता सेमी इंग्रजी वर्ग सुरु करण्यासाठी सातत्याने शिक्षकांची आढावा बैठक आयोजित करून शाळेतील समस्यांची माहिती घेतली. शिक्षकांना देखिल प्रशिक्षण देण्यासाठी विविध संस्था सोबत बैठक घेत आहेत.

“सफाई मित्र सुरक्षा चॅलेंज” या राष्ट्रीय अभियानात मिरा भाईंदर महानगरपालिकेने राज्यात दुसरा क्रमांक पटकाविला. तसेच स्वच्छ सर्वेक्षण 2021 मध्ये 9 वा क्रमांक मिळवला आहे.

- क्रिसिल तर्फे मिरा भाईंदर महापालिकेला सन 2021-22 वित्तीय वर्षात (CCR A/Stable) पतमानांकन प्राप्त केले आहे. क्रिसिलने “Strong Operating Performance & Healthy Financial Risk Profile” असे अभिप्राय दिलेले आहेत.

### **जनसंपर्क**

महानगरपालिकेमार्फत विविध विकास कामे, लोकोपयोगी नागरी कामे करण्यात येतात तसेच योजना राबविण्यात येतात. सदरची कामे / योजना जनमाणसांत पाहोचविण्याकरिता महापालिकेडून फेसबुक, ट्विटर, इन्स्टाग्राम सारख्या सामाजिक माध्यमांचा (सोशल मिडीया) वापर तसेच वेळोवेळी प्रेसनोट प्रसिध्द करण्यात येत आहेत. त्यामुळे महानगरपालिका करीत असलेली कामे नागरिकांपर्यंत पोहोचत

आहेत. या संदर्भात पुण्यातील पॉलिसी रिसर्च ऑर्गनायझेशन या संस्थेच्या वतीने सर्वेक्षण करून शहरांच्या ई-गव्हर्नन्स सध्यास्थितीचा अहवाल माहे जानेवारी 2022 मध्ये प्रसिध्द केला. सदर अहवालातील सोशल मिडीया विभागात मिरा भाईंदर महापालिका प्रथम क्रमांकावर आहे.

### जाहिरात

सन 2014 पासून थकीत असलेली जाहिरात कराची जवळ जवळ रु.4 कोटींची थकबाकी वसूल करण्यात आली.

### विधी

सातत्याने पाठपुरावा करून शहरातील विकास कामांसंदर्भात मा. न्यायालय, ठाणे येथे प्रलंबित 58 दावे व मा. उच्च न्यायालय, मुंबई येथे प्रलंबित 36 दावे निकाली काढण्यात आले.

### अग्निशमन विभाग :-

- ✓ TTL (Turntable Ladder) 68 Meter
- ✓ ALP (Areal Ladder Platform) 90 Meter

वरील दोन्ही गाड्या मुंबई महापालिकेनंतर फक्त मिरा भाईंदर महानगरपालिकेकडेच आहेत.

### बांधकाम

#### शहरात सिमेंट काँक्रीटचे रस्ते

शहराची ओळख ही तेथील रस्त्यांच्या सुस्थितीवरून दिसून येतो. मा.महासभेने पारीत केलेल्या प्रस्तावानुसार मिरा-भाईंदर शहरात सुमारे 1000 कोटींचे सिमेंट काँक्रीटचे रस्ते येत्या 5 वर्षात बांधावयाचे आहेत. त्याची तयारी सुरु करण्यात आली.

- भाईंदर -दहिसर लिंक रोडचे काम
- मिरा भाईंदर महानगरपालिका हद्दीतील भाईंदर (पूर्व) आरक्षण क्र.108 विकास योजनेतील मार्केट विकसित करणे.
- मौजे महाजनवाडी येथे तरण तलाव बांधणे.
- भाईंदर (पूर्व) स्टेशन लगतच्या परिसराचे सुशोभीकरण करणे
- भाईंदर (प.) स्टेशन लगतच्या परिसराचे सुशोभीकरण करणे.
- भाईंदर (पूर्व) आरक्षण क्र.122 या जागेत हिंदुहृदय स्मार्ट स्व. बाळासाहेब ठाकरे यांचे कला दालन उभारणे.(टप्पा-1)
- रा.म.क्र.8 वरील काशिमीरा उड्डाणपुलाखालील जागेमध्ये उद्याने विकसित, सुशोभीकरण करणे.
- मिरारोड (पूर्व) इंदिरा गांधी हॉस्पिटल येथे वाढीव मजले बांधणे.
- घोडबंदर किल्ला परिसर सुशोभीकरण करणे व जतन करणे. (टप्पा-2)
- मेडीटेशन सेंटर बांधणे. (भाग-1) व (भाग-2)
- भाईंदर (पूर्व) आरक्षण क्र.241 कम्युनिटी सेंटर अंतर्गत सजावट करणे.
- भाईंदर (पूर्व) नवघर लोकमान्य टिळक सभागृह पहील्या मजल्याचे बांधकाम करणे.
- काशिमीरा पोलिस चौकी जवळच्या मौजे मिरा सि.स.क्र. 1214, 1215, 1259 ते 1262, 1291 ते 1294, 1309 ते 1311, 1335 ते 1338, 1389, 1390, 1424 ते 1435, 1489, 1490 व 1445 या जागेत मंजूर रेखांकनामधील क्षेत्रामध्ये पशुवैद्यकीय दवाखाना इमारत बांधणे.
- मिरागांव आरक्षण क्र.356 उर्दुशाळा इमारत बांधणे.
- मिरारोड (पूर्व) आरक्षण क्र.300 या जागेत स्वर्गिय प्रमोद महाजन यांचे कला दालन बांधणे.
- घोडबंदर प्रवेशद्वारा समोरील छत्रपती शिवाजी महाराज पुतळा सभोवतालीच्या वाहतुक चौक परिसराचे सुशोभीकरण करणे.
- मिरारोड (पूर्व) आरक्षण क्र.241, येथे कम्युनिटी हॉल विकसित करणे.

- मिरारोड (पुर्व) साईबाबा नगर ते शितल नगर पर्यंत रस्ता UTWT करणे.
- मिरारोड (पुर्व) आरक्षण क्र. 357 विकसित करणे.
- आरक्षण क्र. 314, एन.जी. पॅरेडाईस समोर गार्डन विकसित करणे.
- भाईदर (प.) राई आरक्षण क्र.56 बहुउद्देशीय इमारतीत पहिल्या मजल्याचे बांधकाम करणे.
- भाईदर (प.) सुभाषचंद्र बोस मैदान ते उत्तन गाव (टप्पा-2) रस्त्याचे रुंदीकरण व मजबूती करणे.
- भाईदर (प.) तोदी बंगला रस्ता रुंदीकरण करणे.
- मिरागाव आ.क्र. 334, 335 मागुन ते आ.क्र. 336 पर्यंत जाणारा 15 मीटर विकास योजनेतील रस्ता व गटर तयार करणे.
- मिरारोड (पुर्व) नरेंद्र पार्क ते उड्डाणपूल पर्यंतचा रस्ता UTWT करणे.
- भाईदर (प.) डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मार्गालगत असलेल्या विद्यमान अग्निशमन केंद्र इमारतीच्या जागेत कम्युनिटी हॉल बांधणे.
- राष्ट्रीय महामार्ग क्र.8 रस्ता खालुन पावसाळी व सांडपाण्याचा निचरा करणेसाठी 2000 मिमी व्यासाची आर.सी.सी. पाईप जॅकिंग ऍण्ड पुशिंग पध्दतीने वर्सावा व साई पॅलेस हॉटेल येथे टाकणे.
- भाईदर (पुर्व) नवघर शाळा क्र.13 येथे वाढीव दोन मजल्याचे बांधकाम करणे.
- बि.एस.यु.पी. प्रकल्प जनता नगर जे-1 पॅकेज
- बि.एस.यु.पी. प्रकल्प जनता नगर जे-3 पॅकेज
- बि.एस.यु.पी. प्रकल्प काशी चर्च पॅकेज
- अमृत योजनेअंतर्गत नाले बांधणे (भाग - 2)
- दैनंदिन 50 किलो कचरा तयार करणाऱ्या सोसायट्यांना त्यांचा कचरा त्यांचे आवारात प्रक्रीया करणे तसेच
- शहरात सुमारे 500 सी.सी.टी.व्ही. कॅमेरे बसवून कार्यान्वित करण्यात आले.
- स्थानिक लेखा निधीचे एकूण 130 व अंतर्गत लेखा परीक्षणाचे एकूण 189 लेखा आक्षेपांची पूर्तता करून घेण्यात आली.

### शहराचे सुशोभिकरण व विकास कामे.

भारतीय स्वातंत्र्याचे अमृत महोत्सवी वर्ष सुरु असून, या वर्षात सर्व महापुरुष स्वातंत्र्यसेनांनी यांना स्मरण करून भावी पिढीला त्यांच्या कार्याचे स्मरण करून देणे अपेक्षित आहे. या अभियानाचा एक भाग म्हणून शहरातील ऐतिहासिक किल्ले घोडबंदर व किल्ले धारावी जंजिरे यांचा विकास करण्यांत येत आहे. त्याच सोबत शिवसृष्टीचे काम हाती घेण्यात आले आहे.

पर्यावरण संवर्धन व संरक्षण, प्रदुषण आटोक्यात ठेवणे, शहर स्वच्छ-सुंदर व हरित ठेवणे याविषयी भरीव काम करण्यात येत आहे.

### दिव्यांगाकरिता सोयी-सुविधा

तसेच दिव्यांगांच्या योजनांतर्गत लाभार्थ्यांना सन 2021-22 मध्ये खालीलप्रमाणे लाभ देण्यात आला आहे.

| अ. क्र. | तरतुद             | योजनेचा तपशिल                        | खर्च करण्यात आलेला निधी                                   | लाभार्थ्यांची संख्या                               |
|---------|-------------------|--------------------------------------|---|--|
| 1       | 1 कोटी<br>75 लक्ष | दिव्यांगाना आर्थिक मदत (पेंशन योजना) | रु. 1,34,26,000/-<br>लाभार्थ्यांना लाभ देण्यात आलेला आहे. | 1156 दिव्यांग लाभार्थ्यांना लाभ देण्यात आलेला आहे. |
| 2       |                   | दिव्यांगाना स्वयंरोजगाराकरीता        | 2,00,000/-  | 2  |

|   |  |  |             |  |
|---|--|--|-------------|--|
|   |  | आर्थिक मदत   |             |  |
| 3 |  | सर्व शिक्षा अभियान अंतर्गत कार्यरत काळजीवाहक यांचे मानधन | 4,64,358/-  | 6  |
| 4 |  | दिव्यांगाना आवश्यक साहित्य पुरवठा                        | 20,00,000/- | दिव्यांगाच्या प्राप्त अर्जानुसार साहित्य वाटप करण्यात येणार आहे. |
| 5 |  | दिव्यांगाना ई-ऑटो रिक्शा वाटप                            | 18,37,500/- | 10 दिव्यांग लाभार्थ्यांना लाभ देण्यात आलेला आहे.                 |

### उद्यानांचे शहर - हरित मिरा भाईंदर

ठाणे शहर हे तलावाचे शहर म्हणून प्रचलित आहे. त्याच धर्तीवर मिरा भाईंदर शहर हे उद्यानाचे शहर म्हणून प्रचलित व्हावे यासाठी शहरातील विविध उद्यानांच्या विकासाचे काम हाती घेतले.

### राज्य व देशपातळीवर शहरातील मुलांचा खेळाचा दर्जा वाढविणे.(क्रिडा)

मिरा भाईंदर शहरातील अनेक खेळाडूंनी राज्य पातळी तसेच देश पातळीवर आपले आपला ठसा उमठविण्याकरिता कुस्ती प्रशिक्षकांची नेमणूक केली आहे.

### बायोगॅस

#### (Bio-Gas) घनकचरा प्रकल्प

शहरात तयार होणाऱ्या ओल्या कचऱ्यावर, त्याच परिसरात शास्त्रोक्त पध्दतीने विल्हेवाट लावणे अपेक्षित आहे. शहरात विविध ठिकाणी 100 MT क्षमतेचे 8 प्रकल्प प्रस्तावित आहे. बरेच वर्षांपासून काही कारणास्तव काम प्रलंबित होते. आज रोजी त्यापैकी 2 बायोगॅस प्रकल्प सुरु करण्यात येत असून लवकरच उर्वरित 6 प्रकल्पांचे काम पूर्ण होईल. यामुळे सुमारे 1200 KVA इतकी वीज तयार होणार असून विज कंपनीकडून खरेदी करण्यात येणार आहे.

### परिवहन सेवा

नागरीकांना दर्जेदार परिवहन सेवा उपलब्ध करून देण्यासाठी राज्य शासन व वर्ल्ड बँक आणि पालिका निधीतून अद्यावत बस डेपो व कार्यशाळा बांधून वापरात आणली. बस प्रवर्तनासाठी इंटेलेजंट ट्रान्सपोर्ट सिस्टीम कार्यान्वित केली. नागरीकांना त्यांचे मोबाईल वरून बस लोकेशन, बस शेड्यूल, ऑटोमेटिक फेअर कलेक्शन सारख्या सुविधा उपलब्ध करून देण्यात येत आहेत.

### संगणकीकरण (OnLine नागरीक सुविधा)

नागरिकांना घर बसल्या पालिकेच्या सेवा सुविधा उपलब्ध करून देण्यासाठी मोबाईल ॲप तयार करण्यात आले. याची दखल शासनाने देखिल घेतली .

राजीव गांधी प्रशासकीय गतीमानता (प्रगती) अभियान या स्पर्धाअंतर्गत मिरा भाईंदर महानगरपालिकेने सेवा हमी कायद्याअंतर्गत 48 विविध प्रकारच्या सेवा नागरिकांना उपलब्ध करून दिल्याने मिरा भाईंदर महानगरपालिकेला तृतीय क्रमांकांने मानांकित करण्यात आले याप्रसंगी महाराष्ट्र राज्याचे मा. मुख्यमंत्री श्री. उध्दवजी ठाकरे साहेब यांचे हस्ते मा. महसूल मंत्री श्री. बाळासाहेब थोरात तसेच मा. मुख्य सचिव श्री. मनुकुमार श्रीवास्तव साहेब उपस्थित होते यांचे शुभ हस्ते गौरविण्यात आले. त्याबद्दल महाराष्ट्र राज्याचे मा. मुख्यमंत्री श्री. उध्दवजी ठाकरे व इतर सर्वांचे मनःपूर्वक आभार.

### महिला व बाल कल्याण

गरजू व गरीब महिलांना व्यवसायाकरिता 121 इडली बॅटर मशीन व 132 नग घरघंटी मशीन वाटप करण्यात आलेले आहे.

- ✓ गरीब व गरजू विधवा/घटस्फोटीत महिलांच्या मुलींच्या विवाहाकरिता एकूण 20 लाभार्थ्यांना प्रत्येकी रु.21000/- अर्थसहाय्य देण्यात आले आहे.
- ✓ गरीब व गरजू विधवा/घटस्फोटीत महिलांच्या बालकांना शिक्षणासाठी खालीलप्रमाणे मदत देण्यात आली

| शैक्षणिक इयत्ता      | वार्षिक मदत रुपये | सन 2021-22 मधील एकूण लाभार्थी संख्या |
|----------------------|-------------------|--------------------------------------|
| इयत्ता 1 ते 5        | रु.7000/-         | 208                                  |
| इयत्ता 6 ते 8        | रु.10,000/-       |                                      |
| इयत्ता 9 ते 12       | रु.12000/-        |                                      |
| इयत्ता 13 वी ते पदवी | रु.15000/-        |                                      |

- ✓ शैक्षणिक वर्षात इयत्ता 10 वी मध्ये 90 टक्केपेक्षा अधिक गुण मिळालेल्या एकूण 400 विद्यार्थ्यांना बक्षिसे, प्रमाणपत्र, मानचिन्ह देवून त्यांचा गुणगौरव करण्यात आला.
- ✓ मुली व महिलांसाठी Cervical cancer उपचारासाठी कर्करोग पिडीत एकूण 40 महिला रुग्णांना प्रत्येकी रु.25,000/- रक्कम देवून त्यांना आर्थिक सहाय्य देण्यात आलेले आहे.
- ✓ महिला व बालकल्याण समिती अंतर्गत वय वर्ष 50 वर्षावरील महिलांकरिता माय-माऊली योजने अंतर्गत वार्षिक रु.5000/- रकमेचा लाभ एकूण 300 लाभार्थ्यांना देण्यात आला आहे.
- ✓ स्तन कॅन्सर तपासणी साठी महिला व बालकल्याण समिती अंतर्गत धोरण निश्चित करून **मेमोग्राफी मशीन खरेदी** करण्यास मान्यता दिली.
- ✓ कोविड -19 च्या कालावधीमध्ये ज्या महिलांचे पतीचे निधन झाले अशा गरीब व गरजू महिलांना जागतिक महिला दिनानिमित्त प्रत्येकी रक्कम रु.4000/- प्रत्येकी असे एकूण 20 महिलांना आर्थिक सहाय्य देण्यात आलेले आहे.
- ✓ मनपाच्या स्व.इंदिरा गांधी रुग्णालय मिरारोड येथे प्रसुती झालेल्या महिला व बालकांकरिता पाळण्यासह पलंग एकूण 22 नग पुरवठा करण्यात आले.
- ✓ स्वातंत्र्याच्या अमृत महोत्सावा निमित्त कोविड-19 मुळे ज्या पाल्यांचे आई-वडिल मयत झाले आहे अशा एकूण 150 पाल्यांस दिवाळी निमित्त फराळ वाटप करण्यात आला.
- BSUP - लाभार्थ्यांना 473 घरांचे वाटप करण्यात आले.
- साफ-सफाई :- स्वतः कामकाजाची पाहणी केली व करित आहोत. त्यामुळे साफसफाई योग्य रितीने होण्याच्या दृष्टीने अधिकारी व ठेकेदारांसोबत बैठका घेतल्या.
- शहराचे प्रवेशद्वार असलेले काशिमिरा उड्डाणपुलाखालील बेवारस वाहने हटवून जागा स्वच्छ करण्यात आली व त्या ठिकाणी रंगरंगोटी करून परिसर सुशोभित करण्यात आला.
- शहरातील अतिक्रमणे व अनधिकृत बांधकामावरील कारवाई (दि.01/04/2021 ते दि.28/02/2022):-

| प्रभाग क्र. | निदर्शनास आलेली अनधिकृत बांधकामे |                   | निष्कासित केलेली अनधिकृत बांधकामे |                   | 260/52/53 अन्वये नोटीसा देण्यात आलेली अनधिकृत बांधकामे |                   | न्यायालयीन स्थगिती असलेली अनधिकृत बांधकामे |                   | फौजदारी पोलीस तक्रारी दाखल केलेली अनधिकृत बांधकामे |                   | निष्कासित करावयाची शिल्लक बांधकामे |                   |
|-------------|----------------------------------|-------------------|-----------------------------------|-------------------|--|-------------------|--|-------------------|--|-------------------|------------------------------------|-------------------|
|             | पक्की                            | कच्ची (झोप ड्या व | पक्की                             | कच्ची (झोप ड्या व | पक्की  | कच्ची (झोप ड्या व | पक्की                                      | कच्ची (झोप ड्या व | पक्की  | कच्ची (झोप ड्या व | पक्की                              | कच्ची (झोप ड्या व |
|             |                                  |                   |                                   |                   |  |                   |  |                   |  |                   |                                    |                   |

|      |     |      |     |      |    |      |    |      |    |      |    |      |
|------|-----|------|-----|------|----|------|----|------|----|------|----|------|
|      |     | इतर) |     | इतर) |    | इतर) |    | इतर) |    | इतर) |    | इतर) |
| एकुण | 810 | 1528 | 799 | 1510 | 43 | 31   | 03 | 01   | 11 | 01   | 21 | 10   |

वरील उल्लेखनिय कामे पहाता व त्यांच्या कामाची शासनाकडून घेतलेली दखल यांच्या कामामुळे मिरा भाईंदर महानगरपालिकेचे राज्यात झालेले नाव/प्रतिष्ठा ही मिरा भाईंदर रहिवाशीयांसाठी भुषणावह आहे.

कोणत्याही दबावाला न जुमानता श्री. दिलीप ढोले, आयुक्त मिरा भाईंदर महानगरपालिका यांनी त्यांचे एक वर्षाच्या आयुक्त पदावर कार्यकाळात त्यांच्या विशेष कार्यशैली व कुशल नेतृत्व याची छाप पाडली. त्यांची शहरा प्रति असलेली आत्मियता व हाती घेतलेले काम तडीस नेण्यासाठी 100 टक्के सर्मपण, स्वतःला कामात झोकून देणे. अशा कर्तव्यपारायण अधिकाऱ्यांचा आज अभिनंदन ठराव मांडत आहोत त्यांच्या पुढील कार्यकाळात शहराचा आणखी झपाट्याने विकास होईल यात शंका नाही.

जुबेर इनामदार :-

माझे अनुमोदन आहे.

प्रशांत दळवी :-

महापौर मॅडम ह्या ठिकाणी सभागृह चालू होऊन ही दुसरीच मिटींग आहे. महापौर मॅडम आपण एक मधली मिटींग तहकुब केली होती आणि त्याच्या अगोदरच्या पहिल्या सभेलाही प्रत्येक सन्मा. सदस्यांने येथे अभिनंदनाचे ठराव मांडले. महापौर मॅडम मी ठराव मांडत असताना प्रशासनाची त्यात बरोबर बॉडीचेही तेवढेच कौतुक झाले पाहिजे. बॉडीने तेवढेच काम केले. सन्मा. सदस्यांनी ही तेवढीच काम केलीत मग कोरोना असो किंवा नाही त्यामुळे सर्वांनी चांगले काम केली आणि म्हणून महापौर मॅडम जर प्रशासनावरती एवढा विश्वास आहे विरोधकांचा किंवा मग आम्ही सत्ताधारी म्हणून तर महापौर मॅडम ह्या आजच्या ह्या सभेमध्ये 2 ते 16 हे विषय आहेत. महापौर मॅडम माझी आपणांस विनंती राहिल हे 2 ते 16 विषय अनुक्रमे याला मी मंजूरी देत आहे असा ठराव मांडत आहे. याला मंजूरी देण्यात यावी. कोणाचेही याच्याबद्दल दुमत असण्याचे कारण नाही कारण महापौर मॅडम इथे प्रत्येकाने प्रशासनाचे एवढे तोंड भरून कौतुक केलं बॉडीचेही कौतुक व्हायला पाहिजे. प्रत्येक सन्मा. सदस्याने काम केलेली आहेत महापौर मॅडम आणि चुकीचे विषय नाही येत नाही महापौर मॅडम कधी आपण घेतलेले सुध्दा नाहीत चुकीचे विषय तर महापौर मॅडम एक विनंती असेल माझी सचिव साहेब सगळ्यांना सांगून महापौर मॅडम जर हे होणार असेल तर आपण ही सभा आटपूया.

मा. महापौर :-

सन्मा. सभागृहनेते दळवी साहेब यांनी ह्या ठिकाणी जे वक्तव्य केले आहे अतिशय मी त्यांचेही कौतुक करते की खरोखरच ज्या पध्दतीने प्रशासनाचे कामकाज चालले आहे त्याच बरोबर इथे सन्मा. जे लोकप्रतिनिधी आहेत त्यांचा ही हातभार त्यामध्ये आहे. त्यामुळे जस प्रशासनाला अभिवादन आहे त्याचप्रमाणे ह्या ठिकाणी बसलेल्या सर्व सन्मा. नगरसेवकांचे सुध्दा अभिनंदन आहे. कुठे ना कुठे आपण ही त्यांच्या कार्यामध्ये हातभार लावत असतो तेव्हा प्रशासनाला पाठबळ मिळते आणि त्यामुळेच आपले आयुक्त महोदय आणि त्यांची संपूर्ण टीम चांगल्या पध्दतीने ह्या शहरामध्ये काम करत आहे. मला वाटते आता विषयाला सुरुवात करा.

**अभिनंदन ठराव क्र. 02 :-**

रिटा शहा यांचे सर्व प्रथम आभार कारण त्यांनी लक्षवेधी आणली ती झालेल्या कामाबाबत. यापुर्वी लक्षवेधी प्रशासन काम करित नाहीत म्हणून आल्या आहेत. त्यांच्या लक्षवेधी मुळेच आयुक्त श्री. ढोले यांच्या एक वर्षाचा कार्यकाळातील मागे जावून कामाचा आढावा घ्यावा लागला. नगरसेवक/नगरसेविका/पदाधिकारी नव्हेच तर सर्व सामान्य नागरीक यांच्या कामाने प्रभावीत झाले आहेत. शहरात शिरताना येवढे बकाळ वाटत असे पण आज काशीमिरा उड्डाण पुल किंवा शहरातील

दर्शनी भागावरील खराब झालेल्या भिंती आज उजळून निघाल्या आहेत आणि आपल्या शहराची महती सांगत आहेत असे वाटते.

**एक वर्षात केलेल्या कामाचा लेखा-जोखा**

बऱ्याच वर्षांपासून प्रलंबीत असलेली कर्मचाऱ्यांची पदोन्नती

| अ.क्र. | पदनाम                     | संख्या |
|--------|---------------------------|--------|
| 1.     | सिस्टीम मॅनेजर            | 01     |
| 2.     | लेखाधिकारी                | 01     |
| 3.     | अधिपरिचारीका              | 08     |
| 4.     | हेडमाळी                   | 05     |
| 5.     | मिस्त्री                  | 01     |
| 6.     | कार्यालय अधिक्षक          | 07     |
| 7.     | सहाय्यक अधिसेविका         | 01     |
| 8.     | उप मुख्य स्वच्छता अधिकारी | 02     |
| 9.     | शाखा अभियंता              | 10     |
| 10.    | अग्निशमन केंद्र अधिकारी   | 3      |
| 11.    | शस्त्रक्रिया गृहपरिचर     | 1      |
| 12.    | परिसेविका                 | 2      |
| 13.    | कार्य अभियंता             | 2      |
|        | एकूण                      | 44     |

|    |  |            |            |
|----|--|------------|------------|
| 1. | <b>स्थायित्व प्रमाणपत्र</b>  |            |            |
|    | स्थायित्व प्रमाणपत्र देण्यात आलेल्या अधिकारी/कर्मचारी संख्या                                       | अनु.जाती   | अनु.जमाती  |
|    | <b>783</b>   | <b>141</b> | <b>118</b> |
| 2. | <b>मराठी/हिंदी भाषा सुट</b>  |            |            |
|    | मराठी/हिंदी भाषा सुट देण्यात आलेल्या अधिकारी/कर्मचारी संख्या                                       | अनु.जाती   | अनु.जमाती  |
|    | <b>211</b>   | <b>28</b>  | <b>39</b>  |
| 3. | <b>परिविक्षाधीन कालावधी</b>  |            |            |
|    | परिविक्षाधीन कालावधी समाप्त करण्यात आलेल्या अधिकारी/ कर्मचारी संख्या                               | अनु.जाती   | अनु.जमाती  |
|    | <b>298</b>   | <b>33</b>  | <b>62</b>  |
| 4. | <b>सेवेच्या 50/55 वर्षी पुनर्विलोकन</b>  |            |            |
|    | सेवेच्या 50/55 वर्षी पुनर्विलोकन करण्यात आलेल्या अधिकारी/ कर्मचारी संख्या                          | अनु.जाती   | अनु.जमाती  |
|    | <b>86</b>  | <b>11</b>  | <b>06</b>  |
| 5. | <b>अनुकंपा/वारस</b>  |            |            |
|    | अनुकंपा तत्वावर/कोरोना काळात मरत झालेल्या कर्मचाऱ्यांच्या वारसास मनपा सेवेत नियुक्ती केलेली संख्या | अनु.जाती   | अनु.जमाती  |

|   | 11   | 03  | 02        |
|---|--|---|-----------|
| 6.  | <b>लाड/पांगे शिफारसी</b>   |   |           |
|   | लाड/पांगे शिफारशीनुसार मनपा सेवेत नियुक्ती केलेली संख्या   | अनु.जाती  | अनु.जमाती |
|   | <b>04</b><br>(उर्वरित 04 प्रस्तावित आहेत)  | <b>04</b>   | -         |
| 7.  | <b>श्रम साफल्य आवास योजना</b>  |   |           |
|   | संख्या   | अनु.जाती  | अनु.जमाती |
|   | डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर श्रम साफल्य आवास योजनेअंतर्गत महानगरपालिकेमध्ये 25 वर्षे सेवा झालेल्या 45 लाभार्थी व 23 मृत लाभार्थी असे एकुण 68 लाभार्थ्यांना दि.03/08/2015 रोजी घरे वाटप करण्यात आली. | <b>41 लाभार्थ्यांना घर वाटप करण्यात आलेली आहेत.</b> | -         |
| उर्वरित पात्र 178 सफाई कामगारांना घरे देण्याबाबत मान्यता मिळणेकरीता प्रस्ताव मा. जिल्हाधिकारी सो., जिल्हाधिकारी कार्यालय ठाणे तसेच सहा.आयुक्त समाजकल्याण विभाग यांचेकडे सादर करण्यात आला आहे. | -  | -   |           |

### **वैद्यकिय आरोग्य कोरोना-**

आयुक्तांचा कार्यकाळ सुरु झाला तो कोरोना सारख्या दुसऱ्या महामारिच्या लाटेने, जेव्हा रुग्णांच्या संख्येत झपाट्याने वाढ होत होती, वैद्यकिय सेवा-सुविधांचा सर्व देशात, राज्यात तुटवटा होता. अशा बीकट परिस्थितीत त्यांनी Control, Capacity and Care या त्रिसुत्री कार्यक्रम राबविला व शहर कोरोना मात करण्यात यशस्वी झाले. आज रोजी मिरा भाईंदर महानगरपालिका केंद्र शासन व राज्य शासनाने दिलेल्या इंष्टांकापेक्षा दुपटीने अधिक ऑक्सीजन, औषधे व इतर सुविधा मध्ये परिपूर्ण आहे. तसेच राज्यात लसीकरणामध्ये देखिल मिरा भाईंदर महानगरपालिका अग्रेसर आहे. याची पोच पावती म्हणजे

- ❖ दिनांक ८ ऑक्टोबर २०२१ रोजी मा. महामहीम राज्यपाल श्री. भगत सिंहजी कोश्यारी यांच्या हस्ते सन्मान करण्यात आला. त्यामध्ये प्राप्त रक्कम मिरा भाईंदर क्षेत्रातील कोविडमूळे निराधार झालेल्या मुलांच्या शिक्षणासाठी देण्यात आली.
- ❖ दिनांक 25 मार्च 2022 रोजी मा. भारताचे रस्ते वाहतूक व महामार्ग मंत्री श्री. नितीन गडकरी यांच्या शुभ हस्ते सकाळ सन्मान 2022 या कार्यक्रमात सन्मानचिन्ह देऊन गौरविण्यात आले.
- ❖ ठाणे येथे मा. पालक मंत्री ठाणे व गडचिरोली आणि मा. नगर विकास तथा बांधकाम मंत्री मा. श्री. एकनाथजी शिंदे साहेब तसेच मा. राज्यमंत्री, जलसंपदा व लाभक्षेत्र विकास, शालेय शिक्षण, महिला व बालविकास इतर मागास वर्ग, सामाजिक व शैक्षणिक मागास प्रवर्ग, विमुक्त जाती, भटक्या जमाती आणि विशेष मागास प्रवर्ग कल्याण, कामगार श्री. ओमप्रकाश उर्फ बच्चू कडू यांचे शुभ हस्ते गौरविण्यात आले.



कोरोनामध्ये थोडी उसंत मिळाली पण ते थांबले नाहीत. त्यांनी Walk with Commissioner ही संकल्पना राबविली व सर्व मिरा भाईंदर महानगरपालिका कार्यक्षेत्र पिंजून काढले त्यामुळे नागरीकांच्या मूळ समस्याची जाणीव झाली.

शहरातील मुख्य समस्या पाणी- ही दोन प्रकारे होती

### 3) पिण्याचे पाणी

4) पावसाचे पाणी या दोन्ही बाबीमुळे शहरातील नागरीकांच्या डोळ्यात पाणी येत होते. ही समस्या दूर करण्यासाठी त्यांनी प्राधान्य दिले.

मिरा भाईंदर महानगरपालिकेस शहाड-टेमघर व एमआयडीसीकडून पाणी पुरवठा होत होता, त्यामध्ये होणारी गळती शोधून काढली, ज्या इंष्टाकाप्रमाणे पाणी येणे अपेक्षित होते तेवढा पाणी पुरवठा होत नव्हता तो सुरु करून घेतला त्याकरिता एका उपअभियंत्याची नेमणूक केली व येणाऱ्या पाणी पुरवठ्याची नियमित नोंद ठेवण्यास सुरुवात झाली.

दुसरी बाब म्हणजे मिळणाऱ्या पाण्यापेक्षा अधिकचे बील महापालिका अदा करत होती याकरिता शहरात प्रवेश होणाऱ्या पाण्याच्या ठिकाणी मिटर बॉक्स बसवून घेतला यापुर्वी तो कापूर बावडी येथे होता.

नवघर येथील जनतेला नेहमीच पाणी पुरवठा कमी होत होता त्यासाठी नवीन जलकुंभातून पाणी पुरवठा होण्यासाठी नवीन जलवाहीनी अंतरण्यात आली. यापुर्वी शहरात विषम पाणी पुरवठा होत होता काही ठिकाणी 36 तास तर काही भागात 52 तांचे नियोजन करून शहरात एकसारखा पाणी पुरवठा होईल याची उपाययोजना केल्या.

एमएमआरडीए यांचेकडे सातत्याने समन्वय साधून सुर्या प्रकल्पाचे काम पूर्ण होण्यासाठी प्रयत्नशील राहिले. मिरा भाईंदर महानगरपालिका पुढील वर्षापासून मुबलक पाणी पुरवठा होईल. सुर्या धरणातून येणारे पाणी महापालिकेत आल्यानंतर सर्वांना समान वाटप झाले पाहिजे करिता सर्व शहरात पाण्याची लाईन अंतरण्याचे काम हाती घेतले. तसेच पाण्याची साठवून केली पाहिजे करिता मोठ्या पाण्याच्या टाक्या (जलकुंभ) बांधण्याचे काम सुरु केले.

पावसाळ्यात येणाऱ्या पाण्यामुळे सखल भागात पाणी सुचवून नागरीकांचे आर्थिक नुकसान होत होते. त्याचे मूळ कारण, स्त्रोत लक्षात घेण्यासाठी सर्व प्रथम शहरातील सखल भागाची तसेच डोंगरातून शहरात येणाऱ्या पाण्याच्या स्त्रोताची पहाणी केली . समुद्रात पाणी जाण्यासाठी कांदळवनाच्या मुळाची बाधा होत होती, तेथे गाळ साचला जात होता त्यामुळे पाण्याचा निचरा व्यवस्थित होत नव्हता. याकरिता कांदळवन समिती(शासनाकडून) परवानगी मिळविल्या. काही भागात नाल्याची रुंदी वाढविणे आवश्यक होते. अशा ठिकाणी नवीन नाल्याचे काम हाती घेतले. नाल्याच्या सुरुवातीला व शेवटी स्क्रीनिंग जाळ्या बसविल्या त्यामुळे जंगलातून येणारी झाडे-झुडपे, कचरा यांना अटकाव झाला. तसेच जेथे नागरीक नाल्याच्या शेजारी रहातात ते नाल्यात कचरा टाकतात तेथे नाले बंदीस्त करण्यात आले. यामुळे दरवर्षी पेक्षा मागील वर्षी शहरात कमी पाणी साचले. असे सर्व सामान्य नागरीक देखिल बोलत होते.

➤ कोरोना मध्ये मागील 2 वर्षे शाळा सुरु होवू शकल्या नाहीत परंतु आता कोरोनाची लाट ओसरली असून शाळा सुरु झाल्या आहेत. परंतु शाळा सुरु होणार हे लक्षात घेवून शहरात 3 नवीन शाळांचे बांधकाम पूर्ण केले तसेच शाळा सुरु होण्यापूर्वी शाळेतील साफ-सफाई डागडुजीचे काम करण्यासाठी सर्व संबंधित विभागांना आदेश दिले. आता सेमी इंग्रजी वर्ग सुरु करण्यासाठी सातत्याने शिक्षकांची आढावा बैठक आयोजित करून शाळेतील समस्यांची माहिती घेतली. शिक्षकांना देखिल प्रशिक्षण देण्यासाठी विविध संस्था सोबत बैठक घेत आहेत.

“सफाई मित्र सुरक्षा चॅलेंज” या राष्ट्रीय अभियानात मिरा भाईंदर महानगरपालिकेने राज्यात दुसरा क्रमांक पटकाविला. तसेच स्वच्छ सर्वेक्षण 2021 मध्ये 9 वा क्रमांक मिळवला आहे.

- क्रिसिल तर्फे मिरा भाईंदर महापालिकेला सन 2021-22 वित्तीय वर्षात (CCR A/Stable) पतमानांकन प्राप्त केले आहे. क्रिसिलने “Strong Operating Performance & Healthy Financial Risk Profile” असे अभिप्राय दिलेले आहेत.

### जनसंपर्क

महानगरपालिकेमार्फत विविध विकास कामे, लोकोपयोगी नागरी कामे करण्यात येतात तसेच योजना राबविण्यात येतात. सदरची कामे / योजना जनमाणसांत पाहोचविण्याकरीता महापालिकेडून फेसबुक, ट्विटर, इन्स्टाग्राम सारख्या सामाजिक माध्यमांचा (सोशल मिडीया) वापर तसेच वेळोवेळी प्रेसनोट प्रसिध्द करण्यात येत आहेत. त्यामुळे महानगरपालिका करीत असलेली कामे नागरिकांपर्यंत पोहोचत आहेत. या संदर्भात पुण्यातील पॉलिसी रिसर्च ऑर्गनायझेशन या संस्थेच्या वतीने सर्वेक्षण करून शहरांच्या ई-गव्हर्नन्स सध्यस्थितीचा अहवाल माहे जानेवारी 2022 मध्ये प्रसिध्द केला. सदर अहवालातील सोशल मिडीया विभागात मिरा भाईंदर महापालिका प्रथम क्रमांकावर आहे.

### जाहिरात

सन 2014 पासून थकीत असलेली जाहिरात कराची जवळ जवळ रु.4 कोटींची थकबाकी वसूल करण्यात आली.

### विधी

सातत्याने पाठपुरावा करून शहरातील विकास कामांसंदर्भात मा. न्यायालय, ठाणे येथे प्रलंबित 58 दावे व मा. उच्च न्यायालय, मुंबई येथे प्रलंबित 36 दावे निकाली काढण्यात आले.

### अग्निशमन विभाग :-

- ✓ TTL (Turntable Ladder) 68 Meter
- ✓ ALP (Areal Ladder Platform) 90 Meter

वरील दोन्ही गाड्या मुंबई महापालिकेनंतर फक्त मिरा भाईंदर महानगरपालिकेकडेच आहेत.

### बांधकाम

#### शहरात सिमेंट काँक्रीटचे रस्ते

शहराची ओळख ही तेथील रस्त्यांच्या सुस्थितीवरून दिसून येतो. मा.महासभेने पारीत केलेल्या प्रस्तावानुसार मिरा-भाईंदर शहरात सुमारे 1000 कोटींचे सिमेंट काँक्रीटचे रस्ते येत्या 5 वर्षात बांधावयाचे आहेत. त्याची तयारी सुरु करण्यात आली.

- भाईंदर -दहिसर लिंक रोडचे काम
- मिरा भाईंदर महानगरपालिका हद्दीतील भाईंदर (पूर्व) आरक्षण क्र.108 विकास योजनेतील मार्केट विकसित करणे.
- मौजे महाजनवाडी येथे तरण तलाव बांधणे.
- भाईंदर (पूर्व) स्टेशन लगतच्या परिसराचे सुशोभीकरण करणे
- भाईंदर (प.) स्टेशन लगतच्या परीसराचे सुशोभीकरण करणे.
- भाईंदर (पूर्व) आरक्षण क्र.122 या जागेत हिंदुहृदय सम्राट स्व. बाळासाहेब ठाकरे यांचे कला दालन उभारणे.(टप्पा-1)
- रा.म.क्र.8 वरील काशिमीरा उड्डाणपुलाखालील जागेमध्ये उद्याने विकसित, सुशोभीकरण करणे.
- मिरारोड (पूर्व) इंदिरा गांधी हॉस्पिटल येथे वाढीव मजले बांधणे.
- घोडबंदर किल्ला परिसर सुशोभीकरण करणे व जतन करणे. (टप्पा-2)
- मेडीटेशन सेंटर बांधणे. (भाग-1) व (भाग-2)

- भाईदर (पुर्व) आरक्षण क्र.241 कम्युनिटी सेंटर अंतर्गत सजावट करणे.
- भाईदर (पुर्व) नवघर लोकमान्य टिळक सभागृह पहील्या मजल्याचे बांधकाम करणे.
- काशिमिरा पोलिस चौकी जवळच्या मौजे मिरा सि.स.क्र. 1214, 1215, 1259 ते 1262, 1291 ते 1294, 1309 ते 1311, 1335 ते 1338, 1389, 1390, 1424 ते 1435, 1489, 1490 व 1445 या जागेत मंजुर रेखांकनामधील क्षेत्रामध्ये पशुवैद्यकीय दवाखाना इमारत बांधणे.
- मिरागांव आरक्षण क्र.356 उर्दुशाळा इमारत बांधणे.
- मिरारोड (पुर्व) आरक्षण क्र.300 या जागेत स्वर्गिय प्रमोद महाजन यांचे कला दालन बांधणे.
- घोडबंदर प्रवेशद्वारा समोरील छत्रपती शिवाजी महाराज पुतळा सभोवतालीच्या वाहतुक चौक परिसराचे सुशोभिकरण करणे.
- मिरारोड (पुर्व) आरक्षण क्र.241, येथे कम्युनिटी हॉल विकसित करणे.
- मिरारोड (पुर्व) साईबाबा नगर ते शितल नगर पर्यंत रस्ता UTWT करणे.
- मिरारोड (पूर्व) आरक्षण क्र. 357 विकसित करणे.
- आरक्षण क्र. 314, एन.जी. पॅरेडाईस समोर गार्डन विकसित करणे.
- भाईदर (प.) राई आरक्षण क्र.56 बहुउद्देशीय इमारतीत पहिल्या मजल्याचे बांधकाम करणे.
- भाईदर (प) सुभाषचंद्र बोस मैदान ते उत्तन गाव (टप्पा-2) रस्त्याचे रुंदीकरण व मजबूती करणे.
- भाईदर (प.) तोदी बंगला रस्ता रुंदीकरण करणे.
- मिरागाव आ.क्र. 334, 335 मागून ते आ.क्र. 336 पर्यंत जाणारा 15 मीटर विकास योजनेतील रस्ता व गटर तयार करणे.
- मिरारोड (पुर्व) नरेंद्र पार्क ते उड्डाणपूल पर्यंतचा रस्ता UTWT करणे.
- भाईदर (प.) डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मार्गालगत असलेल्या विद्यमान अग्निशमन केंद्र इमारतीच्या जागेत कम्युनिटी हॉल बांधणे.
- राष्ट्रीय महामार्ग क्र.8 रस्ता खालुन पावसाळी व सांडपाण्याचा निचरा करणेसाठी 2000 मिमी व्यासाची आर.सी.सी. पाईप जॅकिंग ऍण्ड पुशिंग पध्दतीने वर्सोवा व साई पॅलेस हॉटेल येथे टाकणे.
- भाईदर (पुर्व) नवघर शाळा क्र.13 येथे वाढीव दोन मजल्याचे बांधकाम करणे.
- बि.एस.यु.पी. प्रकल्प जनता नगर जे-1 पॅकेज
- बि.एस.यु.पी. प्रकल्प जनता नगर जे-3 पॅकेज
- बि.एस.यु.पी. प्रकल्प काशी चर्च पॅकेज
- अमृत योजनेअंतर्गत नाले बांधणे (भाग - 2)
- दैनंदिन 50 किलो कचरा तयार करणाऱ्या सोसायट्यांना त्यांचा कचरा त्यांचे आवारात प्रक्रीया करणे तसेच
- शहरात सुमारे 500 सी.सी.टी.व्ही. कॅमेरे बसवून कार्यान्वित करण्यात आले.
- स्थानिक लेखा निधीचे एकूण 130 व अंतर्गत लेखा परीक्षणाचे एकूण 189 लेखा आक्षेपांची पूर्तता करून घेण्यात आली.

### शहराचे सुशोभिकरण व विकास कामे.

भारतीय स्वातंत्र्यांचे अमृत महोत्सवी वर्ष सुरु असून, या वर्षात सर्व महापुरुष स्वातंत्र्यसेनांनी यांना स्मरण करून भावी पिढीला त्यांच्या कार्याचे स्मरण करून देणे अपेक्षित आहे. या अभियानाचा एक भाग म्हणून शहरातील ऐतिहासिक किल्ले घोडबंदर व किल्ले धारावी जंजिरे यांचा विकास करण्यांत येत आहे. त्याच सोबत शिवसृष्टीचे काम हाती घेण्यात आले आहे.

पर्यावरण संवर्धन व संरक्षण, प्रदुषण आटोक्यात ठेवणे, शहर स्वच्छ-सुंदर व हरित ठेवणे याविषयी भरीव काम करण्यात येत आहे.

### दिव्यांगाकरिता सोयी-सुविधा

तसेच दिव्यांगांच्या योजनांतर्गत लाभार्थ्यांना सन 2021-22 मध्ये खालीलप्रमाणे लाभ देण्यात आला आहे.

| अ. क्र. | तरतुद             | योजनेचा तपशिल  | खर्च करण्यात आलेला निधी                                   | लाभार्थ्यांची संख्या   |
|---------|-------------------|--|---|--|
| 1       | 1 कोटी<br>75 लक्ष | दिव्यांगाना आर्थिक मदत (पेंशन योजना)                     | रु. 1,34,26,000/-<br>लाभार्थ्यांना लाभ देण्यात आलेला आहे. | 1156 दिव्यांग लाभार्थ्यांना लाभ देण्यात आलेला आहे.                 |
| 2       |                   | दिव्यांगाना स्वयंरोजगाराकरिता आर्थिक मदत                 | 2,00,000/-  | 2  |
| 3       |                   | सर्व शिक्षा अभियान अंतर्गत कार्यरत काळजीवाहक यांचे मानधन | 4,64,358/-  | 6  |
| 4       |                   | दिव्यांगाना आवश्यक साहित्य पुरवठा                        | 20,00,000/-   | दिव्यांगांच्या प्राप्त अर्जांनुसार साहित्य वाटप करण्यात येणार आहे. |
| 5       |                   | दिव्यांगाना ई-ऑटो रिक्षा वाटप                            | 18,37,500/-   | 10 दिव्यांग लाभार्थ्यांना लाभ देण्यात आलेला आहे.                   |

### उद्यानांचे शहर - हरित मिरा भाईंदर

ठाणे शहर हे तलावाचे शहर म्हणून प्रचलित आहे. त्याच धर्तीवर मिरा भाईंदर शहर हे उद्यानाचे शहर म्हणून प्रचलित व्हावे यासाठी शहरातील विविध उद्यानांच्या विकासाचे काम हाती घेतले.

### राज्य व देशपातळीवर शहरातील मुलांचा खेळाचा दर्जा वाढविणे.(क्रिडा)

मिरा भाईंदर शहरातील अनेक खेळाडूंनी राज्य पातळी तसेच देश पातळीवर आपले आपला ठसा उमठविण्याकरिता कुस्ती प्रशिक्षकांची नेमणूक केली आहे.

### बायोगॅस

#### (Bio-Gas) घनकचरा प्रकल्प

शहरात तयार होणाऱ्या ओल्या कचऱ्यावर, त्याच परिसरात शास्त्रोक्त पध्दतीने विल्हेवाट लावणे अपेक्षित आहे. शहरात विविध ठिकाणी 100 MT क्षमतेचे 8 प्रकल्प प्रस्तावित आहे. बरेच वर्षांपासून काही कारणास्तव काम प्रलंबित होते. आज रोजी त्यापैकी 2 बायोगॅस प्रकल्प सुरु करण्यात येत असून लवकरच उर्वरित 6 प्रकल्पांचे काम पूर्ण होईल. यामुळे सुमारे 1200 KVA इतकी वीज तयार होणार असून विज कंपनीकडून खरेदी करण्यात येणार आहे.

### परिवहन सेवा

नागरीकांना दर्जेदार परिवहन सेवा उपलब्ध करून देण्यासाठी राज्य शासन व वर्ल्ड बँक आणि पालिका निधीतून अद्यावत बस डेपो व कार्यशाळा बांधून वापरात आणली. बस प्रवर्तनासाठी इंटेलिजंट ट्रान्सपोर्ट सिस्टीम कार्यान्वित केली. नागरीकांना त्यांचे मोबाईल वरून बस लोकेशन, बस शेड्यूल, अ‍ॅटोमेटिक फेअर कलेक्शन सारख्या सुविधा उपलब्ध करून देण्यात येत आहेत.

### संगणकीकरण (OnLine नागरीक सुविधा)

नागरिकांना घर बसल्या पालिकेच्या सेवा सुविधा उपलब्ध करून देण्यासाठी मोबाईल ॲप तयार करण्यात आले. याची दखल शासनाने देखिल घेतली .

राजीव गांधी प्रशासकीय गतीमानता (प्रगती) अभियान या स्पर्धाअंतर्गत मिरा भाईंदर महानगरपालिकेने सेवा हमी कायद्यांतर्गत 48 विविध प्रकारच्या सेवा नागरिकांना उपलब्ध करून दिल्याने मिरा भाईंदर महानगरपालिकेला तृतीय क्रमांकांने मानांकित करण्यात आले याप्रसंगी महाराष्ट्र राज्याचे मा. मुख्यमंत्री श्री. उध्दवजी ठाकरे साहेब यांचे हस्ते मा. महसूल मंत्री श्री. बाळासाहेब थोरात तसेच मा. मुख्य सचिव श्री. मनुकुमार श्रीवास्तव साहेब उपस्थित होते यांचे शुभ हस्ते गौरविण्यात आले. त्याबद्दल महाराष्ट्र राज्याचे मा. मुख्यमंत्री श्री. उध्दवजी ठाकरे व इतर सर्वांचे मनःपूर्वक आभार.

### महिला व बाल कल्याण

गरजू व गरीब महिलांना व्यवसायाकरिता 121 इडली बॅटर मशीन व 132 नग घरघंटी मशिन वाटप करण्यात आलेले आहे.

- ✓ गरीब व गरजू विधवा/घटस्फोटीत महिलांच्या मुलींच्या विवाहाकरिता एकूण 20 लाभार्थ्यांना प्रत्येकी रु.21000/- अर्थसहाय्य देण्यात आले आहे.
- ✓ गरीब व गरजू विधवा/घटस्फोटीत महिलांच्या बालकांना शिक्षणासाठी खालीलप्रमाणे मदत देण्यात आली

| शैक्षणिक इयत्ता      | वार्षिक मदत रुपये | सन 2021-22 मधील एकूण लाभार्थी संख्या |
|----------------------|-------------------|--------------------------------------|
| इयत्ता 1 ते 5        | रु.7000/-         | 208                                  |
| इयत्ता 6 ते 8        | रु.10,000/-       |                                      |
| इयत्ता 9 ते 12       | रु.12000/-        |                                      |
| इयत्ता 13 वी ते पदवी | रु.15000/-        |                                      |

- ✓ शैक्षणिक वर्षात इयत्ता 10 वी मध्ये 90 टक्केपेक्षा अधिक गुण मिळालेल्या एकूण 400 विद्यार्थ्यांना बक्षिसे, प्रमाणपत्र, मानचिन्ह देवून त्यांचा गुणगौरव करण्यात आला.
- ✓ मुली व महिलांसाठी Cervical cancer उपचारासाठी कर्करोग पिडीत एकूण 40 महिला रुग्णांना प्रत्येकी रु.25,000/- रक्कम देवून त्यांना आर्थिक सहाय्य देण्यात आलेले आहे.
- ✓ महिला व बालकल्याण समिती अंतर्गत वय वर्ष 50 वर्षावरील महिलांकरिता माय-माऊली योजने अंतर्गत वार्षिक रु.5000/- रकमेचा लाभ एकूण 300 लाभार्थ्यांना देण्यात आला आहे.
- ✓ स्तन कॅन्सर तपासणी साठी महिला व बालकल्याण समिती अंतर्गत धोरण निश्चित करून **मेमोग्राफी मशीन खरेदी** करण्यास मान्यता दिली.
- ✓ कोविड -19 च्या कालावधीमध्ये ज्या महिलांचे पतीचे निधन झाले अशा गरीब व गरजू महिलांना जागतिक महिला दिनानिमित्त प्रत्येकी रक्कम रु.4000/- प्रत्येकी असे एकूण 20 महिलांना आर्थिक सहाय्य देण्यात आलेले आहे.
- ✓ मनपाच्या स्व.इंदिरा गांधी रुग्णालय मिरारोड येथे प्रसुती झालेल्या महिला व बालकांकरिता पाळण्यासह पलंग एकूण 22 नग पुरवठा करण्यात आले.
- ✓ स्वातंत्र्याच्या अमृत महोत्सावा निमित्त कोविड-19 मुळे ज्या पाल्यांचे आई-वडिल मयत झाले आहे अशा एकूण 150 पाल्यांस दिवाळी निमित्त फराळ वाटप करण्यात आला.
- BSUP - लाभार्थ्यांना 473 घरांचे वाटप करण्यात आले.
- साफ-सफाई :- स्वतः कामकाजाची पाहणी केली व करित आहोत. त्यामुळे साफसफाई योग्य रितीने होण्याच्या दृष्टीने अधिकारी व ठेकेदारांसोबत बैठका घेतल्या.
- शहराचे प्रवेशद्वार असलेले काशिमिरा उड्डाणपुलाखालील बेवारस वाहने हटवून जागा स्वच्छ करण्यात आली व त्या ठिकाणी रंगरंगोटी करून परिसर सुशोभित करण्यात आला.

➤ शहरातील अतिक्रमणे व अनधिकृत बांधकामावरील कारवाई (दि.01/04/2021 ते दि.28/02/2022):-

| प्रभाग क्र. | निदर्शनास आलेली अनधिकृत बांधकामे |                        | निष्कासित केलेली अनधिकृत बांधकामे |                        | 260/52/53 अन्वये नोटीसा देण्यात आलेली अनधिकृत बांधकामे |                        | न्यायालयीन स्थगिती असलेली अनधिकृत बांधकामे |                        | फौजदारी पोलीस तक्रारी दाखल केलेली अनधिकृत बांधकामे |                        | निष्कासित करावयाची शिल्लक बांधकामे |                        |
|-------------|----------------------------------|------------------------|-----------------------------------|------------------------|--|------------------------|--|------------------------|--|------------------------|------------------------------------|------------------------|
|             | पक्की                            | कच्ची (झोप ड्या व इतर) | पक्की                             | कच्ची (झोप ड्या व इतर) | पक्की  | कच्ची (झोप ड्या व इतर) | पक्की                                      | कच्ची (झोप ड्या व इतर) | पक्की  | कच्ची (झोप ड्या व इतर) | पक्की                              | कच्ची (झोप ड्या व इतर) |
| एकुण        | 810                              | 1528                   | 799                               | 1510                   | 43   | 31                     | 03   | 01                     | 11   | 01                     | 21                                 | 10                     |

वरील उल्लेखनिय कामे पहाता व त्यांच्या कामाची शासनाकडून घेतलेली दखल यांच्या कामामुळे मिरा भाईंदर महानगरपालिकेचे राज्यात झालेले नाव/प्रतिष्ठा ही मिरा भाईंदर रहिवाशीयांसाठी भुषणावह आहे.

कोणत्याही दबावाला न जुमानता श्री. दिलीप ढोले, आयुक्त मिरा भाईंदर महानगरपालिका यांनी त्यांचे एक वर्षाच्या आयुक्त पदावर कार्यकाळात त्यांच्या विशेष कार्यशैली व कुशल नेतृत्व याची छाप पाडली. त्यांची शहरा प्रति असलेली आत्मियता व हाती घेतलेले काम तडीस नेण्यासाठी 100 टक्के सर्मपण, स्वतःला कामात झोकून देणे. अशा कर्तव्यपारायण अधिकाऱ्यांचा आज अभिनंदन ठराव मांडत आहोत त्यांच्या पुढील कार्यकाळात शहराचा आणखी झपाट्याने विकास होईल यात शंका नाही.

सुचक :- श्रीम. निलम ढवण

अनुमोदन :- श्री. जुबेर इनामदार

ठराव सर्वानुमते मंजूर

सही/-

महापौर

मिरा भाईंदर महानगरपालिका

नगरसचिव :-

आजच्या सभेच्या कामकाजामध्ये प्रश्नोत्तराच्या तासाला सुरुवात करण्यापूर्वी सन्मा. सदस्य अजित पाटील, श्री. मॉरस रॉड्रीक्स आणि मर्लिन डिसा यांनी आजच्या सभेला अनुपस्थित राहण्याबाबतची पत्र दिलेले आहे. प्रश्नोत्तराच्या तासाला आपण सुरुवात करतो. मोबाईल मधील वेळेप्रमाणे 11 वाजून 51 मिनिटे झालेली आहे. पहिला प्रश्न आहे श्री. अजित भगवान पाटील. हे गैरहजर असल्यामुळे त्यांचा प्रश्न रद्द होईल. दुसरा प्रश्न आहे श्री. अनिल सावंत यांनी विचारलेला प्रश्न आहे शहरात एकुण किती सार्वजनिक उद्याने बगिचा यांची महापालिका देखभाल करते. प्रश्नोत्तराची वेळ 30 मिनिटांची आहे नेहमी प्रमाणे 11 वाजून 51 मिनिटाने आपण सुरुवात केलेली आहे.

अनिल सावंत :-

महापौर मॅडम, आपल्या परवानगीने बोलतो आता सर्वांनी अभिनंदनाचे ठराव केलेले आहेत आणि लगेच माझ्यावर वेळ आली ह्या प्रश्नोत्तराच्या माध्यमातून प्रशासन काय कामकाज करते त्याच्यावर बोलण्याची आम्ही विरोध आहोत. त्यामुळे अशा गोष्टींवर लक्ष ठेवणे हे क्रमप्राप्त आहे आणि त्या अनुषंगाने फार पूर्वी मी हा प्रश्न विचारला होता त्यानंतर आज पहिली मिटींग झाली मॅडम एक चांगल्या हेतूने शहरामध्ये असलेली शौचालय जे शहराच्या स्वच्छतेमध्ये एक महत्वाचा भाग आहे.

201 शौचालय ह्या शहरामध्ये आहेत आणि त्याची देखभाल दुरुस्तीचा ठेका आपण नोव्हेंबर 2020 ला वर्षाला 6 करोड म्हणजे 3 वर्षासाठी 18 करोडचा ठेका दिला. आज शहरातील ह्या शौचालयाची परिस्थिती बघितली असेल तर अतिशय केविलवाणी परिस्थिती आहे. महापालिका एवढे पैसे खर्च करत आहे. कदाचित लोकप्रतिनिधींना सुध्दा तिथले स्थानिक लोकप्रतिनिधींना माहित नाही. ज्यावेळी हा ठेका देण्यात आला मॅडम त्यावेळी काय अपेक्षित होते त्याने काय काय करायला पाहिजे जे आपण 18 करोड त्याला देणार आहोत त्यामध्ये ज्या अटीशर्ती टाकल्या होत्या त्या जवळ जवळ 52 म्हणजे 52 अटीशर्ती त्या ठिकाणी टाकण्यात आलेल्या आहेत. ठेकेदाराला हा ठेका देते वेळी महापालिकेतर्फे त्यातली काही ठराविक अटीशर्ती मी वाचतो. सर्व काही वाचत नाही. प्रत्येक सफाई कामगाराचा बँक खाते उघडून पगार खात्यात जमा करण्याची जबाबदारी ठेकेदाराची राहिल. संबंधित ठेकेदारास शौचालय नेहमीच साफसफाई ठिकाणी आवश्यक असणारी दुर्गंधी नाशकाचा वापर दररोज करणे बंधनकारक राहिल. प्रत्येक शौचालयामध्ये तक्रार नोंद वही शौचालय वापरण्याचे अभिप्राय व साफसफाई कर्मचारी नेमणूक केलेल्या कामाच्या वेळेचे दैनंदिन वेळापत्रक रजिस्टर ठेवणे व सदर तिन्ही रजिस्टरवर संबंधित स्वच्छता निरीक्षकांची स्वाक्षरी घेणे बंधनकारक राहिल. सेप्टीक टँक सफाई स्वखर्चाने करावी लागेल. शौचालयाचा परिसर साफसफाई करून शुशोभित व स्वच्छ ठेवावा लागेल. प्रत्येक शौचालयाच्या दर्शनी भागेत तक्रारपेटी ठेवावी लागेल. शौचालयाच्या दर्शनी भागेत मिरा भाईंदर महानगरपालिकेमार्फत शौचालय असा ठळक अक्षरांचा फलक लावणे बंधनकारक आहे. शौचालयाची सेवा नागरिकांना ठेकेदार यांनी मोफत उपलब्ध करून द्यायची आहे. शौचालयाचा वापराकरिता ठेकेदार नागरिकांकडून पैसे घेत असल्याचे निदर्शनास असल्यास ठेका रद्द करण्याची कार्यवाही करण्यात येईल. मिरा भाईंदर महापालिका सार्वजनिक शौचालय असा दिशादर्शक फलक स्वच्छता गृह परिसरात लावणे बंधनकारक आहे. सार्वजनिक स्वच्छता गृहांची साफसफाई करणेकरिता आधुनिक तंत्राचा वापर करण्याच्या निविदा प्रक्रियेत प्राधान्य देण्यात येईल. कामाचा दर्जा उपस्थित न राखल्यास अथवा स्वच्छता न राखल्यास ठेकेदारास प्रतिदिन प्रती स्वच्छता गृहाकरिता खालील प्रमाणे दंड आकारण्यात येईल. स्वच्छता गृहाचे काम समाधानकारक न आढळून आल्यास व दंडाची रक्कम एकूण निविदा रकमेच्या 10 टक्के पर्यंत वसूल केल्यास सदरची निविदा रद्द करण्यात येईल व इसारा सुरक्षा अनामत जप्त करण्यात येईल. मॅडम ह्या अटीशर्ती घालून आपण एखादा ठेकेदाराला दिला ज्या स्वच्छता निरीक्षकांचे किंवा ऑडिटर, अकाउंटंट यांचे काम होतं की नोव्हेंबरमध्ये ठेका दिल्यानंतर त्याच्या कामाची परिस्थिती काय आहे कशाप्रकारे तो काम करत आहे. मला असे वाटते याच्यापैकी काहीही प्रशासनाने काळजी घेतलेली नाही. काही दिवसांपूर्वी राई गावामध्ये 8 दरवाजे चोरीला गेले. आपण ठेका देतेवेळी देखभाल निगा आणि दुरुस्ती ह्यासाठी हे पैसे मोजतो. 18 कोटी रुपये देखभाल करणे सुध्दा त्याचेच काम होते तरी सुध्दा त्याठिकाणी दरवाजा चोरीला गेले. मग इतर स्वच्छता गृहाचे काय 7-8 स्वच्छता गृहांची मी व्हिजीट केली काही ठिकाणी पैसे घेतले जातात स्वच्छता गृहाची पाटी त्या ठिकाणी मिरा भाईंदर महापालिका अशी लावलेली नाही. काही महिन्यांपूर्वी एका सेप्टीक टँकमध्ये लहान मुलगा पडला त्यानंतर त्याच्या वडिलाने त्या ठिकाणी उडी मारली त्या सेप्टीक टँकमध्ये अशा प्रकारच्या असंख्य तक्रारी ह्या गेल्या 2 वर्षांमध्ये ठेकेदारा विरुद्ध आहेत. आणि आपण माझी वसुंधरामध्ये आणि स्वच्छ सुंदर मिरा भाईंदरमध्ये सुलभ शौचालय हा महत्वाचा फॅक्टर त्या ठिकाणी असते वेळी सुध्दा प्रशासनाने याबाबत योग्य ती काळजी घेतलेली नाही. नोव्हेंबर ते डिसेंबर 2021 म्हणजे ठेका दिल्यानंतर जो जो 15 लाख रुपये मॅडम त्याच्या जवळून दंडात्मक रक्कम वसूल केलेली आहे. याचा अर्थ तो ठेकेदार व्यवस्थित काम करत नाही. हे प्रशासनाला सुध्दा माहिती आहे. साडे पंधरा लाख रुपये दंडात्मक रक्कम जमा केल्यानंतर दंड घेणे हा त्याच्यावर उपाय नाही मॅडम. एखाद्याने चूक केली की दंड घेणे उपाय नाही स्वच्छता राखली जाणे त्याचा नागरिकांना फायदा होणे पालिकेच्या लोकांच्या कराच्या पैशातून आपण एक चांगली सुविधा लोकांना देत आहोत त्याचा फायदा लोकांना होणे गरजेचे आहे. त्याने एक फॉल्ट

केला म्हणून दंड घ्यावा हे त्याठिकाणी अपेक्षित नाही. ह्याबाबतीत तरी प्रशासनाने ह्या ठिकाणी उत्तर दिले तर माझी प्रशासनाला ह्या ठिकाणी विचारणा आहे की आपण ह्या ठिकाणी कशाप्रकारे हा जो ठेका दिलेला आहे 201 टॉयलेटची जी देखभाल दुरुस्ती आहे साफसफाई आहे त्याच्यावर तुम्ही वॉर्ड निहाय मी माहिती मागवली होती मॅडम. त्यानंतर सुध्दा स्वच्छता निरीक्षकाने अजूनपर्यंत किती काय रिपोर्ट दिले वगैरे पण त्याची माहिती मला मिळालेली नाही. तर महापालिका प्रशासन याठिकाणी हे 201 टॉयलेटचं जे कंट्रोल आहे ठेकेदार जी साफसफाई करतो. त्याची कशाप्रकारे आखणी करतो किंवा कशाप्रकारे त्या ठेकेदारांवर कंट्रोल राहिल. प्रशासनाने याबाबत स्पष्टीकरण द्यावे.

अशोक तिवारी :-

महापौर मॅडम, मेरा भी यही विषय है, पिछली बार आयुक्त साहब को और महापौर मॅडम आपको सभी लोगो से मैंने शौचालय का फोटो भेजा था। इस बार जैसे की यह 18 करोड का ठेका दिया गया 3 साल का आज दिन तक ठेकेदार का फोजो भेजा गया था महापौर मॅडम आपने बच्छाव साहब को फोन किया था की व्हिजीट करके उनके साथ देख करके लिजीए और मुझे रिपोर्ट करीए। उस विषय में वापिस आपने बच्छाव साहब को ही फोन किए लेकिन फोन करने के बाद आप तिवारीजी से मिलीए उनके साथ व्हिजीट किए मेरे सामने आपने फोन किया लेकिन बच्छाव साहब उस बात के लिए मुझे फोन भी नहीं किए और अभी तक जितने भी 15 साल नगरसेवक होके रह गया जितने भी शौचालय का ठेका लिया गया है सबसे अगर बेकार ठेकेदार अगर हैं तो अभी का जो शौचालय का ठेका लिया वह सबसे बेकार ठेकेदार वह हैं। परेड का मेरे पास फोटो है मैंने आपको दिखाया भी है कोई सफाई नहीं होती है। एस.आय. को फोन करो साहब मेरा सुनता ही नहीं है। पवार साहब को बोला मैं देखता हूँ अभी नाले का मेरा विषय है आरोग्य में ही आता है, पवार साहब मेरे वॉर्ड में गए मैं 15 साल से नगरसेवक हूँ उनको नाला पुरा देखने के लिए टाईम नहीं यही पानपट्टे साहब थे हफ्ते में 2 बार नाले पे जाते थे और नाला पुरी तरह से चॉकअप हैं। तो प्रशासन और ठेकेदार जिस हिसाब से काम चल रहा है आरोग्य के विषय में यह अच्छी चिज नहीं है और मैं अभी तक बोल रहा हूँ की, शौचालय के इस ठेकेदार को आप ब्लॅकलिस्ट कर के उनका टेंडर कॅन्सल कर के दुसरा अच्छा ठेकेदार को दिजीए यह ठेकेदार कुछ का करनेवाला नहीं। उसके बाद उसका ना फोन आएगा न व्हिजीट करेगा और कर्मचारी को पगार 3-4 महिने तक पगार रोक कर रखा है। महापौर मॅडम, सब कर्मचारीयो से पुछीए 3-4 महिने का पगार और वह किसी के खाते में डालता नहीं 7 हजार, 8 हजार, 5 हजार ऐसा करके रोकडा दे दिया हम उनको पगार कितना देते हैं टेंडर में और हर शौचालय पे जितने भी लोग काम करने वाले है वाल्मिकी समाज के वह लोग बिल्डींग के काम करेंगे आप शौचालय पे व्हिजीट करो पूरे शहर में मिलंगे ही नहीं यही स्थिती है और कमिशनर साहब आपसे मेरा यह अनुरोध है की अभी आपको मालूम है की पवार साहब को कितना ऐक्सीपिरियन्स है कितना क्या है वह मुझे नहीं मालूम लेकिन जिस हिसाब से उन्होंने व्हिजीट किया उस हिसाब से नाला सफाई मुझे नहीं लगता की इस साल पुरा हो जाएगा क्योंकि वो तो अंदर जाने के लिए तयार ही नहीं थे और पानपट्टे साहब सिजन में 10 बार नाले से जाते थे।

नयना म्हात्रे :-

महापौर मॅडम, तुमच्या परवानगीने बोलते हा ठेका देण्याच्या अगोदर पूर्वी दुसरी लोक हा ठेका चालवायचे त्यावेळेला तो ठेकेदार जी लोक साफसफाई करतात शौचालयामध्ये त्यांच्यावर खुप अन्याय करायचा त्याच्यानंतर मी माझ्या वॉर्डमध्ये असे ठरवलं की त्यांना तो बरोबर पैसे देत नाही म्हणून मी काय केले प्रत्येक कडचे 50 रुपये घरामध्ये 4 माणसे असु देत, 5 माणसं असू देत किंवा 2 असु देत. त्यांची साफसफाई करते त्या बाईला मी 50 रुपये द्यायला सांगायची प्रत्येकडचे. त्यामुळे काय व्हायचं शौचालय बरोबर साफ व्हायचे आणि नागरिकांना त्याचा त्रास पण होत नसेल. पण आता हा ठेका त्या ठेकेदाराला दिला आहे त्यामुळे मॅडम काय होते ज्यांना साफसफाईला ठेवले ती लोक तिकडे



दिवसभर नसतात. कुठेरी बाहेर कामाला जातात आणि आपल्या सारखा माणूस तिथे उभा पण राहणार नाही. कधी पाणीच नसते, 3 महिने कधी साफसफाईच होत नाही. आम्ही बोलायला गेल्यानंतर हो करतो करतो मग त्यांना सुपरव्हाईजर काम करत नाही. त्याला मी बोलवले तु का तुझा रिपोर्ट देत नाही त्याने चक्क सांगितले आम्ही आमच्या वरिष्ठांना रिपोर्ट देतो की ही वस्तु कमी आहे ती कमी आहे आम्हाला काम करून द्या. ते लोक आम्हाला सामानच देत नाही तर आम्ही लोक काम कसं करणार. मॅडम मला तरी असं वाटतं ठेका रद्द झाला पाहिजे कारण आता आमचे इलेक्शन तोंडावर आलेले आहे आणि आम्ही नागरिकांना काय उत्तर द्यायची. त्याच्यापेक्षा प्रत्येक माणूस प्रत्येक घरातील 50 रुपये द्यायला तयार आहे आणि साफसफाई वाले साफसफाई पण करायला तयार आहेत त्याच्यामुळे हा ठेका रद्द केला तरी चालेल.

मदन सिंग :-

महापौर मॅडमच्या परवानगीने बोलतो आयुक्त साहेब जेव्हापासून हा ठेका पध्दत चालू झाली आहे ठेका द्यायच्यापूर्वी आपल्या ह्या शौचालयाच्या साफसफाईसाठी पालिका एकही रुपये देत नव्हती. वीज आणि पाणी पण जे शौचालयाने देखभाल करणारे भरत होते. आता आपण 18 करोड रुपये पण देतो, वीज पण भरतो, पाणी बील पण भरतो तरीही लोकांची तक्रार आहे. याच्यावर गंभीर दखल घेण्यात यावी.

रिटा शहा :-

महापौर मॅडम आपल्या परवानगीने बोलते, प्रभाग क्र. 1 त्याच्यामध्ये हा पूर्ण झोपडपट्टीचा एरिया जास्तीत जास्त 70 टक्के जमीन झोपडपट्टीचा आमचा वॉर्ड आहे. त्याच्यामध्ये जय अंबे नगर, गणेश देवल नगर, नेहरु नगर, आंबेडकर नगर आणि मुर्धा खाडी आणि तिकडे लाल बहादुर शास्त्री नगर तिकडेचे टॉयलेट आणि तिथे लेट्रींग आहे तिथे आपण जाऊन बघणार तर असे वाटते की लोक नरकात राहतात. काही साफसफाई होत नाही सर्व नगरसेवकांची तक्रार आहे पण तक्रारीवर प्रशासन काय करते. आम्ही लेखी पत्र टाकले आम्ही खूप तक्रार केल्या एक ठेकेदार इकडे वर्षानुवर्ष नगरसेवक तक्रार करून सुध्दा त्याच्यावर कारवाई होत नाही. त्याच्याबरोबर काम करणारे कर्मचारी आणि साफसफाई करणारे त्यांना ते गमबुट देत नाहीत त्याच्याकडे फीनाईल नसते, पावडर नसते, नळाला लावायला पाईप नसतो. त्याच्याकडे कुठलीही सुविधा नसते त्या कर्मचाऱ्यांकडे तर ते काम कशी करणार. आम्ही ते जागेवर जाऊन बघितलं त्या लोकांचे व्हिडीओ ही आम्ही व्हायरल केले आणि व्हिडीओ व्हायरल केल्यानंतर पण महापौर मॅडम प्रशासन त्याच्यावर कारवाई करत नाही आणि आपल्या महापालिकेच एक दुर्दैव आहे की काही ठेके जसा हा साफसफाईचा ठेका नाला सफाईचा ठेका, मजदूर पुरवण्याचा ठेका संगणकवर लोक घेण्याचा ठेका आपण ते मुदत पूर्ण होण्यानंतर आपण त्यांना वाढ वाढ करून आपण त्यांना मुदतवाढ करून आपण त्याच ठेकेदाराला परत परत ते ठेके देत आहोत याच्यावरही मी एक पत्र टाकले होते की असे जे एकाच कॉन्ट्रॅक्टरला वर्षानुवर्ष आपण तो ठेका देतो. अशा पध्दतीने तुम्ही बंद करा 3 वर्षांचा पिरेड असेल तर त्यानंतर त्याला त्या ठेकेदाराला परत ठेका देऊ नका. दुसऱ्या ठेकेदाराला कॉम्पिटीशनमध्ये तुम्ही ठेके टाका. कारण असा ठेकेदारावर प्रशासनाने त्याला ठेका रद्द करायला पाहिजे त्याला ब्लॅक लिस्टेड करायला पाहिजे. पण अशी काहीच कारवाई होत नाही आपण नुसती 15 लाखाची पॅनल्टी लावली. महापालिकेमध्ये पैसे आपल्याला भेटले रेव्हेन्यु जमा झाला. परंतु तिकडेचे लोक राहतात ते नरकात राहतात. मी ते व्हीडीओ व्हायरल केले होते. फेसबुकवर बायकांच्या लेट्रींग आहेत तिथे दरवाजे नसतात. दरवाजे तुटलेले असतात. मागच्या खिडक्या तुटलेल्या असतात. ते कपडा लावून बसतात. मी आपल्या एस.आय. ला सांगितले की तुम्ही ह्यापूढे दरवाजा नाही लावला तर मी अशी धमकी पण दिली की त्यासंडासात मी जाऊन बसते. परंतु आपला एस.आय. आपले अधिकारी कोणाच्या कानावर काहीच आले नाही मॅडम. असे ठेके मॅडम 15 दिवसांच्या आत ते ठेके रद्द करा आणि त्यांना काळ्या यादीत टाका अशी माझी मागणी आहे.

प्रविण पाटील :-

महापौर मॅडम, अनिल सावंत यांनी लक्षवेधी मांडलेली आहे त्यांना अनुसरून बोलतो की, प्रभाग क्र. 11 आमचा आहे त्याच्यामध्ये तब्बल 12 ते 15 स्ट्रक्चर आहेत शौचालयाची झोपडपट्टी एरिया आहे गाव आहे चाळी आहेत तर ज्या वेळेला आणि जवळ जवळ 350 च्या आसपास सीट आहेत मॅडम. तर आमच्याकडे जे एस.आय. आहेत. अनिल सावंतने ज्या अटीशर्ती वाचून दाखवल्या त्याच्यामध्ये एस.आय. ची एक अट आहे की त्यावेळी त्याचा रिपोर्ट देण्यात यावा. मॅडम अनेक वेळा तब्बल 12 ते 15 लेटर आहेत माझी ह्या शौचालयाच्या तक्रारी विरोधात. त्यांनी नसती घेतली तर मी पुढच्या वेळी लक्षवेधी घेतली असतील. कारण त्यांनी मांडलेले जे मुद्दे आहेत ते तंतोतंत खरे आहेत मॅडम आणि खरी परिस्थिती आहे. आपण एवढ्या करोड रुपयाचा ठेका देतो ह्यापूर्वी जस मदन सिंगने सांगितले ह्यापूर्वी आपण जे ठेके दिलेले होते बांधा वापरा त्यांनीच चालवावे त्यांनीच बांधाव आज आपण महापालिकेतर्फे एवढे पैसे देऊनही ही परिस्थिती आहे. मला आयुक्त साहेबांना किंवा संबंधित अधिकाऱ्यांना विचारायचे आहे की ज्या वेळेला आपण अॅग्रीमेंट बनवतो त्यावेळी आपण काय फक्त पेपर वरच बघतो तिथे जाऊन प्रत्यक्ष तुम्हाला काय एस.आय. सांगत नाही आम्ही नगरसेवक तिथे स्थानिक लेव्हलवर काम करतो. रोजच्या तक्रारी आमच्याकडे येतात. एक बोर्ड नाही लागला सगळे दरवाजे तुटले आहेत. सगळी घाण पडलेली असते लोक वैतागतात. एवढे करोड रुपये ह्यासाठी खर्च करतो आणि अॅग्रीमेंटवर आपण अशा अटीशर्ती लिहितो प्रत्यक्ष पाहणी करून बघा ना साहेब. काय परिस्थिती आहे.

नयना म्हात्रे :-

मॅडम पहिला एस.आय. लोकांवर कारवाई करा.

प्रविण पाटील :-

साहेब अॅग्रीमेंट पेपरवरच आहे प्रत्यक्ष तिथे परिस्थिती वेगळीच आहे.

मा. महापौर :-

तुम्ही बोलून घ्या आपआपल्या वॉर्डमध्ये काय परिस्थिती आहे. प्रशासनाला पण कळू देत वारंवार सांगून जर ऐकत नसतील अधिकारी ऐकत नसतील किंवा तो ठेकेदार ऐकत नसेल तर त्याच्यावरती आजच सभागृहामध्ये बघूया ना. काय करायचे आहे ते.

नयना म्हात्रे :-

मॅडम एस.आय. हा न बघता सह्या करतो आणि त्याचे पेमेंट निघते. एस.आय. करतो काय?

मा. महापौर :-

सर्वांचे बोलणे झाल्यानंतर आयुक्त साहेबांचे काय म्हणणे आहे ते ऐकूया.

प्रशांत दळवी :-

महापौर मॅडम माझी विनंती रालि सार्वजनिक विषय होत आहे मॅडम.

मा. महापौर :-

सभागृहामध्ये मी तुम्हाला सांगते प्रश्नोत्तराचा तास आहे.

प्रशांत दळवी :-

विषयाला चर्चा झालीच पाहिजे मी त्याच्याशी सहमत आहे.

मा. महापौर :-

अर्धा तास आपल्याकडे बाकी आहे.

प्रशांत दळवी :-

परंतु महापौर मॅडम, अर्धा तास हा अनिल सावंत त्यांचा प्रश्नोत्तराचा तास चालू आहे. माझी विनंती राहिल की त्यांनी त्यांच्या प्रश्नोत्तराचा तास पूर्ण करावा. त्यानंतर सन्मा. सदस्यांनी बोलावे.

मा. महापौर :-

त्या संबंधित विषयाला सगळे जण अनुसरून बोलत आहेत. दळवी साहेब बोलू द्या हा खूप गहन प्रश्न आहे आणि प्रत्येक विभागामध्ये आहे. यांना सांगून सुध्दा ते होत नाही.

जुबेर इनामदार :-

महापौर मॅडम सगळेच इथे पुढारी आहेत आणि एक चांगली म्हण आहे संडास ज्याच्या दारी तोच खरा पुढारी. ह्या पुढार्यांना किती त्रास होतो.

मा. महापौर :-

आपण जस प्रशासनाचे अभिनंदन करतो तस प्रशासनाने चुका सुध्दा लक्षात आणून द्यायचे काम ह्या लोकप्रतिनिधींचे आहे. जी सत्यपरिस्थिती आहे ती जनतेसमोर आली पाहिजे. कारण वारंवार सांगून सुध्दा तिथे कारवाई नसतील करत तर दुसरा पर्याय नाही. आता समोर पावसाळा आहे पावसाळ्याच्या आधी शौचालयाची निगा नको राखायला. स्वच्छ सुंदर मिरा भाईंदर. मग शौचालय स्वच्छ नसतील तर काय फायदा. म्हणून निलम ढवण मॅडम अभिनंदन करताना सगळ्या गोष्टी लक्षात घेऊन करायच्या.

निलम ढवण :-

महापौर मॅडम आपल्या परवानगीने बोलते आता तुम्ही स्पेशली मला सांगितल तुम्ही बोलले अभिनंदनाचा ठराव एखादी व्यक्ती जर काम करण्यामध्ये ते बाहेरून होत असेल.....

मा. महापौर :-

असेच झाले ना मॅडम की आता प्रशासनाने जर चांगल काम 75 टक्के, 100 टक्के काम चांगल करण्याची आपण अपेक्षा करतो त्यातले जर 25 टक्के काम किंवा 10 टक्के काम खराब झालेले आहे तर तिथे आपण बोलण्याची भुमिका मांडली पाहिजे की नाही? मग मांडत आहेत मांडू द्या. मी स्वतः बोलते मांडू द्या. कारण शहरामध्ये जी घाण आहे त निघाली पाहिजे आणि ज्याला आपण ठेका दिलेला आहे आपण त्याच्याकडून अपेक्षा करणार की त्यांनी चांगले काम केलं पाहिजे. नागरिक कोणाकडे अपेक्षा करतात नगरसेवकांकडून की नगरसेवकांनी चांगल काम त्या ठिकाणी केलं पाहिजे आणि त्यांना सकाळी घाण दिसत असेल तर ते आपल्याकडून काय अपेक्षा करणार.

निलम ढवण :-

तुमचं बरोबर आहे मॅडम एखाद्या व्यक्तीचे अभिनंदन केले म्हणजे 100 टक्के.....

(सभागृहात गोंधळ)

मा. महापौर :-

तुम्ही खरच व्यक्तीचे केले अभिनंदन.

निलम ढवण :-

प्रशासनाचे.

मा. महापौर :-

प्रशासनाचे केले ना. एका व्यक्तीचे अभिनंदन होऊ शकत नाही कारण हे संपूर्ण प्रशासन आहे.

निलम ढवण :-

प्रशासनाचेच म्हटले.

मा. महापौर :-

प्रशासनामध्ये कोणी एक व्यक्ती त्याचा मालक बनू शकत नाही. ही संस्था आहे. आपण सगळेजण पण त्यामध्ये आहोत. म्हणून एका व्यक्तीचे कोणीही अभिनंदन ह्या ठिकाणी करू शकत नाही.

जुबेर इनामदार :-

मी ह्या प्रश्नाला अनुसरून बोलणार आहे. अनिल सावंतने मांडलेला मला वाटते त्यांनी बहुतांश अटीशर्तीवर चर्चा केली. महापौर मॅडम प्रशासनाचा म्हणजे आपल्याकडे साहेब अधिकारी वर्ग एस.आय. च्या वरती अधिकारी आहेत. सातत्याने होणाऱ्या तक्रारीवर दुर्लक्ष केले जात आहे. संडासाला दरवाजे नाहित, महिला तिथे जात असतात. महिला, पुरुष, लहान मूले सर्वच तिथे जात असतात. एवढी मोठी वाईट परिस्थिती आहे. आपण एवढा पैसा खर्च करून याला कुठे तरी थांबवायला पाहिजे ना. हा फक्त आपण एक दंडात्मक कारवाई 15 लाख रुपये दंडात्मक कारवाई दिली याच्यातून सगळ काही निष्पन्न होणार नाही. साहेब हे ठेकेदाराने ठरवले असेल 18 कोटीमधून मी 2 कोटी रुपये ठरवले की माझे फाईनमध्ये जाणार मी बुडवणार माझी मानसिक तयारी आहे म्हणजे अशाप्रकारे आपण त्याला अशी संधी देऊ का? अशा ठेकेदाराला तुम्ही कुठे तरी थांबवायला पाहिजे. आता अशा ठेकेदाराला इथेच थांबवले तर साहेब एक चांगला ह्या शहरासाठी आपण एक एकझाम्पल सेट करू की असे ठेकेदार ह्या शहरामध्ये नको आहेत मी तुम्हाला खपवून घेणार नाही. म्हणून अशा ठेकेदाराला साहेब महापौर मॅडम आजच ह्या सभागृहामध्ये तुम्ही तसा निर्णय घ्या की त्याला ब्लॅकलिस्ट करा. तो ठेका रद्द करावा. त्याचबरोबर आयुक्त महोदय, शौचालयामधून निघणारे मलमुत्र आणि शहरामधून निघणारे मलमुत्र हे सिव्हेरेज जाते कुठे नाल्यामध्येच. नाले सफाईचा विषय चालू होता एका सॅकेंडमध्ये मी हा विषय संपवणार. आयुक्त महोदय आपल्याकडे जो जाफरी खाडी आहे त्याच्यामध्ये आपल्याकडे ब्रीजच्या खालून जाण्यासाठी 3 मार्ग होते. दोन्ही बाजू भरलेल्या फक्त एकच बाजूने नाल्यामधून हा कचरा जात आहे. नाले सफाईचे काम चालू असताना विशेषतः याच्यावरती लक्ष देण्यात यावे. गरज लागली साहेब त्याच्यामध्ये नविन यंत्रणा जी काही असतील उपलब्ध आपल्याकडे किंवा ते आपण उपलब्ध करून देऊ शकू. तशी यंत्रणा लावून तिथला असलेला गाळ काढावा लागेल. अथवा आमचा पूर्ण सखोल परिसर आहे तो पाण्याखाली जाईल. म्हणून त्याची तुम्ही साहेब आयुक्त महोदय दक्षता घ्या. लागणारी सध्या असलेले काम सुरु असलेलं त्याच्यामध्ये लागणारी अधिक यंत्रणा लावायची गरज लागली तरी लावावा हा विषय बारकाईने याच्यावरती तुम्ही लक्ष द्या.

मिरादेवी यादव :-

महापौर मॅडम, शौचालय का विषय अभी जो यह शहर के अंदर स्लम जो एरिया है ज्यादा तर परिस्थिती खराब है। आज शहर सुंदर रखने के लिए पुरा पुरा प्रयास किया जा रहा है। लेकिन शहर में जो स्लम एरिया है वहाँ पे कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। आज शौचालय के विषय लॉकडाऊन में किसीको ऑनलाईन महासभा हुई किसीको बोलने नहीं दिया गया ना कोई चान्स मिला, काशिमिरा प्रभाग क्र. 14 एक महिला व्यक्ती जिस का पती छोड दिया उसको एकही बेटा वो कमा के खा रही थी। 15 साल का बच्चा काशिमिरा मनाली व्हिलेज के बगल में जो शौचालय है उसमें गिरकर मर गया। मरने के बाद आज तक उसका कोई मुद्दा नहीं। उसके लिए कोई नहीं क्योंकि वह अनाथ व्यक्ती उसका कोई वारिसदार नहीं। उस समय में अनिल भोसले नगरसेवक थे अनिल भोसले ने भी लेटर दिया और मैंने भी लेटर दिया मगर कोई सुनवाई नहीं आज उसके लिए वो जान को कोई परवा नहीं। काशिमिरा ब्रीज के निचे जो रस्ते के बात करते है और धन्यवाद देते है की बहुत अच्छा काम किए है कम से कम स्लम एरिया में घुमके तो देखे की कहाँ सुरक्षा है कहाँ नहीं। बिचोबिच हम हायवे और जो मेन रोड देखके सुरक्षितता नाम बढा रहे है। मिरा भाईदर सुंदर दिख रहा है वो दिखेगा? इस तरीके

से शौचालय का हाल है मिरा भाईंदर शहर के अंदर सारे नगरसेवक जिसके एरिया में स्लम एरिया है वह जाके पहिले जाके देखे। साहब आपसे भी विनंती है जैसे आप सुबह उठ रहे है आप पुरी मेहनत कर रहे है की हम शहर सुंदर रखने के लिए उसी तरीके से स्लम एरिया में आप घुस के देखे तो स्लम एरिया में क्या परिस्थिती है। मैं जादा नही बोलुंगी।

अनिल भोसले :-

महापौर मॅडमच्या परवागीने बोलतो, सावंत यांनी जी प्रश्नोत्तर मांडलेले आहे मला वाटते आपण ही व्हिजीटला कमिशनर साहेब आपण सगळे सोबतच होतो. हे बाथरूमच्या संदर्भामध्ये मॅडम आपण प्रभागामध्ये ज्या ज्या ठिकाणी फिरतो अक्षरशः सत्यपरिस्थिती आहे एस.आय. काय करतात हे नक्की खरच कोणाला माहिती नाही. ज्यावेळेला प्रभागामध्ये आपण व्हिजीटला जातो कमीत कमी 4 फिट, 3 फिट, 4 फिट म्हणजे बाथरूमचे जे सखोल भागामध्ये बाथरूम आहेत. 4-4 फिट वरती सगळ घाण पडून किडे पडलेले असतात. याचे फोटो पाठवूनही कारवाई होत नाही ही सत्यपरिस्थिती आहे. मिरा भाईंदरच्या इतिहासामध्ये ठेकेदार जे माजले आहेत त्याला कारणीभूत कोण? हा गंभीर प्रश्न आहे. आतापर्यंत मिरा भाईंदर महापालिकेमध्ये जे चुकीचे काम करत आहेत जे आरोग्य विषयी सिरीयस नाहीत. यासाठी ह्यांना कठोर कारवाई करणार कोण कारण आपण दरवेळेला पत्र लिहितो मिरादेवी मॅडमने एक प्रश्न उपस्थित केलेला आहे. त्या बाथरूमचे दरवाजे तुटले आहेत त्यावर कोणाचे लक्ष नाही. कुठल्या लाद्या पाणीच्या टाक्या आहेत त्यांची लादी तुटली आहेत. त्यावर कोणाचे लक्ष नाही. नगरसेवक, सुपरव्हाईजर आहेत, एस.आय. आहेत. एस.आय.च्या वर महानगरपालिकेचे अधिकारी आहेत. त्यांची जबाबदारी आहे की नाही माणसं मेली एकच नाही मांडवी पाड्यामध्ये दोन मुले मेली, एक मुलगा मेली, जनता नगरमध्ये एक मुलगा मेली भाईंदर वेस्टला एक मुलगा मेली आणि 3-3 वर्षे झाली साहेब अनेक पत्र देऊन त्यांना कमीत कमी केंद्र शासन राज्यशासन ह्या संदर्भात 2-2 लाख रुपये देते. आणि आमची महापालिका म्हणून आपली काय जबाबदारी आहे की नाही? म्हणजे ह्या शौचालयाच्या बाबतीमध्ये आपण करोडो रुपये बांधकामासाठी किंवा साफसफाईसाठी खर्च करतो पण हे ठेकेदार आणि संबंधित एस.आय. यांचे सिरियसली कुणाचही ह्या बाथरूमकडे लक्ष नाही एस.आय. ला सांगितले तर कॉन्ट्रॅक्टर एकत नाही आणि कॉन्ट्रॅक्टर सांगतो की मी करतो असे आश्वासन दिले पण काम काही होत नाही. कारवाई होत नाही तर ह्या महापालिकेमध्ये ह्या सभागृहामध्ये महापौर मॅडम आपणाला आणि आयुक्त साहेबांना मी दोघांना प्रश्न विचारतो यावरती नक्की काय कठोर आणि ह्या महापालिकेचा इतिहासामध्ये कोणी तरी अंगाला लावून अधिकारी म्हणून महापौर म्हणून कोणीतरी एका ठेकेदाराला पंढरपुरला पाठवणार की नाही. जेणेकरून येणारे ठेकेदार यांना पाठीशी घालयचं ठिक आहे धागेदोरे कुणाचे असतील संबंध कोणाचा असेल कोणाच्या ओळखीचा असेल त्यांनी ठेका घेतला हे काय चुकीचे नाही पण ह्या शहरामध्ये ज्याने त्या ठेकेदार प्रामाणिकपणे काम करेल की नाही आणि ही सत्यपरिस्थिती आहे मॅडम. आपण उत्तर द्यावं आजच ह्या सभागृहामध्ये आयुक्त साहेब आपणाला माझी कळकळीची विनंती आहे यामध्ये आजच निर्णय घ्यावा.

जयेश भोईर :-

मॅडम रेवआगरामध्ये आमचे एस.आय. उदावन म्हणून मी 4 दिवसापासून सतत त्यांना फोन करत आहे. रेव आगर शौचालयामध्ये एक कुत्रा मेली होता 4 दिवस झाले तो कुत्रा निघत नव्हता ते एस.आय. उदावनला मी रोज फोन करतो. पण त्या उदावर साहेबांनी दुर्लक्ष केलेले आहे. नंतर मी स्वतः जाऊन एम माणूस घेऊन कुत्रा बाहेर काढला त्यांच्यावर उदावन साहेबांवर दंडात्मक कारवाई आपण करावी. 4-4 दिवस नगरसेवक फोन करतात पाठपूरावा का करत नाही आणि नाले सफाई चालू असताना एस.आय. नाले सफाई राई, मुर्धाला चालू आहे आणि येऊन जाऊन उत्तनला असतात.

त्यांच्यावर आपण दंडात्मक कारवाई करावी. कारण मी नगरसेवक ह्या नात्याने जातो जागेवर पण एस.आय. तिथे नसतात. महापौर मॅडम आपण त्यावर लक्ष द्यावे.

अनिल सावंत :-

महापौर मॅडम हा अतिशय गंभीर विषय आहे आणि आयुक्त साहेब माझी आपणांस विनंती आहे तुमची काम करायची जी पध्दत आहे त्याला अनुसरून एकतर हा ठेका कॅन्सल करा आणि त्याअनुषंगाने आपण सर्व प्रभागांमध्ये लोकप्रतिनिधी आहेत. त्यांना विश्वासात घेऊन कशाप्रकारे ह्या सुलभ शौचालयाची व्यवस्था आपण पाहू शकू करू शकू. याच्या बदल एक गाईड लाईन तयार करा. त्यामुळे पालिकेचा पैसाही वाचेल आणि लोकांना काही हरकत नाही पैसे देऊन युज करायला ताईन जस सांगितले लोकांची तयारी असते. पण त्यांना स्वच्छता पाहिजे तर हे बघा आणि मॅकझीमम हे जे प्रकार घडलेले आहेत दोन ठिकाणी मृत्यू झालेले आहेत सर्वस्वी ठेकेदार जबाबदार आहे सेप्टिक टँकची जबाबदारी सुध्दा त्याची आहे याच्यामध्ये म्हटल्याप्रमाणे सदोश मनुष्यबळाचा गुन्हा त्याच्यावर दाखल होऊ शकतो तर ह्या सर्व गोष्टींचा विचार करून आपण याबाबत योग्य ती कारवाई करावी.

गिता जैन :-

महापौर मॅडम माझे एक सजेशन आहे सर बोरीवली आणि मालाड हे एक प्रायोगात्मक म्हणून महिला बचत गटांना हे आपण शौचालयाची साफसफाई राखराखण दिलेली आहे. ते त्यांच्याकडूनच येणार येणाऱ्यांकडून पैसे वसूल करतात पण अतिशय सुंदर पध्दतीने हे काम करतात. तर माझे असे एक सजेशन आहे जर आपण प्रायोगात्मक 2 किंवा 3 तिथेही आपण महिला बचत गटांना त्याला एरियातले बचत गटांना हे देऊ शकू तर त्यांना ही एक इन्कम होणार आणि आपले पैसे वाचवून मला वाटते हे खूप चांगल्या पध्दतीने ते होऊ शकते तर हे एक सजेशन आहे जर घेतले तर.

रोहिदास पाटील :-

महापौर मॅडम, विषय अत्यंत गंभीर आहे आणि हा कोणा एका व्यक्तीवर न ठेवता ठेकेदार ठेका रद्द करणे हा एक विषय वेगळा आहे. त्याठिकाणी ज्यांचा मृत्यू झाला मगाशी जसे निवेदन केले पण त्यांना जे अर्थसहाय करायचे असते हे अधिकार आयुक्तांचे आहेत ना. साहेब ते तुम्ही त्याच्यामध्ये लक्ष घाला आणि जे देणे शक्य आहे नियमात जे बसते ते देणेत वेळ घालू नका. आणि मी जे सांगत आहे ते ऐका हे ठेकेदार बदली करा. एस.आय. च्या वर कोण आहेत त्यांच्यावर सुपरवीजन करणारे कोणी अधिकारी आहे की नाही. साहेब एक काम करा एखाद्या अधिकाऱ्यावर तुम्ही शिक्षा करू शकतात हे गावाला सिध्द करून दाखवा सगळी लाईन लाईनवर येऊन जाईल. कोणी शिक्षाच करत नाही. कोणीही कोणावर कारवाई करत नाही. त्यामुळे प्रत्येकाची हिम्मत वाढते आणि त्यांची हिमंत वाढली की हे सभागृह बदनाम होते. काही कारण नाही साहेब. तुम्ही कोणाची बाजू घेतच नाही तसा मी आरोप करत नाही माझा बोलण्याचा अर्थ पण एका सहा. आयुक्त, आयुक्त, उपायुक्त कोणावर त्याची जबाबदारी ठेऊन त्यांच्यावर आयुक्तांनी कारवाई केली एवढी सभागृहाची मागणी आहे.

रवि पवार (मा. उपायुक्त) :-

मा. महापौर मॅडमच्या परवानगीने बोलतो सर्व सन्मा. सदस्यांच्या ज्या काही भावना आहेत ते मला वेळोवेळी माझा चेंबरमध्ये बरेचशे सदस्य येऊन सांगत असतात त्यानुसार आम्ही त्यांच्यावरती जी काही कारवाई करायची आहे किंवा जे काही दुरुस्त्या करायच्या आहेत त्या जागेवर जाऊन आम्ही त्या पाहत असतो. करत असतो वस्तुस्थिती अशी आहे. आपल्याकडे जी काही एकूण 201 सार्वजनिक शौचालय आहेत त्याच्यामध्ये एकूण 3449 अशी सिट्स आहेत. ज्यावेळी टेंडर डिझाईन केले गेले त्यावेळी टेंडर डिझाईन करताना त्याच्यामध्ये ज्या अटीशर्ती मा. सन्मा. सदस्य अनिल सावंत यांनी आपल्याला आता वाचून दाखवल्या ते साधारणतः 30 सिट्ससाठी एक अशा पध्दतीने आपण ते टेंडर डिझाईन केले होते त्यानुसार आपण ते टेंडर काढले होते. तर याच्यामध्ये जो काही रिस्पॉन्स आला आणि ज्या ठेकेदाराने हे टेंडर भरले होते त्यानुसार त्यांनी आज जवळ पास 122 कर्मचारी त्याच्या

पेरोलवरती आहेत. आणि त्यांच्याकडे आणखीन 42 कर्मचारी आहेत ज्यांच्याकडे आधारकार्ड नाहीत ज्यांच्याकडे त्यांचे प्रुफ नाही आहेत परंतु ते त्या मेहतर समाजातील किंचा त्या समाजातील असल्यामुळे त्यांनी त्यांना ते काम दिलेले आहे. त्यामुळे त्या लोकांच्या बाबतीमध्ये तो त्यांच्या पे रोलवरती तो ऑफिशियली दाखवू शकत नाही असे तो आम्हाला प्रत्येक वेळी दर महिन्याला तो देत असतो. त्यामुळे त्यांच्याकडे जवळपास 122 + 47 इतके कर्मचारी सध्या कार्यरत आहेत आणि साफसफाईच्या बाबतीमध्ये त्यांना आपण जे नॉर्म्स ठरवून दिलेले आहेत त्या बाबतीमध्ये आपले सॅनेटरी इन्स्पेक्टर दररोज त्या किंवा त्यांचे मुकादम आहेत त्यांना आपण ठरवून दिलेले आहेत त्यानुसार त्यांच्याकडे डायरी मॅटेन केलेली आहे आणि त्यावरती ते निगराणी करत असतात. पाहणी करत असतात. परंतु वस्तुस्थिती अशी आहे की जे आपण आता सन्मा. सदस्यांनी सांगितले की दरवाजे तुटलेले असतात किंवा पाईप नसतात तोट्या नसतात, बेसिक तुटलेल्या असतात तर त्यांच्या बाबतीमध्ये वेळोवेळी वारंवार आपण ते तुटफुट झालेले दरवाजे बदलतो बांधकाम विभागामार्फत त्याची दर महिन्याला काम केले जाते परंतु नागरिकांकडून याची जी काही नासधुस आहे हे थांबायचे नाव घेत नाही आपण त्याच्यामध्ये गुन्हा पण दाखल केलेला आहे. सन्मा. म्हात्रे मॅडमच्या वॉर्डमध्ये मुर्धामध्ये आपण ते एका व्यक्तीच्या घरामधून जवळपास 8 दरवाजे काढले. आपण आदल्या दिवशी दरवाजे लावले दुसऱ्या दिवशी परत दरवाजे त्यांनी ते घेऊन घरामध्ये ठेवले होते. तर अशा पध्दतीने बऱ्याच ठिकाणी तोट्या ज्या असतील बेसिक असतील तर हे नागरिकांकडून देखील याच्यामध्ये थोडस त्यांच्या वागणुकीत बदल जो आहे हे करणे गरजेचे आहे याच्यामध्ये.....

श्रीप्रकाश सिंग :-

महापौर मॅडम कमिशनर साहब यह काई जवाब है क्या एक तरफा कॉन्ट्रॅक्टर की आप बात कर रहे हो यह कोई जवाब है?

अनिल सावंत :-

महापौर मॅडम हे अधिकारी सभागृहाची दिशाभूल करत आहेत ठेका देते वेळी निगा देखभाल दुरुस्ती हे ठेकेदाराचे कर्तव्य आहे, महापालिकेचे नाही. सिक्युरीटी ठेकेदाराने लावायची होती. महापालिकेने ते आपल्या अंगावर घेऊ नये. तो काम बरोबर करतो की नाही हे बघण्याची जबाबदारी तुमची आहे. तुम्ही लोकांना दोष देऊ नका.

श्रीप्रकाश सिंग :-

पवार साहबने जो जवाब दिया यह कोई जवाब है क्या?

नयना म्हात्रे :-

महापौर मॅडम आता पवार साहेब बोलले की बांधकाम खात वारंवार करते बांधकाम खात करत नाही तो ठेकेदाराचं करतो.

अनिल सावंत :-

ठेकेदाराची ती जबाबदारी आहे.

मा. आयुक्त :-

मा. महापौरांच्या परवानगीने बोलतो यापूर्वी वेगवेगळ्या सन्मा. सदस्यांनी ज्या भावना व्यक्त केलेल्या आहेत त्यात अनिल सावंत साहेबांचा प्रश्न आहे. सन्मा. सदस्य अशोक तिवारी साहेब आहेत, नयना म्हात्रे मॅडम, रिटा शहा मॅडम, प्रविण पाटील साहेब, जुबेर इनामदार साहेब, मिरादेवी मॅडम आणि भोसले आणि इतर सर्व आणि काका सर्व सन्मा. सदस्यांनी आपल्या तिव्र भावना व्यक्त केलेल्या आहेत आणि नोव्हेंबर डिसेंबर पासूनच जेव्हा ही बाब लक्षात आली तर मी स्वतः माझ्या माहितीनुसार हे शहरातील अलमोस्ट ऑल सर्व टॉयलेटला भेटी दिलेल्या आहेत तस आता उपायुक्ताने उल्लेख केला की आज टॉयलेट बसवले उपायुक्त किंवा सहा. आयुक्त टॉयलेट बसविलेले सोबत नगरसेवकांचे फोटो काढले की आज दुपारी आपण समजा 5 वाजता टॉयलेट बसवले दरवाजे बसवलेत

उद्या दुपारी 3 वाजता हे दरवाजे नसतात. समजा उद्या चोरून नेले परत पवा बसवले परत दोन दिवसाने नसतात. त्यामुळे प्रशासनाने वेळोवेळी त्याच्यावर दखल घेऊन काय काय ठिकाणी टॉसलेटचे 5-5 वेळा एक एक महिन्यात दरवाजे बसवले आहेत. सर्व सन्मा. सदस्यांना विनंती अशी राहिल अर्थात हे तुमचे काम नाही मला जाणीव आहे मला माहित आहे. जस प्रशासन ह्या गोष्टीवर लक्ष ठेवते आणि धडपड करते आपण स्थानिक नगरसेवक आहोत असे काही स्लम एरियात जर कोणाकडून होत असेल तर तुमच्यापर्यंत माहिती पोहचते कारण तुमचा जनसंपर्क इतका चांगला असतो दरवेळी तोटी चोरून नेते, कोणी साईटचे ट्यूब चोरून नेतो, बल्ब चोरून नेतो, यामुळे काम केले तर प्रशासन अधिक आमच्यासोबत आपण नगरसेवक लोकप्रतिनिधी म्हणून दोघांना बदनामीला सामोरे जाव लागते आणि ज्याप्रकारे ठेकेदारांच्या अनुषंगाने ज्या तिव्र भावना व्यक्त केल्या आहेत जे तुम्ही सांगितले त्या गोष्टीत तथ्य असेल काही गोष्टीत तुम्ही सांगितले परंतु त्याची अंमलबजावणी ऑलरेडी झालेली आहे अशा केसमध्ये प्रशासनाने आणखीन काय कडक कारवाई करावी यात उल्लेख होता की एस.आय., सहा. आयुक्त, अति. आयुक्त यांनी काय कारवाई करावी. सन्मा. सदस्य अशोक तिवारी साहेब म्हणाले की पूर्वी पानपट्टे साहेबांकडे असताना असे होत नव्हते आताही पानपट्टे साहेब अतिरिक्त आयुक्त त्या विभागाचे आहेत. आणि माझ्या माहितीनुसार शनिवारी देखील तुमच्या प्रभागात त्यांनी भेट दिली आणि अलमोस्ट ऑल ठिकाणी तुम्ही उल्लेख केला की त्याठिकाणी पवार, पानपट्टे किंवा बच्छाव आहेत. बच्छावने फोन उचलला नाही त्यानंतर आपल्या प्रभागात मी स्वतः देवल नगरला दोनदा भेटी दिलेल्या आहेत. विषय नालेसफाईचा आहे दोन विषय मिक्स आहेत परंतु ते दोन्ही एकत्र आहेत गरजेचे आहेत म्हणून त्याठिकाणी मी स्वतः भेट दिलेली आहे ह्या शहरातील नाले सफाई करताना किंवा देवल नगर सारख्या ठिकाणचा नाला सपाट झालेला आहे. नाल्यापासून एक फुट कुठलीही प्रकारची जागा शिल्लक नाही जेणकरून जिथे मशीन उतरवता येईल त्या ही ठिकाणचा नाला मशिन लावून दुरुस्त करायला सांगितलेला आहे. त्या अनुषंगाने 2-3 झोपड्या आहेत त्या तिथुन तुटणार आहेत. हे मी सभागृहात फार जबाबदारीने बोलत आहे या ठिकाण सर्व सन्मा. सदस्यांना विनंती आहे ज्या ज्या ठिकाणी नाले सफाई करताना आजूबाजूच्या झोपडपट्टी किंवा नाल्यावर टाकलेला स्लॅब तोडण्यात येणार आहे. त्यावेळी आपले सहकार्य लागणार आहे. नालेसफाई करा हे जसे आम्हाला आदेशित केले जाते त्याप्रमाणे नालेसफाई करताना येणाऱ्या अडचणी जेव्हा प्रशासन ओव्हरकम करते तेव्हा एकच विनंती अशी राहिल की नाही साहेब इथपर्यंत तोडू नका जर मशिनच तिथपर्यंत जात नसेल नाल्यात जाण्यासाठी किंवा वर येण्यासाठी तर कोणी जरी आणलं जगातले कुठलेही तंत्रज्ञान आणले तरी नालेसफाई क्वालिटीची होणार नाही. म्हणून ज्या ज्या स्लम एरिया आहेत नाले सफाई करताना नाल्यावर स्लॅब टाकले आहेत नाल्यावर लोखंडी पत्र्याचे शेड टाकले आहेत. नाल्यावर बालकनी बनविल्या आहेत. बऱ्याच ठिकाणी नाल्यांची व्हिजीट केली माझा कमीत कमी 10 पेक्षा जास्त ठिकाणी लक्षात आलेले आहे आणि आज महासभा झाल्यानंतर उद्या परवा पासून त्या त्या प्रभागात ते काम असणारे जे सन्मा. सदस्य आहेत ज्यांच्या प्रभागातून जो तो नालो जातो आपले सर्व लोकप्रतिनिधी मा. महापौर, उपमहापौर, विरोधी पक्षनेते, सभागृह नेते, सर्व सन्मा. त्या त्या एरियातले नगरसेवक यांच्या सोबत दौरा करून ज्या ज्या ठिकाणी नाले सफाईला अडचण येते सन्मा. सदस्य जुबेर भाईने सांगितले होते की 3 ठिकाणच्या ऐवजी एकच ठिकाणी पाणी जाते दोन ठिकाणचे पाणी ब्लॉक झाले आहे. जाफरी खाडी याच त्याशिवाय यापूर्वी आपले अनेक सन्मा. सदस्यांनी मागणी केली होती की पाण्याचा निचरा वेळेत व्हावा 4 नविन नाल्याचे काम सुरु करण्यासाठी सांगितले आहे. सद्यस्थितीत आपल्या समोर असणारा वेळ आणि पावसासाठी लागणारा कालावधी हा जो आहे त्यानुसार साई पॅलेसच्या जवळचा कच्चा नाला, जाफरी खाडीकडे जाणारा नाला, देवल नगरचा नाला आणि अजून एक असे 4 नाल्यांचे काम सुरु करण्यात आलेले आहे. त्यामुळे कुठल्याही परिस्थितीत पावसाचे पाणी तुंबणार नाही शहर जलमय होणार नाही ह्याच्यासाठी प्रशासन जरूर काम करत आहे. आपल्या हातात



अजून 15 दिवस आहेत आणि प्रत्येक ठिकाणी स्वतः सकाळी 7.30, 8 पासून आम्ही गेल्या आठवड्यात मी स्वतः व्हिजीट देत आहे. आमचे अधिकारी व्हिजीट देत आहेत ज्या ठिकाणी पाणी तुंबण्याची शक्यता असते अशा ठिकाणी आपण उदाहरण मेट्रोचे काम चालू आहे. मेट्रोचे अधिकारी, एम.एम.आर.डी.ए. चे अधिकारी आणि आपले बांधकाम विभागाचे अधिकारी संयुक्तिक दौरा करून ज्या ज्या ठिकाणी त्याच्याकडून नाले डॅमेज झाले आहेत काही ठिकाणचे गटार ब्लॉक झालेले आहेत ते दुरुस्त करण्याचे काम सुरु आहे आणि आता उर्वरित 15 दिवसांचा कालावधी आहे त्याच्या एरियातल्या नगरसेवकांना सोबत घेऊन सर्व सन्मा. सदस्य सर्व पदाधिकारी महापौर मॅडम ह्याच्या ठिकाणी स्थळ पाहणी करून त्याशिवाय सन्मा. आमदार गिता जैन मॅडमचे देखील लेखी पत्र आहे की मला स्थळ पाहणी करायची आहे. ज्यांचे ज्यांचे पत्र आहेत असे सदस्य शिवाय सर्वच सन्मा. सदस्य यांच्या सोबत त्या त्या एरियातले नाले सफाईचे येत्या ह्या 15 दिवसात अगदी ते काम तुमच्यापासून जो एरियात नाले सफाई असेल त्या एरियात त्या संबंधित नगरसेवक अगोदर कळवत राहतील आणि त्यानुसार त्याठिकाणी नाले सफाईचे काम करण्यांत येईल आणि सर्व ठिकाणी बिफोर आणि आफटर नालेसफाई करण्यापूर्वीचे चित्र काय होते. नाले सफाई नंतर काय असेल या सर्व ठिकाणचे फोटो जतन करायला सांगितले आहे. त्याचप्रमाणे डेली काय काम केले जाते त्या रजिस्टरवर त्या शिटवर फोटोग्राफ ठेवायला सांगितले आहे आणि ते आपल्या निदर्शनास आणण्यास येईल. ज्या ज्या ठिकाणी आपल्या सुचना आहेत. सर्व सन्मा. सदस्यांच्या त्या सुचनांची तंतोतंत अंमलबजावणी केली जाईल. जेणेकरून नाले सफाईला याचा हातभार लागेल आणि शहरात कुठल्याही परिस्थितीत पावसात पाणी भरणार नाही आणि शहर जलमय होणार नाही याच्यासाठी सर्व सन्मा. लोकप्रतिनिधी आणि प्रशासन एकत्रित पाहणी करून पावसापूर्वी त्यावर 100 टक्के उपाययोजना केल्या जातील. पावसात खड्डे पडतात बऱ्याच चौकात खड्डे पडतात बाजूला पडतात आणि ही अडचण होते तर त्या ठिकाणचे पण पॅचवर्क बऱ्यापैकी पूर्णत्वावर आणलेली आहे. जेणेकरून पावसात खड्डे पडणार नाहीत बरेच खड्डे पडतात तर ज्याठिकाणी मेट्रोचे काम सुरु आहे त्यादेखील त्याठिकाणी सांगण्यात आले आहेत की पावसाळ्या पूर्वी ते काम करून घ्या आणि 25 एप्रिल 31 मे पर्यंत हे काम पूर्ण करून घेण्यात येणार आहे. त्याचप्रमाणे याच्याही पेक्षा टॉयलेटच्या बाबतीत जो आपला विषय होता सर्व सन्मा. सदस्य यांच्या भावना लक्षात घेता उद्यापासून पुन्हा एकदा सर्व ठिकाणच्या सर्व अधिकाऱ्यांना स्थळपाहणी करून माहिती घ्यायला सांगणार. ठराविक दिवसात सुधारणा नाही झाल्यास संबंधित ठेक्यावर ठेकेदारांवर जे कायदेशीर कारवाई असेल तो ब्लॅकलिस्टेड असेल कामात सुधारणा नसेल त्याला रद्द करणे असेल त्यावर प्रशासन तत्काळ कारवाई करेल. धन्यवाद.

मा. महापौर :-

विषयाला सुरुवात करा.

नगरसचिव :-

आजच्या महासभेसाठी सन्मा. सदस्या श्रीम. रिटा शाह यांनी एक लक्षवेधी दिलेली ती मी महापौरांकडे देतो.

रिटा शाह :-

महापौर मॅडम माझी लक्षवेधी आहे ज्या आता थोड्याशा पिरेडमध्ये ज्या काही पदोन्नती झालेली आहे ज्यांची ज्यांची पदोन्नती झाली आहे त्यांचे मी अभिनंदनही करते परंतु मॅडम ह्या सभागृहामध्ये प्रभातताई पाटील, मी आहे असे खूप नगरसेवक नेहमी नेहमी आपल्या इकडचे जे परमनन्ट अधिकारी आहेत त्यांच्या पदोन्नती बदल आम्ही खूप वेळा चर्चा केलेली आहे. खुपवेळा मागणी सुध्दा केलेली आहे. परंतु हा जो विषय झाला असे पुरे मिरा भाईंदरमध्ये असे वाटते की फक्त प्रशासनाने आपले श्रेय घेतले आणि महासभेला आणले. इथे बसणारे सर्व जेवढे नगरसेवक बसले आहेत ते सर्व नगरसेवकांचे त्यामध्ये काही हातभार नाही असे चित्र निर्माण झालेले आहे. मॅडम माझा असा

एक प्रश्न आहे की आतापर्यंत जे काही सहा टर्म बघितले त्याच्यामध्ये दोन टर्म माझे गेले पण चार टर्ममध्ये माझी पाचवी टर्म आहे. ज्या-ज्या टर्ममध्ये जेवढे पदोन्नती आले ते महासभामध्ये मंजूरीसाठी आले आणि नंतर ते डिकलेअर केले गेले. परंतु ह्यावेळी काही दफ्तरी पध्दती आहे पहिला त्यांना पदोन्नती झालेली आहे आणि आता महासभेत अजून आलेलं नाही. आमच्या पूढे तर माझा एक प्रशासनाला प्रश्न आहे की महासभेची मंजूरी घेणे आवश्यक आहे की नाही? फक्त महासभेला अवलोकनाला पाठवायचे असते की मंजूरी घ्यायची गरज आहे आणि अवलोकनाला पाठवायचे असेल तर प्रश्न उद्भवत नाही तरी सुध्दा मी आपले आयुक्त श्री. दिलीप ढोले साहेबांचे मनापासून अभिनंदन करणार कारण आपला जेवढा स्टाफ आहे. तो पदोन्नतीसाठी वर्षानुवर्षापासून आपल्या नगरसेवकाला महापौरांना, सर्वांना ते पाठपूरावा करत होते. परंतु ते पदोन्नती झाल्या नाही. त्यांच्या कार्यकालात आता ह्या पदोन्नती एवढ्या झाल्या आहेत तर प्रशासनाला माझी एक विनंती आहे की महासभेची मंजूरी लागत असेल किंवा अवलोकन लागत असेल तर ते आपल्या महासभेपूढे आणून जसा एक विषय झाला काकांचा पहिला की ह्या शहरामध्ये जे काही चांगली काम होतील विकासांची काम होत आहेत, पदोन्नतीची काम होत आहेत त्याच्यामध्ये सभागृहाचा पण तेवढाच अधिकार आहे आणि तेवढाच हातभार आहे. तेही प्रशासनाने लक्षात घ्यायला पाहिजे आणि जो आपला अधिकार आहे तो आपल्याला द्यायला पाहिजे. परंतु मला असे वाटते की, ह्यामध्ये ह्या महासभेला जे काही अधिकार द्यायला पाहिजे होते जे काही श्रेय द्यायला पाहिजे होते ते काही झाले नाही. कस असतं असे प्रशासन परस्पर काम करत असेल तर एखादा वेळ बघा ते नगररचना विभागामध्ये कुठल्या बिल्डरने एक सी.सी. टाकली आणि त्याच्यामध्ये अटीशर्ती लावली की तुमचा रितसर प्रस्ताव आला आहे परंतु तुम्हाला ते सर्व प्रक्रिया पूर्ण करायच्या अटीशर्तीने तुम्हाला सी.सी. देण्यात येत आहे आणि परस्पर त्यांना देऊन टाकली असा काहीतरी निर्माण झालेला आहे. हे चित्र ह्या मिरा भाईंदर महापालिका क्षेत्रामध्ये तर माझी अशी इच्छा आहे की प्रशासनाने एक जवाब द्यायला पाहिजे की महासभेची मंजूरी या अवलोकनाची गरज आहे की नाही? दुसरं साहेब की क्लास 1 आणि क्लास 2 पदोन्नती झालेली आहे काही लोकांची भरपूर झालेली आहेत आणि त्याबद्दल मी आपले आणि त्या लोकांचे दोघांचे अभिनंदन करतो त्याचप्रमाणे क्लास 3 आणि क्लास 4 चे पण खूप लोकांचे प्रमोशन बाकी आहे साहेब. तर मला असे वाटते की तुमच्या कार्यकालामध्ये तेही प्रमोशन व्हायला पाहिजे. क्लास 3 आणि क्लास 4 च्या प्रमोशन आपल्या कार्यकाळामध्येच व्हायला पाहिजे. जे काही पॅडींग आहे ते दुसरं काम साहेब अनुकंपा विजय म्हसाळ साहेबांबरोबर मी 6-8 महिन्यापासून फॉलोअप घेत आहे असे जे काही कर्मचारी आहेत क्लास 4 चे की जे साफसफाईवर त्यांचे आई, वडील, भाऊ, बहिण जे आपल्याकडे कार्यरत होते आणि ऑनड्यूटी त्यांचा अकस्मात झालेले आहे ते वारले आहेत असे 40 लोक आहेत. त्या 40 लोकांचा पण त्यांना परमनन्ट करून आपल्याकडे समाविष्ट करून घ्यावं. याच्यामध्ये मी ही मागणी करते. अनुकंपाची जी 40 लोक आहेत म्हसाळ साहेबांना तो विषय माहित आहे. त्या विषयाच्या अंतर्गत अनुकंपाचे 40 लोकांच्या वर पण हे करून प्रोसिजर करून त्यांनाही आपल्याकडे परमनन्ट म्हणून घेण्यात यावे अशी मी मागणी आपल्याकडे लक्षवेधीच्या अंतर्गत करत आहे. परंतु हा जो एक विषय निर्माण झालेला आहे महासभेची मंजूरी आणि लोकप्रतिनिधीला महत्व देणे ह्या दोन विषयावर प्रशासनाने खुलासा करावा.

रोहिदास पाटील :-

महापौर मॅडम, एक रिटा मॅडमने मांडलेला विषय हा अत्यंत गंभीर आहे. आयुक्त खुलासा करतील पण त्यापूर्वी प्रशासनाच्या कामकाजाबद्दल मी दोन विषय मांडतो. एक जे 538 लोकांचे जे प्रकरण आहे साहेब आपण वेगवेगळे आदेश मंत्रालयातून आणतो त्याच्यात व्यक्तिगत हित असते असे म्हटले ते चुक नाही. कारण त्या व्यक्तिला त्याचे प्रमोशन हवे असते आणि वेगवेगळ्या पध्दतीने प्रमोशन होतात. पण ह्या ज्या 538 जे कर्मचारी होते इतक्या वर्ष तो प्रलंबित प्रश्न आहे मी एक

सोडून अनेक वेळा म्हसाळ साहेबांना भेटलो की साहेब हे काढा येईल त्याला काही आदेश येत नाही आणि त्या लोकांच्या वारसांना मॅडम त्या विधवा महिला आहेत विधवा मुलांच्या महिलांना नोकरी देण्यासाठी आपण विनंती करतो तात्पुरती द्या मी तर त्या दिवशी हात जोडून सांगितले की ह्या महिलांच्या मुलांना एक महिन्याची द्या, दोन महिन्यांची द्या, तीन महिन्यांची द्या. आज जर नोकरी मिळाली तर एक महिन्याने पगार मिळेल त्या बाईला तेवढी तरी झोप लागेल ते ही म्हसाळ साहेबांकडून मी एकदम ऐकेरी बोलतो साहेब म्हसाळ साहेब तुम्ही त्यात कर्तचास कसूर करतात हे तुमच्यातून होत नाही यांचे आम्हाला दुःख वाटते. ह्या मातीची नाळ तुमची आहे. आयुक्तांना आम्ही ठणकावून सांगण्यापेक्षा तुम्हाला इकडचे प्रत्येक कानाकोपऱ्याचे माहित आहे. कार्यकर्ता कोण, नगरसेवक कोण त्या बाईची गरज काय आहे, ती बाई तुमच्याकडे पोहचू शकते. आम्हाला त्या गोष्टीची लाज वाटते की 8 महिला, 7 महिला विधवा महिला मी पूढे आणि त्या मागे यांच्या केबीनमध्ये घुसायला लागते. परत रिकाम्या हाताने बाहेर निघतो. त्याच्या पत्नीकडे सांगतो तुम्ही आपण महापौर म्हणून आयुक्त म्हणून दोन कर्मचाऱ्यांना पण कोरोना योद्धा म्हणून सर्टिफिकेट दिलं सन्मान केला. मी पुन्हा पुन्हा सांगतो किती वेळ सांगितले मी पत्र दिली पण त्या लोकांना पगारकाय द्यायचा आयुक्त साहेब 12 तास झूटी करतात ज्यांची आई मेली तो ही त्या स्मशानात जात नव्हता पण त्या कर्मचाऱ्यांनी त्यांना अग्नि दिला तो विधी पार पडला अत्यंत कमी वेळेस उपमहापौर साहेब तुम्हालाही माहित आहे त्या लोकांना पगार साहेब नियमानुसार जर 25 हजार असेल तर 12 तासाचा 35 हजार व्हायला. 35 नका पण 20 तरी द्या. हे सांगताना आमच्या साहेबांकडे किती ट्रीप झाल्या विचारा, साहेब निर्णय घ्या ना काहीतरी त्या ठेकेदाराने काय पगार द्यावा तो निर्णय द्या ना.

मा. महापौर :-

काका ही लक्षवेधी.

रोहिदास पाटील :-

ही लक्षवेधीच आहे.

मा. महापौर :-

ही लक्षवेधी नाही.

रोहिदास पाटील :-

त्याच संबंधित आहे.

मा. महापौर :-

नाही विषय मला वाटते वेगळा जात आहे.

रोहिदास पाटील :-

मॅडम त्यांनी खुलासा करावा. आपण महापौर म्हणून लोक तुमच्याकडे अपेक्षेने बघतात. त्यावर तो निर्णय द्या.

मा. महापौर :-

ठिक आहे. आपण ह्या विषयावर नक्कीच चर्चा करून निर्णय घेऊ. मला वाटतं लक्षवेधी त्यांनी मांडून झालेली आहे आणि प्रशासनाने याच्यावरती खुलासा द्यावा.

दिनेश नलावडे :-

महापौर मॅडम ह्याच अनुषंगाने मी एक मिनिट बोलतो सर्वप्रथम ती ढोले साहेबांचे अभिनंदन करतो. महापौर मॅडम आपले देखील अभिनंदन याच्यासाठी करतो साहेब मी एक वर्षापूर्वी कार्यकारी अभियंता त्यांना मी प्रमोशन शाखा अभियंता करण्यासाठी एक वर्षापासून दोन तीन लेटर दिली आणि त्यांचा निर्णय आज ढोले साहेबांनी लावला परंतु माझी एक अजून इच्छा आहे महापौर मॅडम त्याच्यामध्ये अभियंताना शाखा अभियंत्याचे प्रमोशन मिळाले त्याच्यामध्ये काही अभियंते अजून शिल्लक आहेत. त्यांच्यावरती काही केसेस आहेत त्याबद्दल साहेब माहिती नाही परंतु त्यांना देखील

याच्यामध्ये प्रमोशन द्याव ज्या काही अडचणी दूर करून त्यांना देखील शाखा अभियंता पदावरती नियुक्त करावे ही माझी आपल्याला विनंती आहे.

गिता जैन :-

धन्यवाद मॅडम सर्वप्रथम मला हा प्रश्न पडला की लक्षवेधीचा विषय काय असावा. शहरात काही आणिवणी आली काही झालं त्याला लक्षवेधी आपण आणतो आणि याविषयी लक्षवेधी आली ते कदाचित निर्णय घ्यावा ज्याने टाकली आपण पण स्विकारली म्हणून आपण त्यात आहातच. पध्दती काय असेल काय नाही पण मला अतिशय आनंद याबाबतीत झाला की माझे 3 लेटर आणि प्रधान सचिवांना सुध्दा विनंती केलेली की आमच्याकडे हा प्रकार होत नाही 2004 किंवा 2006 ला शेवटची पदोन्नती झालेली आणि त्यानंतर अजून पर्यंत एकही पदोन्नती झालेली नव्हती आणि हे आपले ऑफिसर कर्मचारी सगळ्यांवर अन्याय होता आणि त्यासाठी मी 3 लेटर इथे टाकून झाल्यावर मी तिथे प्रधान सचिवांनाही सांगितले होते मॅडम मी फेसबुकवर आपले फोटो बघितले आपण त्यांना प्रमाणपत्र देत आहात जर ही प्रक्रिया चुकीची होती तर महापौर मॅडमने तिथेच थांबवायची होती. ते फोटो देताना अभिमानंदा करताना तुमचे फोटो मला बघून आता तुमचे जे नगरसेवक जेव्हा हे प्रश्न विचारतात की ही प्रक्रिया बरोबर आहे की नाही तर महापौर मॅडम आपण असताना जे प्रक्रिया.....

मा. महापौर :-

तुम्हाला मी थांबवते तुम्ही बोललात मी ऐकले आता मला असे वाटते जर ही लक्षवेधी नाहीतर तुम्हालाही चर्चा करण्याचा अधिकार नाही. तुम्ही शांत बसा असे मला वाटते.

(सभागृहात गोंधळ)

मा. महापौर :-

तुम्ही म्हणालात की ही लक्षवेधी होऊ शकत नाही. मग त्या लक्षवेधीवर तुम्ही चर्चा का करतात.

गिता जैन :-

चर्चा करण्याचा माझा अधिकार आहे.

मा. महापौर :-

कृपया आपण त्याच्यावरती चर्चा करू नये. असे मला वाटते. तुम्हाला माहितीचा अधिकार आहे तुम्हाला सगळा अधिकार आहे. तुमच्या अधिकाराचे हनन करत नाही. जेव्हा आपण म्हणालात की लक्षवेधी होऊ शकत नाही तुम्ही स्विकारली मी स्विकारली त्याचे कारण सांगते सन्मा. सदस्या रिटा शहा मॅडमने जी लक्षवेधी मांडलेली आहे ती वाचून दाखवते. वरील विषयानुसार प्रशासनाने मागी काही कालावधीमध्ये Class-I आणि Class-II अधिकारी यांना मा. महासभा आणि महाराष्ट्र शासन यांच्या मंजूरी शिवाय पदोन्नती दिलेली आहे. सबब मी प्रशासनाने दिलेल्या या पदोन्नतीबाबत मा. महासभेत लक्षवेधी मांडून आणि त्यावर चर्चा घडवून प्रशासनाचे लक्ष वेधू इच्छिते आहे. मला ही गोष्ट महत्वाची वाटली की ज्या ठिकाणी महासभेचा अधिकार असेल त्या ठिकाणी महासभेच्या अधिकाराव्यतिरिक्त प्रशासनाने असे काही वेगळे कामकाज केलेले आहे का कुठल्याही बाबतीमध्ये लोकप्रतिनिधीचा अधिकार हा गमावला गेला नाही पाहिजे त्यांचा अधिकार जो आहे तो या सभागृहामध्ये जो त्यांचा अधिकार आहे तो अधिकार त्यांना मिळायला पाहिजे. यासाठी प्रशासनाने अजून आपला खुलासा द्यायचा बाकी आहे. त्याच्याआधी आपण चर्चा करायला सुरुवात केली ही गोष्ट खरी आहे. एफ.बी. ला माझे फेसबुकवरती फोटो आले असतील आणि मी मान्य करते की, त्यावेळेला मा. आयुक्त महोदयांनी कर्मचारी जितके त्यांना पदोन्नती दिली त्यांना माझ्या दालनामध्ये पाठवून दिलं होतं माझ्या दालनामध्ये आल्यानंतर त्यांनी जी आनंदाची गोष्ट सांगितली की इतक्या वर्षांपासून त्यांची रखडलेली पदोन्नती त्यांना मिळाली त्यांना माझ्याबरोबर एक फोटो हवा होता त्यामुळे मी ते सर्टिफिकेट मा. आयुक्त आणि माझ्या दालनामध्ये दिलेले आहे. हे मी मान्य करते पण याबाबतीत ही प्रक्रिया होती

की मा. आयुक्तांनी संबंधित विभागाने महासभेला मंजूरीसाठी आणायला पाहिजे होतं किंवा अवलाकनार्थ आणायला हवं होतं ते आणलेलं नाही. कारण आता माहित होते की महासभा आहे गेल्या वेळेलाही महासभा झाली. त्यावेळेला सुध्दा आणायला हवं होते. पण त्याबाबत सन्मा. नगरसेविका रिटा शहा यांनी लक्षवेधी मांडलेली आहे. म्हणून ती आपण स्विकारलेली आहे. आता ह्यावरती प्रशासनाचे जे मत आहे त्यांना आपला खुलासा करावा.

रिटा शहा :-

महापौर मॅडम आपण आता जो काही खुलासा केला त्या अंतर्गत मी बोलु इच्छिते की जी काही पदोन्नती झाली ते मला असे वाटते सभागृहामध्ये बसलेले सर्व नगरसेवक, महापौर आणि पदाधिकारी सर्वांना ते मंजूर आहे साहेब झालेले काम खुप उत्तम आहे आणि चांगले आहे आणि ते करायला पाहिजे होते. फक्त मुद्दा तो होता की मंजूरीची गरज आहे की नाही परंतु साहेब जे काही मंजुर्या आपण दिलेल्या आहेत तर माझी तुम्हाला रिक्वेस्ट आहे की ज्या ज्या पदोन्नती झाल्या त्याची एक लिस्ट बनवून आजच्या महासभेमध्ये तरी यायला पाहिजे होतं ती मंजूरी घ्यायला पाहिजे होती. तर पुढच्या महासभेमध्ये जेवढ्या पदोन्नती झाल्या आहेत त्या रितसर आणून त्यांची मंजूरी घ्या.

मारुती गायकवाड (मा. उपायुक्त) :-

सन्मा. महापौर महोदया, सन्मा. आयुक्त महोदय, सन्मा. सभागृह, सन्मा. सदस्या रिटा शहा मॅडमने जो प्रश्न विचारला म्हणजे ज्या कर्मचाऱ्यांना तुम्ही प्रमोशन दिले म्हणजे प्रशासनाने प्रमोशन दिले त्याला महासभेची मंजूरीची आवश्यकता होती. खरतर वर्ग 2 आणि वर्ग 1 या प्रमोशनला महासभेची मान्यता आवश्यकत असते आणि शासनाचीही मान्यता आवश्यक असते. अॅक्च्युअली प्रमोशन हा मिरा भाईंदर महापालिकेचा प्रमोशनचा प्रश्न 10-15 वर्षांपासून पेंडींगचा विषय आहे. सन्मा. महापौर मॅडमच्या दालनामध्ये बऱ्याच मिटींग झाल्या आपल्या स्थायी समितीच्या मिटींग हॉलमध्ये बऱ्याच वेळा सन्मा. गटनेत्यांच्या मिटींग झाल्या. महापौर मॅडमच्या अध्यक्षतेखाली, आयुक्त महोदय, उपस्थितीमध्ये सन्मा. सभागृहनेते उपस्थित होते त्यावेळेस सन्मा. सर्व पक्षाचे गटनेते त्यावेळे उपस्थित होते आणि 2-3 मिटींग झाल्या त्या मिटींगमध्ये प्रशासनाने ताबडतोब ह्या लोकांना प्रमोशन द्या असे म्हटलेले आहे. दुसरा विषय 26/10/2021 ची जी महासभा झाली आमचे ऐक्युटीव्ह इंजिनिअर खांबित यांच्यावर गोळीबार झाल्यानंतर त्या महासभेमध्ये त्याचे तिव्र पडसाद उमटले होते. त्यावेळेस सन्मा. सदस्य धृवकिशोर पाटील साहेब असतील, सन्मा. निलम ढवण मॅडम असतील, सन्मा. सदस्या प्रभात पाटील ताई असतील, सन्मा. सदस्य सभागृह नेता प्रशांत दळवी साहेब असतील ह्या सर्वांनी पोटतिडकीने हा विषय मांडला होता की प्रशासन काय करते मी प्रोसिडिंग जर वाचून दाखवले त्या सन्मा. सदस्यांनी जे काही बोलले त्याला बराच वेळ जाईल तेव्हा सन्मा. सदस्यांची तीव्र भावना होती की अशा घटना परत घडण्याची प्रशासन वाट पाहते काय. थोडक्यात सारांश सांगायचा म्हटला तर ह्या तीव्र भावना लक्षात घेऊन आणि सन्मा. महासभेच्या मंजूरीस अधिन झालेल्या प्रमोशन दिले आहेत. महासभेने मंजूरी दिली तरच हे प्रमोशन कायम होतील आणि महासभेच्या मंजूरीला हे प्रमोशन आणणार आहे. समजा महासभेने मंजूरी नाही दिली तर ते प्रमोशन ऑटोमेटिकली रद्द होतील. आम्ही प्रमोशन देताना सन्मा. महासभेच्या मान्यतेस अधिन राहून महाराष्ट्र शासनाच्या मान्यतेच्या अधिन राहून असे प्रमोशन दिलेले आहेत आणि सदस्या मॅडमने जो प्रश्न विचारला अजून सभागृहासमोर का आले नाही तर प्रत्येक प्रमोशनला सभागृहाची मान्यता किती वेळेत घ्यावी ती वेळ प्रशासनाच्या आर.आर. मध्ये आहे आणि त्या वेळेप्रमाणे आम्ही ती सर्व प्रमोशन सन्मा. सभागृहासमोर आणणार आहोत आणि सभागृहाची मान्यता घेणार आहोत. समजा सभागृहाने जरी मान्यता नाही दिली त्या प्रमोशनला तर ती प्रमोशन ऑटोमेटिकली रद्द होतील. आपली महासभा

महिन्यातून एकदा होते, काही काही वेळेस महासभा स्थगित होते, महिना दिढ महिना दोन महिना कालावधी लोटतो आणि एवढा वेळ आपण वाट पाहायची का? एवढ्या सभागृहाची एवढी तीव्र भावना आहेत एवढ्या वर्षापासूनचा हा प्रश्न पेंडींग आहे मग दोन दोन महिने वाट पाहण्यासेवजी आम्ही पॉझिटिव्हली कोअॅक्टिव्हली काम केलं हे पण सन्मा. सभागृहाच्या मान्यतेस अधिन राहून केलेले आहे. त्यामुळे प्रशासनाने मनमानी कुठल्याही स्वरूपाची केलेली नाही. प्रशासनाने जो कर्मचाऱ्यांवर अन्याय झालेला आहे कर्मचाऱ्यांवर बऱ्याच वर्षापासून जे प्रमोशन नव्हती ते प्रमोशन सुरळीत मिळावीत आणि ह्या भावना लक्षात घेऊन सन्मा. महापौर महोदया, सन्मा. सभागृहनेते, सन्मा. सर्व गटनेत्यांच्या मिटींगमध्ये दिलेल्या सुचना, दिलेले निर्देश यांचे पालन करूनच प्रशासनाने प्रमोशन देण्याचे काम केलेले आहे.

भगवती शर्मा :-

महापौर मॅडम इस सदन का एकही कहना था की महापालिका के कुछ अधिकार होते हैं हमारा कहना यह था की, कलम 53 में स्पष्ट लिखा हुआ है की महापालिका की मान्यता होनी जरूरी है। अगर आपण महापालिका की मान्यता नहीं लेते हैं तो अधिकतम से अधिकतम 6 महिने की आप प्रमोशन दे सकते हैं लेकिन वह भी स्टैंडिंग कमिटी की मान्यतानुसार इस सभागृह का हर व्यक्ती का जो भी प्रमोशन देना है उसका प्रमोशन होना चाहिए। लेकिन उसके हित के साथ होना चाहिए वह पात्र है या पात्र नहीं है। कोई सदस्य का मत यह भी नहीं होना चाहिए रिटा शहा का एकही कहना था यह नियम जो हुआ की नियम के अंतर्गत हुआ आपने कहाँ की हमने महासभा के अधिन रहकर के किया तो अभी महासभा थी इसमें विषय लाना चाहिए था ना। महापौर मॅडम, इस विषय को अभी महासभा में जो एलिजेबल है जो नहीं है क्लास 1, क्लास 2 के जो भी अधिकारी है सबकी लिस्ट के साथ के अंदर मे अगली महासभा में यह विषय लाना चाहिए।

मा. महापौर :-

ह्या विषयावरती जो सभ्रम होता त्या करिता ही लक्षवेधी आपण स्विकारली होती. अतिशय गरजेची किंवा शहरामध्ये अतिशय आवश्यक असणारी लक्षवेधी आपण स्विकारतो ही गोष्ट मान्य आहे. परंतु महासभेचा पण अधिकार जो आहे तो कुठेतरी डावलला नाही पाहिजे म्हणून ते सभागृहाचे लक्ष मी वेधू इच्छिते म्हणून मी लक्षवेधी आज ह्या ठिकाणी स्विकारली होती. सन्मा. ह्या ठिकाणचे उपायुक्त ह्यांनी सुध्दा प्रशासनाच्या वतीने हे कबुल केलेले आहे की, महासभेच्या अधिन राहूनच आपण त्याला पदोन्नती द्यायची आहे. जर महासभेने पदोन्नती दिली नाही तर त्या पदोन्नती ग्राह्य धरल्या जाणार नाहीत. हे त्यांनी कबुल केलेले आहे. पुढच्या महासभेमध्ये मला असे वाटते की प्रशासनाने रितसर विषय ह्याठिकाणी आणावा. शिरवळकर साहेब विषयाला सुरुवात करा. विषय भरपूर आहेत.

प्रविण पाटील :-

महापौर मॅडम विषय असा आहे रिटा शहा मॅडमने लक्षवेधीमध्ये अजून एक मुद्दा मांडला होता कामाने तोच मुद्दा तोटतिडकीने बोलले अनुकंपा विषय अनुकंपाचा विषय थोडक्यात खुलासा प्रशासनाने करावा. अनुकंपाचा विषय हा प्रशासनाचा आहे की शासनाचा आहे. कारण कसं आहे 40 लोकांचा विषय आहे. काका त्याच्यासाठी प्रयत्न करतात. काही लोक आमच्याकडेही येतात. तर हा विषय वेळोवेळी आपल्याकडे मांडला जात आहे.

मारुती गायकवाड (मा. उपायुक्त) :-

सन्मा. महापौर महोदय, सन्मा. आयुक्त महोदय, सन्मा. सभागृह आपण अनुकंपा तत्वावरती 14 लोकांना कामावरती घेतले आहे. जुलै 2021 पासून आतापर्यंत म्हणजे साधारण 8-9 महिन्यांमध्ये 14 लोकांना आपण परमनन्ट स्वरूपावरती कामावर घेतले आहेत. अनुकंपावरती आणि लाढ पांगे समितीच्या अनुषंगाने जे स्वच्छता कर्मचारी मृत्यू पावतात किंवा सेवानिवृत्त होतात त्यांच्या वारसांना

आपण देतो त्या अशा अनुषंगाने आपण 9 लोकांना कामावरती घेतलेले आहे. जुलै 2021 पासून आतापर्यंत 8 महिन्यांमध्ये आणि सन्मा. सदस्य काका जे म्हणत आहेत 538 लोकांचे त्या 538 लोकांची नियुक्त फक्त त्या 538 लोक सेवानिवृत्त होईपर्यंतच होती. त्यांच्या वारसांना ह्याचा लाभ देता येणार नाही असे स्पष्ट शासनाचे निर्देश आहेत. त्या अनुषंगाने शासनाला आपण दोन वेळा पत्रव्यवहार केलेला आहे म्हणजे म्हसाळ साहेबांच्या काळात सुध्दा केला आहे आणि मी आल्यापासून दोन वेळा पत्रव्यवहार केला आहे. डी.एम.ए. ऑफिसला केला आहे, यू.डी. डिपार्टमेंटलाही केलेला आहे. आपण त्याचा फॉलोअप घेत आहोत. प्रशासनाला आपले लोक आवश्यकता आहेत आपण कॉन्ट्रॅक्ट बेसवरती लोक दोन अडीच लोक कॉन्ट्रॅक्ट बेसवरती काम करत आहोत. त्याच्यापेक्षा आपली लोक कामावरती येणे आम्हाला सुध्दा चांगले आहे. प्रशासनाची सुध्दा तिच भावना आहे मा. आयुक्त महोदयांचे तेच निर्देश आम्हाला आहेत की जास्तीत जास्त परमनंट लोक ह्या आपल्या आकृतीबंधानुसार कॉन्ट्रॅक्ट बेसवर घेण्यापेक्षा त्यांनी 538 लोकांच्या प्रश्नाच्या अनुषंगाने आम्ही वारंवार फॉलोअप घेतो. सन्मा. सभागृहनेते सुध्दा बऱ्याच वेळा मला लेटर देतात. बऱ्याच वेळा माझ्याकडे फॉलोअप घेत असतात आम्ही फॉलोअप घेतो प्रशासन याच्याकडे दुर्लक्ष करतात. प्रशासनाची तिच भावना आहे. कॉन्ट्रॅक्ट बेसवरती लोकांपेक्षा आपली परमनंट लोक आपल्याकडे असणे कधीही चांगले असते.

रिटा शाह :-

साहेब याच्यामध्ये आम्ही फॉलोअप घेतलेला आहे. त्या 538 लोकांमध्ये मी म्हसाळ साहेबांकडे पण गेली होती. तेव्हा मला हेच उत्तर भेटले होते की त्याच्यामध्ये हे जे कर्मचारी होते जे 40 लोकांचे मी बोलते ते मंत्रालयाकडे गेले होते आणि त्यांचा फॉलोअप घेऊन शासनाकडून त्यांनी ते आणलेले आहे की ज्या काही अटीशर्तीवर त्यांना घेतले होते की त्यांच्यानंतर कोणाला नाही ते त्यांनी रद्द करून त्याच्यावर कारवाई करून ते पेपर मी तुमच्याकडे जमा केले आहेत.

वंदना पाटील :-

महापौर मॅडम तुमच्या परवानगीने मी बोलतो महिला बालकल्याण समितीमध्ये ज्या चारुशीला खरपडे आहेत त्या महिला बालकल्याण अधिकारी आहेत त्यांना आपण त्यांना जो चार्ज दिलेला आहे तो माझ्या मते कमी करण्यात यावा. कारण त्यांना पूर्ण वेळ द्या. महिला बालकल्याणमध्ये ठेवण्यात यावे. कारण महिला बालकल्याणचे दोन अधिकारी सेवानिवृत्त होतात आणि महिला बालकल्याण मला वाटते की त्यांना टाईम भेटत नाही आपण त्यांना चार्ज दिल्यामुळे महिला बालकल्याणची समिती संपली आणि संपुन 2-3 महिने होऊन सुध्दा त्यांनी जो आपला अहवाल निघतो. महिला बालकल्याणचा तो ही त्यांनी तयार केलेला नाही. तर त्या मॅडमला तो भार कमी करून .....

मा. महापौर :-

मॅडम विषयावर बोलायचे आहे तो विषय आता नाही आहे.

वंदना पाटील :-

तो विषयावरच बोलतो आहे मॅडम.

मा. महापौर :-

तो विषय नाही. ते आयुक्त साहेबांच्या दालनात जाऊन तुम्ही त्या विषयावरती चर्चा करून निर्णय घेऊ शकता. महिला बालकल्याण सभापती, उपसभापती आणि तुम्ही आयुक्त साहेबांच्या दालनामध्ये जाऊन त्या विषयावरती चर्चा करा विषयाला सुरुवात करा.

नगरसचिव :-

प्रकरण क्र. 1, दि. 01/10/2021, दि. 26/10/2021 (दि. 01/10/2021 रोजीची तहकुब सभा), दि. 26/10/2021, दि. 01/12/2021 व दि. 24/12/2021 (दि. 01/12/2021 रोजीची तहकुब सभा) रोजीच्या मा. महासभेचे इतिवृत्तांत कायम करणे.

रोहिदास पाटील :-

दि. 01/10/2021, दि. 26/10/2021 (दि. 01/10/2021 रोजीची तहकुब सभा),  
दि. 26/10/2021, दि. 01/12/2021 व दि. 24/12/2021 (दि. 01/12/2021 रोजीची तहकुब सभा)  
रोजीच्या मा. महासभेच्या इतिवृत्तांतामध्ये मा. सदस्य यांनी सुचविलेल्या दुरुस्त्यांसह इतिवृत्तांत  
कायम करण्यांत येत आहे.

दिपीका अरोरा :-

माझे अनुमोदन आहे.

मा. महापौर :-

ठराव सर्वानुमते मंजूर.

**प्रकरण क्र. 01 :-**

दि. 01/10/2021, दि. 26/10/2021 (दि. 01/10/2021 रोजीची तहकुब सभा),  
दि. 26/10/2021, दि. 01/12/2021 व दि. 24/12/2021 (दि. 01/12/2021 रोजीची तहकुब सभा)  
रोजीच्या मा. महासभेचे इतिवृत्तांत कायम करणे.

**ठराव क्र. 03 :-**

दि. 01/10/2021, दि. 26/10/2021 (दि. 01/10/2021 रोजीची तहकुब सभा),  
दि. 26/10/2021, दि. 01/12/2021 व दि. 24/12/2021 (दि. 01/12/2021 रोजीची तहकुब सभा)  
रोजीच्या मा. महासभेच्या इतिवृत्तांतामध्ये मा. सदस्य यांनी सुचविलेल्या दुरुस्त्यांसह इतिवृत्तांत  
कायम करण्यांत येत आहे.

**सुचक :- श्री. रोहिदास पाटील**

**अनुमोदन :- श्रीम. दिपीका अरोरा**

**ठराव सर्वानुमते मंजूर**

**सही/-**

**महापौर**

**मिरा भाईंदर महानगरपालिका**

नगरसचिव :-

प्रकरण क्र. 2, मिरा भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्रामध्ये बालसंरक्षक समित्या स्थापन  
करणेबाबत.

सिमा शाह :-

प्रशासनाने दिलेल्या प्रस्तावात नमुद केल्याप्रमाणे बालसंरक्षण समित्या महापालिका क्षेत्रात  
प्रत्येक नगरसेवक यांच्या अध्यक्षतेखाली स्थापन करण्यास ही मा. महासभा मान्यता देत आहे.

हेतल परमार :-

माझे अनुमोदन आहे.

मा. महापौर :-

सदर विषयाचा प्रशासनाने खुलासा द्यावा.

**संजय शिंदे (उपायुक्त) :-**

सन्मा. पिठासीन अधिकारी महोदया, सदर विषय हा आपले समोर जो मंजूरीसाठी आलेला  
आहे तो महिला बालकल्याण विभागाशी संबंधीत आहे. यामध्ये अपेक्षित असे आहे की, यापूर्वी आपण  
समिती स्थापन केल्या होत्या परंतु प्रभाग स्तरावर होत्या. दरम्यानच्या काळामध्ये मा. जिल्हाधिकारी  
महोदयांकडे बैठक झाली होती आणि आपले जिल्ह्याचे जिल्हा महिला बालकल्याण अधिकारी आहेत  
त्यांनी आपल्याला पुन्हा पत्रव्यवहार केला आणि त्यांनी सांगितले की, अपेक्षित असे आहे की प्रत्येक  
नगरसेवकाच्या अध्यक्षतेखाली कमिटी स्थापन व्हायला पाहिजे. जो जी.आर. मध्ये उल्लेख केला होता



तो प्रभाग आणि नगरसेवक असा शब्द होता. परंतु आता जे काही आहे ते एका प्रभागात 4 नगरसेवक आहेत त्यामुळे आपण यापूर्वी जे काही गोषवारा आपली मान्यता घेतली होती. ते प्रभागाला एक असे केले होते. परंतु त्यांनी स्पष्टपणे सांगितले की, प्रत्येक नगरसेवकाला एक समिती स्थापन करणे अपेक्षित आहे. भले तुमच्या एका प्रभागात 4 सदस्य निवडून येत असले तरी प्रत्येक सदस्याला अध्यक्षतेखाली ती समिती स्थापन करा आणि ती समिती स्थापन करून आम्हाला तसं महासभेच्या मान्यतेनंतर कळविण्यात यावे असे कळविले. यानंतर हा आपण प्रस्ताव ठेवलेला आहे. माझी सभागृहाला विनंती आहे की, आपण प्रत्येक एका सदस्याच्या अध्यक्षतेखाली एक कमिटी अशाप्रकारे मान्यता द्यावे बाकीचे जे कमिटीची जी रूपरेषा आहे ती प्रभाग समितीच्या सभागृहामध्ये ठरवायची आहे. जो काही मी ह्या ठिकाणी प्रशासनाच्यावतीने गोषवारा दिलेला आहे त्यामध्ये सविस्तर गोषवारा दिलेला आहे की, समिती कशी असेल, त्याच्यामध्ये सदस्य कोण कोण असतील आणि समितीचे कार्यकक्षा काय असेल तर माझी सभागृहाला विनंती आहे की गोषवाच्यामध्ये नमुद केल्याप्रमाणे समिती स्थापन करण्यास मान्यता व्हावी.

गिता जैन :-

महापौर मॅडम, नगरसेवक अध्यक्षतेखाली समिती गठित झाल्यापासून 5 वर्षासाठी आता हे आम्ही प्रत्येक नगरसेवक कदाचित 2 महिने अजून राहणार. मग त्या समिती कायम राहणार की, मग ते अॅटोमॅटीक बरखास्त होणार आणि नविन बनणार.

**संजय शिंदे (उपायुक्त) :-**

शासनाचा जो आदेश आहे मॅडम सभागृह जोपर्यंत अस्तित्वात आहे त्याप्रमाणे ती राहणार. नविन सभागृह झाल्यानंतर परत समिती स्थापन होणार.

धनेश पाटील :-

नगरसेवकाची संख्या कशी घेणार?

**संजय शिंदे (उपायुक्त) :-**

प्रत्येक नगरसेवकाला, पूर्वी काय होत एक नगरसेवक एका प्रभागात होता. त्यामुळे तो तसा शासनाचा जी.आर. आहे. दरम्यानच्या काळामध्ये आपले बहूउद्देशीय सदस्य संख्या झाली. परंतु शासनाला अपेक्षित असे होते की, प्रत्येक सदस्याच्या अध्यक्षतेखाली ती समिती पाहिजे. त्यामुळे यापुढे जर सदस्य वाढतील तर तेवढी सदस्यांच्या अध्यक्षतेत करू.

स्नेहा पांडे :-

यह समिती स्थापीत होगी तो इसके कार्य कौन डिसाईड करेंगे की क्या क्या कार्य है और समजो हमको वॉर्ड मे इस तन्हाके कार्य मिलते हैं तो हमारे राईट क्या है?

मा. महापौर :-

प्रोसिडींग मे लिखा है।

स्नेहा पांडे :-

नाही ते फक्त मुलांचे संरक्षण करणे. संरक्षणामध्ये काय काय आहे आणि आम्हाला काय राईट आहेत? पालिकेकडून काय करणार? कोणाला काय गरज आहे तर पालिका देणार?

मा. महापौर :-

गोषवाच्यात सगळं नमुद आहे मॅडम. निट वाचा.

स्नेहा पांडे :-

वाचले मॅडम. त्याच्यामध्ये काय सहयोग देणार, काय करायचे. समजा एका मुलाला नाही गरज असेल तर पालिका आपल्याला काय सहकार्य करणार?

**संजय शिंदे (उपायुक्त) :-**

याच्यामध्ये तो आपण गोषवारा दिलेला आहे. त्याचा संक्षिप्त असे सांगतो की, आपले नगरसेवकांचे जे क्षेत्र आहे त्या क्षेत्रामध्ये राहणार. जे बालक आहेत त्यांच्या ज्या काही समस्या असतील ते आपल्यापर्यंत मांडतील आणि त्या समस्यांवर सोल्यूशन काढण्यासाठी आपल्यावतीने पत्रव्यवहार करणे ह्यासाठी ती कमिटी आहे. त्यामध्ये असे सुध्दा म्हंटले आहे की, काही पालकांना जर गरज लागेल तर डी.पी.डी.सी. मध्ये तो मुद्दा मांडण्यात यावा. आता आपल्या सभागृहामध्ये काही सदस्य डी.पी.डी.सी. मध्ये आहेत. त्यामुळे डी.पी.डी.सी. तुन सुध्दा त्या बालकांना मदत केली जाते. ह्याठिकाणी सदस्य आहेत, आमदार महोदया आहेत तर आपल्या अध्यक्षतेखाली कमिटी स्थापन होईल. त्यामध्ये मुलांचे जे काही समस्या येतील त्याच्यावर आपण उपाययोजना करण्यासाठी निर्णय घेवून तो आपण शासनाला कळवले तर मुलांना मदत होईल. अशाप्रकारे ते अपेक्षित आहे. थोडक्यात काय आहे की मायक्रो लेव्हलला मुलांच्या समस्या समजून घेऊन त्याच्यावर शासनाच्यावतीने जे काही स्कीम सुरु आहेत महिला बालकल्याणच्या स्कीम आहेत त्याची मदत मिळवून देण्यासाठी ही समिती आहे.

स्नेहा पांडे :-

साहेब, महिला बालकल्याणच्या ज्या स्कीम आहेत मुलांसाठी किंवा निराधार महिलांच्या मुलांसाठी ते तर आपण राबवतोच आहोत. ते नविन कोणाला काय गरज आहे. त्याच्यासाठी प्रशासन काय सहयोग करणार. आपण फक्त पुढे पाठवणार त्यांची समस्या केव्हा येईल काय होईल.

**संजय शिंदे (उपायुक्त) :-**

मॅडम तेच अपेक्षित आहे. जिल्ह्याला महिला बालकल्याण अधिकारी आहेत ते आपल्या शहरातल्या महिलांचे आणि बालकांचे जे काही विषय आहेत ते शासनापर्यंत पोहचविणे, मदत मिळवून देण्यासाठी आहेत. तथापी ते अर्बन क्षेत्रामध्ये म्हणजे मनपा क्षेत्रामध्ये आपण आहोत. मनपा म्हणून आपल्यामार्फत आपण ते शासनाला प्रस्ताव पाठवतो म्हणून ही समिती स्थापन केली आहे. जे मायक्रो लेव्हलला काम करून आपण आपल्या प्रभागातल्या बालकांच्या ज्या काही समस्या आहेत त्याच्यावर ज्या काही उपाययोजना असतील त्यांना काही आर्थिक मदत मिळवून देणे असेल विविध स्कीम आहेत त्याच्यासाठी आपण हे शासनाला कळविणे याच्यासाठी स्कीम आहे.

स्नेहा पांडे :-

फक्त तेवढेच आपण शासनाला कळवू आणि ते काय मदत करणार ते आपल्याला माहिती नाही.

**संजय शिंदे (उपायुक्त) :-**

शासन मदत करणार. आपण बरोबर फॉलो-अप घेतला तर शासन मदत करणार.

स्नेहा पांडे :-

आपल्याकडून काहीच नाही?

**संजय शिंदे (उपायुक्त) :-**

आपल्या लेव्हलला आपली कमिटी आहे ना. आपण करतोच ना. आपला महिला व बालकल्याण विभाग जो आहे त्यामध्ये आपला निधी आपण वापरतोच ना त्याच्या मदतीला.

स्नेहा पांडे :-

महिला बालकल्याणचा उपयोग तर आता पण आपण करतोच.

शर्मिला बगाजी :-

महापौर मॅडमच्या परवानगीने बोलते, ह्या संबंधीत बालसंरक्षण समिती बाबत मी बऱ्याच वेळेला मी महापौरांकडे पण एक पत्र गेलेले असेल आणि त्या आधी पानपट्टे साहेबांना पण दिलेले आहे. ह्या संदर्भात जो 2006 पासून ही समिती आहे आपल्याकडे ही लेट झाली. तर ह्या समिती ऑलरेडी

आमच्या गावात आम्ही स्थापन पण केल्या आहेत. म्हणजे 3 नगरसेवक यांच्यामध्ये कारण हा जिल्हाधिकार्यांकडून आपल्याला हा आदेश आला होता. आपल्या प्रशासनाकडून हा विषय लेट आलेला आहे. परंतु याच्या संदर्भात आता पण जी दुविधा आहे ह्या मॅडमने पण सांगितले की संबंधीत अधिकारी मनपातर्फे का कारण नगरसेवक मिटींग घेतली किंवा संबंधित त्याचा अहवाल आपण जिल्हाधिकार्यांना द्यायचा आहे की, आपण संबंधीत मनपाच्या अधिकारी इथे अवेलेबल असेल का? किंवा कोणाला चार्ज दिला जाईल, त्यासंदर्भात आपण खुलासा केला तर बरं होईल.

**संजय शिंदे (उपायुक्त) :-**

मॅडम, आपल्या अध्यक्षतेखाली जी कमिटी स्थापन कराल त्याचा जो निर्णय आपण जिल्हा महिला बालकल्याण अधिकारी यांच्याकडे पाठवतो. आपल्या क्षेत्रात आपल्या अधिकारातला असेल. म्हणजे आपली महिला बालकल्याण समिती आहे तिच्या अधिकारामध्ये जर आपल्याला तो प्रश्न सोडवता येत असेल तर तो आपल्या लेव्हलला सोडवणार. आपल्याला तो सोडवता येत नसेल तर आपण जिल्हा महिला बालविकास अधिकार्याला मनपाच्या महिला बालकल्याणचे जे उपायुक्त आहेत त्यांच्यावतीने ते पाठवले जाणार. पण तो ठराव तुमच्या त्या समितीचा असणार आहे.

**शर्मिला बगाजी :-**

म्हणजेच महिला बालकल्याण संबंधित जो अधिकारी असेल, एखाद्या वेळेला आपल्या अडचणी असल्या तर ठाण्याला जाण्यापेक्षा इथे खुलासा असेल तर आपल्याकडून कोण जाईल असे आपले म्हणणे आहे.

**संजय शिंदे (उपायुक्त) :-**

बरोबर मॅडम.

**मा. महापौर :-**

ठिक आहे. ठराव सर्वानुमते मंजूर. पुढचा विषय घ्या.

**प्रकरण क्र. 02 :-**

मिरा भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्रामध्ये बालसंरक्षक समित्या स्थापन करणेबाबत.

**ठराव क्र. 04 :-**

प्रशासनाने दिलेल्या प्रस्तावात नमुद केल्याप्रमाणे बालसंरक्षण समित्या महापालिका क्षेत्रात प्रत्येक नगरसेवक यांच्या अध्यक्षतेखाली स्थापन करण्यास ही मा. महासभा मान्यता देत आहे.

**सुचक :- श्रीम. सिमा शाह अनुमोदन :- श्रीम. हेतल परमार**

**ठराव सर्वानुमते मंजूर**

**सही/-**

**महापौर**

**मिरा भाईंदर महानगरपालिका**

**नगरसचिव :-**

प्रकरण क्र. 3, महापालिका शाळांमध्ये ९ वी चे वर्ग सुरु करणेबाबत.

**ध्रुवकिशोर पाटील :-**

मिरा भाईंदर महापालिकेच्या विविध ठिकाणी ३६ शाळा आहेत. त्यापैकी ०८ वी चा वर्ग चालू असलेल्या खालीलप्रमाणे शाळा असून खालीलप्रमाणे पटसंख्या आहेत.

| क्र | शाळेचे नांव            | इयत्ता       | माध्यम | मुख्याध्यापक व शिक्षक | इ.८ वी ची पटसंख्या | शाळेची एकूण पटसंख्या |
|-----|------------------------|--------------|--------|-----------------------|--------------------|----------------------|
| १   | मनपा शाळा क्र. ०४ काशी | १ ली ते ८ वी | मराठी  | १ + १६ = १७           | १३८                | ११४७                 |
| २   | मनपा शाळा क्र. १० चेणे | १ ली ते ८ वी | मराठी  | १ + ६ = ७             | २२                 | २१३                  |
| ३   | मनपा शाळा क्र. १४      | १ ली ते ८ वी | मराठी  | ० + ८ = ८             | ५०                 | ३१८                  |

|   | पेणकरपाडा                     |              |       |           |    |     |
|---|-------------------------------|--------------|-------|-----------|----|-----|
| ४ | मनपा शाळा क्र. १९ माशाचा पाडा | १ ली ते ८ वी | मराठी | १ + ५ = ६ | ४० | ४०० |
| ५ | मनपा शाळा क्र. ०५ काशी        | १ ली ते ८ वी | उर्दु | १ + ३ = ४ | ५७ | ३६१ |
| ६ | मनपा शाळा क्र. ३१ भाईदर (प)   | १ ली ते ८ वी | उर्दु | १ + २ = ३ | ३८ | १९१ |
| ७ | मनपा शाळा क्र. ३२ मिरगांव     | १ ली ते ८ वी | उर्दु | १ + २ = ३ | २७ | २५९ |
| ८ | मनपा शाळा क्र. ३४ मिरारोड     | १ ली ते ८ वी | उर्दु | १ + ४ = ५ | ४७ | २९६ |

वर नमुद केलेल्या शाळांच्या परिसरात इ ८ वी च्या पुढील इ ९ वी/१० वी ची शाळा नसून शाळेमध्ये इ. ९ वी चे वर्ग सुरु करणे शक्य आहे. मनपा शाळेमध्ये शिक्षण घेणारे बहुतेक विद्यार्थी गरीब व आर्थिकदृष्ट्या दुर्बल घटकातील असून आपल्याच शाळेतील विद्यार्थी पुढील (इ ९ वी चे) शिक्षण घेण्यापासून वंचित राहू नये याकरीता या विद्यार्थ्यांसाठी इ. ९ वी चे / इ. १० वी चे वर्ग मनपा तर्फे सुरु केल्यास त्यांच्या पुढील शिक्षणाची सोय होईल. यावर्षी ९ वी चे वर्ग व पुढील वर्षी १० वी चे वर्ग सुरु करण्यास मान्यता देण्यात येत असून सदरचा प्रस्ताव मंजुरीस्तव राज्य शासनाकडे पाठविण्यात यावा.

इयत्ता ९ वी व १० वी चे वर्ग सुरु करताना विद्यार्थ्यांची पटसंख्या कमी असलेल्या महापालिकेच्या इतर शाळांचे वर्ग एकत्र करून विद्यार्थ्यांची पटसंख्या वाढवावी व त्या विद्यार्थ्यांना बस सेवा देण्यात यावी.

तसेच इ. ९ वी चे वर्ग सुरु करणेसाठी लागणारे आवश्यक शिक्षक महापालिका शाळांमध्ये असलेल्या शिक्षकांमधून घ्यावे व आवश्यकता भासल्यास ठोक मानधनावर शिक्षक घेणेस तसेच इ ९ वीच्या विद्यार्थ्यांसाठी लागणारी पाठ्यपुस्तके व आवश्यक शैक्षणिक साहित्य मनपा तर्फे उपलब्ध करणेस देखील मंजुरी देण्यात येत आहे.

महापालिकेच्या शाळेतील विद्यार्थ्यांचा शैक्षणिक दर्जा वाढविणे, गुणात्मक शिक्षण देणे आवश्यक आहे. आपले विद्यार्थी आजच्या स्पर्धेत युगामध्ये मागे पडू नये, टिकाव धरण्यासाठी मनपाच्या शाळेमध्ये डिजिटल क्लासरूम निर्माण करून E-Learning" (A.V.Room) द्वारे शिक्षण देणे आवश्यक आहे. E-Learning / डिजिटल क्लासरूमद्वारे शिक्षण दिल्यास विद्यार्थ्यांमध्ये शिक्षणाची गोडी /आवड निर्माण होऊन विद्यार्थी केंद्रीत शिक्षण शक्य होईल. विद्यार्थ्यांची आकलन शक्ती वाढून बुद्धीचा विकास होण्यास मदत होईल.

त्याचप्रमाणे मनपाच्या शाळेमध्ये इ ५ वी ते इ ८ वी च्या विद्यार्थ्यांना सामान्य विज्ञान विषयासाठी आवश्यक असलेले प्रयोग साहित्य उपलब्ध नाही त्यामुळे विद्यार्थ्यांना प्रयोग / प्रात्यक्षिके केली / दाखविली जात नाहीत. विद्यार्थ्यांना प्रयोग साहित्य उपलब्ध करून प्रयोगशाळा निर्माण करणे आवश्यक आहे. मनपा सर्व शाळांमध्ये डिजिटल क्लासरूम तयार करून E-Learning द्वारे शिक्षण देणे तसेच प्रयोगसाहित्य उपलब्ध करून प्रयोगशाळा तयार करणेस व त्याकामी करावयाच्या खर्चास प्रशासकीय / आर्थिक मंजुरी देण्यात येत आहे.

तरी चालू शैक्षणिक वर्षातच (२०२२-२३) उपरोक्त सेवा / सुविधा उपलब्ध करण्याकरीता आवश्यक ती निविदा प्रक्रिया पूर्ण करून दि.३१/७/२०२२ पुर्वी तातडीने कार्यवाही करावी. तसेच नविन शैक्षणिक वर्ष सुरु होणार असून महापालिका शाळा संबंधी पारित झालेल्या ठरावाची अंमलबजावणी व शैक्षणिक कामकाजावर देखरेख करणेकरीता शिक्षण समितीची आवश्यकता असल्याने महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम कलम ३० अन्वये गठीत केलेल्या शिक्षण समितीवर सदस्यांची नावे देवून समिती गठीत करण्यास ही मा. महासभा मंजुरी देत आहे.

दिपीका अरोरा :-

माझे अनुमोदन आहे.

**मदन उदितनारायण सिंह :-**

महापौर मॅडम अभी इस विषय पे जो ठराव मांडा गया मुझे लगता है की जो गोषवारा है और ठराव मे कही समानता है ही नहीं| उन्होने ठराव मे बोला है की, 9वी के वर्ग शुरु किये जाए| लेकीन कौन कौन से माध्यम के ठराव मे क्लिअर नहीं लिखा है जबकी हमारी मिभामनपा मे हिंदी, मराठी, गुजराती और उर्दु चार भाषा के विद्यार्थी पढाई करते है और अपने गोषवारा मे लिखा गया है की, मराठी और उर्दु की 9वी की क्लास शुरु कि जाए| तो हिंदी और गुजराती की क्यों नहीं की जा रही है?

मा. महापौर :-

याचे उत्तर तुम्हांला थोड्या वेळात मिळेल.

**मदन उदितनारायण सिंह :-**

और मैं बोलता हूँ की अभी वो बोलेंगे की हिंदी आणि गुजरातीचे 8वीं चे अजून चालू नाहीत ते पण का चालू नाहीत?

मा. महापौर :-

प्रशासन तुम्हाला उत्तर देईल ना.

**विक्रमप्रताप सिंह :-**

मिरा भाईंदर महानगरपालिका को लगभग 20-22 साल पुरा हो गया। दुर्भाग्य है की, मनपा के स्कूलो का जो स्थिती परीवर्तीत होना चाहिए वो बिलकुल नहीं हुआ है। और उसके अर्गेंस में प्रायव्हेट सेक्टर के सारे स्कूल हैं आज धीरे धीरे पुरे मिरा भाईंदर मनपा के पुरे गिरफ्त में ले चुके हैं और अहूत ही बुरी स्थिती जो है मनपा की और जितनी भी स्कूल हैं उनकी हैं। निश्चित तौर पे आपने जो यह प्रयास यहाँ पे पेहल किया है आयुक्त महोदयने जो माझी वसुंधरा प्रोग्राम या वहापे मनपा के जो बच्चे आये और उनको आप लागोंने इतना बढीया स्टेज प्रोव्हाईड किया तो कहीना कही उनके चेहरे पे हम लोग खुशी देखे तो मन में ऐसा भाव आता था की अपनी प्रायव्हेट स्कूलो में लब हम लाते हैं और नो डाऊट हमोर भी बच्चे जो हैं मजबुरी में प्रायव्हेट स्कूलमें पढते हैं और यहा पे जितने भी मनपा के सदस्य हैं सभी के बच्चे मजबुरी में मनपा के स्कूल में न भेज के अपने बच्चो को प्रायव्हेट सेक्टर में भेजते हैं। निश्चित तौर पे जिस तरीके से स्मार्ट देश के कई हिस्सो में जैसे दिल्ली में हुआ स्मार्ट बनाने का कोशिश किया गया और ऐसा कोशिश अगर हमारी मनपा करती है तो बहुतही अच्छा मेसेज जायेगा और कहीना कही गरीब बच्चों का भविष्य जो है बनने में बहुत बडा योगदान होगा। निश्चित तौर पे यहा पे बहुत सारे सदस्य होंगे प्रशासन में बैठे हुए लोग होंगे जो की प्राथमिक स्कूल या सरकारी स्कूल से पढके जो हैं आज इतना बडा मुकाम हासील किया है। मैं निवेदन करुंगा की जो प्रायव्हेट स्कूल मिरा भाईंदर में जो हैं उनके जो कुछ आरक्षण शायद प्रोव्हीजन किया गया ना तो ओ आरक्षण जो है मनपा या गरीब बच्चो को मिलता है की नहीं मिलता इसका खुलासा जो है प्रशासन करे और अगर नहीं मिलता है तो निश्चित तौर पे मेरा निवेदन है की कमसे कम 10% जो है आरक्षण गरीब बच्चों के लिए जो है टॉप टेन के जितने भी स्कूल हैं उनमें कहीना कही गरीब बच्चोको आरक्षण जो है यहाँपे फिक्स हो ताकी गरीब के बच्चे जो हैं, ऐसा है की स्कूल में पढ सके। और निश्चित तौर पे विषय यह है की मेरा एक निवेदन है उसमें कम बी.एम.सी. में जो बच्चे पढते हैं गरीब के बच्चे पढते हैं जो भी गरीबी के काल में एम.बी.एम.सी. गव्हर्नमेंट स्कूल में भेजते हैं कम से कम हप्ते में एक दिन जो है जो मिरा भाईंदर के टॉप टेन स्कूल हैं हमारे जो एम.बी.एम.सी. के स्कूल में पढने आवे और अपने टीचर के साथ आवे और कमसे कम जो एम.बी.एम.सी. के टीचर के साथ एक दिन टॉप टेन स्कूलों में हमारे एम.बी.एम.सी. के टीचर हैं टीचर के साथ एक दिन टॉप टेन स्कूलो में हमोर जो गरीब बच्चे जा के वहापे पढे ताकी जो टायटेक स्कूल कैसे होत है, स्मार्ट स्कूल कैसे होते हैं उन गरीब बच्चो की भी अनुभव हो और जो बडे लोगो के बच्चे हैं कही ना कही जो हैं प्राथमिक स्कूल में क्या व्यवस्था है उसका भी अनुभव हो जायेगा। क्योंकि कहीना कही दोनो बच्चे हमोर हैं, हमारे भविष्य हो सकते हैं। प्राथमिक स्कूल का जो बच्चा है हमोर मिभामनपा में या शहर का, हमारे प्रदेशका नाम जादा रोशन करने में जो है निश्चित तौर पे मेरा जो सजेशन है की इसपे अगर विचारे करे और जो आरक्षण हमारे गरीबो को प्रायव्हेट स्कूल में जितना मिलता है या नहीं मिलता है। अगर नहीं मिलता है तो उसपे प्रोव्हीजन किया जाए। धन्यवाद!

डॉ. सुशिलकुमार अग्रवाल :-

महापौर मॅडम आपके अनुमतीसे बोलना चाहता हूँ, यह जो विषय आया है मिभामनपाद्वारा 9वी, 10वी क्लास का शिक्षण है हमारे विद्यार्थी को देना चाहिए। एक बात में सभी का ध्यान इसके उपर आकर्षित करना चाहूंगा की, महापालिका में 36 स्कूल हैं और केवल 8 स्कूल के अंदर 8वी की शिक्षा होती है। उसमें से 4 मराठी मिडीयम और 4 उर्दु मिडीयम। बाकीके जो माध्यम हैं मुख्यतः हिंदी मिडीयम के माध्यम के बारे में आपको बताना चाहता हूँ की, यह जो एकभी स्कूल के अंदर 8वी कक्षा की क्लास नहीं है। हमोर वॉर्ड के अंदर हिंदी मिडीयम की 2 स्कूल हैं, स्कूल क्र.18 और 31 जिसके अंदर 600 से उपर पटसंख्या है और 7वी कक्षा के विद्यार्थी करीब दोनो स्कूल मिला के 100 के करीब होते हैं और हर साल जभी 100 विद्यार्थी यह स्कूल से निकलते हैं तो उनके सामने बहुत बड़ी मुसिबत आती है की वह आगे की अॅडहमशन कहा लेवे तो मेरा इसी सभागृह को निवेदन रहेगा की यह दोनो स्कूलों के अंदर 8वी कक्षा के वर्ग, 8वी, 9वी, 10वी कक्षा के वर्ग हिंदी मिडीयम के माध्यमसे आप शुरु किये जाये। जैसे भाईदर (प.) के सभी जो हिंदी भाषीय विद्यार्थी हैं उनको इसका लाभ मिले। क्योंकि भाईदर (प.) के अंदर दुसरी कोई मनपा की हिंदी मिडीयम की स्कूल नहीं है। आप देखोगे इधर बहुत बड़ी संख्या के अंदर वहा पे विद्यार्थी आते हैं जो 7वी तक की कक्षा है और 9वी शुरु किया है तो मेरे ख्याल से सभी स्कूलो के अंदर वहापे पटसंख्या उचित है। वहाँ पे 8वी कक्षा की क्लास शुरु की जाए और हमोर प्रभाग के अंदर शाला क्र. 18 और 30 वह दोनहो स्कूलो के अंदर 8वी कक्षा का वर्ग शुरु किया जाये यह मेरी सुचना उसमें समाविष्ट की जाए। धन्यवाद!

जुबेर इनामदार :-

महापौर मॅडम, लक्षवेधीची खरी गरज हया शहरामध्ये हा ज्वलंत विषय आहे. महापौर मॅडम आयुक्तांचा महापौर मॅडम तुमच्या हया सभागृहामध्ये उपस्थित सर्व सदस्यांना खरोखर आपण केला ही चांगली गोष्ट आहे. आपण करत आलो काम करतो म्हणून लोक अभिनंदन करतात. आयुक्तांचे अभिनंदन केले. खरोखर त्यांनी केले आहे. त्यांचा जो कार्यकाल आहे त्यात त्यांनी केले आहे. त्यांनी हया शहरासाठी बरेच काही केले आहे. दिवसरात्र ते मेहनत करतात. आयुक्त महोदय हया शहरामध्ये तुम्ही हया शाळेचा विषय म्हणजे आपल्याला शिक्षण देणे हा प्रथम कर्तव्य आहे. शासनाने आपल्यावरती कर लादला आहे. त्याच्यासाठी साहेब तुम्ही लोकांना हया शहरामध्ये गोरगरीबांना शिक्षण प्राप्त झाले पाहिजे हया सभागृहामध्ये उपस्थित एकही सदस्यांचा मुलगा पालिकेच्या शाळेमध्ये जात नाही. कदाचित हे जुनी लोक म्हणजे आमचे काका सारखी लोक हया पालिकेच्या शाळेमध्ये शिकून हया सभागृहामध्ये आले असतील. तुम्ही आले असाल परंतु आज अशी परिस्थिती आहे की, आपण आपल्या मुलांना शाळेमध्ये पाठवत नाही. त्याला कारण काय क्वालीटी ऑफ शिक्षण, तसेच इंग्लीश. आयुक्त महोदय आपल्याकडे जे शिक्षण आपल्याकडे शाळांचा विषय आहे. आपल्याकडे प्रॉब्लम मोठा काय होतो शाळा आपल्याकडे आहेत विद्यार्थ्यांची पटसंख्या कमी आहे. शिक्षक नाहीत हा मोठा विषय झाला आहे. त्याला तुम्ही मार्ग काढू शकता साहेब. तुम्ही तो एकटेच काढू शकतात कारण तुमच्याकडे तो अधिकार प्राप्त आहे. येणाऱ्या काळामध्ये तुमचा हा क्रमप्राप्त विषय ठेवा की मला मिरा भाईदर शाळांचा विषय अशाप्रकारे हाताळायचा आहे की मला इथे सेंट्रलाईज केंद्रीय पध्दतीने केंद्रीत करून आपल्याकडे केले पाहिजे. आपल्याकडे 36 शाळा आहेत. त्याच्याऐवजी आपण फक्त 5 शाळा करा, 10 करा. उर्दु माध्यमांची आमच्याकडे 4 शाळा आहेत. त्याला तुम्ही एकच करा. तिथे 15 शिक्षिका होऊन जातील साहेब. पटसंख्या होऊन जाईल. लोकांना शिक्षण व्यवस्थित मिळेल. एका इमारतीमध्ये आणि आयुक्त महोदय मुलांना शिक्षण द्यायचे आहे. आपण त्यांना मोफत बससेवा देऊ. पोराना शिक्षक आणा, पालक त्यांना घेऊन येतील. आम्ही गेलो आहोत. आम्ही 5-5 किलोमीटर ट्रॅव्हल करून आम्हाला गरज होती शिक्षणाची आम्ही जात होतो. घराच्या बाजूला शाळा असायला पाहिजे. आपण मुलांना मोफत शिक्षण देऊ, चांगले शिक्षण देऊ. त्याचा फायदा मुलांना व त्यांच्या पालकांना होईल. त्या मुलांना आपण चांगले शिक्षण देऊ शकू. त्यासाठी सेंट्रलाईज शिक्षण पध्दत हे करण गरजेचे आहे.

कारण ज्या पध्दतीने आपल्याकडे आजच्या तारखेत साहेब खर्च पडतो. आपल्याकडे एवढ्या इमरतीना आपल्याकडे डागडूजी करावी लागते. त्याच्यावरती आपला खर्च पडतो तो कुठेतरी कमी होणार. तो खर्च कमी होईल शिक्षण आपल्याला व्यवस्थित जागेवरती परिपूर्ण शिक्षक मिळतील. मुलांची पटसंख्या वाढेल. शिक्षण चांगले मिळेल. तर पालक आपल्या मुलांना शंभर टक्के आपल्या पालिकेच्या शाळेमध्ये पाठवतील. साहेब, आर.टी.ई. मध्ये अशी परिस्थिती झालेली आहे. आर.टी.ई. मध्ये आम्ही अॅडमिशनसाठी लोकांचे फॉर्म भरले उत्पन्नाचा दाखला मिळत नाही. उत्पन्नाचा दाखला 1 लाखापेक्षा कमी पाहिजे. मला एब सांगा वार्षिक उत्पन्न एका लाखा पेक्षा कमी म्हणजे अर्थात तो माणूस, म्हणजे त्यांनी कुठे तरी चोरी करायची, चोरीची भूमिका घ्यायची. फसवणूक करायची. चुकीचे कागद फाडायचे आणि उत्पन्नाचा दाखला त्याने मिळवून घ्यायचा. एक लाखापेक्षा कमी आर.टी.ई. मध्ये त्याने उत्पन्नामध्ये घट असताना आर.टी.ई. मध्ये महापालिकेच्या शाळेमध्ये अॅडमिशन पूर्ण होत नाहीत. आपला सेमी इंग्लीश हा विषय आहे. आपण सेमी इंग्लीश केले पाहिजे. आपल्याला सेंट्रलाईज पध्दतीने केलं तर त्याला शंभर टक्के फायदा आपल्या ह्या शहराला होणार आहे. ह्या शहरावासियांना होईल. त्या गोरगरीब विद्यार्थ्यांना होईल. साहेब म्हणून तुमच्यावर आमचा विश्वास आहे. तुम्ही विश्वासाने हा विषय हाताळा अशी आपणांस विनंती करतो.

मिरादेवी यादव :-

महापौर मॅडम के परवानगीसे बोलती हू, मॅडम आज यह 9वी के शाळा का विषय आया यह अच्छी बात है। लेकिन आपने प्रभाग क्र.12 मे करीब 4 से 5 स्कूल ऐसी है, लेकिन उस मे हिंदी का कोई क्लास नहीं है। प्रभाग क्र.14 मे भारी संख्या मे हिंदी भाषीक रहते है। आपसे मैं निवेदन करुंगी की उसमे भी हिंदी भाषाका भी क्लास चालू होना चाहिए और दुसरा विषय 2012 से मैं और श्री. अनिल भोसले नगरसेवक थे आरक्षण क्र. 367 हिस्सा क्र.87, सर्वे क्र.87 हिस्सा क्र.1 करीब एक हजार के आसपास वह जगह है मॅडम आप महापौर है मॅडम आप भी स्कूल के लिए प्रयास किए थे वो स्कूल बनाने का।

मा. महापौर :-

मॅडम तिथे जागा कमी पडत आहे त्याच्यामुळे आपण तिकडे शाळा करू शकत नाही.

मिरादेवी यादव :-

मॅडम हो सकता है।

मा. महापौर :-

नाही करू शकत आहे. जागा कमी पडते.

मिरादेवी यादव :-

जगह एक हजार के आसपास होगा। छोटी छोटी जगह में हो रहा है।

मा. महापौर :-

ठिक आहे प्रशासन याच्यावर उत्तर देईल.

मिरादेवी यादव :-

वहाँ भी हिंदी भाषिय जादा है उनके लिए मेरा प्रयास है।

मा. महापौर :-

माझी पण इच्छा आहे पण जागेच्या अभावी तो विषय करू शकत नाही.

दिनेश जैन :-

महापौर मॅडम आपण 9 वी चे धोरण सुरु करत आहोत. परंतु याच्यामध्ये असे आहे की आता जे धोरण सुरु आहे त्याच्यामध्ये पहिली कक्षामध्ये आपले 764 मुले आहेत, दुसरी मध्ये 762 आहेत, तिसरीमध्ये 1081 आहेत. पहिला दुसरीमध्ये 700 आहेत आणि तिसरीमध्ये एकदम 1081 झाले आहेत. चौथीमध्ये 1071 आहेत, पाचवीमध्ये 1042 आहेत, सहावीमध्ये 1046, आणि सातवीमध्ये

1063, आठवीच्या धोरणमध्ये 419 मुले फक्त आपल्या शाळेत आहेत. आपण नववीचे धोरण चालू करतो पहिला आपल्याला आठवीचे हिंदी आणि गुजराथीचे बंद केले आहे ते सुरु करायला पाहिजे ते सुरु केले तरच आपल्याला नववीचे धोरण केलेले कामाचे आहे.

मा. महापौर :-

तुम्हाला म्हणून मी सांगत असते की जेव्हा ठराव वाचतात तेव्हा निट ऐकत जा. त्यावेळी तुम्ही सगळे जण आपआपसात चर्चा करतात. ठरावात काय नमुद केलं होत तुम्ही ते ऐकलच नाही.

दिनेश जैन :-

मी तेच बोलतो की आपण आठवीचे मुले म्हणजे आपल्याला 50 टक्के मुल होऊन जातात. म्हणून मी आपल्याला नववनीचे वर्ग सुरु करायच्या अगोदर आपले आठवीचे पण जे धोरण हिंदी आणि मराठी सुरु करायला पाहिजे तरच ते आपल्याला कामाचे होईल.

पंकज पांडे :-

महापौर मॅडम, आपके परवानगीसे बोल रहा हूँ आयुक्त साहब आपने जो विषय लाया उसका मैं स्वागत करता हूँ यह जो विषय है सेमी इंग्लिश का मॅडम अपने शहर में टोटल 36 स्कूल हैं और मैं जानना चाहता हूँ की टिचर कितने हैं 36 स्कूल में टिचर कितने हैं और उनको हम कितना सॅलरी देते हैं उनके उपर कितना खर्चा होता है और हमारा साल का बजेट कितना है शिक्षा के उपर मॅडम जैसा मैंने थोडा इसपे वर्किंग किया की हमारा शहर की संख्या 12 से 14 लाख है लेकिन शिक्षा के उपर हमारा जो खर्चा होना चाहिए वह हम नहीं करते हमारी महापालिका वह खर्चा नहीं करती है। 12 करोड कुछ शासन से आता है और 12 करोड कुछ महापालिका खर्चा करती है तो मॅडम बाकी जैसा बांधकाम है, आरोग्य है उसके प्रती हम करोडो रुपये खर्चा करते हैं लेकिन शिक्षा के प्रती मॅडम यहाँ जितने भी लोकप्रतिनिधी बैठे हैं मैं बोलना चाहूँगा इसके प्रती आप सब पुछीए की बजेट में शिक्षा के प्रती कितना खर्चा होता है यह शहर की जनता पूछना चाहती है, जानना चाहती है की हमारे लोकप्रतिनिधी वहाँ जाते हैं और जो विषय शिक्षा का और शिक्षा के लिए मॅडम हम कूछ नहीं करते सालो से हमारा एकही धोरण चल रहा है।

अनिल भोसले :-

महापौर मॅडम आपल्या परवानगीने बोलतो सर्व प्रथम ह्या शहरामध्ये अनेक गोरगरिब मुलं ह्या शहरामध्ये राहतात त्यासाठी आपण जो विषय आणला आहे त्याबद्दल मी आयुक्त साहेब व आपले मनापासून धन्यवाद व्यक्त करतो. कारण ह्या शहरामध्ये अनेक मोठमोठ्या प्रायव्हेट स्कूल आहेत पण जो आपला परिसर आहे इथे स्लम परिसर आहे ह्या परिसरामध्ये खरोखरच 10 वी पर्यंत शाळेची गरज होती पण याचबरोबर जे शिक्षक आहेत आपण नियोजन समितीमध्ये आहात, शिक्षक जे आहेत प्रशासनाला आयुक्त साहेबांना आपल्याला पण माझी एक विनंती आहे कारण शिक्षण आपण आपल्या शाळेमध्ये खरोखरच चांगले मराठी मिडीयममध्ये कमिशनर साहेब आपण अनेक ठिकाणी व्हिजीट मारले. शिक्षण हे शिक्षक खरोखर चांगले देत आहेत चांगल्या दर्जाचे शिक्षण देत आहेत मुलेही चांगल्या पध्दतीने शिकत आहेत. पण ह्या शहरामध्ये 10 वी पर्यंत जर शिक्षण झाले तर याचा खरोखरच फायदा होईल. आपण हे नववी आणि दहावीच्या बरोबर शिक्षक वाढतील यासाठी प्रयत्न करावा आणि सेमी इंग्लीश व इतर यासाठी पण प्रयत्न करावा अशी माझी विनंती आहे.

तारा घरत :-

महापौर मॅडमच्या परवानगीने बोलते आमच्या गोडदेव गावातील 8 नंबर झाला आहे त्याची शिफटींग करायची आहे. आयुक्त साहेबांना विषय माहित आहे तर ती लवकरात लवकर शिफ्ट करा.

स्नेहा पांडे :-



महापौर मॅडम, शाळा क्र. 08 की पानी की टाकी बडा करने के लिए शिफ्टिंग का विषय चल रहा है तो वह कहाँ पे स्कुल शिफ्ट की जाएगी प्रशासन से खुलासा चाहूँगी और मॅडम दुसरा इंद्रलोक में एक बिल्डर के दुआ बिल्डींग बनाके स्कुल के लिए हॅण्डओव्हर करनेवाले हैं पालिका को तो उसमें दिव्यांग बच्चो के लिए एक फ्लोअर दिया जा रहा है बाकी हमारा ऐसा रिक्वेस्ट था की वह शाळा क्र. 8 इंद्रलोक में शिफ्ट किया जाए और दुसरा इंद्रलोक कनाकिया परिसर में इस तरफ कोई भी म्युनिसिपालटीके स्कुल नहीं है।

मा. महापौर :-

ठिक आहे तुम्ही आयुक्त महोदयांचा दालनामध्ये जाऊन हा विषय सांगा.

स्नेहा पांडे :-

कोविड के बाद एक सर्व्हे ऐसा आया है जिसमें काफी प्रायव्हेट स्कुल के बच्चे अपना अॅडमिशन बी.एम.सी के स्कुल में.....

मा. महापौर :-

मॅडम आपण विषयाला धरून बोला.

स्नेहा पांडे :-

इंद्रलोक में सेमी इंग्लिश स्कुल शुरू किजीए| उस नए बिल्डींग में ऐसी रिक्वेस्ट करती हूँ।

अनिल सावंत :-

महापौर मॅडम, अतिशय चांगला विषय आणला होता. त्या प्रभात ताई कायम याच्या मागे लागायच्या कारण 7 वी नंतर आठवीनंतर, नववी, दहावी मुलांना प्रवेश मिळत नाही त्यामुळे ह्यावर्षी आठवी, नववी, दहावी वगैरे नववीनंतर, दहावी असे ते होईल. त्यानंतर महापौर मॅडम मिरारोडमध्ये एक ऊर्दु शाळा आहे त्यादिवशी मी व्हिजीट केली होती. इतर शाळांची सुध्दा मॅडम परिस्थिती एवढी चांगली नाही. इमारती आता आपण आपल्या सभागृहामध्ये बघा किंवा ह्या इमारतीत पदाधिकाऱ्यांच्या केबीन, अधिकाऱ्यांच्या केबीन एवढे आपण करोडो रुपये खर्च करतो त्या शाळांची सुध्दा जर 36 शाळा आपण करू शकत नसु तर तेवढ्या 10 किंवा 15 शाळा सेंट्रलाईज बघुन त्या जर व्यवस्थित केल्या डागडूजी केली तर बरेचसे लेकरे ह्या कोरोना काळामध्ये बरेच से लोक आपल्या मुलांना आपल्या शाळांमध्ये घालायला इच्छूक आहेत त्या उर्दु शाळेमध्ये ओ.पी.डी. आहेत वैद्यकिय विभाग, सार्वजनिक आरोग्य, आरोग्य विभागाचे कर्मचारी त्यांचे साहित्य सर्व त्याठिकाणी डम्प केलेले असते आणि अतिशय कठीण परिस्थितीमध्ये तिथली मुले त्याठिकाणी शिक्षण घेत आहेत. तर त्याची जरा आयुक्त साहेब आपण नोंद घेऊन तिथे जे डिपार्टमेंट आहे ते जरा शिफ्ट करायची व्यवस्था करावी.

प्रशांत दळवी :-

महापौर मॅडम आपल्या परवानगीने महापौर मॅडम, खरोखरच सभागृहाच्या भावना लक्षात घेता आपण वेळोवेळी या आठवी ते दहावीचे वर्ग सुरु करावेत मग ती मराठी मिडियम असेल, उर्दु मिडियम असेल, हिंदी मिडियम असेल किंवा गुजराथी मिडियम असेल वारंवार आपण बैठका घेतल्या. सन्मा. आयुक्त त्या बैठकीला उपस्थित होतात आणि असे असल्यानंतर ह्या ठिकाणी आज आयुक्तांनी गोषवारासहित ह्या ठिकाणी आपल्याला नववीचे वर्ग सुरु करावेत अशा प्रकारचा गोषवारा दिला आहे. महापौर मॅडम मी ह्या मताशी पण सहमत आहे की आपले सन्मा. सदस्य सुशिल अग्रवालजी किंवा मदन सिंगजी यांनी जो प्रश्न उपस्थित केला आयुक्त महोदय की तिथे आठवीचे विद्यार्थी, सातवीचे विद्यार्थी जास्त प्रमाणात आहेत परंतु तिथे आठवीचे वर्ग सुरु नाहीत. तर महापौर मॅडम त्यांची सुचना बरोबर आहे की त्यांना पुढच्यावर्षी आठवीमध्ये येता आले पाहिजे. जेणेकरून आपण नववीचे वर्ग ह्या वर्षापासून सुरु करतो. दहावीचे वर्ग पुढील वर्षापासून सुरु करतो. परंतु हे करत असताना हिंदी मिडीयम असेल किंवा सन्मा. सदस्य दिनेश जैन बोलले की गुजराथी वर्ग तर गुजराथी वर्गाची पण पटसंख्या बघुन त्या त्या शाळेमध्ये यांची पुढे पुढे सातवी, आठवीपासून ते ही शिक्षण सुरु करावे. आमचे मित्र

प्रतापजी पण बोललेत की आपण दर्जा वाढवला पाहिजे. आपल्या ज्या ज्या वेळेला बैठका झाल्या आपण तेच केले आहे ह्या ही वर्षी सन्मा. उपायुक्तांना माझी विनंती राहिल की त्यांनी सांगाव की ह्या ही वर्षी एक हजाराच्यावर आपण विद्यार्थी आपल्या महापालिका शाळेमध्ये त्यांनी अँडमिशन घेतलेले आहेत आणि ह्या ही वर्षी ह्या शाळेचा दर्जा सुधारावा आणि दर्जा सुधारत असताना प्रतापसिंग साहेब आपण मजबुरीने कुठल्या मुलाला प्रायव्हेट शाळेत टाकत नाही कारण याचा अर्थ असा आहे की आपण आपल्या महापालिका शाळेमध्ये त्यांना पाठ्यपुस्तकांपासून त्यांची फी असेल किंवा मग त्यांचे गणवेश असतील हे आधी सर्व आपण मोफत देतो आणि म्हणून त्यांना गरीब न म्हणता आपले सर्व ह्या शहराचे ते विद्यार्थी आहेत आणि विद्यार्थ्यांना प्रोत्साहन देणे हे सर्व सामान्य आपल्या सन्मा. सदस्यांचे काम आहे आणि म्हणून सगळे सदस्यांनी जे काही धोरण अवलंबले आहे त्या मताशी मी सहमत आहे. महापौर मॅडम पुढच्या वर्षी किंवा ह्या ही वेळेला आपण जास्तीत जास्त आपले वर्ग कसे सुरु करता येईल आणि आपल्या शाळांची सुधारणा कशी करता येईल त्या विषयावरती आयुक्त महोदय आपण बारकाईने लक्ष द्यावे. गांभीर्याने विचार करावा महापौर मॅडम ही विनंती आणि परत एकदा आपले मदनसिंग किंवा मग सुशिल अग्रवाल असतील त्यांनी ज्या सुचना केल्या आहेत त्या सुचना ह्या ठरावात समाविष्ट करण्यात यावे.

मा. उपमहापौर :-

महापौर मॅडम पहिला मी दळवी साहेबांचे धन्यवाद देतो की अर्धवट माझे काम हलके झाले जे मला बोलायचे होते त्यामध्ये 50 टक्के दळवी साहेबांनी सांगितले उरलेले आमचे जे सदस्य आहेत विक्रमसिंगजी, डॉक्टर साहेब जुबेर भाई, तारा घरत मॅडम आणि प्रत्येकांची मागणी होती महापौर मॅडम की आपल्या मिरा भाईदरच्या ज्या शाळा आहेत त्यांना अपग्रेड करावं प्रत्येकांची मागणी आहे मग ते शिक्षेच्यामार्फत असावं किंवा डिजीटलच्या माध्यमातून असावं प्रत्येकाची ती मागणी आहे आणि ही माहिती देऊ इच्छितो महापौर मॅडम की लास्ट एका वर्षात किंवा सुमारे 6 महिन्यात आपली 1 हजार मुले वाढलेली आहेत. त्यामध्ये प्रत्येक अभिवंदनीय आहेत सदस्य असो, प्रशासन असो, अधिकारी असो आणि ही माहिती देऊ इच्छितो येणाऱ्या काळामध्ये आपण शासन आणि प्रशासन मिळून एकत्र ह्यासाठी आपण 480 लाख खर्च पडणार आहेत फक्त विद्यार्थ्यांसाठी त्यामध्ये काय काम आहे फक्त अपग्रेड करण्यासाठी त्यामध्ये संगणक आहे, ईलर्निंग आहे, इंग्लिशमध्ये आहे. टिचर अपॉईटमेंटमध्ये आहे, प्रयोग शाळेमध्ये आहे, डिजीटल शाळांमध्ये पण आहे आणि ऑडियो रुम ह्यामध्ये येणाऱ्या काळामध्ये 480 लाख खर्च करणार आहोत आणि ह्यासाठी प्रशासन आणि शासन मिळून तरतूद केलेली आहे. आपण ऑलरेडी ह्यासाठी गांभीर्य आहोत. यामध्ये दोन मत नाहीत. फक्त ही माहिती देण्यासाठी महापौर मॅडम धन्यवाद.

निला सॉस :-

महापौर महोदया आपकी परमिशन से बोलती हूँ की सर्वप्रथम आपका अभिनंदन करती हूँ की, इतने सालो से प्रलंबित विषय टिचर के हाथो होता था क्योंकि शिक्षा का महत्व क्या होता है वह आपसे जादा कौन समज सकता है। मुलभुत सुविधा लोगो को प्रोव्हाईड करना हमारा बेसिक फर्ज बनता है और मेन की जो हमने इसके पहले भी सभागृह में जितनी बार चर्चा हुई उस चर्चा में मुख्य विषय था की ड्रॉप आऊट बहुत बच्चे होते है इस साल जो बच्चे बडे है हमको स्विकारना पडेगा कोरोना के हालत के कारण प्रायव्हेट स्कुल की मनमानी की फीज वो नही दे सकते इसलिए बडे है लेकिन वो बच्चे इसी स्कुल में सुविधा ले इसके लिए हम लोगो को जो बेसिक फॅसिलिटिज है क्योंकि आज 1 टू 7 भी था तो ड्रॉप आऊट क्यों हो रहे थे वह ड्रॉप आऊट जो हो रहे थे उसकी सुविधाए हमें पहुंचानी है चाहे वो हमारे क्योंकि बिर्डींग की हालत इतनी खराब है अँज द सेम टाईम स्वच्छता नही है कई विषय इसके उपर पहिले भी इसके उपर डिस्कस कर चुके है तो आय वील जस्ट से की ग्रेट इनेशियेटीव्ह लेकिन साक्षात जो बच्चे बडे है वो ड्रॉप आऊट फिरसे ना हो तो उसके लिए खास

सुविधा उन्हे दिजीए और परिवहन व्यवस्था भी अगर तुम्हे दि जाए क्योंकि उतने सारे स्कूल नहीं है तो नियरबाय है तो हर बच्चे वहाँ तक पहुँच सके उसके लिए भी फ्री फॅसिलिटी हम यातायात सुविधा कैसे हम दे सकते हैं उसकी भी कोशिश किजीए।

राकेश शहा :-

महापौर मॅडम एक सुचना आहे. ज्या गुजराथी व हिंदी माध्यमांच्या शाळांमध्ये नववी चे वर्ग सुरु करणेकरिता पटसंख्या असल्यास तिथे ही नववीचे वर्ग सुरु करणेबाबत प्रशासनाने योग्य ती कार्यवाही करावी अशी माझी सुचना आहे ती याच्यामध्ये नमुद करुन घ्या .

मा. महापौर :-

आठवीची पटसंख्या बघुन नववीचे वर्ग सुरु करण्यात येत आहेत. आपल्या ठरावामध्ये नसेल म्हटलेले आहे सातवीचे जे वर्ग आहेत ते आठवीचे करायचे पटसंख्या बघुन जिथे 4-5 मुले आहेत तिथे पटसंख्याच नाही तिथे सातवीचा वर्ग आठवीत नाही घेऊ शकत.

मदन सिंग :-

मॅडम गोषवाऱ्यात फक्त मराठी आणि ऊर्दुचे दिले आहे. हिंदी आणि गुजराथीचे काय केले?

मा. महापौर :-

ते सर्व माध्यमांसाठी आहे. प्रशासन खुलासा देत आहे.

मा. आयुक्त :-

मा. महापौरांच्या परवानगीने बोलतो सदयस्थितीत मराठी आणि उर्दु शाळा यांना नववी चे वर्ग सुरु करण्यासाठी आपण विचाराधीन आहोत. हिंदी आणि गुजराथीचे जे विद्यार्थी आहेत त्यांची पटसंख्या बघून सदयस्थितीत गुजराथी विद्यार्थी सातवीमध्ये 32 विद्यार्थी आहेत आणि हिंदी माध्यमांसाठी 302 विद्यार्थी आहेत. आपण जे आता सुधारित सर्व सन्मा. सदस्यांनी सुचना केलेल्या आहेत त्यानुसार हिंदी माध्यमांच्या विद्यार्थींसाठी आपण सर्वांना परमिशन देत आहोत. गुजराथी माध्यमांची हया सध्याच्या स्थितीत सातवीमध्ये फक्त 32 विद्यार्थी आहेत. तर त्या अनुषंगाने आम्ही पुन्हा एकदा तपासणी करु आणि हिंदी गुजराथी माध्यमांसाठी ज्या आता सुचना दिलेल्या आहेत त्याप्रमाणे सर्व प्रथम आठवीचे वर्ग सुरु करावे लागतील. पुढच्या वर्षी टप्प्याटप्प्याने करु आणि सर्व सन्मा. सदस्यांनी सन्मा. सदस्य विक्रम सिंग, जुबेर भाई आणि सर्वच अतिशय महत्वाचा सुचना हया ठिकाणी दिलेल्या आहेत. इन्फ्रास्ट्रक्चरच्या बाबतीत सांगायचे झाल्यास शिक्षकांचे तर 154 शिक्षक सध्या आपल्याकडे आहेत. आता मा. उपमहापौरांनी मा. सभागृहनेता यांनी 1 हजारहून अधिक लोकांनी आपल्याकडे आपल्या पाल्यांना शाळेत दिलेले आहे. प्रवेश घेतलेला आहे. हयाचाच अर्थ महापालिकेच्या शिक्षणाचा दर्जा आणि तुमच्या प्रत्येकाने अधिकारी आणि प्रशासन काम करत आहे विश्वास वाढत आहे हे ऐकून आहे. चांगली सुचना दिली आहे की इन्फ्रास्ट्रक्चर काय खर्च करणार तर मा. उपमहापौर साहेबांनी सांगितले की 4 कोटी 80 लाख रुपये इन्फ्रास्ट्रक्चरवर आपण खर्च करत आहोत. आपल्या अॅक्टीव्हिटी बेस लर्निंग आपण ते करत आहोत. वेगवेगळे इन्फ्रास्ट्रक्चर करत आहोत. शाळेची बऱ्याच ठिकाणी रंगरंगोटी सुरु आहे. मी पाण्याच्या टाकीत स्वतः खात्री करुन ग्लासमध्ये पाणी घेऊन पिण्यापर्यंत करतो. खर्च हया विद्यार्थ्यांना दिलेले पाणी पिणे योग्य आहे का. पाण्याची टाकी स्वच्छ केलेल्या आहेत का शेवाळ अथवा कचरा आहे का याची खातरजमा करतो. मा. महापौरांच्या सोबत आम्ही राई, मुर्धा साईटला व्हिजीट केलेली आहे. शिक्षण हा विषय मा. महापौर मॅडमच्या सर्वात आवडीचा विषय असे मी म्हणुन 2018-19 पासून त्या शिक्षण सभापती असल्यापासून हया विषयाचा पाठपूरावा करत होत्या. माझे सोबत पहिल्यांदा जेव्हा बैठकीला मी उपस्थित होते तेव्हा मॅडमने सांगितले की मी सभापती असल्यापासून हा विषय मला असे वाटते की विद्यार्थ्यांनी आठवीनंतर नववीचे, दहावीचे वर्ग असावेत. आणि तोच त्यांचा सभापती पदावर असताना जो पाठपूरावा होता तो

त्यांनी महापौर झाल्यानंतर सुरु ठेवला आणि ह्या अनुषंगाने आपण सर्वपक्षिय गटनेत्यांची बैठक घेतली. ह्या बैठकीला मा. उपमहापौर आणि सभागृहनेते देखील उपस्थित होते आणि वारंवार सगळ्यांनी सुचना दिल्या त्यानुसार आपण हे करत आहोत. आज ज्या सर्व सन्मा. सदस्यांनी इन्फ्रास्ट्रक्चर असेल, बसची सुचना असेल, वर्गातील रंगरंगोटी असेल तिथे बाकी पिण्याच्या पाण्यापासून, दप्तरापासून ते बसपर्यंत सर्वच सुचनांचा अंतर्भूत करून जो आपण सर्वांनी सुचना दिल्या त्याच्या अंतर्भाव करून पुढील कार्यवाही करण्यात येईल.

मा. महापौर :-

ठराव सर्वानुमते मंजूर. पूढ्या विषय घ्या व सदस्यांनी ज्या ज्या सुचना केलेल्या आहेत त्यामध्ये नमूद करून घ्या.

मदन सिंग :-

हिंदी मिडीयम में जो आठवी चालू करने के लिए आपने सुचना लिया उसके लिए धन्यवाद. लेकिन हायवे पट्टा जो मिरादेवी का अनिल भोसले का वॉर्ड है परिसर है वहाँ पर हिंदी भाषीको की संख्या सात टक्के से जादा है वहाँ पर हिंदी मिडीयम का स्कूल सुरु किया जाए।

मा. महापौर :-

मदन सिंगजी त्यासाठी सुध्दा आम्ही प्रयत्न करत आहोत.

मदन सिंग :-

बर धन्यवाद.

**प्रकरण क्र. 03 :-**

महापालिका शाळांमध्ये ९ वी चे वर्ग सुरु करणेबाबत.

**ठराव क्र. 05 :-**

मिरा भाईंदर महापालिकेच्या विविध ठिकाणी ३६ शाळा आहेत. त्यापैकी ०८ वी चा वर्ग चालू असलेल्या खालीलप्रमाणे शाळा असून खालीलप्रमाणे पटसंख्या आहेत.

| क्र | शाळेचे नांव                   | इयत्ता       | माध्यम | मुख्याध्यापक व शिक्षक | इ.८ वी ची पटसंख्या | शाळेची एकूण पटसंख्या |
|-----|-------------------------------|--------------|--------|-----------------------|--------------------|----------------------|
| १   | मनपा शाळा क्र. ०४ काशी        | १ ली ते ८ वी | मराठी  | १ + १६ = १७           | १३८                | ११४७                 |
| २   | मनपा शाळा क्र. १० चेणे        | १ ली ते ८ वी | मराठी  | १ + ६ = ७             | २२                 | २१३                  |
| ३   | मनपा शाळा क्र. १४ पेणकरपाडा   | १ ली ते ८ वी | मराठी  | ० + ८ = ८             | ५०                 | ३१८                  |
| ४   | मनपा शाळा क्र. १९ माशाचा पाडा | १ ली ते ८ वी | मराठी  | १ + ५ = ६             | ४०                 | ४००                  |
| ५   | मनपा शाळा क्र. ०५ काशी        | १ ली ते ८ वी | उर्दु  | १ + ३ = ४             | ५७                 | ३६१                  |
| ६   | मनपा शाळा क्र. ३१ भाईंदर (प)  | १ ली ते ८ वी | उर्दु  | १ + २ = ३             | ३८                 | १९१                  |
| ७   | मनपा शाळा क्र. ३२ मिरगांव     | १ ली ते ८ वी | उर्दु  | १ + २ = ३             | २७                 | २५९                  |
| ८   | मनपा शाळा क्र. ३४ मिरारोड     | १ ली ते ८ वी | उर्दु  | १ + ४ = ५             | ४७                 | २९६                  |

वर नमूद केलेल्या शाळांच्या परिसरात इ ८ वी च्या पुढील इ ९ वी/१० वी ची शाळा नसून शाळेमध्ये इ. ९ वी चे वर्ग सुरु करणे शक्य आहे. मनपा शाळेमध्ये शिक्षण घेणारे बहुतेक विद्यार्थी गरीब व आर्थिकदृष्ट्या दुर्बल घटकातील असून आपल्याच शाळेतील विद्यार्थी पुढील (इ ९ वी चे) शिक्षण घेण्यापासून वंचित राहू नये याकरीता या विद्यार्थ्यांसाठी इ. ९ वी चे / इ. १० वी चे वर्ग मनपा तर्फे सुरु केल्यास त्यांच्या पुढील शिक्षणाची सोय होईल. यावर्षी ९

वी चे वर्ग व पुढील वर्षी १० वी चे वर्ग सुरु करण्यास मान्यता देण्यात येत असून सदरचा प्रस्ताव मंजुरीस्तव राज्य शासनाकडे पाठविण्यात यावा.

इयत्ता ९ वी व १० वी चे वर्ग सुरु करताना विद्यार्थ्यांची पटसंख्या कमी असलेल्या महापालिकेच्या इतर शाळांचे वर्ग एकत्र करून विद्यार्थ्यांची पटसंख्या वाढवावी व त्या विद्यार्थ्यांना बस सेवा देण्यात यावी.

तसेच इ. ९ वी चे वर्ग सुरु करणेसाठी लागणारे आवश्यक शिक्षक महापालिका शाळांमध्ये असलेल्या शिक्षकांमधून घ्यावे व आवश्यकता भासल्यास ठोक मानधनावर शिक्षक घेणेस तसेच इ ९ वीच्या विद्यार्थ्यांसाठी लागणारी पाठ्यपुस्तके व आवश्यक शैक्षणिक साहित्य मनपा तर्फे उपलब्ध करणेस देखील मंजुरी देण्यात येत आहे.

महापालिकेच्या शाळेतील विद्यार्थ्यांचा शैक्षणिक दर्जा वाढविणे, गुणात्मक शिक्षण देणे आवश्यक आहे. आपले विद्यार्थी आजच्या स्पर्धेत युगामध्ये मागे पडू नये, टिकाव धरण्यासाठी मनपाच्या शाळेमध्ये डिजिटल क्लासरूम निर्माण करून E-Learning" (A.V.Room) द्वारे शिक्षण देणे आवश्यक आहे. E-Learning / डिजिटल क्लासरूमद्वारे शिक्षण दिल्यास विद्यार्थ्यांमध्ये शिक्षणाची गोडी /आवड निर्माण होऊन विद्यार्थी केंद्रीत शिक्षण शक्य होईल. विद्यार्थ्यांची आकलन शक्ती वाढून बुद्धीचा विकास होण्यास मदत होईल.

त्याचप्रमाणे मनपाच्या शाळेमध्ये इ ५ वी ते इ ८ वी च्या विद्यार्थ्यांना सामान्य विज्ञान विषयासाठी आवश्यक असलेले प्रयोग साहित्य उपलब्ध नाही त्यामुळे विद्यार्थ्यांना प्रयोग / प्रात्यक्षिके केली / दाखविली जात नाहीत. विद्यार्थ्यांना प्रयोग साहित्य उपलब्ध करून प्रयोगशाळा निर्माण करणे आवश्यक आहे. मनपा सर्व शाळांमध्ये डिजिटल क्लासरूम तयार करून E-Learning द्वारे शिक्षण देणे तसेच प्रयोगसाहित्य उपलब्ध करून प्रयोगशाळा तयार करणेस व त्याकामी करावयाच्या खर्चास प्रशासकीय / आर्थिक मंजुरी देण्यात येत आहे.

तरी चालू शैक्षणिक वर्षातच (२०२२-२३) उपरोक्त सेवा / सुविधा उपलब्ध करण्याकरीता आवश्यक ती निविदा प्रक्रिया पूर्ण करून दि.३१/७/२०२२ पुर्वी तातडीने कार्यवाही करावी. तसेच नविन शैक्षणिक वर्ष सुरु होणार असून महापालिका शाळा संबंधी पारित झालेल्या ठरावाची अंमलबजावणी व शैक्षणिक कामकाजावर देखरेख करणेकरीता शिक्षण समितीची आवश्यकता असल्याने महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम कलम ३० अन्वये गठीत केलेल्या शिक्षण समितीवर सदस्यांची नावे देवून समिती गठीत करण्यास ही मा. महासभा मंजुरी देत आहे.

**सुचक :- श्री. ध्रुवकिशोर पाटील**

**अनुमोदक :- श्री. राकेश शाह**

**सदर ठरावात डॉ. सुशिल अग्रवाल यांनी पुढीलप्रमाणे सुचना मांडली**

भाईदर (प.) येथे शाळा क्र. १८ व शाळा क्र. ३० (हिंदी मिडीयम) येथील पटसंख्या जास्त असून ही शाळा फक्त ७ वी पर्यंत आहे. म्हणून हिंदी भाषी विद्यार्थ्यांसाठी या शाळेमध्ये ८ वी व ९ वी चे वर्ग चालू करण्यात यावेत अशी मी सुचना मांडत आहे.

**ठराव सुचनेसह सर्वानुमते मंजूर**

**ठराव वाचून कायम करण्यात आला**

**सही/-**

**महापौर**

**मिरा भाईदर महानगरपालिका**

**नगरसचिव :-**

प्रकरण क्र. 4, महापालिका शाळांमध्ये सेमी इंग्लिश वर्ग सुरु करणे.

**राकेश शहा :-**

मिरा भाईदर महापालिकेच्या एकूण 36 शाळा आहेत. महापालिकेच्या शाळेतील ज्या वर्गांमध्ये 20 पेक्षा जास्त पटसंख्या आहेत त्या वर्गांमध्ये सन 2022-23 या शैक्षणिक वर्षापासून इयत्ता तिसरी पासून पूर्णपणे सेमी इंग्लिश वर्ग सुरु करावे. ज्या शाळांतील वर्गांमध्ये विद्यार्थ्यांची पटसंख्या 25 पेक्षा कमी असल्यास ते वर्ग इतर शाळांमध्ये एकत्र करून शाळांची पटसंख्या वाढवावी व त्या विद्यार्थ्यांना बस सेवा उपलब्ध करून द्यावी.

इयत्ता तिसरी पासुन विज्ञान व गणित हे विषय इंग्रजी मध्ये शिकविणेकरीता महापालिकेच्या शाळांमध्ये उपलब्ध शिक्षकांमधुन शिक्षक घ्यावेत आणि आवश्यकता भासल्यास ठोक मानधनावर शिक्षक उपलब्ध करुन घ्यावेत तसेच याकरीता लागणारी पाठ्यपुस्तके देखील उपलब्ध करुन घ्यावीत.

तदनंतर पुढील शैक्षणिक वर्षापासून टप्प्याटप्प्याने चौथी, पाचवी, सहावी, सातवी, आठवी या वर्गाकरीता सेमी इंग्लीश वर्ग सुरु करावे. याकरीता येणाऱ्या खर्चास आर्थिक व प्रशासकीय मान्यता देण्यास ही मा. महासभा मंजूरी देत आहे.

दिपीका अरोरा :-

माझे अनुमोदन आहे.

मा. महापौर :-

ठराव सर्वानुमते मंजूर.

मदन सिंग :-

महापौर मॅडम सेमी इंग्रजी, शिक्षक भर्तीचा आहे पण माझे एक म्हणणे आहे की.

मा. महापौर :-

आत सेमी इंग्रजी सुरु केले तर शिक्षक नको का?

मदन सिंग :-

हि पाहिजे ना. चांगली गोष्ट आहे. पण सद्यस्थितीत जो महापालिकेमध्ये शिक्षक है उनके प्रती बहुत अन्याय हो रहा है....

मा. महापौर :-

त्यांच्यावरती काही अन्याय होत आहे त्यांनी आयुक्तांना अर्ज द्यावा.

मदन सिंग :-

त्यांनी अर्ज दिलेला आहे. उन्हांने स्कुल छोड करके बारबार प्रशासन के पास आ रहे है| आज तक मिरा भाईदर महापालिका के शिक्षको का क्लिअर अकाउंट ही नहीं बना है|

मा. महापौर :-

शिक्षकांच्या अन्यायावरती वषय नाही. हा विषय पटलावरती विषय आहे ना. तुम्ही काय बोला.

मदन सिंग :-

शिक्षकांचा विषय आहे.

मा. महापौर :-

तुम्ही ऐका त्यांना घेऊन या. माझ्या दालनात घेऊन या. आयुक्त महोदय संबंधित विभागाचे अधिकारी यांची मिटींग घेऊ आणि त्यांचा प्रश्न आपण सोडवूया.

मदन सिंग :-

चालेल.

मा. महापौर :-

पुढचा विषय घ्या.

**प्रकरण क्र. 04 :-**

महापालिका शाळांमध्ये सेमी इंग्लिश वर्ग सुरु करणे.

**ठराव क्र. 06 :-**

मिरा भाईदर महापालिकेच्या एकुण 36 शाळा आहेत. महापालिकेच्या शाळेतील ज्या वर्गांमध्ये 20 पेक्षा जास्त पटसंख्या आहेत त्या वर्गांमध्ये सन 2022-23 या शैक्षणिक वर्षापासून इयत्ता तिसरी पासुन पूर्णपणे सेमी इंग्लीश वर्ग सुरु करावे. ज्या शाळांतील वर्गांमध्ये विद्यार्थ्यांची पटसंख्या 25 पेक्षा कमी असल्यास ते वर्ग इतर शाळांमध्ये एकत्र करुन शाळांची पटसंख्या वाढवावी व त्या विद्यार्थ्यांना बस सेवा उपलब्ध करुन द्यावी.

इयत्ता तिसरी पासून विज्ञान व गणित हे विषय इंग्रजी मध्ये शिकविणेकरीता महापालिकेच्या शाळांमध्ये उपलब्ध शिक्षकांमधून शिक्षक घ्यावेत आणि आवश्यकता भासल्यास ठोक मानधनावर शिक्षक उपलब्ध करून घ्यावेत तसेच याकरीता लागणारी पाठ्यपुस्तके देखील उपलब्ध करून घ्यावीत.

तदनंतर पुढील शैक्षणिक वर्षापासून टप्प्याटप्प्याने चौथी, पाचवी, सहावी, सातवी, आठवी या वर्गाकरीता सेमी इंग्लीश वर्ग सुरु करावे. याकरीता येणाऱ्या खर्चास आर्थिक व प्रशासकीय मान्यता देण्यास ही मा. महासभा मंजूरी देत आहे.

सुचक :- श्री. राकेश शाह

अनुमोदन :- श्रीम. दिपीका अरोरा

ठराव सर्वानुमते मंजूर

सही/-

महापौर

मिरा भाईंदर महानगरपालिका

नगरसचिव :-

प्रकरण क्र. 5, संपूर्ण मालमत्ता कराचा आगाऊ भरणा केल्यास कर भरणा रक्कमेवर सुट देणेबाबत.

प्रशांत दळवी :-

उक्त गोषवाच्यात नमुद केल्यानुसार मालमत्ता कराचा नियमीत व विहित मुदतीत कराचा भरणा करणा-या मालमत्ता धारकांना प्रोत्साहन देण्यासाठी व मालमत्ता कराची वसुली होणेकरीता मालमत्ता कराचा आगाऊ कर भरणा-या मालमत्ता धारकांसाठी सवलत देणे आवश्यक वाटते. सवलत दिल्यास मालमत्ता धारक यांचेकडून मालमत्ता कर भरणा वेळेत करण्याकडे मालमत्ता धारकांचा कल वाढेल आणि मालमत्ता कराचे उद्दीष्ट साध्य होण्यास मदत होईल.

महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम चे कलम १४०-अ मधील तरतुदी अनुसार सन २०२२-२३ या आर्थिक वर्षापासून दरवर्षी मिरा भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्रातील मालमत्ता कराची देयके बजाविल्यानंतर मालमत्ता धारकांनी बिलात विनिर्दिष्ट केलेल्या दिनांकापूर्वी संपूर्ण वर्षाकरीता कराचा थकबाकीसह आगाऊ भरणा दि.३१ जूलैपर्यंत केल्यास मालमत्ता कराच्या देयकात शासकीय कर वगळून (शासकीय शिक्षण कर, रोजगार हमी कर) उर्वरीत करात ५% सवलत / सुट देण्यास ही मा. महासभा मंजूरी देत आहे.

ध्रुवकिशोर पाटील :-

माझे अनुमोदन आहे.

मा. महापौर :-

ठराव सर्वानुमते मंजूर.

विनोद म्हात्रे :-

मॅडम करात तुम्ही आता सवलत दिलेली आहे. एकंदरित तुम्हाला सवलत दिली जाईल. परंतु मलप्रवाह कर आहे. मुर्धापासून उत्तनपर्यंत प्रोव्हीजनच नाही. तरी देखील आमच्याकडून तो कर वसूल केला जातो. त्याच्याबद्दल आम्हाला तुम्ही काय सवलत देणार आहेत.

निलम ढवण :-

मॅडम गटनेत्यांच्या बैठकीमध्ये 30 जूनपर्यंत दिलेले होते.

मा. महापौर :-

अजूनपर्यंत बील गेलेले नाहीत.

निलम ढवण :-

तरीपण त्या विषयी चर्चा झाली होती की बील वेळेवर पोहचत नाहीत त्यामुळे बील भरली जात नाही. तरी त्यावेळी हे केले होते की ड्रूप्लीकेट बील किंवा ज्यांना आपण लोकांना हे कळवणार तर

त्यानंतर लोक स्वतः येऊन ते बील भरतील म्हणून तर 30 जून जी आता 31 जुलै करायचे आहे. कारण गटनेत्यांच्या बैठकीमध्ये 30 जून केले होते.

मा. आयुक्त :-

महापौर मॅडमच्या परवानगीने बोलतो आपण ज्या ज्या सुचना त्या बैठकामध्ये केल्या होत्या. त्याची अंमलबजावणी प्रशासनाने सुरु केलेली आहे आणि 30 जून हे त्यांच्या बील हातात पडल्यानंतर कालावधी कमी राहतो. म्हणून ते आपण 31 जुलै पर्यंत केले आहे. जेणेकरून जास्तीत जास्त नागरिकांना याचा फायदा घेता यावा.

निलम ढवण :-

महापौर मॅडम, तोपर्यंत त्यांना टॅक्स लागणार नाही.

मा. आयुक्त :-

सन्मा. सदस्यांनी जो आता मलप्रवाह कर आणि सिवरेज हा महासभेचा जो निर्णय आहे. धोरणात्मक ह्या पूर्वीच दिलेला आहे. त्यामुळे त्याची अंमलबजावणी सुरु आहे. त्याअनुषंगाने जर आपली काही सुचना असेल ते करायचे असेल तर पुन्हा एकदा आपण महासभेसमोर हा विषय आणून हे करावे लागेल. यापूर्वी महासभेने जो ठराव मंजूर करून दिलेले आहे. त्याची अंमलबजावणी सुरु आहे.

निलम ढवण :-

मा. महापौर मॅडम आयुक्त साहेब आता जे सांगितले 31 जुलै पर्यंत प्रत्येक दिवशी जे त्यांना पॅनल्टी लावली जाते मग 31 जुलै पर्यंत ते सगळ स्टॉप करण्यात यावे. पॅनल्टी म्हणजे एक दिवस जर त्याने बील दिल्यानंतर भरले नाही तर त्याला प्रत्येक दिवसाचं लागते.

मा. आयुक्त :-

सन्मा. सदस्या ढवण मॅडम जे चालू वर्षाचे आहे त्याला व्याज लागत नाही पण 2,3,4 वर्षापासून जे भरलेले नाही जुना त्याला लागतो. चालू वर्षाला आपली सुचना आहे त्यानुसार अंमलबजावणी होईल.

निलम ढवण :-

ठिक आहे.

विनोद म्हात्रे :-

महापौर मॅडम ही सुविधा जोपर्यंत चालू होत नाही तोपर्यंत मलप्रवाह कर वसूल करू नये असा ठराव झालेला आहे. आपल्या सभागृहामध्ये मलप्रवाह घेऊ नये असा ठराव झालेला आहे.

रोहिदास पाटील :-

आयुक्त साहेब मी ह्या गोष्टीवर लक्ष वेधू इच्छितो की जी सुविधा नागरिकांना आपण देत नाही.

मा. महापौर :-

मलप्रवाह जी सुविधा दिली जात नाही आणि त्याचा टॅक्स घेतला जातो आणि तशा पध्दतीचा महासभेमध्ये ठराव झालेला आहे. तर प्रशासनाने त्याबाबत योग्य ती चौकशी घेऊन त्या ठरावाप्रमाणे अंमलबजावणी करावी.

रोहिदास पाटील :-

निश्चित केले गेले आहे की ह्यामध्ये ही स्किम राबवू शकत नाही असा आपला ठराव झालेला आहे. भाईदर पूर्व आहे राई, मोर्वा आहे त्यांना तो लागू नाही करावे असा ठराव झालेला आहे.

दिनेश जैन :-

आता आपण 5 टक्केची जी सुट देतो एवढे बरेच विषय आहेत मिरा भाईदरमध्ये की, त्यांना निर्लेखित दुबार लागलेले आहेत ते विषय जोपर्यंत मार्गी लागत नाही तोपर्यंत त्या लोकांना बेनिफिट कस भेटणार. त्यांना दुबार आहे. टॅक्स लागला आहे. त्यांना दोन दोन बील येतात. दुबार आहेत आणि



निर्लेखित आहेत ते निकाली काढले नाहीत तर त्या लोकांना बेनिफिट कस भेटणार तो दुबार यादी करतच नाही.

गिता जैन :-

महापौर मॅडम आता जो विषय झाला मलप्रवाह करचा त्यासाठी आपण जेव्हा ही लावला असेल मलप्रवाह कर मला माहित नाही कधी पण आपण त्याची उपविधी ही केलेली नाही म्हणजे आतापर्यंत फक्त ज्यांना ते सुविधा भेटत नाही ते लोकच नाहीत पण ज्यांना भेटत आहे आताच समजा भेटायच चालू झाले पण ज्यांना भेटत आहे त्यांच्याकडून पण आपल्याला हक्क नाही. मलप्रवाह कर वसूल करायचा कारण आपण अजूनही उपविधी मंजूर करून आणलेली नाही. पण तरीही आपण ते घेतो आणि हा ठराव जरी झाला असेल. तर मला वाटते ज्या ज्या भागाला आपण त्या सुविधा देणारच नाहीत भविष्यात पण देऊ शकणार नाही त्या त्या भागाला आपण नक्कीच वगळाव कारण.

मा. महापौर :-

नक्कीच सन्मा. सदस्या जैन मॅडमने जी सुचना केलेली आहे. सन्मा. सदस्य म्हात्रे साहेब यांनी ज सुचना केलेली आहे जर आपली उपविधी मंजूर नाही आणि आपण मलप्रवाह आपल्या शहरातील नागरीकांकडून घेतो आणि त्याठिकाणी आपण सुविधा दिल्याच नाहीत तरी हे काही योग्य वाटत नाही याबाबत प्रशासनाने पुन्हा विचार करून एक गटनेत्यांची बैठक घेऊन आणि ते ठरवून मग महासभेपुढे आणून यावरती नक्कीच आपण निर्णय घेऊ.

अनिल सावंत :-

महापौर मॅडम मगाशी शिक्षणाविषयी दोन ठराव झाले त्यावेळी मला बोलायचे होते मला बोलायला दिले नाही. शिक्षण मंडळ आपले अस्तित्वात नाही त्यामुळे डी.एम.सी. वरती जास्त जबाबदारी पडते. डी.एस.म.सी. मगाशी मुठे साहेब आले होते त्यांची मुदत 13 एप्रिललाच संपलेली आहे आणि आपण सुध्दा पत्र दिलेले आहे की राज्य शासनाचे जर परस्पर मुदतवाढ दिली तर महापालिका त्यांना पेमेंट करणार नाही. मग आता 13 एप्रिलला त्यांची मुदत संपल्यानंतर ते बघून घ्या आणि जे काकांनी जो विषय काढला डी.एम.सी. साठी त्यांना प्राधान्य द्यावे. त्याचा पण विचार करावा.

मा. महापौर :-

तुम्ही बरोबर म्हणालात आपल्याकडे शिक्षण अधिकारी नाहीत. शिक्षण अधिकारी आपल्याला हवा आहे.

मा. आयुक्त :-

महापौर मॅडमच्या परवानगीने बोलतो परत एकदा काळजीपूर्वी एका अनेक मार्गातून बरेच सर्व सन्मा. सदस्य असतील आणखीन इतर कोण प्रतिष्ठीत नागरिकांमार्फत सहा. आयुक्त ते उपायुक्त प्रमोशन बदल डायरेक्ट इनडायरेक्टली चुकीची माहिती तुमच्याकडे दिली जाते. मी पुन्हा एकदा नमुद करतो आपल्याकडे दोन उपायुक्त जे सहा. आयुक्त मधून पात्र व्हावेत त्यापैकी एकही उपायुक्त म्हणून पात्र नाही. ज्या लोकांची अॅन्टी करप्शन डी.ई. सुरु आहे न्यायालयीन केस आहेत, कसलेही परिस्थितीत त्यांना प्रमोशन देता येत नाही. प्रमोशनच्या टप्प्यात असणारा एकही सहा. आयुक्त असा नाही की त्याला उपायुक्त करता येतो. जोपर्यंत त्यांचे न्यायप्रविष्ठ प्रकरण निकाली निघत नाही आणि न्यायालयाने त्यांना निर्दोष सोडलं त्यानंतर त्यांचा सिनीअरीटीनुसार विचार करून प्रमोशन होईल. माझा कालावधीत मी जास्तीत जास्त लोकांना आपल प्रमोशन देण्यासाठीचा कटाक्ष आहे. सर्व सदस्यांच्या मागण्या होत्या सगळ्या लोकप्रतिनिधींच्या मागण्या होत्या. गेल्या जुनपासून आपण कार्य करत आहोत. गेल्या 10-11 महिन्यात आपण सगळेच कॅडर प्रमोशनला झालेले आहेत. हा जो परत परत फक्त सहा. आयुक्त तो उपायुक्त आपले लोक पॅनिक होऊन आमचे प्रशासनातील अनेक लोकप्रतिनिधींकडे हे माहिती देत असतात. परंतु मी ह्या सभागृहात सांगत आहे जोपर्यंत त्यांच्या न्यायालयीन प्रकरण निकाली निघत नाहीत अॅन्टी करप्शनची चौकशी संपुष्टात येत नाही आणि

सिनिअरीटी म्हणजे ते क्लिअर होत नाही तोपर्यंत त्यांना काहीही केलं तरी प्रमोशन देण्याचा अधिकार आयुक्तांना नाही. इवन राज्य शासनाला देखील नाही.

अनिल सावंत :-

आयुक्त प्रमोशन हा वेगळा मुद्दा राहिला.

मा. आयुक्त :-

आपला दुसरा मुद्दा होता उपायुक्ताकडे आपण चार्ज दिलेला आहे. पुर्ण वेळ शिक्षणाधिकारी असावा म्हणून आपण राज्य शासनाकडे आतापर्यंत दोनदा पत्रव्यवहार केलेला आहे. आपल्या स्वतःचा पाठपुरावा आहे पूर्णवेळ राज्य शासनाकडून शिक्षणाधिकारी आला तर शिक्षण विभागाचा कार्यभार सांभाळायला आपल्यासाठी सायीस्कर पडेल.

अनिल सावंत :-

आता तुमच्याजवळ मुठे साहेबांची 13 एप्रिलला मुदत संपलेली आहे केव्हाही त्यांची ट्रान्सफर होईल. हे आपल्याला दोन ठरावाप्रमाणे इम्प्लीमिंटेशन करायचे आहे. तुमच्याजवळ चांगले अधिकारी आहेत. त्या कोणाही अधिकाऱ्याला तो चार्ज द्या ना.

मा. आयुक्त :-

साहेब प्रशासकीय सोय बघून कार्यवाही करण्यात येईल. मुठे साहेबांकडचा चार्ज संपुष्टात येईल किंवा ते जातील म्हणून कूठलेही काम थांबणार नाही याची मी तुम्हाला खात्री देतो.

दिनेश जैन :-

महापौर मॅडम मी जे विचारले होते दुबार आणि निर्लेखित जो विषय आहे त्याला आपल्याला स्थायी समितीमध्ये घेऊन थोडे थोडे मार्गी लावले तर आपल्याला त्यांना पण बेनिफिट देता येईल. दुबार ज्यांचे टॅक्स येतात ते भरत नाहीत. आयुक्तांनी चांगला विषय आणलेला आहे. जे दुबार आहेत त्यांना बेनिफिट कसा भेटणार त्यांना दोन बील येतात. हा गंभीर विषय आहे पाहिजे तर त्यांना विचारा.

दिनेश नलावडे :-

काकाने जो विषय घेतला भाईदर पूर्वेला ग्रामपंचायतीच्या काळाचा जो कंस्ट्रक्शन झालेले आहे त्याच्यामध्ये आजही आम्हाला सुविधा मिळत नाही. कुठेही भाईदर इस्टमध्ये तर देखील आमच्याकडे मलनिसारण टॅक्स लावून येतो. त्या बाबतीमध्ये आम्ही वारंवार विषय ह्या ठिकाणी घेतलेला आहे. याच्यामध्ये फक्त मॅडम तुम्ही एवढेच करा आम्हाला आज खुलासा द्या की तो टॅक्स लागणार, लागून येणार की तो बंद होणार. कारण आम्हाला त्याची सुविधा मिळत नाही.

मा. महापौर :-

मी जेव्हा बोलले तेव्हा तुम्ही लक्ष दिले नाही. ह्याविषयी मी आधीच म्हटलं की गटनेत्यांची मी बैठक घेईन. आम्ही त्या ठिकाणी ठरवू आणि रितसर विषय पुन्हा महासभेमध्ये आपण निर्णयासाठी आणू. असे मी ठरवले मगाशी मी बोललो.

दिनेश नलावडे :-

महापौर मॅडम हे 4 वर्षे चालले आहे तरी देखील आमचा टॅक्स कापत आहेत.

मा. महापौर :-

ह्या पुढच्या महिन्यामध्ये आपण त्याचा निर्णय लावू.

दिनेश नलावडे :-

ओके.

मा. महापौर :-

दुबारचे काय आहे ते बघा.

संजय शिंदे (मा. उपायुक्त) :-

सन्मा. पिठासीन अधिकारी महोदय, सन्मा. सभागृह, सन्मा. सदस्य जैन साहेब यांनी ह्या ठिकाणी जो काय मुद्दा मांडलेला आहे तो बरोबर आहे. आता आपण जो काही ठराव ह्या ठिकाणी घेतला की सुट देण्याबाबतचा तर त्यामध्ये मी सभागृहाला निवेदन येऊ इच्छितो की आपल्याकडे एकूण 3 लाख 67 हजार मालमत्ता धारकांचा नोंदी आहेत. 31 मार्च अखेर पर्यंतचे जर आपण काढले तर 2 लाख 84 हजार प्रॉपर्टी धारकांनी मालमत्ता कराचा भरणा केलेला आहे. म्हणजे थकबाकी किंवा चालू याचा अर्थ 2 लाख 84 हजार जे बील आहेत ते एकदम परफेक्ट आहेत. ते जे 2 लाख 84 हजार बील आहेत ते आता आपला ठराव प्राप्त झाल्यानंतर आज संध्याकाळपासून आम्ही प्रक्रिया करू. पुढील 2 दिवसांमध्ये सर्वप्रथम पहिले 2 लाख 84 हजार बील आम्ही जनरेट करणार आहोत आणि ते त्यांच्यापर्यंत पोहोचवणार आहोत. जे बाकीचे बील आहेत. जे वादग्रस्त बील म्हणू. आपण डबल नोंदणी आहे. मालमत्ता अस्तित्वातच नाही. काही मालमत्ता सापडतच नाहीत असे आपण झोनव्हाईज यादी बनविलेली आहे. त्याचे व्हेरीफिकेशन करणे चालू आहे. त्यातल्या काही प्रॉपर्टी अशा आहेत की ज्या आपल्या त्या निर्लेखितच कराव्या लागणार आहेत त्याची वेगळी स्वतंत्र फाईल बनवून त्याची किती रक्कम मानयनस होईल पंचनामे करणे हे सर्व प्रक्रिया टप्प्याटप्प्याने आहे आणि हे सर्व पूर्ण करून मा. स्थायी समितीच्या मान्यतेपुढे येणार आहे. तोपर्यंत आपण पहिल्या टप्प्यात हे जे बील आहेत वादग्रस्त बील ज्याला म्हणू त्याला आपण लॉक टाकल्यात आणि आपण खाली सुचना दिल्या आहेत क्लार्क लोकांना की हे बील ह्या वर्षी जनरेट करायचे नाही जोपर्यंत त्याच निर्णय होत नाही म्हणजे आपली जी काही थकबाकी वाढते ते थांबून कुठेतरी क्लियरकट असेल की एखादी समजा प्रॉपर्टीला दोन बील गेले एक बील 10 लाख रुपयाचे आहे आणि एक बील 15 लाखाचे आहे कारण बील डबल जाण्याचे मी रिझन काढले एखादी प्रॉपर्टी आहे ती भाड्याने दिली तर त्याला नोंद भाडेनुसार टॅक्स लागतो, काही दिवसानंतर ते भाडे कमी होते. समजा त्याने अर्ज करतो मालमत्ता धारक की माझी बँक सोडून गेली मला पूर्वीचा टॅक्स लावा परंतु आपल्याकडून तस न लावता तेच भाड्याचा टॅक्स चालू आहे आणि ओरीजनल पण टॅक्स चालू आहे तर आपण भाड्याचा टॅक्स त्याचा कमी करणे गरजेचे आहे. असे प्रकरण सुध्दा आपण वेगळे काढलेले आहेत. त्यामुळे ह्यावर्षी आपण पहिल्या टप्प्यामध्ये जे क्लियर कट प्रॉपर्टीधारक आहेत त्यांचे बील जनरेट करणार आणि पुढील दोन महिन्यामध्ये आपण टप्प्याटप्प्याने ह्या सगळ्या फाईल क्लियर करू. मा. स्थायी समितीच्या मान्यतेने जे कधीच वसूली करणे शक्य नाही अशा मालमत्ता आहेत तो आपण निर्लेखित करायची प्रक्रिया चालू आहे प्रशासनाकडून.

गिता जैन :-

त्यात एक सुचना आहे त्यात अमुक बील असेच जनरेट झालेले आहे जिथे तो फ्लॅटच नाही. म्हणजे पाचव्या माळ्यावर सातव्या माळ्यावर नाहीच आहे. तरी ते बिल जनरेट झालेले आहे ते ही बघावे.

रोहिदास पाटील :-

महापौर मॅडम महापालिकेच्या फायद्यासाठी सांगतो साहेबांनी सांगितले की टॅक्स मी आता काय म्हणतो तुम्ही जर ते बील जनरेट केले असतील तरी बील लोकांना द्यायला हरकत नाही पण ह्या सभेचा आजचा निर्णय असा करा की मलनिःस्सारण तुम्ही टॅक्स लावला आहे तो आला आहे तो येतच आहे. आम्ही नको म्हणतो. तो आला असेल लोक भरतील.....

मा. महापौर :-

काका मी एवढे स्पष्ट सांगितले त्यांना सांगितले मिलन म्हात्रे साहेबांना सांगितले परत नलावडे साहेबांना सांगितले तुम्हाला आता परत वेगळ सांगू का?

रोहिदास पाटील :-

तुम्ही समजून घ्या मी काय म्हणतो ते बील जे आता जनरेट करतील ते लोक भरतील पुढच्या वेळी त्याला सुट द्या. तुम्ही ते पेंडींग नका ठेऊ असे मी म्हणतो.

संजय शिंदे (मा. उपायुक्त) :-

सन्मा. पिठासीन अधिकारी महोदया, ह्या ठिकाणी थोडस मला वाटतं कन्फ्युजन असे झालेले आहे मालमत्ता कराचे जे काय आपले प्रकार आहेत सामान्यकर असे, वृक्षकर असेल, अग्निशमन कर असेल तसे आपले मलनिःसारण संदर्भामध्ये दोन कर आहेत. एक आहे मलनिःसारण कर दुसरं आहे मलनिःसारण सुविधा लाभ कर. हा मलनिःसारण कर जो आहे तो प्रत्यक्ष ज्या ठिकाणी मलनिःसारणची लाईन टाकलेली असते त्याला तो टॅक्स लागतो आणि मलनिःसारण सुविधा लाभ कर जो आहे हा जलनिःसारण आणि मलनिःसारण असे इतर महापालिकेमध्ये सुध्दा दोन प्रकारचे टॅक्स आपल्या इथे तो नाही. फक्त आपल्याकडे मलनिःसारण लाभ कर आहे. मलनिःसारण लाभकर म्हणजे आपल्या शहरामध्ये जे काही ड्रेनेजच्या मोठे प्रोजेक्ट येणार आहेत आपण विविध ठिकाणी ज्या लाईन टाकतो त्याचा जो सेस आहे तो लाभ आहे ना तो सर्व शहरातल्या लोकांवर विभागणी करून जे काही पैसे महापालिकेकडे जमा होतात. त्याच्यातून तो प्रोजेक्ट कंटीन्यु करावा असे कायद्यात अपेक्षित होते म्हणून आपण मलनिःसारण कर लावत नाही आपली महापालिका मलनिःसारण सुविधा लाभ कर लावते जो 8 टक्के आहे. तो सर्व शहरात आहे मग ती झोपडपट्टीतली प्रॉपर्टी असो, एखाद्या बिल्डींगमधली असो त्यांना मलनिःसारणची लाईन दिलेली असो किंवा नसो त्या सर्वांना तो जसा आपला स्वच्छता कर आहे घनकचरा स्वच्छता कर जसा सगळ्यांना लागतो तसा मलनिःसारण सुविधा लाभ कर आपण लावतो याबाबत आता मा. महापौर महोदयांनी जे काही म्हणलेले आहे गटनेत्यांची मिटींग घेऊ त्यावेळी आम्ही सविस्तर याची डिटेल्स त्या बैठकीत सादर करू. आणि हा शेवटी सभागृहाचा निर्णय राहणार आहे. तेव्हा माझी सर्व सभागृहाला विनंती आहे की कन्फ्युजन न होता मलनिःसारण कर आणि मलनिःसारण सुविधा लाभ कर हे दोन वेगवेगळे कर आहेत. जे मलनिःसारण कर आपल्या महापालिकेत लावत नाहीत लाभ सुविधा कर लावतो. जे मलनिःसारणचे जे काही प्रोजेक्ट शहरात होतील तो प्रोजेक्ट सर्व शहरातल्या नागरिकांनी मिळून त्याचा जो काही कर जमा होतो त्यावर प्रोजेक्ट चालवणे आहे.

**प्रकरण क्र. 5 :-**

संपूर्ण मालमत्ता कराचा आगाऊ भरणा केल्यास कर भरणा रक्कमेवर सुट देणेबाबत.

**ठराव क्र. 7 :-**

उक्त गोषवाच्यात नमुद केल्यानुसार मालमत्ता कराचा नियमीत व विहित मुदतीत कराचा भरणा करणा-या मालमत्ता धारकांना प्रोत्साहन देण्यासाठी व मालमत्ता कराची वसुली होणेकरीता मालमत्ता कराचा आगाऊ कर भरणा-या मालमत्ता धारकांसाठी सवलत देणे आवश्यक वाटते. सवलत दिल्यास मालमत्ता धारक यांचेकडून मालमत्ता कर भरणा वेळेत करण्याकडे मालमत्ता धारकांचा कल वाढेल आणि मालमत्ता कराचे उद्दीष्ट साध्य होण्यास मदत होईल.

महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम चे कलम १४०-अ मधील तरतुदी अनुसार सन २०२२-२३ या आर्थिक वर्षापासून दरवर्षी मिरा भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्रातील मालमत्ता कराची देयके बजाविल्यानंतर मालमत्ता धारकांनी बिलात विनिर्दिष्ट केलेल्या दिनांकापूर्वी संपूर्ण वर्षाकरीता कराचा थकबाकीसह आगाऊ भरणा दि.३१ जुलैपर्यंत केल्यास मालमत्ता कराच्या देयकात शासकीय कर वगळून (शासकीय शिक्षण कर, रोजगार हमी कर) उर्वरीत करात ५% सवलत / सुट देण्यास ही मा. महासभा मंजूरी देत आहे.

**सुचक :- श्री. प्रशांत दळवी**

**अनुमोदन :- श्री. ध्रुवकिशोर पाटील**

**ठराव सर्वानुमते मंजूर**

**सही/-**

**महापौर**

## मिरा भाईंदर महानगरपालिका

नगरसचिव :-

प्रकरण क्र. 6, मिरा भाईंदर महानगरपालिकेच्या हद्दीतील मालमत्ता धारकांना इलेक्ट्रीक वाहनांकरीता चार्जिंग स्टेशन उभारणाऱ्या स्थानिक नागरी संस्थेतील नागरीकांना / गृहनिर्माण संस्थांना त्यांच्या मालमत्ता करातून सुट किंवा परतावा देण्याबाबत.

प्रशांत दळवी :-

महापौर मॅडम, ह्या विषया संदर्भात मी सांगु इच्छितो की, आताच आपण 5 टक्के कर सवलत दिलेली आहे. जूलैपर्यंत आगाऊ कर भरणा आणि शहरात इलेक्ट्रीक वाहनांची संख्या तसेच फारच कमी आहे आणि त्यामुळे हा प्रस्ताव प्रलंबित ठेवण्यात यावा महापौर मॅडम अशी मी आपणांस विनंती करतो.

ध्रुवकिशोर पाटील :-

माझे अनुमोदन आहे.

मा. महापौर :-

ठिक आहे पुढचा विषय घ्या.

प्रकरण क्र. 6 :-

मिरा भाईंदर महानगरपालिकेच्या हद्दीतील मालमत्ता धारकांना इलेक्ट्रीक वाहनांकरीता चार्जिंग स्टेशन उभारणाऱ्या स्थानिक नागरी संस्थेतील नागरीकांना / गृहनिर्माण संस्थांना त्यांच्या मालमत्ता करातून सुट किंवा परतावा देण्याबाबत.

ठराव क्र. 8 :-

शहरातील इलेक्ट्रीक वाहनांची संख्या फारच कमी असल्याने सदरच विषय प्रलंबित ठेवण्यात यावा असा मी ठराव मांडत आहे.

सुचक :- श्री. प्रशांत दळवी

अनुमोदन :- श्री. ध्रुवकिशोर पाटील

ठराव सर्वानुमते मंजूर

सही/-

महापौर

मिरा भाईंदर महानगरपालिका

नगरसचिव :-

प्रकरण क्र. 7, मिरा भाईंदर महानगरपालिका परिवहन उपक्रमासाठी नविन इलेक्ट्रीक बस खरेदी करणे व बस सेवेसाठी बस ऑपरेटर नियुक्त करणेकामी धोरणात्मक निर्णय घेणेबाबत.

शानु गोहिल :-

मिरा भाईंदर महापालिका परिवहन सेवेतील सध्या अस्तित्वात असलेल्या डिजेलवर चालणाऱ्या 74 बसेस ठेका पध्दतीने चालविण्याकरीता NCC with VGF या तत्वावर 6 वर्ष कालावधीकरीता निविदा काढणेस मा. महासभेने धोरणात्मक निर्णय घेतला होता. त्याप्रमाणे प्रशासनाने निविदा प्रक्रिया सुरु केलेली असून सदर निविदा अंतिम करण्याची अंमलबजावणी प्रशासनाने करावी.

तसेच शासनाच्या 15 व्या वित्त आयोगा अंतर्गत प्राप्त अनुदानातून इलेक्ट्रीक बस खरेदी करण्यास मान्यता दिलेली आहे. इलेक्ट्रीक बस खरेदी करून बस चालविणेकरीता 12 वर्ष कालावधीसाठी स्वतंत्र निविदा प्रक्रिया करून GROSS COST CONTRACT (GCC) तत्वावर बस ऑपरेटर नियुक्त करणेकरीता प्रशासनाने निविदा प्रक्रिया करणेस व इलेक्ट्रीक बस सेवेकरीता तिकीट संकलन, पर्यवेक्षण, देखरेख इ. साठी स्वतंत्र एजन्सी नेमणेस ही मा. महासभा मंजूरी देत आहे असा मी ठराव मांडत आहे.

सिमा शहा :-

माझे अनुमोदन आहे.

जुबेर इनामदार :-

महापौर मॅडम ह्या शहराचा ज्वलंत प्रश्न आहे परिवहन सेवा ह्या शहराचा इतिहास आहे. 2009 पासून आजपर्यंत आम्ही कधीही मला तरी वाटत नाही की कुठल्याही सभागृहाने आजपर्यंत प्रशासनाने दिलेला विषय फेटाळला असेल कारण आम्हाला परिवहन सेवा ह्या शहरामध्ये चांगली परिवहन सेवा पाहिजे परंतु जी.सी.सी. आणि एन.सी.सी. मध्ये अडकलेला हा महापालिकेचा परिवहन सेवा कधीच बाहेर पडली नाही. 20 कोटी रुपये साहेब ह्या वर्षामध्ये वी.जी.एफ. चा डिफ्रंट बजेटच्या मिटींगमध्ये अर्थसंकल्प चर्चा चालू असताना सुध्दा आम्ही ह्या विषयावर चर्चा केली होती की ह्या 20 कोटी रुपयाचा डिफरन्स करता आला त्याची माहिती प्रशासनाने द्यावी परंतु किंतु महापौर मॅडमने तेव्हा प्रशासनाला उत्तर देऊच दिले नाही. अर्थसंकल्पावर चर्चा होत असताना तुम्ही आयुक्तांना बोललात तुम्ही मौनव्रत ठेवायचे तुम्ही बोलायचे नाही. स्थायी समितीनंतर महासभेसमोर तुम्ही बजेट आणला कशाला आणला चर्चेसाठी आणला ना तो चर्चेमध्ये चर्चा करते वेळी प्रशासनाचे उत्तर क्रमप्राप्त असो ते तुम्ही त्यांना देऊन दिले नाही.

दिनेश जैन :-

तो विषय तसा नव्हता मॅडम तुम्ही तसं केल नव्हतं ह्यांनी मुळ बजेटमधून 20 कोटी परिवहनमध्ये जे ट्रान्सफर केले होते ते का केले असा प्रश्न विचारला होता म्हणून ते आयुक्ताने सांगितले होते की आपल्याला ज्या सुविधा द्यायच्या असतील तर ते ह्या मुळ बजेटमधून घ्यायला लागेल. 20 कोटीचे ते होते तुम्ही त्या वेळेला काही बोलले नाही. प्रोसेडिंग काढून बघा.

जुबेर इनामदार :-

कोण बोललं?

गिता जैन :-

महापौर मॅडम मला कुठेतरी वाटले की हे शिस्त आपल्या इथली नाही एक सन्मा. सदस्य बोला ना मला माहित पडल की ते बोलत आहेत मी लगेच बसली मग एक सन्मा. सदस्य बोलताना दुसऱ्याने उठून आणि मग ओरडाओरडी करायचे कदाचित प्रथा बरोबर नाही.

मा. महापौर :-

बरोबर आहे सन्मा. सदस्यांनी ह्या सर्व गोष्टीचे लक्ष ठेवावे क एक सन्मा. सदस्य बोलत असताना त्याचं बोलणं पूर्णपणे मांडून झाल्यानंतर दुसऱ्याने बोलावे.

जुबेर इनामदार :-

सर आपण एन.सी.सी. तत्वावर आजच्या तारखेत ही परिवहन सेवा चालवत आहोत. 74 बसेस रुटवर आहेत एखाद दोन कमी जास्त असतील, दुरुस्तीसाठी बिघडल्या असतील अशा अधिक काय काम चालू असेल. 20 कोटी रुपये वी.जी.एफ पध्दतीने आपण आज त्यांना देत आहोत. आता जी.सी.सी. तत्वावर आता आपण हा विषय इथे मांडला गेला गोषवारा देताना ही जी.सी.सी. तत्वावर ह्या पालिकेला किती जास्त खर्च पडेल का दोघांमध्ये फक्त एकच डिफरन्स आहे. तिकीट संकलन तिकीट कोण घेणार? एन.सी.सी. तत्वावर तिकीट तो घेतो आपण त्याला डिफरन्सवर किलोमीटरचे पैसे देतो. आज 28 रुपये आसपास नाहीतरी बरोबर ना म्हसाळ साहेब आज आपण त्यांना 28 रुपये पध्दतीने पैसे देतो. एक किलोमीटरच्या मागे. तिकीट आपण संकलन केले तरी त्याला किलो मीटरच्या मागेच पैसे द्यायचे आहेत. गटनेत्यांच्या बैठकीमध्ये महापौर मॅडम तुम्हाला चांगल आठवत असेल आम्ही हा डिफरन्स काढून दाखवला होता. त्या एन.सी.सी. तत्वावर आपल्याला म्हणजे आजच्या तारखेत कुठेतरी पालिकेला खर्च कमी पडत होता याच्यामध्ये फक्त प्रशासनाने त्यांची शिफारीश करताना आता असे केले की, जी.सी.सी. तत्वावर आपल्याला कुठे चालवायचे आहे कुठल्या रुटवर

चालवायचे आहे फायद्याचा रुट असू शकतो किंवा नुकसानचा रुट असू शकतो तो प्रशासन जिथे त्याला रुट ठरवेल त्याला ठेकेदाराला तिथे ती बस चालवायला लागेल आणि त्या किलोमीटरचा डिफरन्स त्याला किलोमीटरचे पैसे त्याला देऊ. तिकीट कमी संकलन होईल जास्त होईल कमी विक्री होईल जास्त होईल हा पालिकेची बाब आहे. साहेब कुठेतरी प्रशासनाने हा धोरणात्मक निर्णय असताना सभागृहाला त्याची माहिती दिली पाहिजे. फक्त हा ठराव करणे धृवजी हमने बैठक की गटनेता की बैठक में इस पर चर्चा हुई थी क्या फक्त आप ठराव कर रहे हैं यह एकमेव विषय है परिवहनचा सभागृहामध्ये का याच्यावरती चर्चा नको आहे. त्याची परिपूर्ण माहिती प्रशासनाने सभागृहाला दिली नाही पाहिजे? 20 कोटी रुपये हा छोटा मोठा खर्च नाही. वी.जी.एफ प्रणालीवर आपल्याला 20 कोटी रुपये खर्च पडतो. उद्या जी.सी.सी. तत्वावर चालवताना आपल्याला किती खर्च पडेल याची माहिती आम्हाला कोण देणार? तुम्ही आमच्याकडून धोरणात्मक निर्णय घेत आहात. आमची तयारी आहे. आयुक्त महोदय आम्हाला ही परिवहन सेवा शहरात चालवायची आहे. ही सेवा आम्हाला द्यायची आहे. आम्हाला माहिती आहे ही सेवा कधीही नफ्यात जाणार नाही याच्यात तोटाच होणार आहे आणि हा सबसिडीच्या माध्यमातून आपल्याला त्याला अनुदानाच्या माध्यमातून महापालिकेला द्यावीच लागेल तो खर्च करावा लागेल परंतु ह्या सभागृहाला माहिती देणे आहे तुम्हाला साहेब असे वाटले नाही का हे तुमचे कर्तव्य आहे दिलं पाहिजे होतं याच्या आधी आम्ही अर्थसंकल्पामध्ये सुध्दा ह्या विषयावर चर्चा केली तेव्हा आम्हाला साहेब माहिती प्राप्त करू दिली नाही. आम्ही तुमच्याकडे माहिती घेऊन तुमच्या दालनामध्ये बसायचे आम्ही तुमच्याकडून वेगळी माहिती जमा करायची ही काय गरजेची बाब नाही हा एक सर्वांचा विषय आहे. सभागृहाच्या समोर सर्वांचा विषय आहे. सभागृहाच्या समोर येऊ द्या ना. यावर चर्चा झाली पाहिजे. एक ट्रान्सपरंट डिस्कशन पाहिजे. आज साहेब 8 कोटी रुपयाची मान्यता इलेक्ट्रॉनिक बस सेवा त्याच्यात गोषवाऱ्यात आर्थिक प्रशासकीय मंजूरी वाचल की नाही मला माहित नाही पण कसली मंजूरी 8 कोटी रुपये खर्च कोण करणार आहे ठेकेदार करणार आहे त्याच्यासाठी 12 वर्षासाठी आपण आम्ही त्याला ठेका दिला 12 वर्षांचा ठेकामध्ये त्याने बसेस स्वतः विकत घ्यायच्या आहेत. पण ह्या 8 कोटीपर्यंत हा विषय थांबणार आहे का? ते होईपर्यंत समजा अजून वर्षाभरचा कालावधी लागला तर 8 कोटीचे 10 होतात का? त्याची जबाबदारी कोणाची असणार आहे? याची माहिती कोण देणार? याच्यावर चर्चा झाली आहे का? म्हणून महापौर मॅडम असे जे विषय असतात त्यावर प्रशासनाचे निवेदन कारण ते तुमच्या मिनिट्समध्ये येणार. आज गायकवाड साहेबांनी उचलून आपले मिनिट्स वाचून दाखवले तुम्ही दिलेल्या मंजु-या प्रशासनाला उत्तर देऊ द्या. मिनिट्समध्ये येऊ द्या. चर्चा होईल त्याच्या शुध्दमुखी येऊ द्या. काय खरी परिस्थिती आहे आणि कशाप्रकारे परिवहन सेवा हे लोक चालवणार आहेत पुढच्यावेळी हा धोरणात्मक निर्णय आहे एन.सी.सी. वरून सरळ जी.सी.सी. वर तुम्ही ठराव केला.

धृवकिशोर पाटील :-

विषय असा आहे की, ज्या बसेस आपल्या ऑलरेडी सुरु आहेत 74 बसेस आणि ऑलरेडी याचे आपण धोरण ठरवले आहे. महासभेने धोरण ठरवले आहे. आपल्या गटनेत्यांच्या बैठकीमध्ये धोरण ठरवले आहे त्यानुसार प्रशासनाने टेंडर काढले आणि टेंडर काढले आणि ते कॉन्ट्रॅक्टरला दिले त्याच्यानंतर त्या कॉन्ट्रॅक्टरला रस्टीगेट केलं त्याच्यानंतर पुन्हा आता प्रशासनाने आपल्याला सांगितले की ह्या बसेस जी.सी.सी. तत्वावरती चालवायच्या परंतु ते मान्य केले नाही आपले जे धोरण ठरलं होतं त्याचअनुषंगाने एन.सी.सी. विथ वी.जी.एफ आणि आता जे नविन इलेक्ट्रीक बसेस घ्यायचे आहे साहेबांचे असे म्हणणे होते की इलेक्ट्रीक बससाठी जो व्हॉल्युम असतो तो खुप मोठा असतो आणि त्या इलेक्ट्रीक बसेस ही फक्त जी कंपनी मॅन्युफॅक्चरींग करते त्याच कंपनी परचेस करते कारण त्याची इन्वेस्टमेंट तो जास्त म्हणजे अप्रॉक्सीमेटली एका बसची प्राईज सव्वा ते दीड कोटी असेल त्याच्यामध्ये कोणीही येत नाही. म्हणून ती जी.सी.सी. वरती पाहिजे असे प्रशासनाचे म्हणणे होते

म्हणून तीच फक्त जी.सी.सी. वरती केली बाकी आपली जी ऑलरेडी एक्झिस्टिंग बस सेवा आहे ती एन.सी.सी. विथ वी.जी.एफ जे आपले धोरण ठरलेले आहे त्याचप्रमाणे आपण ठराव केलेले आहे.

जुबेर इनामदार :-

महापौर मॅडम हा संभ्रम का निर्माण होतो कारण प्रशासन आम्हाला जेव्हा गोषवारा देतो तेव्हा त्याचे स्पष्टीकरण देते. एन.सी.सी. वर दिला बजेटमध्ये 20 कोटी प्रोव्हीजन, जी.सी.सी. वर काहीच नाही दिले पाहिजे की 18 होतो आम्ही मंजूरी दिली असती 20 नाही लागतील आम्हाला 18 लागतील, 16 लागतील आम्ही मंजूरी देऊ. 2 कोटी रुपये पालिकेचे वाचतील का देत नाही म्हसाळ साहेब ही भुमिका अर्धवट का? कॅलक्युलेशन तर आहेत ना स्टॅटीस्टीकली तुम्हाला फक्त विचार करायचा आहे. त्या विषयाचा का दिलं नाही महापौर मॅडम ही जबाबदारी आहे ना. प्रशासनाने बजावली पाहिजे.

विजयकुमार म्हसाळ (मा. अतिरिक्त आयुक्त) :-

सन्मा. महापौर महोदया, मा. आयुक्त, सर्व सन्मा. सभागृह आज आजचा जो विषय दिलेला आहे मिरा भाईंदर महानगरपालिका, उपक्रमासाठी इलेक्ट्रीक बस खरेदी करणे आणि बस सेवेसाठी बस ऑपरेटर नियुक्त करणेकामी धोरणात्मक निर्णय घेणे विषय आपला होता की शासनाने जी इलेक्ट्रीक धोरणाची पॉलिसी जी केलेली आहे त्याच्यामध्ये त्यांनी सांगितले आहे की जे आपल्या पब्लिक ट्रान्सपोर्ट सिस्टीम चालतील तर त्याच्यातल्या 25 टक्के बस ह्या इलेक्ट्रीक बस असायला पाहिजे. जर आपल्या ताफ्यामध्ये 100 बस असतील तर 25 बस ह्या इलेक्ट्रीक असायला पाहिजे असा त्यांचा धोरणात्मक निर्णय शासनाने घेतलेला आहे. आता त्याअनुषंगाने आपल्याला इन कॅप मधून 15 वित्त आयोगामधून आपल्याला आता 21-22 कोटी रुपये आता आलेले आहेत आणि अजून पुढचे 5 वर्ष आपल्याला जवळपास 80 कोटी रुपये येणार आहेत. पुढच्या 5 वर्षांमध्ये 15 वित्त आयोगातून 80 कोटी रुपये येणार आहेत आणि त्यातले 80 कोटी मधले 80 टक्के म्हणजे 64 कोटी रुपये आपल्याला ह्या पब्लिक ट्रान्सपोर्ट सिस्टीमसाठी वापरता येतील असे त्यांनी अनुज्ञेय केले आहे. परंतु त्यांनी एक अट घातलेली आहे की ह्या बस आपल्याला इलेक्ट्रीक डायरेक्ट खरेदी करता येणार नाहीत. तर वेट लिस्ट बसेसवरती तुम्हाला वापरता येतील आणि दुसरी गोष्ट वेटलिस बेसिस करण्यासाठी त्यांनी मॅन्युफॅक्चरल किंवा अशा टाईपमध्ये मागवण्यात किंवा मग तुम्ही त्यांना सबसिडी द्या अशा टाईपच्या त्यांच्या डायरेक्शन आहेत. दुसरी गोष्ट हे निविदा काढताना त्यांनी एक बाकी महापालिकेमध्ये जर बघितले तर 10 ते 12 वर्षांची निविदा कालावधीसाठी काढावी. साधारणतः कॉस्ट त्याची 12-15 वर्ष जर पकडली तर 12 वर्षांची जर निविदा काढली आणि ती जी.सी.सी. वरती काढा म्हणलेले आहे. शासनाने डायरेक्टिव्ह आहे की ग्रॉस कॉस्ट कॉन्ट्रॅक्ट या तत्वारती तुम्ही निविदा काढणे अपेक्षित आहे आणि त्याच्यामुळे हा विषय आम्ही महासभेपुढे धोरणात्मक निर्णयासाठी ठेवलेला आहे. आता आपल्या ऑलरेडी 74 बस डिझेलवरती चाललेल्या होत्या. मधल्या काळामध्ये आपण सी.एन.जी. बस 30 आपण करणार होतो. डिझेलवरती आपल्या ज्या बस चाललेल्या आहेत त्याचा मध्यंतरी आपण धोरणात्मक निर्णय घेऊ न आपण त्या एन.सी.सी. विथ वी.जी.एफ या तत्वारती चालू करायला सांगितल्या होत्या त्याच्यावरती चालू होत्या. मधल्या काळामध्ये पुन्हा 30 बस सी.एन.जी. घ्या आणि त्यांना त्यात जोडून पुन्हा एन.सी.सी. विथ वी.जी.एफ. निविदा काढा. म्हणून आपण अशी निविदा काढली होती. परंतु इलेक्ट्रीकल व्हेईकल पॉलिसी असल्यामुळे आपण त्या 30 बसची निविदा मध्येच सस्पेंड केली आणि हे जे 74 बस ज्या डिझेलवरती चालल्या आहेत याची जी एन.सी.सी. विथ वी.जी.एफ ऑलरेडी आपली निविदा काढली होती त्याला दोन अधिकार आलेले आहेत परंतु ह्या इलेक्ट्रीक व्हेईकलच्या आपल्याला वेटलिस बेसिसवरती जर घ्यायच्या असेल तर कॉन्ट्रॅक्टरने निविदा भरताना त्याचा इलेक्ट्रीक बस ह्या सुद्धा या शहरात चालणार आहेत हे आपण सुरुवातीला म्हणजे इलेक्ट्रीक जोपर्यंत हा विषय आणलेला आहे त्यामुळे थेट निविदा आपल्याला पूर्वीची जी आहे 2 निविदा ती कशा पध्दतीने अंतिम न करता आपल्याला नव्याने निविदा काढणे आवश्यक होईल. परंतु एका शहरामध्ये



दोन कॉन्ट्रॅक्टर राहतील इलेक्ट्रीक बससाठी वेगळा राहिला डिझेल बससाठी वेगळा राहिल आणि पुन्हा नंतर दोघांमध्ये क्लॅसेस होतील रुट डिफरंट राहतील आणि नंतर मग आपल्याला हे सगळ भांडण सोडावे लागतील यासाठी आपण धोरणात्मक निर्णयासाठी इथे ठेवलेला आहे की जर निविदा काढली तर आपण ग्रॅस कॉन्ट्रॅक्टर इलेक्ट्रीक बस आपल्याला जी.सी.सी. वरतीच चालवायची आहे. शासनाच्या डायरेक्शन प्रमाणे मग एक निविदा जी.सी.सी. वरती चालेल इलेक्ट्रीची आणि एक एन.सी.सी. वरती विथ वी.जी.एफ वर चालेल हे थोडस चुकीच होईल आणि पुन्हा रुट क्लॅसेस होतील. यामुळे सभागृहाने विहित धोरणात्मक निर्णय घेऊन त्या दोन्ही बसेस कोणत्या तत्वावरती चालवायच्या ह्या बाबतीमध्ये आपण हे इथे ठेवलेले आहे.

जुबेर इनामदार :-

साहेब तोच तो विषय आहे का आम्ही जी.सी.सी. वर द्यायचे आम्हाला एक्सप्लेनेशन कोण देणार? म्हणजे थोडक्यात 20 कोटी रुपये एन.सी.सी. वर खर्च होतो. वी.जी.एफ मध्ये जी.सी.सी. वर 18 होणार आहे. आम्हाला तुम्ही तसे करून दाखवा आम्ही तुम्हाला देऊ. मंजूरी जी.सी.सी. वर देऊ पालिकेचा पैसा आर्थिक बाब कूठे त्याचा फायदा होतो शासनाने बोलल्यानंतर शासन बोलते आम्ही मान्य करतो किंवा ज्याने कन्सलटंट नेमलेला आहे त्याचा हे मत आहे की हे जी.सी.सी. तत्वावर चालले पाहिजे. ते कन्सलटंटने सिध्द करून दाखवले पाहिजे. कोट्यवधी रुपये शासन आज कंसलटंटला खर्च करतो. आम्ही पालिका सुध्दा खर्च करतो पण ते सिध्द करून दाखवा. आकड्यांचीच बाब आहे ना. सगळ काही कागदावरच आहे ना. करून दाखवा तर खरं.

विजयकुमार म्हसाळ (मा. अतिरिक्त आयुक्त) :-

हे बघा याच्यातलं आता ज्या आपल्या बस आहेत त्याच आपण 6 वर्षासाठी एन.सी.सी. विथ वी.जी.एफ निविदा काढलेली होती. ह्या इलेक्ट्रीक बसची जी काढणार ती 12 वर्षासाठी काढणार आहोत. आता ही एन.सी.सी. विथ वी.जी.एफ ही 6 वर्षासाठी चालू ठेवायची आणि त्याचे पूर्ण मेन्टेनन्स ऑपरेशन आणि कलेक्शन हे सगळ त्याच्याकडेच द्यायचं म्हणून तो वी.जी.एफ याच्यामध्ये जास्त कोट करणार किंवा आपण जे मागे सभागृहामध्ये बोलला होतात की जेव्हा स्टॅन्डिंग कमिटीकडे बजेटचा विषय होता तुम्ही इपिकेम का दाखवला नाही तर त्याचे कारण त्याच एक आरबीट्रीयली आपण ते त्याच्यामध्ये मॅशन केलेले होते. म्हणजे आजम्शन होतं आणि त्या अनुषंगाने किती पैसे त्यांनी पुढे वी.जी.एफ घ्यायचा हे आपण निविदा 6 पूर्वी जी काढलेली आहे तर ती प्रत्येक वर्षाला त्याच्यामध्ये वाढ करून त्याला किती वी.जी.एफ द्यायची याप्रमाणेच आपण ठराव करून अॅग्रीमेंट केलेले आहे तर त्याच्यामूळे ती गोष्ट सुरु होती आणि त्या बेसिस वरतीच आपण एन.सी.सी. विथ वी.जी.एफ काढलेले होते. आणि आता आपल्याला जी.सी.सी. विथ हे जर काढायचे असेल इनसेन्सीटीव्ह तर इलेक्ट्रीकच्या बाबतीमध्ये ते आपल्याला करावेच लागणार आहे आणि ते 12 वर्षासाठी करावेच लागणार आहे आणि ते 12 वर्षासाठी करावे लागणार आहे. आता 74 जे चालू आहेत त्याचे लाईफ 6 वर्ष जवळपास चाललेल्या आहेत. आपल्याकडे 2016 पासून बस सुरु झालेल्या आहेत. मला वाटते डिसेंबर 2015 पासून आपल्याकडे चालू आहेत. 7 वर्ष बस झालेल्या आहेत अजून पुढे 6 वर्ष चालतील त्या डिझेलच्या बस त्यामुळे एका शहरामध्ये दोन वेगवेगळे ऑपरेटर दोन वेगवेगळे प्रिन्सीपल, मॉडल हे होऊन पुन्हा कॉन्ट्रॅक्टरी होईल. याच्यासाठी सर्व परिस्थिती वसुस्थिती आपल्या समोर ठेवलेली आहे.

गिता जैन :-

साहेब तुमच्या माहितीसाठी सांगते कदाचित तुम्ही तेव्हा नव्हते साहेबही नव्हते पण जेव्हा आपले हे 84 बसेस आल्या आणि तेव्हा देशमुख साहेब होते त्यांना आपण 2 महिने ट्रेनिंगसाठी पाठवले ते आपल्याला कुठलं इथे जी.सी.सी. किंवा एन.सी.सी. लागू करायचे आहे. तेव्हा पिंपळे मॅडम होत्या त्यावेळेचे तुम्ही पेपर काढून बघा तर ते 84 बसेस आपल्याकडे जी.सी.सी. वर लागू करायचे

असे रिकमेंडेशन तिथुन आलेले आहे. ते पास झाले आपल्या महासभेत ठरावही झाला आणि त्यानंतर स्टॅन्डिंगमध्ये ते चेंज करण्यात आले की नाही आता आपण एन.सी.सी. मध्ये करतो. तर मला असे वाटते की हे प्रॉपर स्टडी करुन तुम्ही महासभेपूढे ठेवा की जी.सी.सी. तेव्हाही रिकमेंडेड होता. आताही जी.सी.सी. वर जायचं आपला कल आहे. तर जे पहिले रिकमेंडेशन होत ते बुक स्टडी करुन 2-3 महिन्यांची ट्रेनिंगनंतर ते जी.सी.सी. रिकमेंडेशन झालेले आहे. तर ते एक स्टडी करुन ते पेपर जर काढले तर आपल्याला मला वाटते खुपसारे ते आम्ही त्यावेळी जे कम्पॅरीजन ठेवले होते ते जर आपण वाचलं तर तुम्हाला त्यामधूनही मदत मिळणार की कम्पॅरीजन बघुन जी.सी.सी. का हे फायदेशीर आहे. विजयकुमार म्हसाळ (मा. अतिरिक्त आयुक्त) :-

सन्मा. महापौर मॅडम, सन्मा. सभागृह मॅडमने जो मुद्दा उपस्थित केला तर 2015 मध्ये जेव्हा वर्ल्ड बँकेचा प्रोजेक्ट आलेला होता त्यावेळेस आपल्याकडे जे.एन.एन.यु.आर.एम. मधून 100 बस आपल्याला मिळणार होत्या आणि त्याअनुषंगाने त्यावेळेस सुध्दा वर्ल्ड बँकेने आपल्याला रिकमेंडेड केले होते की तुम्ही जी.सी.सी. वरती करा म्हणून आपल्याला त्यावेळेस जी.सी.सी. विथ इनसेंटीव्ह बेस त्याला पुढे इनसेंटीव्ह जर त्याने समजा आपल्याला दररोज 200 बस चालवायच्या आहेत 200 पेक्षा त्याने जास्त चालवल्यात तर आपण त्यांना इनसेंटीव्ह देणार होतो आणि जर त्याने 200 पेक्षा कमी चालवले तर आपण त्याला फाईन करणार होतो. अशा पध्दतीने आपण ती एकदा निविदा काढली होती त्यानंतर निविदा अवॉर्ड्ड पण झाली होती. त्याच्यानंतर आपण ते पुन्हा रद्द केली आपण स्वतः चालवली असे बरेचसे त्याच्यामध्ये हे झाले त्याच्यानंतर आपण पुन्हा एकदा सर्व गटनेत्यांच्या बैठकीमध्ये ठराव करुन एन.सी.सी. विथ वी.जी.एफ तर त्यावेळेस आपल्याकडे फुलफलीज असा डेपो नव्हता नंतर नंबर 2 आपल्याकडे गाड्या सुध्दा अपुऱ्या होत्या आणि डेपो नसल्यामुळे मेन्टेनन्स होत नसल्यामुळे मध्ये मध्ये तो त्याचे फ्रिक्वेन्सी वगैरे आपल्याला शेड्युल प्रमाणे मॅनेज करता येत नव्हती आणि नंतर मग हे एन.सी.सी. विथ वी.जी.एफ तत्वावरती बस सुरु झाली. परंतु आता आपला डेपो व्यवस्थित चालू झालेला आहे. नंतर आपल्या फ्रिक्वेन्सी सुध्दा व्यवस्थित आहेत. आपल्याकडे 68 हजार प्रवासी या टप्प्यापर्यंत आपण टप्पा पोहोचलेला आहे. जी 26 हजार प्रवासी त्यावेळेस होते ते आता 68 हजार प्रवासापर्यंत आपली संख्या गेलेली आहे आणि लोकांनी सुध्दा आपल्या सेवेवरती विश्वास दाखवलेला आहे. हे जे इलेक्ट्रीकचे जे आहे तर ते आता वेटलीस बेसिसवरती म्हणजे जस आपल्याला वर्ल्ड बँकेचे डायरेक्शन होत्या तशा आता सुध्दा त्या सेंट्रल गर्व्हमेंटच्या फ्रेम टू अंतर्गतच्या ह्या डायरेक्शन आहेत. फ्रेम टूच्या मध्ये आपल्याला त्यांनी स्ट्रीकली सांगितले आहे की मॅन्युफॅक्चरल किंवा तुमच्या ह्या जी.सी.सी. बेसिसवरती ह्या इलेक्ट्रीकच्या बस तुम्हाला चालवाव्या लागणार आहेत. पण त्याअनुषंगाने आपल्याला जर एका तत्वावर जी जर इलेक्ट्रीक आपण जी.सी.सी. वरतीच चालवणार असून शासनाला डायरेक्शन प्रमाणे तर दुसऱ्या बस का आपण एन.सी.सी. विथ वी.जी.एफ चालवणार अर्थात त्यामुळे एकच कोणतेतरी धोरण असावं ह्या शहरामध्ये आणि दोन ऑपरेटर जर नेमले तर पुन्हा रोड आपल्याकडे जो प्रॉफीटेबल रुटवरती एन.सी.सी. च मेन जे आहे तो प्रॉफीटेबल रोडवरती जास्त चालवतो आणि ज्या ठिकाणी प्रॉफीट कमी आहे त्या ठिकाणी कमी चालवतो. अशा टाईपच्या नंतर पुन्हा तक्रारी येत राहणार आणि यासाठी आपण एकच ऑपरेटर नेमणे अपेक्षित होतं त्यासाठी वस्तुस्थिती आपल्या सभागृहापूढे निवेदन केलेले आहे.

धृवकिशोर पाटील :-

महापौर मॅडम परिवहन सेवेबाबत प्रत्येक वेळेला नविन निवन एक्सपरिमेंट होतात. सन 2005 पासून साहेब ही परिवहन सेवा सुरु आहे. त्यावेळची 5 वर्षांची सेवा होती त्याची पध्दत वेगळी होती ती जी.सी.सी. वरती होती. म्हणजे संपूर्णपणे परिवहन सेवा त्याने चालवावी. महापालिकेचे कर्मचारीने तिकीट कलेक्शन करावे आणि त्याला प्रत्येक किलो मीटर द्यावे. ती 5 वर्ष सेवा चालली. त्याच्यानंतर पुन्हा कॉन्ट्रॅक्ट निघाले त्याच्यामध्ये रॉयल्टी बेसवरती आली. त्याने एक रुपया रॉयल्टी दिली त्याने

पण 2-3 वर्ष चालवला आणि नंतर ते पण स्क्रॅप झालं. त्याच्यानंतर पुन्हा महापालिकेने कन्सलटंट वरती लाखो रुपये खर्च केले साहेब आणि प्रत्येक कन्सलटंटने तुम्हाला वेगवेगळा रिपोर्ट दिला. एका कन्सलटंटने सांगितले जी.सी.सी. बसेवरती करा, एका कन्सलटंटने सांगितले एन.सी.सी. विथ वी.जी.एफ करा. तुम्ही प्रत्येक वेळी पदाधिकाऱ्यांची मिटींग घेतली त्याच्यामध्ये आपण ठरवलं आपण धोरण ठरवले आणि तुमच्याप्रमाणे आम्ही धोरण ठरवलं साहेब आणि त्याप्रमाणे तुम्ही दोन्ही निविदा काढल्या. शेवटी ज्यावेळी आपण भागीरथी कंपनीला दिले त्यावेळी साहेब आपण दोन्ही बेसिसवरती निविदा काढल्या म्हणजे आपल्या पदाधिकाऱ्यांच्या मिटींगमध्ये तुम्ही बोलले होते की एन.सी.सी. विथ वी.जी.एफ, जी.सी.सी. तर आम्ही सांगितले तुम्ही दोन्ही पध्दती वरती निविदा काढा आणि जी प्रशासनाला फायदेशीर असेल ते प्रशासनाने आम्हाला रिपोर्ट द्यावा त्याअनुषंगाने आपण दोन्ही बेसिसवरती निविदा काढल्या साहेब आणि निविदा काढल्यानंतर जी.सी.सी. वरती पण निविदा काढली आणि एन.सी.सी. विथ वी.जी.एफ वर सुध्दा निविदा काढली आणि मग प्रशासनाने ठरवले की आपल्याला एन.सी.सी. विथ वी.जी.एफ हे फायद्याचे ठरेल. त्याप्रमाणे आपण ते मान्य केलं आणि मान्य केल्यानंतर तुम्ही त्याला पुन्हा कॉन्ट्रॅक्ट दिला. त्याच्यानंतर पुन्हा तुम्ही कन्सलटंट नेमला आणि पुन्हा तुम्ही आपले की जी.सी.सी. वरती सेवा सुरु केली पाहिजे आणि पुन्हा तुम्ही टेंडर काढले आणि ह्या टेंडरची प्रोसेस कमीत कमी मला तरी वाटले की एक वर्षापासून सुरु आहे आणि अजूनही त्याला तुम्ही अंतिम रूप दिलेलं नाही आणि एन.सी.सी. विथ वी.जी.एफ चे धोरण एकदा महासभेने ठरवलेले आहे निविदा प्रक्रिया तुम्ही सुरु केलेली आहे आणि आता पुन्हा चेंज करणार हे संयुक्तीक ठरणार नाही. नंबर 2 तुम्ही आता म्हटले की एक कॉन्ट्रॅक्टर येणार जी.सी.सी. मध्ये करणार आणि दुसरा कॉन्ट्रॅक्टर येणार जी.सी.सी. मध्ये करणार आणि दुसरा कॉन्ट्रॅक्टर येणार तो एन.सी.सी. विथ वी.जे.एफ करणार ह्या दोघांचे क्लॅश होईल साहेब आजही ठाणे महापालिका, नवि मुंबई महापालिका, पूणे महापालिका अशा अनेक महापालिकांमध्ये कॉन्ट्रॅक्टर पण आहेत आणि महापालिकेतर्फे सुध्दा परिवहन सेवा सुरु आहे आणि दोघांचे सुरळीत चालू आहे आणि नसेल तर तुम्ही त्याचा अभ्यास करा की आज ज्याप्रमाणे तुम्ही 3 पानाचा गोषवारा दिलेला आहे तर तुम्ही संपूर्ण व्यवस्थित मुद्देसुद मांडल पाहिजे आणि ऑलरेडी महासभेने धोरण ठरविलेले आहे आणि आजच्या तारखेमध्ये परिवहन सेवा व्यवस्थित चालू होती. उत्तनच्या नागरिकांना विचारा उत्तनच्या नगरसेवकांना विचारा की भाईदरच्या किंवा मिरारोडच्या नगरसेवकांना विचारा की परिवहन सेवा जर व्यवस्थित चालू आहे आणि अशी सुरु असताना आणि जास्त लॉस पण होत नाही असे असताना पुन्हा हे धोरण चेंज करणे साहेब हे चुकीचे ठरणार. तुम्ही परिवहन सेवा 2005 पासून अभ्यास करा आणि तुम्ही सगळे कन्सलटंटचे रिपोर्ट वाचा. प्रत्येक कन्सलटंटने आपआपल्या हिशोबाने दिलेले आहेत आणि प्रत्येकवेळी तुम्ही एक्सप्लेन करणार का? शेवटी एक्सप्लेन करायची साहेब लिमीट असते की नाही. प्रत्येक वेळी तुम्ही सांगणार असे करा हे चुकीचे आहे आणि आज जी सेवा सुरु आहे ती व्यवस्थित सुरु आहे तुमचे पॅसेंजर पण वाढले असे तुम्ही म्हणत आहेत. तर व्यवस्थित सुरु असताना आणि लॉस पण कमी असताना ही सेवा किंवा ही पध्दत चेंज करणे हे मला तरी वाटते संयुक्तीक ठरणार नाही.

जुबेर इनामदार :-

साहेब तुमची बस हा जी.सी.सी. आणि एन.सी.सी. चे धोरण हे विषय आहेत. आपल्याला अॅडजॉप करायला आहे तो आपला निर्णय आहे. रिकमंडेशन आहे कम्पलसेशन कुठेच नाही. दोन वेगवेगळे शक्य आहेत दुसरं तुम्ही अर्थसंकल्पामध्ये 20 कोटीची तरतूद दाखवली अर्थात 20 कोटी रुपये तुम्हाला म्हणजे तुमचे अकाऊंट आहे की आमचे 20 कोटी रुपये खर्च वी.जी.एफ मध्ये होणार. साहेब याचा अर्थ तुमच्या 74 बसेसवरती साडेसात हजार रुपये पर डे 28 किलो मीटर पर किलोमीटरने खर्च त्यांना देत आहेत. तिकीट संकलन तो करतो 100 कि.मी. गाडी चालवली तर 2800 रुपये होतो. अॅडिशनल आपण साडे सात हजार रुपये त्याला पर डे त्या बसेसवाल्याला देत आहोत. आज आजच्या

तारखेला आणि तुम्ही देता नाही देता तो नंतरचा विषय आहे. प्रशासनाने ते चित्र आमच्या समोर आणून ठेवलेले आहे. खरतर हे काय आहे तुम्ही का आम्हाला याची संपूर्ण माहिती देत नाही, कुठे लपवता? किती किलो मीटर गाडी रोज चालते खर्च किती पडतो. तिकीट संकलन गेल्यावर्षी किती झालं का अर्थसंकल्पामध्ये याची नोंद नाही केली गेली? कुणापासून तुम्ही हे आकडे लपवत आहेत? आयुक्त महोदय महापौर मॅडम हा विषय याचा व्यवस्थित परत अभ्यास होणे गरजेचे आहे. गरज लागली समितीची बैठक बोलवा. त्यावर चर्चा करू. त्यांना व्यवस्थित प्रेझेंटेशन देऊ देत आणि आकडेसहीत देऊ द्या. अर्धवट चर्चा ही बरोबर नाही कारण हा परिवहन सेवेचा विषय नेहमी आलेला आहे. आम्हाला जी.सी.सी. वर द्यायला हरकत नाही. रिकमंडेशन चांगल असेल करूया. एन.सी.सी. वर चांगल असेल करूया. परिवहन सेवा चांगली चालली पाहिजे. महापालिकेचा पैसा वाचला पाहिजे. शासन आपल्याला पैसा देतो. अनुदानाच्या स्वरूपात कोटवधी रुपये मिळतात मग आपण कोट्यवधी रुपयाचा लॉस करायचा हे योग्य नाही. तुम्ही बसेस घेत आहात तुम्ही उद्या 200-300 बसेस केल्यात तर तुम्हाला तो खर्च पडणार आहे. आज 20 कोटीवर तुमची गाडी आलेली आहे. उद्या कितीवर जाईल काही सांगता येत नाही. आपली महापालिका अशी काय मोठी महापालिका नाही. आपला अर्थसंकल्प लिमिटेड आहे. आपले उत्पन्न कमी आहे त्या उत्पन्नातून आपल्याला द्यायचे आहे. आपल्याला कुठेतरी परिवहनचे उत्पन्न असायला पाहिजे. तर त्या उत्पन्नातून तुम्ही खर्च करू शकाल. अथवा थोडाफार तुम्ही तुमच्या बाजूने लावू शकाल सगळ्या काही तुम्ही परिवहन सेवेला देत असाल तर हे योग्य नाही. म्हणून महापौर मॅडम माझी आपणाला विनंती आहे झालेला ठराव ठिक आहे. तरीही आपण घ्या.

मा. उपमहापौर :-

महापौर मॅडमच्या परवानगीने बोलतो जे रहिवाशी आहेत परिवहनचे ट्रान्सपोर्टमध्ये येता जातात त्यांना त्रास होऊ नये ह्या विषयावर बरोबर प्रशासनाने चर्चा करावी. त्याबरोबर सोबत लोकप्रतिनिधीला विश्वासात घ्यायचे की ते स्थानिक लोकांना तो त्रास होऊ नये आणि महापालिकेचे पैसे वाया जाऊ नये हे दोघांचा महत्वाचा तोच पार्ट होता. आता जुबेर भाईने ते म्हटल की ह्या विषयावर ऑलरेडी ठराव झालेला आहे. त्या ठरावाबद्दल परत तुम्हाला काय नेमणूक करायची आहे किंवा बैठक लावायची आहे लोकप्रतिनिधींची किंवा पदाधिकाऱ्यांची म्हणजे तुमचे दोघांचे एखादा सदस्य मिळून.

मा. महापौर :-

सभागृहाची मान्यत असेल तर गटनेत्यांची बैठक.....

मा. उपमहापौर :-

महापौर मॅडम म्हणजे ऑलरेडी कॉम्पलीड काहीच नाही. जुबेरजी जे म्हटले तेच आहेत आणि पालिकेचे नुकसान होऊ नये.

मा. महापौर :-

मी म्हणुनच म्हटलं की सन्मा. गटनेत्यांची बैठक लावून प्रशासनाने प्रेझेंटेशन द्याव मग निर्णय घेण्यात यावा.

धृवकिशोर पाटील :-

मॅडम ऑलरेडी आपल्या ज्या 74 बसेस सुरु आहेत आणि ज्या इलेक्ट्रीक बसेस येणार आहेत विषय दोन आहेत बघा ज्या बसेस ऑलरेडी आपल्या सुरु आहेत आणि ज्या 25 बसेस आपल्या ज्या येणार आहेत इलेक्ट्रीक बसेस ते दोन विषय आहेत. तर ऑलरेडी आपली जी परिवहन सेवा जी चालू आहे जे 74 बसेस आणि फक्त त्याचे लाईफ 6 वर्ष बाकी आहे आणि त्याचे ऑलरेडी टेंडर प्रोसेसमध्ये आहे. एन.सी.सी. विथ वि.जी.एफ आणि हे धोरण महासभेने ठरवले आहे. तर ते ओके करा आणि जे

इलेक्ट्रीक बसेससाठी आपण जे नविन धोरण करणार आहोत त्याच्यासाठी तुम्ही लागल तर सगळ्या पदाधिकाऱ्यांची बैठक घेऊन तुम्ही क्लियर करा. नो प्रॉब्लेम.

मा. उपमहापौर :-

महापौर मॅडम ऑलरेडी जे काम चालू आहे ते जे ठराव झालेले आहे त्या ठरावानुसार ते काम चालू आहे. आता जे आपण नविन धोरण नक्की करतो किंवा जी प्रशासनाने मागणी केलेली आहे नविन इलेक्ट्रीक बसेससाठी ह्या विषयासाठी मला असे वाटते पदाधिकाऱ्याने एकत्र बसून त्यावर निर्णय घेण्यात यावा. महापौर मॅडम अशी माझी विनंती आहे.

गिता जैन :-

महापौर मॅडम मला वाटते की फक्त त्यासाठी बसायची तर काहीच गरज नाही कारण रिकमेंडेशनच ते आहे की जर तुम्ही इलेक्ट्रीक बसेस घेत आहेत आणि घ्यावच लागेल तर तुम्हाला ते जी.सी.सी.वरच चालवायचे आहे. त्यासाठी बैठक करायची त्याच्यामध्ये गरजच नाही. ते शासन निर्णय आहे.

मा. महापौर :-

मॅडम प्रेझेंटेशन बघायचे आहे.

गिता जैन :-

नाही पण हे शासन निर्णय आहे. आता आपला प्रश्न असा आहे की आपल्याकडे दोन वेगवेगळे कॉन्ट्रॅक्टर होऊ नये आणि आपली बस सेवा सुरळीत चालेल म्हणून आपल्याला त्यापुढचे 6 वर्षांचे निर्णय आपल्याला घ्यायचा आहे. 12 वर्षांचा निर्णय तर आपल्याला घ्यायचा अधिकार नाही. तो जी.सी.सी. वरच करायचा आहे. त्यात आपण कशाला वाद करतो.

मा. उपमहापौर :-

महापौर मॅडम बोलू इच्छितो, ऑलरेडी निर्णय ठरलेला असेल शासनाने दिलं असेल मेरे पास ज्ञान थोडासा कम है में ज्ञान थोडासा लेना चाहूंगा सभी सदस्यो को शायद मील जाए तो अच्छा है। ऑलरेडी शासनने निर्णय दिलेले आहेत की हे घ्यायचं आहे तर इथे महासभेची मंजूरीसाठी येणार पण नाही. पहिली गोष्ट आणि शासनाने नक्की केलेले असेल कम्पलसरी असेल तर त्यांनी ते लागू करावं. याचा अर्थ ही जी महासभा आहे महासभा जी मंजूरी देणार आहे तेच सर्वोपरी आहेत.

धृवकिशोर पाटील :-

महापौर मॅडम विषय असा आहे जसे आमदार मॅडम बोलल्या की रिकमेंडेशन आहे. इज नॉट कम्पलसरी जस जुबेरजी बोलले इट इज रिकमेंडेशन नॉट कम्पलसरी हे त्यांनी सांगितलेले आहे.

मा. उपमहापौर :-

सदस्य महोदय माझे तेच म्हणणे होते की रिकमेंडेशन आणि कम्पलसरी हे दोघेही वेगवेगळे शब्द आहेत.

जुबेर इनामदार :-

उपमहापौरजी मी दोन विषयासाठी प्रेझेंटेशन मागितले आहे मी आर्थिक बाबीचे प्रेझेंटेशन मागितले आहे. आर्थिक बाबीचे प्रेझेंटेशन द्या एन.सी.सी. बैठक आणि जी.सी.सी. बैठक त्याच्यानंतर आम्ही हा विषय ठरवू एन.सी.सी. वर असेल तर ते चालूच आहे. परंतु केलेले नाही तुम्ही उद्या बैठक लावा ना. आम्ही बसायला तयार आहोत.

मा. महापौर :-

ठिक आहे.

धृवकिशोर पाटील :-

यांचे जे टेंडर प्रोसेस आहे.....

निलम ढवण :-

म्हसाळ साहेब क्लेशिय करत आहेत मॉडिफाय करत आहेत.

मा. महापौर :-

ते आता खुलासा देतीलच आणि त्याच्यानंतर पण समाधान नाही झालं तर आपण मग आपल्या सन्मा. गटनेत्यांची बैठक लावून प्रेझेंटेशन घेऊ आणि त्याच्यानंतर मग योग्य तो निर्णय घेऊ.

मा. उपमहापौर :-

महापौर मॅडम गटनेते व पदाधिकारी.

धृवकिशोर पाटील :-

मॅडम प्रशासनाने टेंडर काढल्यानंतर असे नाही आहे की एक माणसाला दोन्ही टेंडर मिळतील. दोन्ही एजन्सी वेगवेगळी येऊ शकते. म्हणजे डिझेलवर चालणाऱ्या बसेस करिता वेगळी एजन्सी आणि इलेक्ट्रीकवर चालवण्याकरिता वेगळी एजन्सी असे होऊ शकते.

मा. उपमहापौर :-

महापौर मॅडम सिम्पल से में सभी सदस्यो को, पत्रकार बंधुको इस विषय पे जानकारी देना चाहूंगा जिस तरीके से धृवकिशोर साहबने कहाँ की दोनो एजन्सी आ सकती है इसका अर्थ सिम्पली भाषा में यह की एक घर के अंदर दो परिवार रहेंगे और दोना परिवार अलग अलग वो अपना खाना अलग बनायेंगे वो अपना बाथरूम यूज भी करेंगे वो अपना बेडरूम भी यूज करेंगे एक रुम के अंदर दो जन मतलब प्रॅक्टिकली अगर महापौर मॅडम अगर उसपे ध्यान दे तो.....

मा. महापौर :-

हे काय चालले आहे ही कुठली पध्दत आहे. ही काय पध्दत आहे का डायरेक्ट डायसवर यायची. ये इकडे ये तुला इथे आणायला कोणी सांगितले त्यांना? ही कुठली पध्दत आहे अशी पध्दत चालणार नाही.

प्रशांत दळवी :-

आयुक्त महोदय कारवाई झाली पाहिजे. कोण आहे हा?

मा. महापौर :-

ही काही पध्दत नाही याच्यावर कारवाई करा. ही काय पध्दत आहे का? एवढी सिक्युरिटी असताना डायरेक्टवरती कसा येतो.

प्रशांत दळवी :-

हे चुकीचे आहे आयुक्त महोदय वरती डायसवर येऊन हा अपमान करत आहेत.

भगवती शर्मा :-

महापौर मॅडम, सिक्युरिटीवाला क्या कर रहा है? सिक्युरिटी किधर है?

मा. महापौर :-

आता काय म्हणून ते डायसवर आले होते. ही चुकीची पध्दत आहे आणि ही पध्दत काही योग्य नाही यावरती प्रशासनाचे काय मत आहे. सभागृहाचे याच्यावरती काय मत आहे? मला तेच म्हणायचे आहे की डायसवर अस नगरसेवकाचे येणे माझ्या परवानगी शिवाय किंवा नागरिकांनी किंवा इतर कोणीही अधिकाऱ्यांनी सुध्दा माझ्या परवानगीशिवाय येऊच नये. पहिला मला विचारा मग वरती या. सिक्युरिटी काय करत आहे? आयुक्त महोदय मी पहिल्यांदा पण तुम्हाला सांगितले होते की मी जेव्हा ह्या सभागृहामध्ये मिटींगला बसेल तर डायरेक्ट डायसवरती कोणी आले नाही पाहिजे मग सिक्युरिटी करते काय? सभागृहात कसं सोडता तुम्ही? ही काय पध्दत झाली. सभागृह काय इथे कोणाचा चहा पाण्याचा नाश्ता करायल इथे बसले आहेत का? आज तुम्हाला चहा मिळाला, पाणी मिळाले असेल, नाश्ता पाहिजे असेल तर तुम्ही जाऊन करू शकता ना. इथे बसणारे सभागृह इथे नगरसेवक आहेत ते ह्या ठिकाणी काही तरी शहरासाठी, हितासाठी बसले आहेत ना.

शानु गोहिल :-

नव्याने नेमणूक केलेले सेक्युरिटी रद्द करा.

मा. महापौर :-

ठिक आहे तसा ठराव आपण करूया.

हेतल परमार :-

महापौर मंडम हे तर ठिक आहे की ते चहासाठी आलेले जर इथेवरती येऊन काही कलं असतं कोणी पण येऊ शकतो काहीही करू शकतो ना.

मा. महापौर :-

3 वाजता लंच टाईम होणार आहे.

विजयकुमार म्हसाळ (मा. अतिरिक्त आयुक्त) :-

सन्मा. महापौर महोदया, आयुक्त साहेब सर्व सन्मा. सभागृह परिवहन सेवेच्या संदर्भामध्ये आपण जी चर्चा करतो त्याअनुषंगाने बोलू इच्छितो शासनाने जे डॉक्युमेंट काढलेले आहेत डिपार्टमेंट ऑफ हेवी इंडस्ट्रीज मिनिस्ट्री ऑफ हेवी इंडस्ट्रीज अँड पब्लिक इंटरप्रायजेस गव्हर्नमेंट ऑफ इंडिया. उद्योग भवन यांनी प्रपोजल फॉर अव्हेली इनसेन्टीव्ह अंडर फेम इंडिया, स्कीम फेस टू फॉल डिप्लॉयमेंट ऑफ इलेक्ट्रीक बसेस और ऑपरेशन कॉस्ट मॉडेल बसेस तर त्याच्यामध्ये त्यांनी असे सांगितलेले आहे सिंस इलेक्ट्रीक बसेस अंडर फेम इंडिया स्किम नीक टू डिप्लाय ओनली और ऑपरेशनल कॉस्ट बेसिस रेट फॉर कि.मी. बेसिस द हिडन मॅकॅनिझम शुल्ड बी अँज गिवन बिलो. एस.टी.यू. मॅ इन्व्हाईट द बीड बाय आस्कींग बीड ऑर टू कोड इ ग्रॉस कॉस्ट कॉन्ट्रॅक्टर फॉर रनिंग इलेक्ट्रीक बस इन रुपीज पर कि.मी. फॉर द मिनिमम अस शुड रन पर इयर अँड फॉर स्पेसिफिक कॉन्ट्रॅक्ट पिरेड त्याच्यामुळे त्यांनी एस.टी.यू. म्हणजे ह्या केसमध्ये आपली महापालिका आहे तर याच्यात त्यांनी बीड काढताना ग्रॉस कॉस्ट जी.सी.सी. बेसिस वरतीच काढा म्हणलेले आहेत. पर रनिंग किलो मीटरवरती आणि अँज शुड मिनिमम याच्यामध्ये आपण 200 किलो मीटर पर डे बोललो आहेत. याप्रमाणे जेवढे वर्ष होतील तेवढी अँड फॉरेस्ट पॅसिफिक कॉन्ट्रॅक्ट पिरेड याच्यासाठी आपण 12 वर्ष निर्धारित केलेली आहेत. त्यामुळे इलेक्ट्रीक बससाठी जे आहे त्याच्यामध्ये आपल्याला धोरणात्मक निर्णय घ्यायला काहीही स्कोप नाही आहे. त्याच्यात त्यांनी स्पष्ट सांगितले आहे की तुम्ही खरेदी नाही करायच्या हे जे मॉडेल सांगितले आहेत त्या ऑपरेशनल कॉस्ट बेसिस वरतीच आपल्याला निविदा मागवायची आहे.

मा. महापौर :-

मला वाटते सभागृहामध्ये नगरसेवक काहीही ह्या विषयी इंट्रेस नाही. मग कृपया आपण शांत रहा.

विजयकुमार म्हसाळ (मा. अतिरिक्त आयुक्त) :-

इलेक्ट्रीक बाबत मी पुरेसा खुलासा केलेला आहे. सन्मा. सभागृहाचे मला वाटतं समाधान झालेले असेल. इलेक्ट्रीक बसेसच्या बाबतीमध्ये जी.सी.सी. परत शासनाने ऑप्शन नाही ठेवलेले आहेत. कम्पलसरीच केलेले आहे त्यामुळे तुम्हाला जी काही इलेक्ट्रीक बसेसची काढायची आहे त्यांना पूर्ण देशभराच्या डायरेक्शन आहेत आणि सगळ्या ठिकाणी हे मॉडल जी.सी.सी. वरतीच चालू आहे. त्याच्यामुळे आपल्याला याच्यापेक्षा वेगळा निर्णय घेता येणार नाही आम्ही फक्त याच्यासाठी सभागृहामध्ये विषय ठेवला होता की, आपल्या ज्या 74 डिझेल वरच्या बस आहेत ज्या एन.सी.सी. मॉडेलवरती चालल्या आहेत तर ते हे करताना आपण आधी मध्ये एक ठराव केला होता की सी.एन.जी. च्या सुध्दा बस 30 घ्या पण नंतर हे जेव्हा इलेक्ट्रीक चर्चा पॉलिसी आली आपण ते कॅन्सल केले त्यामुळे ती जी निविदा आहे ती आपल्याला ह्या इलेक्ट्रीकच्या अनुषंगाने विचार करून त्या कॉन्ट्रॅक्टरने भरलेली नसावी. तर त्याच्यामुळे आपल्याला धोरण ठरवून नव्याने निविदा पब्लिश करून त्याच्यामध्ये आपल्याला करावे लागणार आहे. त्याच्यात जी.सी.सी. करायची एन.सी.सी.

करायची दोघांसाठी एकच ऑपरेटर वेगवेगळा ऑपरेटर ह्या संदर्भातही आपण चर्चा करुन आपण त्याअनुषंगाने एक धोरण ठरवणे अपेक्षित आहे.

जुबेर इनामदार :-

याच कारणाला महापौर मॅडम यांना हा इलेक्ट्रॉनिक बसेस जी.सी.सी. तत्वावर चालणार. आपले असलेले 74 बसे एन.सी.सी. तत्वावर चालणार ह्याच अनुषंगाने एक प्रेझेंटेशन आर्थिक प्रेझेंटेशन तुम्ही हा ठराव केला आहे याला काही हरकत नाही. तो आहे तसाच ठराव तुम्ही ठेवा. उद्या बैठक लावा. स्पष्ट चित्र होऊन जाईल. एकतर कर्मभोग तुमचेच एका विषयामध्ये दुसरा विषय घुसवला. इलेक्ट्रॉनिक वेगळा ठेवायचा होता दुसरा वेगळा द्यायचा होता. का घुसवला?

विजयकुमार म्हसाळ (मा. अतिरिक्त आयुक्त) :-

इलेक्ट्रीच्या बद्दल जे आहे वेगळा त्याच्यात नाही तो बस परिवहन सेवा ह्या शहरासाठी एकच आहे. वेगळी नाही. हे करताना आपल्याला प्रेझेंट निविदा काढलेली आहे हे सुध्दा सभागृहाच्या निदर्शनास त्या अनुषंगाने आणलेले आहे आणि दोन जी.सी.सी. एन.सी.सी. करताना आपल्याला असे आहे की जेव्हा आपण जी.सी.सी. करता त्यावेळेस कलेक्शन आपल्याकडे राहते. आपल्याला पर इपीकेम काय आपल्याला डेली माहित पडते आता माहित पडत आहे. परंतु आता आपण इपीकेम माहिती करुन त्याचा काही उपयोग नाही कारण आपण वी.जी.एफ तत्व अवलंबलेले आहे आणि पूर्ण 5 वर्षांमध्ये त्याने वी.जी.एफ कुठल्या दराने घ्यावा याच्यासाठी तुम्ही मान्यता दिलेली आहे. अॅग्रीमेंट केलेले आहे.

मा. महापौर :-

मला असे वाटते जशी तुम्ही सुचना केली होती की या विषयावरती जर सभागृह मान्यता देत असेल तर सन्मा. गटनेत्यांची बैठक घेऊन प्रेझेंटेशन प्रशासनाने द्यावं आणि मग त्याच्यावरती अंतिम निर्णय घेण्यात यावा. सन्मा. सदस्य धृवकिशोर पाटील साहेबांनी जो ठराव मांडलेला आहे तो सध्या स्थगित ठेऊया. पुढचा विषय घ्या.

शर्मिला बगाजी :-

महापौर मॅडम आपण जो निर्देश दिला आहे की गटनेता आणि पदाधिकारी यांची मिटींग होईल त्या संदर्भात पण नंतर त्या सगळ्या सभासदांना अवलोकनार्थ तरी तो विषय घ्या. महासभेत आणावा अशी आमची विनंती आहे.

मा. महापौर :-

नक्की.

दिपीका अरोरा :-

महापौर मॅडम परिवहन विषय आहे एकच बोलते की जो बस स्टॉप लगाये गए है सर और उनका टेंडर परिवहन समिती के तहत पहिले पी.डब्ल्यू.डी. करता था बस स्टॉप का और अभी परिवहन समितीने उसको टेक ओव्हर किया था टेंडर भी निकला था जो बस स्टॉप है उसको रिपेअर का और इन्सपेक्शन हो गया था सुपरव्हीजन हो गया था पर आज तक उसकी रिपेअरवर्क नही हुई है।

मा. महापौर :-

रिपेरींग करुन घ्यावे.

**प्रकरण क्र. 7 :-**

मिरा भाईंदर महानगरपालिका परिवहन उपक्रमासाठी नविन इलेक्ट्रीक बस खरेदी करणे व बस सेवेसाठी बस ऑपरेटर नियुक्त करणेकामी धोरणात्मक निर्णय घेणेबाबत.

**ठराव क्र. 9 :-**

मिरा भाईंदर महापालिका परिवहन सेवेतील सध्या अस्तित्वात असलेल्या डिजेलवर चालणाऱ्या 74 बसेस ठेका पध्दतीने चालविण्याकरीता NCC with VGF या तत्वावर 6 वर्ष कालावधीकरीता



निविदा काढणेस मा. महासभेने धोरणात्मक निर्णय घेतला होता. त्याप्रमाणे प्रशासनाने निविदा प्रक्रिया सुरु केलेली असुन सदर निविदा अंतिम करण्याची अंमलबजावणी प्रशासनाने करावी.

तसेच शासनाच्या 15 व्या वित्त आयोगा अंतर्गत प्राप्त अनुदानातून इलेक्ट्रीक बस खरेदी करण्यास मान्यता दिलेली आहे. इलेक्ट्रीक बस खरेदी करुन बस चालविणेकरीता 12 वर्षे कालावधीसाठी स्वतंत्र निविदा प्रक्रिया करुन GROSS COST CONTRACT (GCC) तत्वावर बस ऑपरेटर नियुक्त करणेकरीता प्रशासनाने निविदा प्रक्रिया करणेस व इलेक्ट्रीक बस सेवेकरीता तिकीट संकलन, पर्यवेक्षण, देखरेख इ. साठी स्वतंत्र एजन्सी नेमणेस ही मा. महासभा मंजूरी देत आहे असा मी ठराव मांडत आहे.

सुचक :- श्रीम. शानु गोहिल

अनुमोदन :- श्रीम. सिमा शाह

ठराव सर्वानुमते मंजूर

सही/-

महापौर

मिरा भाईंदर महानगरपालिका

नगरसचिव :-

प्रकरण क्र. 8, मिरारोड (पूर्व) आरक्षण क्र. 230 रामदेव पार्क येथे बांधण्यात आलेले मेडीटेशन सेंटर चा वापर सुरु करणेसाठी भाडे ठरविणेबाबत.

डिम्पल मेहता :-

मिरा भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्रात मिरारोड (पूर्व) रामदेव पार्क येथील मंजूर विकास योजनेतील आरक्षण क्र.230 मध्ये बुध्दविहार तसेच मेडीटेशन सेंटरची इमारत बांधण्यात आली आहे. सदर बुध्दविहार व मेडीटेशन सेंटर इमारतीचे दैनंदिन संचलन, देखभाल व दुरुस्तीकरीता देण्यासाठी विविध संस्थांचे अर्ज महानगरपालिकेस प्राप्त झाले आहेत.

सदर इमारतीच्या वापराबाबत धोरण निश्चित करणेकरीता मनपा पदाधिकारी, संबंधीत अधिकारी, सर्व पक्षीय गटनेते व या समाजाच्या प्रमुखांची बैठक आयोजित करुन निर्णय घेण्यास ही मा. महासभा मंजूरी देत आहे.

रूपाली शिंदे :-

माझे अनुमोदन आहे.

निला सोंस :-

महापौर महोदया मेरी सुचना थी ऑलरेडी सुचना मेंने सबमिट कर दि है आपके डिपार्टमेंट में प्रकरण क्र. 8 बाबत सुचना उपरोक्त विषयान्वये आपणांस कळविण्यांत येते की मिरारोड पूर्व आरक्षण क्र. 230 रामदेव पार्क येथे महापालिकेमार्फत बुध्दविहार व मेडीटेशन सेंटर बांधण्यात आले आहे. सदरचे बुध्दविहार सेंटर महात्मा गौतम बुध्द यांचे आदर्श ठेवून तसेच समस्त बौध्द समाजाच्या नागरिकांच्या भावनांचा विचार करुन उभारण्यात आलेले आहे बौध्द समाजाच्या नागरिकांच्या सोयी सुविधा करीता उभारलेल्या बुध्द विहाराचा फायदा सर समाजाच्या नागरिकांना मोफत पेण होणे आवश्यक आहे. यापूर्वीही महापालिका मार्फत स्व. प्रमोद महाजन हॉल व स्व. मिनाताई ठाकरे हॉल हे नागरिकांना सोईकरिता बनविण्यात आलेले होते. परंतु महापालिकेमार्फत सदरचे दोन्ही हॉल हे खाजगी कॉन्ट्रॅक्टदाराला दिल्याने प्रत्यक्षपणे नागरिकांच्या सोयी सुविधांचा फायदा होत नाही. याकरिता बौध्द विहार व मेडीटेशन सेंटरच्या दैनंदिन संचलन देखभाल व दुरुस्ती महापालिका मार्फत करण्यात यावी. अशी मी सुचना मांडत आहे.

गिता जैन :-

मॅडम अॅक्च्युअली निला सॉस मॅडमशी मी ही सहमत आहे. दरवेळी लहान लहान सत्संग असो, किंवा काही असो त्यासाठी त्यांच्यावर एवढे भाडे लादणे मला वाटत आपण खुपसार दुसरं काम करतो आणि आपल्याकडे इनकमसेंस आणि बाकीचे सोर्सस आहेत तर हे असे एक धोरण ठेवा की जे सत्संग करतात, भजन मंडळी आहे किंवा बौध्द समाजाचे जे पण आहेत त्यांना विनामुल्य आणि सगळ्यांना ठेकेदार कशाला पाहिजे. महापालिका किंवा अधिकारी वर्गाने सांगाव की आम्ही ते मॅटेन करू शकत नाही. सगळ्यालाच ठेकेदार मग तो त्याची मनमानी करतो. जसं आता हे दोन हॉलचे निला मॅडमने सांगितले त्यावर खुर्चीची किंमत काय असेल तेही ठेकेदाराची मनमानी आपण लोकांच्या सुविधासाठी काहीतरी बांधत आहोत तर त्यांना कमी दरात मिडल क्लासला कमी दरात ते हॉल मिळावे. किंवा ही अशी वास्तु मिळावी तर त्याचा विचार करून ठेकेदार न नेमता आपण महापालिकेमार्फत ते चालवून त्या त्या समाजाला ज्या ज्या वेळी त्याची गरज आहे एखादी संस्थेला दिली तर बाकीच्या दहा संस्थाने काय करायचं कारण भरपूर संस्था आहेत त्यापेक्षा ज्या ज्या वेळी त्या वास्तुची ज्यांना गरज आहे तशी त्याचे कारण दर्शवून असे काही कारण असेल जे प्रार्थना करायची आहे किंवा बौध्द समाजचे काही असेल तर त्यांना नाममात्र दराने दिले तरी चालेल. पण माझी खर्च अशी इच्छा आहे की त्यांना विनामुल्य अशा कामासाठी आपली सगळी वास्तु देण्यात यावी.

अनिल सावंत :-

महापौर मॅडम एक चांगला विषय आणलेला आहे आणि सभागृहातील सर्व सदस्यांचा हक्क आहे की अॅक्च्युअली हे काय स्ट्रक्चर आहे महापालिकेची काय भुमिका आहे मग हा विषय आल्यानंतर परत तो तुम्ही पदाधिकाऱ्यांच्या मिटींगमध्ये देणार मग बाकीच्या सदस्यांना कस कळणार? तुमच्या गटनेत्यांच्या पदाधिकाऱ्यांच्या मिटींगमध्ये काय निर्णय होतात हे सर्व सदस्यांना कळत नाहीत हे जे आहे ही जी वास्तु आहे याचे जर स्पष्टीकरण आणि विश्लेषण चांगल्याप्रकारे प्रशासनाने दिले तर सर्व नगरसेवकांना कळेल.

मा. महापौर :-

तो आताच निर्णय घेणार ना.

अनिल सावंत :-

निर्णय घेतला तसा ठराव केला.

मा. उपमहापौर :-

नाही केल.

अनिल सावंत :-

ठराव केला गटनेत्यांच्या मिटींगमध्ये.

मा. उपमहापौर :-

नाही केला.

प्रशांत दळवी :-

महापौर मॅडम ही चर्चा होत आहे. आपले असे म्हणणे आहे की, कुठली एखादी वस्तु उभारायची प्रत्येक सन्मा. सदस्यांना तिकडे जाणे ठरणार आहे का त्यांना क्रमप्राप्त होणार आहे का तर नाही होणार आहे. आज आपण त्या ठिकाणी महिला भवनची निर्मिती केली त्याठिकाणी त्याचे उद्घाटन केले हे जे मेडिटेशन सेंटर आहे किंवा बुध्दविहार आहे याचे ही लवकरच तिथे लोकार्पण होणार आहे त्या वेळेला सन्मा. सदस्यांना तिकडे पहावयास मिळणार आहे आणि महत्वाची गोष्ट म्हणजे आम्ही कुठले दर किंवा हे ठरविलेले नाहीत. म्हणून सांगता सर्व पक्षिय गटनेत्यांमध्ये सन्मा. सदस्यांची जी भावना आहे की तिकडे नाममात्र भाड्यामध्ये मिळावे आमची तीच भावना आहे. आम्ही कुठे रेट ठरवून दिलेले नाहीत किंवा कुठल्या महापालिकेचे ते चालवायचे आहे.

अनिल सावंत :-

सभागृहनेते माझा मुद्दा तो नाही. मुद्दा एवढाच आहे कुठलीही गोष्ट ज्या वेळेला महासभेमध्ये येते तेव्हा गटनेत्यांची मिटींगनंतर कशाला घेता. तुम्ही पहिला हे करा गटनेत्यांची मिटींगमध्ये ठरवा आणि मग महासभेमध्ये आणा. महासभेच्या मिटींगमध्ये विषय आल्यानंतर परत गटनेत्यांच्या मिटींगमध्ये मग बाकी सदस्यांना कस कळणार.

मा. उपमहापौर :-

महापौर मॅडम तुम्हाला 2-3 वेळा निवेदन केलं की कृपया तो ठराव नीट ऐकून घ्या. ठरावामध्ये क्लिअर मेन्शन केलेले आहे आपण कुठल्या संस्थेला, कुठल्या प्रायव्हेट कंपनीला देत नाही. दर म्हणजे नाममात्र जे आपण सर्वपक्षिय पदाधिकारी गटनेते बसून ते नक्की करणार आहोत आणि सर्वात मोठे हे जे ठराव मांडलेले आहेत त्यामध्ये अभिनेदन देतो ह्यासाठी की म्हणजे प्रत्येकाचा विचार केलेला आहे. महापौर मॅडम सदर इमारतीचा वापर धोरण निश्चित करण्याकरिता महापालिका पदाधिकारी संबंधित अधिकारी सर्वपक्षिय गटनेते व पदाधिकारी व ह्या समाजाच्या प्रमुखांची बैठक आयोजित करून निर्णय घेण्यास म्हणजे फक्त आपण पदाधिकारी नाहीत ह्या समाजाचे संबंधित प्रमुख आहेत त्यांनी.....

मा. महापौर :-

उपमहापौर साहेब तुम्हाला थांबवते, कारण ज्या समाजाची जेव्हा आम्ही बैठक घेऊ त्यांचे म्हणणे काय असेल ते आम्ही गटनेत्यांच्या बैठकीमध्ये मांडू.

मा. उपमहापौर :-

मी क्लेरिफिकेशन देतो म्हणजे कुठल्या जागेवर कुठल्या दिवशी आता एका सदस्य महोदयाने सांगितले की ते फ्री ऑफ कॉस्टमध्ये द्यायचं. आपण कुठेकुठे कधीकधी कुठल्या कुठल्या प्रसंगी, कुठल्या सणात कोणाकोणाला फ्रीमध्ये द्यायचे ते आपण ठरवायचं आणि हे शंभर टक्के खात्री देतो सदस्यांना आपल्याला प्रायव्हेट कॉन्ट्रॅक्टरला द्यायचे नाही. हे मनापासून सगळ्यांची इच्छा आहे. पिछला जो बीत चुका है जिसने हमने कुछ सिखा है उससे हम यह नक्की करके लेते हैं की, प्रायव्हेट कॉन्ट्रॅक्टर जो सोर्स ऑफ इनकम का रहता है उसपे हम काम नहीं करेंगे।

प्रविण पाटील :-

महापौर मॅडम एकतर ह्या महासभेमध्ये असे काही वर्षापासून बघितलेले आहे त्या बऱ्याच गोष्टी ह्या महासभेमध्ये येतात आणि त्या परत तुम्ही घेता कुठे पदाधिकार्यांच्या मिटींगमध्ये.

मा. महापौर :-

तुम्हाला तुमच्या गटनेत्यांवर विश्वास नाही का? विश्वास नसेल तर मला सांगा मी सभागृहात क्लिअर करेल. मगाशी पण प्रश्न उपस्थित केला अनिल सावंतजीने आता तुम्ही उपस्थित करत आहात. याचा अर्थ तुम्हाला तुमच्या गटनेत्यांवरती विश्वास नाही का.

अनिल सावंत :-

मी काय सांगतो ते तरी ऐका महासभा लावूच नका. गटनेत्यांच्या मिटींगमध्येच निर्णय घेऊन टाका.

मा. महापौर :-

सभागृहाची मान्यता घेऊनच आपण बोलतो. मी काय बोलली आधी सभागृहाची मान्यता घेऊन.

प्रविण पाटील :-

मी काय बोलतो ते पूर्ण ऐका. आम्हाला पदाधिकार्यांच्या बैठकी घेता त्याचा आक्षेप नाही. हे चांगले निर्णय घेता.

मा. महापौर :-

कसे असते जेव्हा एखाद्या विषयावरती महासभेमध्ये भरपूर वेळा चर्चा झाली आणि त्या विषयाचा निर्णयापर्यंत आपण पोहोचलो नाही तर एकतर तो विषय पुढच्या महासभेमध्ये पुन्हा येईल विषयपटलावरती नाहीतर आपल्याला तो विषय आपल्याला त्याच्यावरती लवकरात लवकर निर्णय जर घ्यायचा असेल तर आपण गटनेत्यांची बैठक, गटनेत्यांना आपण का प्राधान्य देतो कारण ते तुमच्या पक्षाचे नेतृत्व करत असतात. म्हणून आपण.....

प्रविण पाटील :-

माझा विषय असा आहे की गटनेत्यांची किंवा पदाधिकाऱ्यांची बैठक घेता त्याला आक्षेप नाही तो महासभेचा किंवा तुमचा अधिकार आहे परंतु घेत असलेली बैठक तुम्ही पदाधिकाऱ्यांना बोलवता त्या वेळेला इतर कुठले सदस्य असतात.

मा. महापौर :-

कुठले सदस्य असतात?

प्रविण पाटील :-

असतात गोषवारा काढा. मागील मिटींगचे मिनिट्स.....

(सभागृहात गोंधळ)

मा. उपमहापौर :-

सदस्य महाशय याच्यामध्ये महापौरांचे अधिकार असतात याच्यामध्ये तुम्हाला बोलायची काही गरज नाही.

(सभागृहात गोंधळ)

प्रविण पाटील :-

तुमच्या मिनिट्समध्ये इतर सदस्य असतात त्यांच्या सुचना घेतल्या जातात?

मा. महापौर :-

सन्मा. सदस्य जेव्हा जुबेरजी नसतात तेव्हा ते अनिल सावंतजींना पाठवतात. शिवसेना सदस्य असतात.

प्रविण पाटील :-

जे निमंत्रक असतात ही सभा ते चालवतात.

मा. महापौर :-

असे होत नाही.

प्रविण पाटील :-

असं होत झालेले आहे मिटींगचे मिनिट्स काढून बघा. गटनेत्यांच्या बैठकीचे मिनिट्स काढून बघा.

मा. महापौर :-

ते माझी मान्यता घेऊन येतात. जे कोणी असतील जसे अनिल सावंतजी माझी मान्यता घेऊन आले होते. तुमचे सदस्य पण त्याच्यामध्ये असतात.

प्रविण पाटील :-

पदाधिकारी कशाला नेमलेले आहेत त्यांना त्यांचा अधिकार नको?

धृवकिशोर पाटील :-

महापौर मॅडम तो आपला अधिकार आहे. आपण मिटींग लावू शकतात आणि आपल्या मिटींगमध्ये आपण कोणाला निमंत्रण करू शकतात हे कम्पलशन नाही.

मा. महापौर :-

जर असे असेल तर मग तुम्ही तुमचे ठराव तयार ठेवत जा मग आपण इकडून एक ठराव झाला की तुमचा ठराव वाचत जा. जो बहुमताने मंजूर होईल तो मंजूर होईल. ठिक आहे याच्यापूढे

यावरती चर्चा नको. तुम्हाला मान्य असेल गटनेत्यांच्या बैठकीमध्ये घ्यायचा तर गटनेत्यांच्या बैठकीमध्ये घेऊन आपण निर्णय घेऊ आणि नसेल मान्य तर तुमचा ठराव तयार ठेवत जा आणि मग इथे निर्णय घेतला जाईल. जेव्हा मिरा भाईंदर शहराच्या हिताच्या दृष्टीकोनातून आम्ही जेव्हा ह्या ठिकाणी विषय पटलावरती जे विषय येतात तर आमची सत्ताधाऱ्याची अशी अपेक्षा असते की प्रशासनाने आणलेले विषय सर्व सन्मा. सदस्य विरोधी पक्ष सुध्दा त्याला सपोट करील आणि जेव्हा एखाद्या विषयावरती एकमत नाही होत त्या वेळेला आपण आपले वेगवेगळे ठराव करू शकतो आणि आतापर्यंत असे झालेले आहे आणि त्याच्यानंतर आपण ते मतदानात टाकून तो निर्णय घेतो. तो विषय जर सर्वानुमते करायला असेल तर गटनेत्यांची हरकत नसेल तर आपण तो विषय गटनेत्यांच्या बैठकीमध्ये घेऊ शकतो. आता या विषयावरती चर्चा भरपूर झाली. कृपया आपण सर्वांनी बसून घ्या. पुढचा विषय घ्या. आधी मी असे म्हटले होते की 3 वाजता मी लंच टाईम करणार आहे. 3 वाजलेले आहेत सर्वांना भूक लागलेली असेल. जेवणाची सुट्टी झालेली आहे. जेवण करून पुन्हा ह्या सभागृहात यायचे आहे. स्थायी समिती सभागृहामध्ये जेवणाची व्यवस्था झालेली आहे. ज्यांना जेवण तिकडे करायचे असेल ते स्थायी समिती सभागृहामध्ये जाऊ शकतात.

नगरसचिव :-

3 वाजून 35 मिनिटांनी पुन्हा सभा कामकाज सुरु होईल.

नगरसचिव :-

भोजना नंतरच्या सभा कामकाजाला सुरुवात होत आहे.

मा. महापौर :-

आज जी घटना घडली त्याच्यावरती प्रशासनाने काय कारवाई केली त्याचे उत्तर मला अपेक्षित आहे.

मा. आयुक्त :-

मा. महापौर मॅडमच्या परवानगीने बोलतो, अचानक कुठलीही पूर्वसूचना नसताना किंवा कुठलेही ओदश नसताना एक खाजगी व्यक्ती सभागृहात येणे ही गोष्ट निश्चितच चांगली नाही. या गोष्टीची प्रशासनाने गंभीर दखल घेतलेली आहे. संबंधित जो कोणी बाहेरचा इसम आलेला आहे. त्याच्यावर कारवाई करण्यासाठी त्याला पोलिसांनी ताब्यात घेतलेले आहे. त्याच्यावर एफ.आय.आर करण्यासाठी आपल्या विभागाचे ज्यांच्या अंडर सिक््युरिटी इंचार्ज आहेत त्या विभागाचे कर्मचारी एफ.आय.आर करण्याची प्रक्रिया सुरु आहे. दुसरी गोष्ट ज्या कर्मचाऱ्यांमार्फत ते सभागृहात आले होते जी त्याला चला पाहिजे किंवा इतर गोष्टी ते सचिवांना सांगणार होते अभिप्रेत हे होते की सदर कर्मचारी याने कोणी शिपाई असेल त्याने सदर कर्मचारी सोबत तो आत येताना त्याला दरवाज्याच्या बाहेर थांबवायला पाहिजे होते. त्याला जे काही सचिवांची परवानगी घेऊन बाहेर थांब सांगायला पाहिजे होते. त्याच्यासोबत मागे येत असताना त्याने दुर्लक्षित करून त्याला आणलेले आहे. मधल्या काळात आम्ही कॅमेऱ्यात बघितलेले आहे. म्हणून सदर कर्मचाऱ्याला लगेच निलंबित करण्यात आलेले आहे.

मा. महापौर :-

पोलिस स्टेशनला कुठला कर्मचारी गुन्हा दाखल करायला गेलेला आहे. अधिकारी गेला आहे कोण गेलं आहे, लिपिक गेला आहे.

गिता जैन :-

महापौर मॅडम माझ्या अनुभवाने सांगते, मी महापौर असताना अशी काय घटना घडलेली आणि तेव्हा वेस्टचे पोलिस पी.आय. ला बोलवून महापौराने कारण ह्या सभागृहाचे अधिकार महापौरांचा आहे. म्हणून महापौराने पोलिसमध्ये तक्रार करायची असते. तर हे मी स्वतः केलेली म्हणजे माझी अजूनही तिथे नोंद असेल. तर तशी तक्रार तुम्ही द्यावी. त्या माणसांविर्द्ध कारण ह्या सभागृहाचा अधिकार महापौरांचा आहे. मी तेव्हा ती दिलेली पण आहे.

मा. महापौर :-

तुम्ही त्यावेळेला दिली तर तुमचा तो आहे मी इथे कोणाच्या वतीने बसले आहे ते मला सांगा?

गिता जैन :-

मॅडम त्यांनी त्यांची कारवाई केली मी त्याबद्दल नाही बोलत.

मा. महापौर :-

मला हे अपेक्षित आहे माझी सुरक्षा ह्या सभागृहामध्ये प्रशासनाची आहे. इथे जर डायसवरती अचानक व्यक्ती कोणीही कसाही घुसेल मला तिथे त्यांना कशाला बसवता. इथेच बसवा. मी घेऊन बसायला तयार आहे. तुम्हाला मान्य आहे का?

गिता जैन :-

मॅडम आम्हाला ही मान्य नाही.

मा. महापौर :-

हे सभागृह कशासाठी असते.

गिता जैन :-

मॅडम मी तेच सांगते आम्हाला मान्य नाही. म्हणून तुम्ही सगळ्यांवर गुन्हा दाखल करा माझे सांगणे तेच आहे.

मा. महापौर :-

माझ्या मते आजचा प्रकार जो घडलेला आहे तो अतिशय चूकीचा आहे. मी म्हणत नाही की प्रशासनाला जाणीवपूर्वक घडवून आणला आहे अशातली गोष्ट नाही. पण कोणी घडवला आज मी महापौर आहे उद्या दुसरा महापौर होईल पण हे पायंडा पडेल ना कोणी पण उठेल इथे डायसवर येईल. मग ह्या सभागृहाचा पावित्र्य काय राहिल. हे सभागृहामध्ये पावित्र्य काय नगरसेवक जरी यायच असेल तर त्यांनी आम्हाला इथे विचारून यावं.

गिता जैन :-

मॅडम मी तेच सांगते डायरेक्ट गुन्हा दाखल करा मी तेच सांगत आहे.

मा. महापौर :-

मी का गुन्हा दाखल करू प्रशासनाचे काम नाही आहे का? मॅडम मला जर गुन्हा दाखल करायचा तर मी कधीही करू शकते. एन टायमात कोणाची हिंमत पण नाही.

गिता जैन :-

जे मी केलं माझा अनुभव आपल्याला सांगते.

मा. महापौर :-

ते तुम्ही केलं ते मी का करावं अशी का अपेक्षा करता. तुम्ही केले ते मी का करावं मॅडम तुम्ही बोलता ते चुकीचे आहे. हे मला मान्य नाही. प्रशासनाने गुन्हा दाखल करावा.

गिता जैन :-

मॅडम जी पध्दत आहे ती मी सांगितली ह्या सभागृहाचा तुमचा अधिकार आहे आणि तुम्ही त्या अधिकाराचा वापर करा.

(सभागृहात गोंधळ)

मा. महापौर :-

हाच प्रकार जर बाहेर घडला असता ह्या सभागृहाच्या बाहेर किंवा पालिकेच्या बाहेर तर मी स्वतः दाखल करायला गेली असती आणि कसं दाखल करत नाही मी तिथे ठाण मांडून बसली असती. पण हे सभागृहात घडलेलं आहे. सर्व सन्मा. सदस्यांच्या समोर घडलेलं आहे आणि पत्रकार महोदय इथे संपूर्ण नागरिक बसलेले होते त्यांच्यासमोर हे घडलेलं आहे. त्याच्यामुळे इथे निर्णय प्रशासनाने घ्यावा

अशी माझी अपेक्षा आहे. तुम्ही त्यावेळेला तो निर्णय नसेल घेतला पण का म्हणून मी तो तुमचा निर्णय इथे मान्य करू. मी माझा अधिकार वापरल तुम्ही तुमचा अधिकार वापरला.

भगवती शर्मा :-

महापौर मॅडम निश्चित रूप से इस शहर के अंदर में सभागृह चलता है तो उसके मालिक आप रहती हैं। यहाँ पे कोई घटना घडती है तो आपको आदेश देना होता है की यह घटना घटी है इसके उपर में अॅक्शन लिया जाए। आपने वैसा आदेश दिया है, अब प्रशासन का काम होता है की उसके उपर में वो किस तरीके का अॅक्शन ले रहा है लेकिन स्थिती यह हो रही है की पिछले दो घंटे से एक शहर का प्रथम नागरिक और इतने सारे नगरसेवक देख करके अपेक्षा कर रही है की प्रशासन क्या कारवाई कर रहा है। तो लास्ट के अंदर में अंत में क्रार कर दे जब सब लोग बाहर धरने पे बैठे हैं तब जाकर के मा. आयुक्त महोदय या प्रशासनने मयुर पाटील कर के लिपीक है आस्थापना का उसको वहाँ भेजा गया है केस दाखल करने के लिए वो यहाँ है नही उसको कुछ मालुम नही है। यहाँ पे जो बैठे हुए थे उसमें से किसी अधिकारी को वहाँ पे जा करके वस्तुस्थिती घटना का जो घटना घटी है महापौर मॅडम उसका वस्तुस्थिती विवरण यहाँ पे बैठा हुआ व्यक्ती दे सकता है, जैसे सी.सी.टी.व्ही का इन्होंने उल्लेख किया है की सी.सी.टी.व्ही. के अंदर में वो पिऊन आ रहा है और उसके पिछे वो आ रहा है। महापौर मॅडम इस घटनाओ से दिखता है की प्रशासन इस चिज को गंभीरता से ले ही नही रहा है।

विजयकुमार म्हसाळ (मा. अतिरिक्त आयुक्त) :-

महापौर मॅडम, प्रशासनाच्या वतीने मी काही खुलासा करू इच्छितो सन्मा. महापौर महोदया आयुक्त साहेब, सर्व सन्मा. सदस्य आपली सभा चालू असताना जी अनोळखी व्यक्ती म्हणजे आपल्या सभागृहाच्या दृष्टीने इथे अवंतुक पण इथे जी आली तर ते अभिप्रेत नव्हते. आणि जेव्हा आपले इकडे बाहेरची सिक््युरिटी आहे त्यांच्या सोबत आपले शिपाई आहेत त्यामुळे त्यांना आपल्या सभागृहात हे केलेले आहे आणि शिपाईने त्याला सांगितले होते की तु इथे थांब असं त्याचे म्हणणे आहे. परंतु तो थांबला नाही परंतु आपल्या सी.सी.टी.व्ही. च्या माध्यमातून इन्क्वायरी केली त्या वेळेलस दोन चार वेळेस बॅक करून बघितले तर तो पाठी मागुन येतोय हे माहित असताना सुध्दा शिपाईने त्याला थांबवले नाही. तर ती चुक आहे. याअनुषंगाने प्रशासनाने दोन महत्वाच्या गोष्टी केलेल्या आहेत एकतर ते शिपाईला तात्काळ निलंबित केलेले आहे. दुसरी गोष्ट पोलिस स्टेशनला फोन करून एफ.आय.आर दाखल करण्याबद्दल जे काही कलम आहेत ती याच्यासाठी काढलेली आहेत. आपल्या सिक््युरिटीचे जे लिपीक आहेत ते एफ.आय.आर साठी पुढे गेलेले आहेत आणि उपायुक्त प्रशासन ते स्वतः तिथे पोलिस स्टेशनला गेलेले आहेत. इथे सन्मा. सदस्यांनी उल्लेख केलेला आहे की आपल्याकडे प्रशासनाचे इथे डेलिब्रेटीलिव्ह आहे सभागृहत हे डेलीब्रेटीलिंग आहे आणि प्रशासन डेलिब्रेटींगचे प्रमुख सन्मा. महापौर मॅडम आहेत आणि डेलिब्रेटीव्हलिंगचे जे प्रमुख आहेत आयुक्त महोदय त्यामुळे इथे आपण उल्लेख केलेला आहे की डेलिब्रेटीव्ह लिंगचे इथे चालते ते फक्त पिठासीन अधिकारीचे चालते त्यामुळे इथे जर समजा प्रशासनाच्यासमोर किंवा ह्या सभेमध्ये जर काही गोंधळ झाला तर पिठासीन अधिकारी मार्शलमार्फत ती गोष्ट दुर करण्याचा प्रयत्न करतात आणि अशा घटना आपण ह्याच सभागृहामध्ये जेव्हा आपली ही बॉडी आली त्या बॉडीने 2-3 वेळेस ह्या घटना बघितलेल्या आहेत. इथे त्यावेळेस माईकची दुर्घटना घडली होती. माईकच्याबद्दल झालेले होते. पिठासीन अधिकाऱ्याने निर्देश दिल्यानंतर जी कारवाई करणे लक्षात घ्या त्यावेळेस आपण आपला विषय बाहेर नेलेला नव्हता. आपल्याला आठवत असेल इथल्या इथे आपण पिठासीन अधिकारी यांनी दोन मिटींगला बाहेर काढतात. तीन मिटींगला बाहेर करतात वगैरे जे आपल्याला माहित आहे. आपले सभा कामकाज नियम आहे लॉ मिटींगस त्याच्यानुसार आपले कामकाज चालते. पिठासीन अधिकारीने इथे निर्देश दिलेले आहेत त्याच्या अनुषंगाने प्रशासनाची कारवाई चालू आहे आणि पोलिस तपासानंतर

जर समजा ती व्यक्ती इथे कशी आली त्याला मोटिव्हेट काय होत हे सगळ पोलिस तपासात निष्पन्न होईल त्यामुळे आता आपल्याला इथे ह्या ठिकाणी प्रिम्च्युअर आपण काही कमेंट करणे अयोग्य होईल.

जुबेर इनामदार :-

महापौर मॅडम साहेबांच्या निवेदनामध्ये त्यांनी सांगितले की आपले अधिकारी पोलिस स्टेशनला गेलेले आहेत मला वाटतं महापौर मॅडम तुमची गरज वाटली तुमचे स्टेटमेंट पाहिजे असेल तर तुम्हाला बोलवतील मला वाटते ही प्रक्रिया पूर्ण झालेली आहे. सभा कामकाज सुरु करावं. अन्यथा तुम्हाला असे वाटत असेल हे सभा कामकाज नाही केले पाहिजे झालेल्या विषयाचा तुम्हाला निषेध करायचा असेल तर तो करा.

भगवती शर्मा :-

महापौर मॅडम, सिक्युरिटीवर पण अॅक्शन पाहिजे.

दिनेश जैन :-

महापौर मॅडम जब वो बंदा आया था डायस के उपर तब आपने भी उसको पूछा की क्यों आया आयुक्त साहब भी उसको बारबार पुछ रहे थे लेकिन यह सिक्युरिटीवाले बाहर से आके आयुक्त साहब जब उसको बेहेस कर रहे हैं उसको समझा रहे हैं तभी नही आए यह लोग।

जुबेर इनामदार :-

साहेब झालेल्या विषयाची चौकशी लावा. संबंधित अधिकारी असतील सिक्युरिटी डिपार्टमेंटचे जे कोणी काय असतील त्यांना समज देणे गरजेचे आहे. परत अशी घटना घडली नाही पाहिजे. खरोखरच सिक्युरिटी लॅप्स आहे. केलेली तुम्ही कारवाई आता तुम्ही पोलिस स्टेशनला कारवाई केलेली आहे. महापौरांची गरज लागली तर महापौरांना पोलिस बोलवणारच स्टेटमेंट देण्यासाठी सभा कामकाज सुरु करावे ही आमची विनंती आहे. बराच वेळ याच्यामध्ये गेलेला आहे. आम्ही त्याचा निषेध केलेला आहे. जी काही घटना घडली ती योग्य नाही. सभा कामकाज सुरु करा अन्यथा आजची सभा तहकुब करा.

अनिल सावंत :-

महापौर मॅडम याच्यामध्ये एक मुद्दा आहे ठिक् आहे पिऊनवर त्यांनी कार्यवाही केली पण सिक्युरिटी लॅप्स सुध्दा आहे ना. ज्यावेळी महासभा असते त्यावेळी आता जवळ जवळ वर्ष झालं त्या सिक्युरिटीला त्यावेळी कोणीतरी जबाबदार व्यक्ती तिथे पाहिजे.

मा. महापौर :-

ह्या महासभेच्या आधी एक महासभा झालेली होती. त्या वेळेला सुध्दा बघा कस आहे मी ऑनलाईन सभा घेत होती आणि त्या काही सदस्य डायरेक्ट इथे अर्थ सदस्य आले त्यावेळी तर कोणी व्यक्ती नव्हता. आपले सदस्य आले होते. इथुन अर्थ सदस्य आले इथुन अर्थ सदस्य आले ही काय पध्दत झाली का. मग त्यावेळी महापौरांनी काय करायला पाहिजे? काय अपेक्षित आहे. मग त्याच वेळेला मी आयुक्त महोदयांना सांगितले की साहेब हे चांगले नाही योग्य नाही. आपण सिक्युरिटी ठेवली कशासाठी मग ज्या वेळेला महासभा होते तेव्हा विविध सगळ्या आपल्या पक्षाचे नगरसेवक असतात आणि अशा प्रकारची कुठली घटना घडू नये अशा पध्दतीचे काही होऊ नये म्हणून तुम्ही पोलिस बंदोबस्त पण ठेवत जा. असे मी त्यांना सांगितले आहे. इथे समोर आहेत त्यांना तुम्ही विचारा असेही सांगितले का कुठला अनुचित प्रकार आपल्या शहरामध्ये घडू नये, सभागृहामध्ये घडू नये ही अपेक्षा आहे.

जुबेर इनामदार :-

मला ही ह्या सभागृहात 15 वर्ष झालेले आहेत ही पहिली घटना अशी आहे की बाहेरून कोणी तरी आतमध्ये आला. सभागृहामध्ये आम्ही बऱ्याचदा आम्ही डायसवर चढलो आहोत आम्ही ह्या बाकांवर चढलो आहोत याच्यामध्ये त्याला बाहेर उचलून काढून दिलेले आहे. हे सगळ काय सभागृह



मधला विषय आहे. बाहेरचा व्यक्ती आतमध्ये येऊन उभा राहू शकत नाही त्यांना तुमची परवानगी पाहिजे. तर सभागृहामध्ये सदस्यांबरोबर झालेला विषय हा सभागृहाच्या कामकाजाचा भाग आहे. पोलिसांना सुध्दा तुमच्या परवानगी शिवाय आतमध्ये येता येत नाही.

मा. महापौर :-

मला हेच म्हणायचे आहे की असे असताना डायरेक्ट कसा तो व्यक्ती आत आला तिथे अडवला का गेले नाही. अडवायचा भाग कोणाचा होता तो अधिकार कोणाचा होता ते कर्तव्य कोणाचे होते. हे मी प्रशासनाला विचारते.

गिता जैन :-

मॅडम आम्ही पण तेच सांगतो की, ज्यांच्या ज्यांच्यावर कारवाई करायची आहे तसे तुम्ही आदेश द्या की ही कारवाई करा.

मा. महापौर :-

आदेश दिले आहेत. मी इथून गेल्याबरोबर मी हे नाही बघितले की मी महापौर आहे. मी डायरेक्ट यांच्या केबीनला गेली यांच्या केबीनला जाऊन सांगितले की साहेब आता 3 वाजले त्यानंतर यांच्यावर कारवाई करा पण 5 वाजल्यापर्यंत पोलिसांकडून आपल्याला इथे फोन येत आहे की तुमच्या कोणी प्रशासनाचा माणूस ह्या ठिकाणी आलेला नाही. जेव्हा मी गायकवाड साहेबांना बोलवले तेव्हा त्यांनी मला माहिती दिली की क्लार्क मयुर पाटील तिथे दाखल करायला गेलेला आहे. मी म्हटलं त्यांना मयुर पाटलांना सभागृहामध्ये काय घडलं हे त्यांना माहित आहे का ते म्हणतात माहित नाही. माहित नाही मग काय दाखल करणार.

गिता जैन :-

मॅडम तुम्ही पण पी.आय. ला आपल्याकडे बोलवू शकतात.

मा. महापौर :-

माझे म्हणणे हे आहे की अशा पध्दतीचे हे जे काही झालेले आहे त्याचे काय इंटेशन होते चाय पाहिजे होते, कॉफी पाहिजे होती का आणखीन काय उद्देशाने ते डायसवर चढले हे त्यांनाच माहिती. पण कोणीही इथे जे नागरिक बसतात त्या सर्वांना मी ह्या ठिकाणी सांगु इच्छिते की तुम्हाला कम्पलसरी नाही आहे की तुम्ही ह्या ठिकाणी बसलेच पाहिजे. पण तुम्हाला इच्छा असेल तुम्हाला सभागृहाचे कामकाज काय चालले आहे हे बघायचे असेल तर तुम्ही बघू शकता. पत्रकार महोदयांचे काम असते की, ह्या सभागृहामध्ये ज्या काही गोष्टी घडत आहेत काही विषयावरती महत्वाचे निर्णय घेतले जातात ते त्यांना जनतेपर्यंत पोहोचवायचे असतात म्हणून ते ह्या ठिकाणी बसत असतात. आणि लोकप्रतिनिधी आपल्या प्रभागातील समस्या किंवा ह्या शहरातील विकासाच्या दृष्टीकोनातून कामकाजाचा भाग म्हणून ह्या ठिकाणी बसत असतात. अधिकाऱ्यांचे हे कर्तव्य आहे की प्रशासनाच्या माध्यमातून उत्तर द्यायचं पण असे कुठे काय कोणाला कम्पलशन ह्या ठिकाणी नागरिकांना नाही. पण तरीही ही बाब असताना देखील ही घटना जी झाली ती मला माझ्या मते निंदनीय गोष्ट आहे यापुढे असे काही होणार नाही याची दखल पुन्हा एकदा प्रशासनाने घ्यावी आज ह्या सभागृहाच्या डायसवरून सांगते की पुढच्या महसभेला किंवा स्टॅन्डिंगच्या सभेलासुध्दा अशा पध्दतीचे कुठलेही असे होणार नाही याची दखल आपण घ्यावी.

विनोद म्हात्रे :-

महापौर मॅडम मगाशी म्हसाळ साहेबांनी सांगितले की सी.सी.टी.व्ही. फुटेज बघून त्या पिऊनला सस्पेंड केलेले आहे ते कितपत योग्य आहे? त्याच्याशी चर्चा केली पाहिजे त्या पिऊनशी किंवा त्याने काय त्याच्याशी चर्चा केलेली आहे त्याच्याशी काय बोलला, त्याला काय अडचण होती ते न बघता त्याला डायरेक्ट तुम्ही सस्पेंड केलं त्याला बोलावून घ्या.

शानु गोहिल :-

त्याला डायरेक्ट का सस्पेंड केलं. सिक्युरिटीला पण विचारायला पाहिजे होतं. तेही तिथे उभे होते त्यांची पण जिम्मेदारी आहे.

विनोद म्हात्रे :-

पिऊनची जबाबदारी काय आहे तो फक्त चाय आणणार, पाणी आणणार लक्ष देणार त्याच्याबद्दल तुम्ही काय निर्णय घेता त्याला बोलवा त्याच्याशी चर्चा करा.

अनिल सावंत :-

अशी पूर्ण सभागृहाची इच्छा आहे त्याच्यावर अन्याय करू नका अनावधानाने झालं असेल मेन याच्यामध्ये सिक्युरिटी जबाबदार आहेत. सिक्युरिटीनी चेक केले पाहिजे. जो माणूस आतमध्ये घुसला त्याचा पोलिस रेकॉर्ड सुध्दा आहे. अशी माहिती मिळत आहे. पिऊनच्या बाबतीत विचार करावा सभागृहाच्या भावना लक्षात घेऊन सहानुभुतीपूर्वक विचार करावा.

गिता जैन :-

पूर्ण सभागृहाची भावना अशी आहे की त्या गरिब आपला पिऊन आहे आणि तो आपला खुप जुना पिऊन आहे. कदाचित थोडीशी चुक झालीही असेल साहेब पूर्ण सभागृहाची अशी भावना आहे की त्यांच्यावर अशी कठोर कारवाई काही करू नये.

ध्रुवकिशोर पाटील :-

महापौर मॅडम सर्व सभागृहाची भावना आहे की त्या गरिबावरती अन्याय होत आहे. मॅडम चोर सोडून सन्यासाला फाशी देऊ नका अशी आमची विनंती आहे. सगळ्या सभागृहाची भावना आहे की त्या गरिबावरती अन्याय होऊ देऊ नये. विषय असा आहे मॅडम तो शिपाई आहे त्याने जरी समजा त्या माणसाला आणले असेल दरवाजापर्यंत तर आपल्या सिक्युरिटीचे काम आहे की तु कोण आहे, कशाला आतमध्ये चालला आणि कशाला तु याला आतमध्ये घेऊन चाललास हे सिक्युरिटी गार्डचे काम होतं. पण त्याला विचारपुस न करता डायरेक्टली मी तर प्रशासनाचे अभिनंदन करतो की त्यांनी इमिजिएटली अॅक्शन घेतली त्याला सस्पेंड केलं परंतु त्याच्याबरोबर जे सिक्युरिटी गार्ड उभे होते त्यांची जर चौकशी केली असतील आणि त्याला जर शिक्षा दिली असती तर बॅलेन्स झालं असते तसे बॅलेन्स झाले नाही आणि म्हसाळ साहेब ह्या महापालिकेमध्ये आम्ही नगरसेवक नगरपरिषद असताना आहेत. अजूनपर्यंत अशी कोणतीही घटना घडलेली नाही. कोणताही व्यक्ती बाहेरचा हा सभागृहात अजूनपर्यंत आलेला नाही. आम्ही स्वतः नगरसेवक आंदोलन करतो आम्ही नगरसेवक हे माईक तोडतो, आम्ही नगरसेवक डायसवरती चढतो पण ह्या सभागृहामध्ये बाहेर नाही. बाहेरचा माणूस अजूनपर्यंत आलेला नाही. आणि तो येऊन त्याने जे उध्दत वर्तन केलं इट्स हाईट. म्हणजे येऊन तो सभागृहात चढला नाही तो अॅरोगन्सी करतो आयुक्तांशी आरग्युमेंट करतो. हे कितपत चुकीचे आहे आणि इव्हन जो चढला आपला सिक्युरिटी बघतात त्यांचे काम होतं इमिजिएटली आतमध्ये येऊन त्याला पकडले पाहिजे होते. आम्ही त्यांना सांगतो आमचे सदस्य बाहेर गेले आणि त्यांना सांगितले ह्याला पकडून ठेवा. तेव्हा त्यांनी पकडले. म्हणजे कुठे न कुठे चुक जसं सभागृह म्हणते की कुठेतरी सिक्युरिटी गार्डचे पण चुकले आहे. त्यांच्यावर पण अॅक्शन झाली पाहिजे आणि दुसरी गोष्ट महापौरांनी स्वतःहून गायकवाड साहेबांना बोलवलं आणि त्यांना सांगितलं गायकवाड साहेब एवढा मोठा हादसा झाला आणि तुम्ही फक्त एवढ्या छोट्याशा क्लार्कला पाठवतात हे चुकीचे आहे. तुम्ही स्वतः गेले त्याला एक व्हेटेल मिळेल. त्याच्यावरती आणखीन पोलिस त्यावर कलम लावू शकतात आणि तुम्ही त्या क्लार्कपेक्षा सुध्दा जास्त इंटेलीजंट आहेत म्हणून तुमच जाणं हे क्रमप्राप्त आहे आणि म्हणून गायकवाड साहेब गेले आणि आज त्याच्यावरती अॅक्शन होत आहे. तर महापौर मॅडम जुबेर भाई पण बोललेत मॅडम पण बोलल्या तुम्हाला पाहिजे असेल तर आजची सभा तुम्ही तहकुब करू शकतात आणि पुढे पण सभा घेऊ शकतात किंवा तुम्ही ही सभा चालवू पण शकतात. हे आपल्यावर डिपेंड आहे.

मा. महापौर :-

आजची सभा ही घेण्यासाठीच आपण आयोजित केली होती हा अचानक प्रकार घडला म्हणून ह्या सभेला इथपर्यंत विलंब लागला परंतु हे नव्हतं की, ठिक आहे थोडा वेळ गेला चालेल पण पुढे येणाऱ्या भविष्यामध्ये अशा पध्दतीचे पुन्हा होता कामा नये म्हणून हा जो काही दोन तासाचा वेळ गेलेला आहे मला वाटते आपल्याकडे वेळ आहे आपण विषयाला सुरुवात करा.

अनंत शिर्के :-

आजच्या सभागृहामध्ये महापौरांना त्रिवार अभिनंदन आणि महापौर मॅडमच्या अनुषंगाने बोलतो की आता जो 8 नंबरचा जो विषय आहे आरक्षण क्र. 230 इथे बुध्दविहार आणि मेडिटेशन सेंटर इमारतीचे उद्घाटन होणार आहे. 16 तारखेला मॅडम जर बुध्द विहारामध्ये मुर्तीच नाही तर तुम्ही उद्घाटन कसं करणार. त्या विहारामध्ये बुध्दाची मुर्तीच नसेल तर उद्घाटन आपण कसं करणार आणि मुळात ते उद्घाटन बुध्दविहाराचे आहे की मेडिटेशन सेंटरचे आहे.

रिटा शहा :-

मॅडम मला वाटलं की आता काहीतरी जे काही घडलं त्याच्यावर काहीतरी निर्णय होणार मॅडम मी कळकळीची विनंती करते तुम्हाला आणि आयुक्त साहेबांना की त्या गरिब माणसावर आपण अन्याय केलेला आहे. तो फक्त चहा घेऊन आतमध्ये येत होता तो मागुन त्याला विचारत होता की आम्हाला चहा पाहिजे तर कोणला विचारायचे त्याने सांगितले सचिव साहेबांना विचारा तो त्याच्या मागे आला होता आणि मॅडम त्याचे जे निलंबन केलेले आहे ते मागे घ्यावे. त्याच्यावर तुम्ही अन्याय करू नका तुम्ही ते आदेश द्या. मॅडम त्याच्यावरती रुलिंग द्या. मी हात जोडून सगळ्यांना प्रार्थना करते साहेब तुम्हाला ही प्रार्थना करते त्याचे निलंबन मागे घ्या.

मा. महापौर :-

सभागृहाचे काय मत आहे?

सभागृह :-

निलंबन मागे घ्या.

डिम्पल मेहता :-

आयुक्त साहेब तुम्ही पण रुलिंग द्या.

मा. महापौर :-

सभागृहाची काय मान्यता आहे त्या पध्दतीने प्रशासनाने तपासून कारवाई करावी.

जुबेर इनामदार :-

एकतर हा विषय पूर्ण परिपूर्ण पध्दतीने सोडून द्या. अथवा जे प्रशासनाला तुम्ही आता विनंती केलेली आहे कारवाईची योग्य कारवाई जे त्याला कसुरवार असतील त्यावर कारवाई होणार असेल तर ती होईल विषय संपला. जो कसुरवार असेल त्याच्या वरती कारवाई होईल. अन्यथा हा विषय सोडून द्या.

गिता जैन :-

मॅडम एक सांगते मी असताना धृवकिशोर पाटील साहेबांना निलंबित केलेले.

धृवकिशोर पाटील :-

एक दिवस मला निलंबित केलेले.

गिता जैन :-

त्यांना निलंबन केले पण ते येऊन बसले तरी मी सांगितले जाऊ द्या. निलंबन नाही करायचे. मन मोठे ठेवायचे हे सोडून द्या.

धृवकिशोर पाटील :-

महापौरांनी मन मोठे ठेवले आयुक्तांनी पण मन मोठे ठेवले पाहिजे ना. आयुक्तांनी केलेली कार्यवाही मागे घेतली पाहिजे.

मा. महापौर :-

मॅडम म्हणून मी एकटी कधीच कुठला निर्णय घेतला नाही मी प्रत्येक वेळेला तुम्हाला विचारते. सभागृहाचे काय म्हणणे आहे मी तुम्हाला विचारते माझे पण असेच मत आहे पण आता आयुक्तांच्या मनामध्ये काय आहे ते मला नाही माहित.

अनिल सावंत :-

महापौर मॅडम लोकप्रतिनिधींचे निलंबन केलं तर विशेष फरक पडत नाही. कर्मचाऱ्यांचे निलंबन केल तर रेकॉर्ड खराब होतो. त्याच्या आयुष्यातून तो उठतो आणि अनावधानाने झालेले आहे इंटेशनली त्याने काही केलेले नाही. हे जरा लक्षात घ्या.

मा. आयुक्त :-

मा. महापौर मॅडमच्या परवानगीने बोलतो ही आजची गंभीर घटना आहे गेले दोन अडीच तास ह्या विषयावर आपण घालवलेला आहे. तर एकदा ठरल्याप्रमाणे व्हिडीओ फुटेज बघणे, कोण दोषी आहे हे तपासणे. पोलिस आणि प्रशासनाला आपले काम करू द्या. तो बिचारा निर्दोश असेल इथला जुना कर्मचारी आहे त्याच्याबद्दल असणारी आपली आस्था आणि त्याच्याबद्दल असणारे सॉफ्टकॉर्नर मला ही समजतं. माझा व्यक्ती जरी असला तरी प्रशासनाला आणि पोलिसाला त्याचं काम करू द्या. एकदा मा. महापौरांनी आणि मा. महसभेने आज निर्देश दिलेले आहेत जो कोणी दोषी आहे त्यावर कारवाई करा. समजा उद्या पोलिसांनी कळवले की तो सुरुवातीपासून त्याला घेऊन आला आहे अस जर पोलिस तपासात निष्पन्न झालं तर आपण घाईत निलंबित केल आणि घेतला असं तर पुढील पोलिसांच्या तपासाचा भाग आहे. प्रशासनाने त्यांच काम नियमानुसार करू द्या. तो निर्दोश असेल तर चार एक दिवसात महिन्यात तो ड्यूटीवर येईल.

मा. उपमहापौर :-

महापौर मॅडम, आयुक्त महोदय 100 टक्के जे चुकीचे असेल त्याच्यावर कारवाई केली पाहिजे. सर्वांची मान्यता आहे पण एक निवेदन आहे. ज्याची कोणाची चुक असेल त्याच्यावर कारवाई करणे बंधनकारक आहे हे आम्ही मान्य करतो. तितपर्यंत त्याला निलंबित करण्यात आले असेल ते स्थगित किंवा ते असेच ठेवावे अशी आमची विनंती आहे. जबतक आपको लगता है वो जो कारवाई करनी चाहिए सगळ्या सदस्यांची मागणी आहे अगर उसने गलत किया है तो उसपे कारवाई हो कोई गलत बात नहीं है लेकिन जबतक पता नहीं चला है जबतक उसको निलंबित को रोख दिया जाए क्या तकलीफ है और आपको लगता है उसने गलत किया है तो उसपर कारवाई करना|अब सर मैं यह बताना चाहूंगा की आपके अधिकारी से मैंने यह सुचना की व्हिडीओ मॅपींग से देखने में आया है व्हिडीयो मॅपींग में बोलचाल पता नहीं चला होगा उसने बोला होगा रुक देख के मैं आ रहा हूँ करके और जो कर्मचारी है महापालिका का इतने साल से यहाँ काम कर रहा है तो उसको भी जानकारी होगी की अंदर मुझे लेके नहीं आतना है| उसने कुछ कहाँ अलग होगा उसने कुछ सुना अलग होगा और मैंने उस कर्मचारी को पूछा उसने यह कहाँ की मैं पुछ के आता हूँ जब तक तु यहाँ पे खडा रहे हाथ ऐसा पिछे रखा था|

अनिल सावंत :-

उपमहापौरजी तब सिक्युरिटीने पुछना था की तु कहाँ जा रहा है|

मा. उपमहापौर :-

अब क्या हो रहा है कीस तरीके से धृवजीने कहाँ की सन्यासी को फासी.

मा. महापौर :-

आयुक्त साहेब याच्यामध्ये मॅसेज चुकीचा चालला आहे असे इथे सगळ्या नगरसेवकांचे म्हणणे आहे आता अनिल सावंतजीने पण दोनदा तेच वाक्य म्हटलं की सिक्युरिटीचे काय? तुम्ही शिपाईचे

म्हणत आहेत ठिक आहे पण त्या सिक्क्युरीटीचे काय? आयुक्तांचे म्हणणे आहे की त्यांच्यावरती पण कारवाई होणार आहे.

मा. आयुक्त :-

मॅडम आपण एकच उत्तर परत परत देत आहोत आणि पुढचा विषय पुकारल्यानंतर परत मागचा विषय चर्चा करतो. पुढचा विषय सुरु झाल्यानंतर सन्मा. सदस्य शिर्के साहेब उभे राहिले बुध्दविहार मधले बुध्दांची मुर्ती वर बोलत असताना परत संपलेला विषय आपण परत येतो. सभा शास्त्रानुसार विषयांचे मिश्रण होत आहे. मागचा विषय परत घेतात. पुढचा विषय परत मागे ढकलतो. हे पहिले उल्लंघन होते सचिव अशी माझी धारणा आहे. दुसरा विषय ज्या ठिकाणी जे दोषी असतील त्यांच्यावर कारवाई होईल. सन्मा. सदस्य जुबेर भाईंनी जसा उल्लेख केला होता जो दोषी आहे त्यांच्यावर कारवाई होते त्यांच्यात सगळ अंतर्भूत होते. जी पोलिस दलाची सिक्क्युरीटी आहे त्यांच्याकडून झाले असेल तर त्यांनाही तात्काळ आम्ही कळविण्याची व्यवस्था केलेली आहे. स्वतः उपायुक्त मुख्यालय केस करण्यासाठी पोलिस स्टेशनला गेलेले आहेत आणि त्याचबरोबर त्याच ठिकाणी जे जे दोषी आहेत तिथेच सगळे आहेत. आपला शिपाई असेल, पोलिस सिक्क्युरीटी असेल आपले आणखीन खाजगी जे काही सिक्क्युरीटी असतील सैनिकचे असतील. जे कोण दोषी असतील त्यांच्यावरती कारवाई होत राहिल. परंतु एकच परत कारवाई पुढे जातो मागे जातो हा विषय पुर्णतः थांबवून आपले पुढील कामकाज करावे अशी विनंती आहे.

मा. महापौर :-

आता विषयावर बोला.

प्रशांत दळवी :-

महापौर मॅडम, सन्मा सदस्य जे विषयाला धरून आहेत ते प्रकरण क्र. 8 चालू आहे.

अनंत शिर्के :-

महापौर मॅडमच्या परवानगीने बोलतो, हे जे आरक्षण क्र. 230 बुध्दविहार आहे त्यात नक्की उद्घाटन कशाचे करत आहेत.

दिपक खांबित :-

मा. महापौर मॅडमच्या परवानगीने बोलतो सदर ठिकाणी आपले दोन वास्तु आहेत पण मेडिटेशन सेंटर आहे आणि दुसरं बुध्दविहार आहे. त्या बुध्दविहारचे जे काम आहे त्याचे काम आताच पूर्ण झालेले आहे आणि त्यामध्ये जे आपल्याला मुर्ती बसवायची आहे त्या मुर्तीचे कस आहे की शासनाने जिल्हाधिकारी साहेब यांच्या अध्यक्षतेखाली एक समिती गठीत केलेली आहे. त्याच्यामध्ये जवळ जवळ 5-6 अधिकारी आहेत आणि त्यांच्या जवळ जवळ 15-16 एन.ओ.सी. लागतात. त्याच्यामध्ये पहिली लागते कला संचनालय म्हणजे जी मुर्ती बसवायची आहे ती साईज कशी असावी त्यासाठी कलासंचनालयाची मंजूरी घ्यावी लागते जी पुतळा बनवणार आहे त्यासाठी मुख्य वास्तु विशासद महाराष्ट्र शासन यांची परवानगी घ्यावी लागते आणि पोलिस विभागाच्या परमिशन भरपूर असतात वाहतुक, ट्राफीक ते सगळ घ्याव लागतं आणि त्यानंतरच ती आपल्याला मुर्ती बसविता येते. तर त्यामुळे ही सगळी प्रक्रिया पूर्ण केल्यानंतर आपण तिथे मुर्ती बसवणार.

अनंत शिर्के :-

साहेब त्यावेळी असे होईल की ती मुर्ती बसताना 10 वर्षांच्या वरती पण होईल हे सांगता येत नाही. एकच मी तुम्हाला सांगतो विषय कधी संपणार? एकदा उद्घाटन झाले की विषय संपला असे नको व्हायला.

दिपक खांबित :-

त्याला वेळ लागेल ही गोष्ट खरी आहे म्हणूनच आपण ते तिकडे जाऊन तुम्ही प्रार्थना करू शकतात.

अनंत शिर्के :-

तिथे कशी प्रार्थना करता येईल त्या इमारतीची करायची का?

दिपक खांबित :-

त्यासाठी आपण काहीतरी व्यवस्था करू. अलटरनेट व्यवस्था आपल्याला करता येईल. असे नाही आपण ते सुरु करू शकतो. परमिशन नाही तोपर्यंत आपण वास्तु अशीच ठेवायची का हाच प्रश्न येतो.

अनंत शिर्के :-

मी काय बोलतो आज 3 वर्ष ते काम चालू आहे तेव्हापासून प्रोसिजर करायला पाहिजे होती.

दिपक खांबित :-

तसे नसते कसं आहे एकदा ते फाँडेशन झाल्यानंतर आधी काम झाल्यानंतर ती प्रोसेस सुरु होते. तुम्ही काही नसताना परवानगीसाठी अर्ज वगैरे करू शकत नाही.

अनंत शिर्के :-

माझे असे मत आहे तिथे विहारात मुर्ती असेल तरच उद्घाटन करावं असा माझा ठाम विचार आहे.

दिपक खांबित :-

याच्यावर आपण चर्चा करू निर्णय घेऊ काय करायचे आहे.

अनंत शिर्के :-

सर त्या विहारचे उद्घाटन करू नये असे माझे मत आहे.

मा. महापौर :-

सन्मा. सदस्य शिर्के साहेब, आपण एखादी वास्तु तयार झालेली आहे ती वास्तुचे जर उद्घाटन झालं तर त्याचा वापर सुरु होईल उद्घाटन नाही झाले तर त्याचा वापर सुरु होणार नाही. राहिला प्रश्न प्रार्थना कसली करणार ते मेडिटेशन सेंटर आहे आजच्या डेटला. आपण त्याला जे तुम्ही म्हणता की आपण बुध्द विहार म्हणून आपण त्याचे नामकरण केलेले आहे. तुम्ही म्हणता तिथे बुध्दाची मुर्ती ठेवायची आहे त्याच्यासाठी तुम्हाला शासनाची मान्यता लागणार. मान्यता घेऊनच करावे लागेल. असेच आपण तिथे नाही ठेवू शकत.

अनंत शिर्के :-

फक्त लोकांची दिशाभूल करायचा विचार चालू आहे.

मा. महापौर :-

कोणाचीही दिशाभूल केलेली नाही. ह्या विषयाला फाटा फोडू नका.

अनंत शिर्के :-

कोण दिशाभूल करत आहे ज्या विहारात मुर्ती नसेल तर ते विहार कसे होऊ शकते.

मा. महापौर :-

एका मुर्ती नसेल तरीही आपण त्या ठिकाणी फोटो ठेवून पूजा करू शकतो.

अनंत शिर्के :-

मॅडम कस होणार सांगा.

मा. महापौर :-

तुम्ही मी म्हणण्यापेक्षा वाद घालण्यापेक्षा प्रशासनाने मा. आयुक्त महोदय यावर एकमत ठेवावं जेणेकरून ह्या ठिकाणी उपस्थित असलेल्या सर्व सभागृहाना ते स्पष्टता होईल आणि त्या समाजासाठी पण ते एक हे होईल यात दिशाभूल करण्याचा प्रकार नाही.

मा. आयुक्त :-

मा. महापौर मॅडमच्या परवानगीने बोलतो ह्या ठिकाणी आपण उल्लेख केल्याप्रमाणे गेले 3 वर्षे बुध्द विहार आणि मेडिटेशन सेंटरचे काम सुरु होते नुकतेच ते पूर्ण झालेले आहे. परंतु शहरातील कुठलाही पुतळा असेल कुठले सन्मा. महापुरुष असतील असे केसमध्ये ज्या त्यांच्या अटीशर्तींचं पालन करून करावं लागते. परंतु आपले बुध्दविहार आणि मेडिटेशन सेंटरचं उद्घाटन करण्यासाठी तयार आहे. तर ह्या ठिकाणी आपण परवानगीची प्रक्रिया पूर्ण होईपर्यंत फोटो किंवा त्याच्या लिमिट पेक्षा छोटी साईजमध्ये मुर्ती असते ते आज आपल्याला ठेवण्यासाठी कुठली अडचण येत नाही. असे आपण ठेवत आहोत आणि जेव्हा याची परमिशन घेण्याची प्रक्रिया पूर्ण होईल तेव्हा ते जे सजेस्ट करतील त्या साईजनुसार मुर्ती आणि बिल्डींगची साईज काय आहे त्यानुसार ती मुर्तीची साईज कलासंचनालयाला ठेवतात. त्यानंतर त्याला पोलिस पासून, जिल्हाधिकाऱ्यांपासून सगळ्यांच्या एन.ओ.सी. लागतात. तर ह्या सगळ्या बाबींची पूर्तता करण्यासाठी वेळ जाईल. परंतु तोपर्यंत आपण ते केलेले बांधकाम आहे सुन्न अवस्थेत पकडून राहण्यापेक्षा आपण त्याठिकाणी जिल्हाधिकाऱ्यांची पूर्वपरवानगी घेऊन छोटी मुर्ती किंवा फोटो ठेवून पूढची प्रक्रिया चालू करावी असे प्रशासनाचे मत आहे.

अनंत शिर्के :-

माझे असे मत आहे आयुक्त साहेब त्या ठिकाणी बुध्दाची मुर्ती नसल्याने ते उद्घाटन करू नये असे माझे प्रामाणिक मत आहे. कारण लोकांची फसवणूक होते असा विषय आहे.

मा. महापौर :-

फसवणूक कशा पध्दतीची होईल?

अनंत शिर्के :-

ज्या ठिकाणी बुध्द विहार आहे तुम्ही म्हणता बुध्दविहार कशाला बांधले त्या ठिकाणी मुर्तीची स्थापना होईल.

मा. महापौर :-

मनामध्ये आपण देव आणला तर आपण इथे पण प्रार्थना करू शकतो. आपल्या मनामध्ये देव असतो. आपल्या मनातून आपण प्रार्थना केली तर ती परमेश्वरापर्यंत पोहोचते. आपण इथून पण प्रार्थना करू शकतो. असे नाही की समोर आपल्याला देव पाहिजे आणि राहिले ठिक आहे तिथे मुर्तीचा प्रश्न तर बिना परवानगी आपण मुर्ती ठेवू शकतो का? बिना परवानगी आपण मुर्ती ठेवू शकतो का? बिना परवानगी ठेवायचे असेल असे तुमचे मत आहे का? उद्या कोणी काय केलं त्याचे ऑब्जेक्शन आले काही झालं तर कोण जबाबदारी घेणार तुम्ही घेणार, मी घेणार. कोण घेणार?

अनंत शिर्के :-

प्रशासन ज्या वेळेला विहार बांधतो विहारचे नाव आहे विहार.

मा. महापौर :-

आता बनविलेले आहे पूर्ण काम झालेले आहे. तिथे सभागृह आहे उद्या आपण त्या सभागृहाचा वापर करू शकतो. उद्घाटन केल तर आणि आपण फोटो ठेवूनच करणार आहोत.

अनंत शिर्के :-

माझा काय विरोध आहे ज्या ठिकाणी बुध्दविहार ज्या वेळेला असतो. आपण नविन घर बांधतो. तेव्हा तिथे माणस आहेत म्हणून घर प्रवेश करतो. त्या ठिकाणी तिथे माणस राहत नाही. तिथे कसं घर बांधणार.

मा. महापौर :-

आपण म्हटलं ना की आपल्याला तिथे नाही मुर्तीचे स्वरूप ठेवता आले तर तिथे फोटो ठेवून आपण करू शकतो ना. छोटी मुर्ती ठेवून करू शकतो. प्रशासनाने तुम्हाला उत्तर दिलेले आहे याच्यावर

तुमचे समाधान होत आहे नाही होत आहे मला माहित नाही पण प्रशासनाने तुम्हाला उत्तर दिलेले आहे. ठराव झालेला आहे. तुमचे काय मत आहे तुमचा ठराव आहे की संमती आहे?

गिता जैन :-

मॅडम ठराव परत मला वाटते तेच आहे ना गटनेत्यांची बैठक घेत आहोत मग आपण महासभेमध्ये आहोत. आताच निर्णय घेऊन टाका. काय घ्यायचं ते.

प्रशांत दळवी :-

महापौर मॅडम, मुळात हा विषय असा नाही आहे की ते उद्घाटन व्हावं की नाही व्हावं हा विषयच नाही. आपण ती वास्तु भाड्याने द्यायची त्याचे दर ठरवायचे हा त्यामध्ये विषय आहे. आमचे असे म्हणणे आहे की ते उपमहापौरांनी पहिलेच क्लिअर केलेले आहे की, कोणालाही ते प्रायव्हेट द्यायचे नाही चालवायला हे प्रशासनाने चालवायचे आहे. मग मॅडम बोलल्या नाममात्र भाड्याने चालवा किंवा सभागृहाने ते नक्की करा. परंतु अस ठरले आहे की आपण एक सर्व गटनेत्यांची पदाधिकार्यांची बैठक द्यावी त्यामध्ये त्या समाजाचे सगळे प्रतिष्ठित व्यक्तीला आपण त्याठिकाणी बोलावावं आणि त्यामध्ये जो निर्णय होईल तो पुन्हा सभागृहामध्ये आणून त्याला मान्यता द्यावी.

मा. महापौर :-

अजिबात नाही भाडे ठरवायचा अधिकार घ्या प्रशासनाचा आहे की आपल आहे? महासभेचा आहे मग महासभेत त्याचे दर वगैरे आलेले आहेत का? किती भाडे ठरवणार काय मग कशावरती आपण निर्णय घेणार?

प्रशांत दळवी :-

महापौर मॅडम, त्याच संदर्भामध्ये एक बैठक घेऊन निर्णय घ्यायचा असे ठरलेले आहे.

मा. महापौर :-

मॅडम प्रशासनाने गोषवारा देताना द्यायला पाहिजे.

गिता जैन :-

मला दळवी साहेबांना एक प्रश्न आहे समाजाला प्रतिष्ठित व्यक्ती म्हणजे कोण म्हणजे मला नाही बोलवले तर मी प्रतिष्ठित नाही. जे जे त्या धर्माचे आहेत त्यात तुम्ही एकाला प्रतिष्ठित सांगणार. दुसऱ्याला प्रतिष्ठित सांगणार नाहीत का असे चालत नाही.

मा. महापौर :-

मॅडम मी पहिला पण सांगितले की त्या बैठकीमध्ये कूठल्याही समाजाच्या लोकांना त्या वेळेला नाही बोलवणार, ज्या वेळेला गटनेत्यांची बैठक असेल ती सेपरेटच असणार आहे. पहिला त्या समाजाचे म्हणजे त्यामध्ये जे पण बांधव येतील त्यांना पहिला बोलवून त्यांचे मत काय आहे एवढे फक्त विचारून घेणार आणि नंतर मग गटनेत्यांच्या बैठकीमध्ये त्याचे मत हे मांडले जाणार त्यांना तिथे नाही बोलवणार.

गिता जैन :-

मॅडम शेवटी भाडे ठरवायला आपल्याला परत महासभेत यावे लागेल.

प्रशांत दळवी :-

महापौर मॅडम, ते पुन्हा चर्चा झाल्यानंतर महासभेपूढे आणणार.

जुबेर इनामदार :-

महापौर मॅडम, हा सभम जो आहे आमच्या पक्षामध्ये सेनेच्या पक्षामध्ये तुमच्याकडेही आहे. लोक बोलत असतात. गटनेत्यांच्या पदाधिकार्यांच्या बैठकीमध्ये झालेला निर्णय तो महासभेच्या अंतिम मंजूरीसाठी आला पाहिजे.

मा. महापौर :-

गटनेत्यांच्या बैठकीमध्ये झालेले विषय अवलोकनार्थ .....



गिता जैन :-

नाही मंजूरी पाहिजे मॅडम.

मा. महापौर :-

ओके मंजूरीसाठी महासभेमध्ये पुन्हा आणले पाहिजे.

अनिल सावंत :-

सचिव साहेब नियम काय आहेत ते सांगा.

दिनेश नलावडे :-

महापौर मॅडम, तुम्ही वारंवार सांगायचे प्रत्येक विषयावरती आम्ही गटनेत्यांची मिटींग बोलवतो ते आम्ही नक्की करू प्रत्येक वेळेस आपल्या महासभेला आल्यानंतर तुम्ही विषय गटनेत्यांचे घेऊन जात आहेत. महापौर मॅडम सर्वप्रथम गटनेत्यांमध्ये अगोदर चर्चा करा.

अनिल सावंत :-

मला सचिवांकडून उत्तर पाहिजे. सचिव साहेब नियम सांगा.

नगरसचिव :-

तुम्हाला कुठला नियम पाहिजे?

अनिल सावंत :-

पदाधिकारी आणि गटनेत्यांची बैठक बोलवून त्यामध्ये महासभेमध्ये असलेल्या विषयावर चर्चा करून निर्णय होऊ शकतो का?

नगरसचिव :-

पदाधिकारी आणि गटनेत्यांच्या बैठकीमध्ये कोणताही निर्णय झाला तरी त्या निर्णयाला मा. महासभेची मान्यता ही आवश्यक आहे.

अनिल सावंत :-

हे बरोबर आहे. तरी सुध्दा महासभेमध्ये असा कोणताही विषय आला असेल तो पदाधिकारी आणि गटनेत्यांच्या बैठकीमध्ये चर्चेसाठी आणि निर्णयासाठी जाऊ शकतो का? जात असेल तर मला कलम सांगा. कुठल्या कलमाखाली जातो.

नगरसचिव :-

मी तुम्हाला आधीच सांगितले की पदाधिकारी आणि गटनेता यांच्या बैठकीत कुठलाही निर्णय झाला तरी त्याच्यावर अंतिम मान्यता ही महासभेचीच पाहिजे.

अनिल सावंत :-

कलम सांगा.

मा. महापौर :-

महासभेमध्ये पुन्हा तो विषय येईल ना किंवा आज पटलावर आहे तर आजच त्याचा निर्णय घेऊया.

गिता जैन :-

महापौर मॅडम ही उलटी गंगा वाहू शकत नाही. तुम्हाला तो निर्णय प्रलंबित ठेवायचा असेल तर सांगा पुढच्या महासभेत त्याचा निर्णय घेऊ. पण तुम्ही तस करू शकत नाही. इथे आलेला विषय तिथे जाऊ शकत नाही. तुम्ही हे सांगू शकता की पुढच्या महासभेला निर्णय घेऊ ते चालेल.

मा. महापौर :-

कलम 31 काय म्हणते.

अनिल सावंत :-

सचिव साहेब कलम सांगा.

धृवकिशोर पाटील :-

महानगरपालिकेस वेळोवेळी पालिका सदस्य म्हणून त्याला योग्य वाटतील इतक्या पालिका सदस्य समाविष्ट असल्यास तदर्थ समित्या नेमता येतील. आम्ही केल्या आम्ही सर्व गटनेता घेतले. आम्ही तदर्थ समिती केली.

मा. महापौर :-

सचिव साहेब कलम काय सांगतो.

धृवकिशोर पाटील :-

आणि त्यांना जर नसेल आम्ही त्याच्यामध्ये क्लियर म्हटले आहे महापौर मॅडम की गटनेत्यांच्या बैठकीमध्ये निर्णय गटनेत्यांनी डिसाईड केलं की आम्ही जो निर्णय घेतलेला आहे तो पुन्हा महासभेला यायला पाहिजे तो येईल ना. ते गटनेता डिसाईड करतील.

अनिल सावंत :-

धृवजी तुम्ही सचिव बनू नका सचिवांना सांगु दे ना.

गिता जैन :-

सचिव साहेब बोला जाऊ शकते अथवा जाऊ शकत नाही. तुम्ही नियम सांगा ना. तुम्ही सांगता तिथे घेतलेला निर्णय मान्यता इथे पाहिजे. इथे आलेला विषय तिथे जाऊ शकतो ना तेवढे फक्त सांगा.

नगरसचिव :-

महासभेने एखादी जर समिती नेमली कोणतेही विशिष्ट कारणासाठी किंवा कलम 30 अन्वये विशेष समित्या नेमल्या किंवा कलम 31 अन्वये जर तदर्थ समित्या नेमल्या तर त्यांचे त्या समित्यांमध्ये कोणतेही निर्णय झाले तर तरी ते महासभेपूढे येणे आवश्यक आहे.

गिता जैन :-

महापौर मॅडम जरी परत इथेच यायचे आहे तर निर्णय घ्या ना.

अनिल सावंत :-

कशाप्रकारे समिती नेमता येते त्याचे काही नियम आहेत बाय डिफॉल्ट पदाधिकारी आणि गटनेते यांची बैठक होऊ शकत नाही.

मा. महापौर :-

ठिक आज आजचा विषय मला समजला प्रशासनाने मेडीटेशन सेंटर करिता.....

नगरसचिव :-

कलम 30 अन्वये विशेष समित्या नेमलेल्या होत्या. ह्या टर्ममध्ये नेमलेल्या आहेत.

गिता जैन :-

मॅडम तुम्ही निर्णय द्या पाहिजे तर प्रशासनाने जे काय भाडे घ्यायचे आहे वगैरे ते पूर्ण प्रारूप तयार करून पुढच्या महासभेला घ्या. काही हरकत नाही. पण हे अर्धवट विषय सोडू नका. पूर्ण विषय परत महासभेला घ्या कारण परत यायचं आहे.

मा. महापौर :-

ठिक आहे.

अनिल सावंत :-

मॅडम मी कशासाठी सांगतो की जे हे तुम्ही निर्णय घेत आहेत त्याला कायदेशीर बंधन असणार नाही आहे. कलम 30 काय सांगते? महापालिकेस तिच्या सभेत उपस्थित असलेल्या व मत देणाऱ्या पालिका सदस्यांपैकी कमीत कमी दोन तृतीयांश पालिका सदस्यांनी मत देऊन पारित केलेल्या विशिष्ट ठरावाद्वारे प्रत्येक विशेष समितीच्या कामकाजाचे क्षेत्र निश्चित करता येईल आणि अशा

कोणत्याही क्षेत्रात समाविष्ट केलेल्या सर्व बाबी व प्रश्न प्रथमतः समुचित समितीपूढे ठेवले पाहिजे व ते अशा समितीच्या शिफारशीसह महापालिकेस सादर केले पाहिजे.

धृवकिशोर पाटील :-

मॅडम आपल्याकडे 75 टक्के पेक्षा 100 टक्के मेजोरीटी आहे.

अनिल सावंत :-

एक मिनिट कोणीही मान्यता दिलेली नाही ठरावाद्वारे होऊ शकते.

मा. महापौर :-

पण मी काय म्हणते आपल्याकडे बहुमत आहे आपला ठराव मंजूर करण्याचा अधिकार तुम्हाला आहे ह्यांना नसेल पटत ह्यांनी तिथे आपण याची संमती द्या नाहीतर त्यांनी विरोध दाखवावा. निर्णयासाठी गटनेत्यांच्या बैठकीमध्ये का पाठवतात पाठवू नका इथे निर्णय घेऊन टाका पण आजच्या ह्या विषयावरती प्रशासनाने ह्या ठिकाणी गोषवाच्यामध्ये नमूद केलेले नाही की मॅडिमेशन सेंटरसाठी किती भाडे ठरवावं अस काही प्रशासनाकडून आलेले नाही तर काय ठरवणार तुम्ही आकडा तर द्यायला पाहिजे काय ठरवले. कोणी 10 हजार सांगेल 20 सांगेल कस ठरवणार?

जुबेर इनामदार :-

त्याचा बाजार भाव निश्चित आहे ना साहेब. रेंटल व्हॅल्युचा बाजार भाव निश्चित आहे.

मा. उपमहापौर :-

यात दर करचा विषय यात नव्हता याच्यात एक अजून विषय हा होता की जे संबंधित आपले समाज बंधू आहेत त्यांनाही आपण विचारपुस करावी. कुठल्या सन साली, कुठल्या दिवशी, कुठल्या वेळी त्यांना फ्रीमध्ये करायचे नाही करायचे त्यांचे निवेदन किंवा त्यांची सुचना विचारात घेऊ त्यानंतर आपली गटनेत्यांची बैठक किंवा पदाधिकाऱ्यांची बैठक आहे त्याच्यावर चर्चा विमर्श करावं त्यानंतर महासभेमध्ये आणावं. गोषवाच्यामध्ये पूर्ण तथ्य दिलेलं नव्हतं म्हणून आपण हा ठराव असा मांडला होता की ह्या पर्टिक्युलर समाजाला आपण विश्वासात घेऊन प्लस आपले मिरा भाईंदर समाज वेगवेगळे समाज आहेत त्यांची.....

मा. महापौर :-

सन्मा. उपमहापौर साहेबांनी जस सांगितले की त्या समाजाच्या लोकांची बैठक घेऊन ते ठरवून आणि बाजारभावाप्रमाणे जे काही मुल्य आकारायचे आहेत ते प्रशासनाने आमच्या पूढे द्यावेत आणि ते दिल्यानंतर मग पुन्हा पुढच्या महासभेमध्ये हा विषय रितसर विषय पटलावर आणून त्यावरती आपण निर्णय घेऊ.

दिनेश नलावडे :-

महापौर मॅडम त्या समाजाचे आमचे सदस्य आहेत शंभर शाखेचे नेतृत्व करत आहेत ते मला सांगत आहेत की आम्ही समाजामध्ये विचार आणि त्या पध्दतीने उद्घाटन झाले पाहिजे तर तो समाज आंदोलन देखील करण्याचा तयारीमध्ये आहे.

गिता जैन :-

एवढे आहे तर फ्री देवून टाका समाजाला उनको बुलाने की जरूरत नाही है।

दिनेश नलावडे :-

गटनेत्यांना बोलवून हा विषय पास करू नका हा विषय सविस्तरपणे पुढच्या महासभेमध्ये घेऊन या.

मा. महापौर :-

सादर बैठकीमध्ये सन्मा. त्या समाजाचे नगरसेवक, नगरसेविका असतील त्यांनाही आमंत्रित केलं जाईल. पुढचा विषय घ्या.

निलम ढवण :-

महापौर मॅडम बुध्दविहारच्या मिटींगला समाजाची लोक येतील त्यावेळी गटनेत्यांना आमंत्रित करा.

मा. महापौर :-

गटनेत्यांना मी त्या बैठकीमध्ये आमंत्रण करणार नाही.

निलम ढवण :-

त्यावेळी बोलवा ना.

मा. महापौर :-

नाही.

गिता जैन :-

मॅडम आतापर्यंत एवढे हॉल झाले कुठल्या समाजाला बोलवून त्यांना विचारले आणि एखाद्या समाजाला तुम्ही मोफत देत असाल तर त्यापेक्षा त्यांना जास्त काहीच नको आहे तुम्ही घ्या आता निर्णय आणि करा जाहिर की आम्ही फ्री देतो.

मा. महापौर :-

मॅडम निर्णय कसा देणार तुम्ही मला सांगा.

गिता जैन :-

बोलवायची गरज नाही.

मा. महापौर :-

काय दर आकारला पाहिजे तुम्ही सांगा.

गिता जैन :-

मॅडम मी प्रस्तावना करते त्यांना अमुक दिवशी म्हणजे बौध्द विहार जेव्हा आपण नाव दिलं आहे त्यांना त्या त्या कार्यक्रमासाठी फ्री द्यावंत परत प्रश्न एक होणार की सगळ्या संस्थांनी आप आपलं मागणार एकत्र येऊन मागणार नाही म्हणून तिथे एक धोरण ठरवावं लागणार तुम्हाला की, त्या त्या दिवशी त्यांनी येऊन तिथे प्रार्थना करायची बस तेवढ बाकीचे जे हॉलप्रमाणे आपण त्यांना भाडे आणार तो बाकीच्यांना तसे भाडे आकारा. बाजार भावाप्रमाणे भाडे फिक्स आहे मॅडम.

मा. महापौर :-

मी प्रशासनाला बोलतो दर निश्चित करून द्या.

गिता जैन :-

मॅडम मी परत तेच सांगते की, संस्थाला बोलवायची गरज नाही.

उपमहापौर :-

महापौर मॅडम, उसपे दो तरीकेसे वास्तु है एक स्कूल है एक हॉल है। जहाँ तक मुझे मालुम है मुझे ऐसा लगता है की जो स्तूप है वो कम से कम मेडीटेशन के लिए और जो हमेशा के लिए फ्री होना चाहिए यह मेरा मानना है। और जो हॉल है वो जीस दिन समाज को लगे या कीसी समाज को लगे, मनपा को लगे, महापालिका कुछ ना कुछ वहाँ पे काम करेगी। या इलेक्शन रहेंगे मनपा वो ले सकते है और कौनसे त्यौहार के दिन वो फ्री मे देने चाहिए। जिस तरीकेसे स्कूल है वो 100% हमेशा के लिए फ्री होना चाहिए यह मेरा मानना है। यही विषय वो लेके महापौर मॅडम आपको बारबार दरखास्त कर रही है की जब किसी वक्त फ्री देना है उससेही सलाह मशवरा लेले। आयुक्त महोदयजीका भी वही कहना है की, उनका सलाह मशवरा लेके बाद मे हम बैठके उसपे डिसीजन लेंगे वही बात पहलेही महापौर मॅडम ने क्लिअर किया की उन्होने कहा की यह प्रायव्हेटाइजेशन नही करेगे। दुसरा जो कमर्शियल बेस पे हमे इन्कम होनी चाहिए या मनपा की इन्कम होनी चाहिए हम उस मुद्दे पे नही है नाममात्र जो हम दर बोलते है नाममात्रसाठी समजा एखाद्या प्रत्येक समाजाने ते

वापर नाही केला, त्या समाजाने वापर केला असेल तर कुठला दर ठेवायचा नाममात्र ठेवायचा तर किती ठेवायचा हा एक विषय नाही भरपूर विषय आहेत. म्हणून ह्यासाठी चर्चा ठेवली होती.

**प्रशांत दळवी (सभागृहनेता) :-**

महापौर मॅडम, बरोबर आहे. उपमहापौर जसं बोलले तिकडे दोन वास्तु आहेत एक मेडीटेशन सेंटर आहे आणि एक बौद्ध विहार. त्यामुळे तेथे ज्यांना द्यायचा आहे तो भाग वेगळा आहे आणि हा भाग वेगळा आहे त्यामध्ये जे फ्री द्यायचं तिकडे त्यांनी मेडीटेशन सेंटरमध्ये फ्रीमध्ये जाऊ शकतात. आणि जो निर्णय घ्यायचा आहे तर तो पुढच्या महासभेत निर्णय आपण रितसर आयुक्त महोदयने सांगितले आहे त्यामुळे हा विषय महापौर मॅडम संपलेला आहे. पुढील विषयाला आपण सुरुवात करावी. मा. महापौर :-

मी रूलींग दिलेली आहे. त्यामुळे हा विषय पेन्डींग ठेवा पुढच्या विषयाला सुरुवात करा.

**प्रकरण क्र. 8 :-**

मिरारोड (पूर्व) आरक्षण क्र. 230 रामदेव पार्क येथे बांधण्यात आलेले मेडीटेशन सेंटर चा वापर सुरु करणेसाठी भाडे ठरविणेबाबत.

**ठराव क्र. 10 :-**

मिरा भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्रात मिरारोड (पूर्व) रामदेव पार्क येथील मंजूर विकास योजनेतील आरक्षण क्र.230 मध्ये बुध्दविहार तसेच मेडीटेशन सेंटरची इमारत बांधण्यात आली आहे. सदर बुध्दविहार व मेडीटेशन सेंटर इमारतीचे दैनंदिन संचलन, देखभाल व दुरुस्तीकरीता देण्यासाठी विविध संस्थांचे अर्ज महानगरपालिकेस प्राप्त झाले आहेत.

सदर इमारतीच्या वापराबाबत धोरण निश्चित करणेकरीता मनपा पदाधिकारी, संबंधीत अधिकारी, सर्व पक्षीय गटनेते व या समाजाच्या प्रमुखांची बैठक आयोजित करून निर्णय घेण्यास ही मा. महासभा मंजुरी देत आहे.

**सुचक :- श्रीम. डिम्पल मेहता**

**अनुमोदन :- श्रीम. रुपाली शिंदे**

**ठराव सर्वानुमते मंजूर**

**सही/-**

**महापौर**

**मिरा भाईंदर महानगरपालिका**

**नगरसचिव :-**

प्रकरण क्र.9, मिरा भाईंदर शहरासाठी क्लस्टर योजना राबविणेकामी तज्ञ सल्लागार यांची नेमणूक करणेबाबत.

**प्रशांत दळवी (सभागृहनेता) :-**

मिरा भाईंदर महापालिकेमार्फत अनेक विषयांकरीता सल्लागारांनी प्रकल्प अहवाल तयार केलेले आहेत. परंतु त्यातील काही अहवालावर अंमलबजावणी प्रत्यक्षात झालेली नसल्याने महापालिकेचे करोडो रुपयांचे नुकसान झालेले आहे. मिरा भाईंदर शहरासाठी क्लस्टर योजना राबविण्याआधी शहराचा Impact Assessment Report तयार करणे गरजेचे आहे. तद्नंतर क्लस्टर योजना राबविण्याकामी सल्लागार नेमणे संयुक्तीक होईल. त्याप्रमाणे प्रशासनाने प्रथम Impact Assessment Report तयार करावा तद्नंतर क्लस्टर योजनेबाबत प्रस्ताव सादर करणेस ही मा. महासभा मंजुरी देत आहे.

**धुवकिशोर पाटील :-**

**अनुमोदन आहे.**

**जुबेर इनामदार :-**

महापौर मॅडम, इम्पॅक्ट केसेसमध्ये रिपोर्ट हा मला वाटत दर 3 वर्षांनी किंवा 5 वर्षांने करायचे धोरण आहे. आजपर्यंत आपल्याकडे झालेले नाही. कुठलीही योजना राबवताना इम्पॅक्ट असेसमेंट रिपोर्ट हा महत्वाचा विषय आहे. शहरामध्ये जितक्या काय योजना राबवायच्या असतील त्या राबवता येतात.

मा. आयुक्त :-

मा. महापौर मॅडमच्या परवानगीने बोलतो, विषय असा आहे की, मिरा भाईंदर शहरासाठी क्लस्टर योजना राबविणेकरीता तज्ञ सल्लागारांची नेमणूक करण्याचा 2 डिसेंबर 2020 अन्वये एकत्रित विकास नियंत्रण नियमावलीमध्ये नियम क्र.14.8 अन्वये क्लस्टर योजना मंजूर करण्यात आली असून त्या अंतर्गत मिभामनपा क्षेत्रातील इमारतींसाठी क्लस्टर योजना राबविणे योजीले आहे. क्लस्टर योजना राबविणे हे काम व्यापक, विस्तृत आणि तांत्रिक स्वरूपाचे असल्यामुळे सद्यस्थितीत मिरा भाईंदर महानगरपालिकेच्या नगररचना विभागाकडे किंवा सार्वजनिक बांधकाम विभागाकडे पुरेसे तंत्रज्ञान, तांत्रिक माहिती व मनुष्यबळ या तिघांची टंचाई असल्यामुळे सदर प्रस्ताव आपण सादर करत आहोत. हे काम करण्यासाठी क्लस्टर डेव्हलपमेंट हा नव्याने आलेला कन्सल्ट आहे आणि त्यासाठी आपण तज्ञ सल्लागार नेमत आहोत. तज्ञ सल्लागारमध्ये खालील भाग अंतर्भूत होतात. 1. महापालिकेच्या लोकसंख्येचा अहवाल तयार करणे. अर्थव्यवस्थेबाबत अहवाल तयार करणे, पर्यावरण व पायाभूत सुविधांचा अहवाल तयार करणे सद्यस्थितीत नियोजन व सोयीसुविधांचा अहवाल तयार करणे, गृहनिर्माण बाबतची सद्यस्थितीचा अहवाल तयार करणे, शहरातील सद्यस्थिती एफ.एस.आय. आणि टी.डी.आर. उपलब्धीच्या बाबतीत अहवाल तयार करणे, गृहनिर्माण क्षेत्रातील मागणी आणि पुरवठ्याचा अहवाल तयार करणे, नागरी पुनरोत्थान योजना त्याचप्रमाणे क्लस्टर योजना त्याचप्रमाणे क्लस्टर योजनेचा संकल्प तयार करणे त्याची व्यवहार्यता तपासणे, जी.आय. बेस मॅप जी.ई. स्लॅम मॅप, वाहतुकीचे विश्लेषण करणे, फायनान्शीयल अहवाल तयार करणे आणि सविस्तर क्लस्टरचा प्लॅन आराखडा तयार करणे. शासन स्तरावर वेळोवेळी त्याचे सादरीकरण करून त्याचे उपस्थित मुद्द्यांचे स्पष्टीकरण करून योजनेला मान्यता देणे, योजना कार्यन्वित केल्यानंतर त्याचा प्रचार, प्रसार, प्रबोधन आणि सोशियल इकोनॉमिक सर्व्हेक्षण यांचे विश्लेषण करून सी.आय.एम.एस. सर्व्हे करून जमा झालेली माहिती शास्त्रोक्त पध्दतीने संकलीत करणे, असा हा तज्ञ सल्लागार नेमण्याचा उद्देश आहे कारण जे शहरी भागात ज्या चाळी आहेत, झोपड्या आहेत त्याठिकाणचा इंडीव्ह्युज्युल लेव्हलवर विकास करणे प्रॅक्टिकली शक्य होत नाही. बऱ्याच जुन्या बिर्डींग आहेत 25-30-40 वर्षापूर्वी बऱ्याच सी.आर.झेड मध्ये येत होत्या किंवा त्या बिर्डींगमध्ये एफ.एस.आय. त्याच काळात एकावर एक असे 4-5 मजले करून 4-5 एफ.एस.आय. अगोदरच वापरला होता. अशा तर इमारती परत डेव्हलप करायला लागलो तर त्याठिकाणी त्यांचा एफ.एस.आय. पेक्षा जास्त एफ.एस.आय. तिथे राहणाऱ्या आता सद्यस्थितीत राहणारे रेंटल किंवा ओनर जे कोणी राहतात त्यांच्यासाठी जातो. तर याचा परिपूर्ण अभ्यास करून विहित समविकास योजना एकत्रित राबवली तर त्याठिकाणी त्या परिसरासाठी समजा शाळा लागत असेल त्याच एरियासाठी त्यांना प्ले ग्राऊंड लागते, हॉस्पिटल लागतात, रस्ते, इन्फ्रास्ट्रक्चर याचा परिपूर्ण अभ्यास करण्यासाठी ह्याठिकाणी सल्लागाराची नेमणूक करणे आवश्यक आहे. म्हणून बेसिक स्वरूपात आपण हे करत आहोत. वेळोवेळी असा मी उल्लेख केलेला आहे. 18 मुद्द्यांवर त्यांनी माहिती तयार करायची सल्लागाराने, आपल्याला ती माहिती दिल्यानंतर त्याच्याविषयी आपली वेळोवेळी चर्चा होत राहिल, बैठका होत राहतील आणि महासभेसमोर ते सादर केले जाईल. आणि टप्प्याटप्प्याने त्यांची चार टप्पे ठरले आहेत. पहिला आपल्याला सल्लागार नेमल्याशिवाय त्याचे टप्पे सिक्वेस आणि पुढे कसे गेले पाहिजे हे समजणार नाही. ठाणे मनपा गेली 2004 पासून ह्या विषयावर काम करते. त्याचप्रमाणे कल्याण, उल्हासनगर, वसई-विरार आणि भिवंडी सर्वच मनपा एम.एम.आर. रिझन मधील त्या त्या ठिकाणी ऑलरेडी काम करत आहेत. क्लस्टरमध्ये आपले सर्वांचे पुढे ठाणे महानगरपालिका आहे. त्यानंतर उल्हासनगर आणि कल्याणने पण घेतलेले आहे. तर आपण आता ही सुरुवात करू

तेव्हा टप्प्याटप्प्याने आपल्याला पुढील 5-7 वर्षांत जेवढा आपण वेगात काम करू तसा त्याला आकार देता येईल. म्हणून हे सर्व विभाग नविन आहेत आणि ह्या शहराचा सर्वांगीण विकास कसा करायचा याचे परिपूर्ण ज्ञान आपल्याकडे असणारा मनुष्यबळ त्यासाठी असणारे तांत्रिक ज्ञान हे पाहता शक्य नसल्यामुळे आपण आता सल्लागार नेमत आहोत आणि तो जस सल्लागार आपल्याला टप्प्याटप्प्याने माहिती देत राहिल आणि वरील उल्लेख केलेल्या मुद्द्यांचे उत्तर देत राहिल. तसं तसं आपल्याला पुढे जावे लागेल. म्हणून आपण हा क्लस्टर योजनेसाठी सल्लागार नेमण्याचा हा प्रस्ताव आपल्यासमोर आणलेला आहे. धन्यवाद!

जुबेर इनामदार :-

साहेब, दिलेल्या गोषवाच्याप्रमाणे सोशियल इकोनॉमिक सर्व्हे हा आपल्याला हेडिंग दिलेली आहे आणि कदाचित म्हणजे 1 ते 18 हे मुद्दे गोषवाच्यामध्ये दिलेले आहेत. याच्यामध्ये इम्पॅक्ट असेसमेंट रिपोर्ट मला तरी साहेब जितकी काय माझ्याकडे माहिती आहे मला वाटतं दर तीन वर्षांमध्ये प्रत्येक पालिकेला तयार करावा लागतो. ह्यांनी आता इम्पॅक्ट असेसमेंट रिपोर्ट तयार करण्यासाठी सल्लागार नेमायचा ठराव केलेला आहे आणि आपली डिमांडजी आहे ती सोशीयो इकोनॉमिकली सर्व्हे आहे. पाहिजे तरी कोण? साहेब तुम्ही हा सोशियल इम्पॅक्ट असेसमेंट रिपोर्ट हा जो शब्द आहे तो तुम्ही गोषवाच्याला बाहेरून आलेला आहे. इम्पॅक्ट असेसमेंटमध्ये हे दिलेले मुद्दे कव्हर होतात का साहेब? कदाचित आयुक्त महोदय तुम्ही त्यांचा वाचलेले ठराव ऐकलेला नसेल. म्हणून मी मुद्दामहून तुम्हाला तुमच्या समोर हा विषय आणत आहे.

भगवती शर्मा :-

जुबेरभाई क्लस्टर योजना सरकारने इसके लिए लाई की रिडेव्हलपमेंट के अंदर मे बहूतसी ऐसी बिल्डींग हैं जो तुटने के बात के अंदर मे ऐसीही पडी रहती हैं। एफ.एस.आय. के कारण से वह बन नहीं पाती हैं। पुरे महाराष्ट्र के अंदर मे हम इस मनपा के अंदर मे कई बार हमने यह प्रस्ताव भेजे हैं लेकिन होता क्या है की हर शहरा की उस समय के अंदर मे नगरविकास मंत्रीजी से मिला था की हर इक शहर की रचना अलग अलग दरशाती हैं। कही कही बडी बडी कॉम्प्लेक्स होते हैं और हमारा जो एफ.एस.आय. बडा हुआ है। अलग अलग सर्व्हे नंबर पर छोटी छोटी बिल्डींग बनी हुई है। जहाँपे पहलेसे ही एफ.एस.आय. कंन्झुम हो चुका है। क्लस्टर एफ.एस.आय. कंन्झुम का होनेवाली नहीं है, अलग अलग सर्व्हे नंबर पे अलग अलग बिल्डींगे बनी हुई है। तो क्या क्लस्टर योजना मिरा भाईदर शहर को देखते हूए यह इफेक्ट असेसमेंट रिपोर्ट यह है की हमारे शहर को देखते हूये यह योजना लागू हो सकती है की नहीं?

जुबेर इनामदार :-

भगवतीजी आपने जो बात की मुझे जो बताया शहर के इतिहास का जो मुझे परिचय करवा के दिया है मैं आपका आभारी हूँ।

मा. महापौर :-

ठराव झालेला आहे. सल्लागार नेमायचा की नाही नेमायचा?

जुबेर इनामदार :-

आयुक्तांनी जे निवेदन केले त्यांच्या गोषवामध्ये सोशल इकोनॉमिकल सर्व्हे ह्या सर्व्हेमध्ये आणि त्या सर्व्हेमध्ये काही अंतर आहे का? कारण यांनी ठराव करताना इम्पॅक्ट असेसमेंट रिपोर्ट हा उल्लेख केला. इम्पॅक्ट असेसमेंट रिपोर्टमध्ये 18 मुद्दे येत असतील तर ह्या सात दिवसात म्हणजे इतक्या घाई गर्दीमध्ये हा सर्व्हे झाला पाहिजे याचा मुद्दामहून उल्लेख केलेला आहे.

मा. महापौर :-

आयुक्त महोदय आपण परत एकदा क्लिअर करा.

मा. आयुक्त :-

मा. महापौर मॅडमच्या परवानगीने बोलतो. सन्मा. सदस्य जुबेरभाई यांनी म्हंटले आहे की, हे घाईघाईत 7 दिवसामध्ये सर्व्हे होणार नाही. त्याची सर्व्हे होण्याची प्रक्रिया किमान 2 ते 3 वर्षे चालेल किंवा फास्ट फास्ट केले तर 8 ते 10 महिने चालेल. प्रशासन आणि त्यांची टीम असेल. एक त्याचे कारण असे आहे की, आपण ऑलरेडी लेट झालेलो आहोत. कारण इतर मनपाच्या तुलनेत मुंबईला चिटकून असणारी ही मनपा आहे. परंतु कल्याण, उल्हासनगर सारख्या मनपा आपल्या कितीतरी पटीने पुढे आहेत. हे मागवण्याचा उद्देश हे काम करणारे फार टेक्नीकल एक्सपर्ट जे शासनाचे यादीवर आहेत ते लिमिटेड आहेत. हे नेहमी सारखे टेंडर काढून आणले आणि ए,बी,सी,डी,ई,एफ मध्ये कॉम्पीटीशन झालं असे इतक्या याच्यात येत नाही हे ऑलरेडी सुरु झालेले आहे. म्हणजे लेट झालेले आहे. पण हे काम सुरु होण्यासाठी फक्त सबमिशन एवढच आहे हे आपण 1 ते 8 मुद्दे चर्चा केली त्या मुद्द्यासह क्लस्टर योजनेसाठी सल्लागार आपण नेमत आहोत.

जुबेर इनामदार :-

साहेब, 7 दिवसाचा विषय नाही. तुम्ही निविदा प्रक्रिया 2 दिवसात करा, आज करा किंवा 2 महिन्यांनंतर करा तो विषय नसतो. विषय असा आहे ह्यांनी मांडलेला ठराव त्याच्यामध्ये इम्पॅक्ट असेसमेंट रिपोर्ट आणा. तुम्ही तुमचा असलेला डिमांड गोषवाच्यामध्ये तो सोशियल इकोनॉमिक सर्व्हे ह्यांनी केलेल्या ठरावामध्ये 18 मुद्दे.....

धृवकिशोर पाटील :-

मॅडम इम्पॅक्ट असेसमेंट रिपोर्ट हा वेगळा आहे आणि प्रशासनानी जो गोषवारा दिला आहे तो प्रकार वेगळा आहे. दोन्ही गोष्टी वेगळ्या आहेत. इम्पॅक्ट असेसमेंटमध्ये अशी माहिती होती की मिरा भाईंदर शहरामध्ये किती रस्ते आहेत त्याची लांबी, रुंदी काय मिरा भाईंदर शहरामध्ये पाणी किती उपलब्ध आहे. नाल्याची स्थिती काय आहे. आणि क्लस्टर डेव्हलपमेंट योजना राबवल्यानंतर जी पॉप्युलेशन वाढेल त्याच्यासाठी तेवढे पाणी आहे का? नाले आहेत का? पार्किंग सिस्टम आहे का? आता क्लस्टर योजनेसाठी जे तज्ञ सल्लागार नेतात ती वेगळी गोष्ट आहे. ऑलरेडी डी.सी. रुल मध्ये क्लस्टर योजना मंजूर आहे. जर क्लस्टर योजना मंजूर असेल तर आपल्याला वेगळे तज्ञ सल्लागार मंडळ नेमायची गरज नाही. क्लस्टर योजना म्हणजे आपल्या काही बिल्डींगचे एफ.एस.आय. जास्त वापरले आणि ते रिडेव्हलपमेंट होऊ शकत नाही. म्हणून आजूबाजूच्या 4-5 बिल्डींग एकत्र करून क्लस्टर योजना राबवणे असे काहीतरी त्याच्यात आहे. हे बिल्डरचे काम आहे ते आपण करणे संयुक्तीक ठरणार नाही असे मला वाटते. माझी महापौर मॅडम आपल्याला विनंती आहे ह्याच्यावर विस्तृत चर्चा होणे गरजेचे आहे.

मा. महापौर :-

माझे असे म्हणणे आहे की मा. आयुक्तांनी काय सांगितले की हे इम्पॅक्ट असेसमेंट रिपोर्ट आपण जर तज्ञ सल्लागाराची नेमणूक केली तरच.....

धृवकिशोर पाटील :-

इम्पॅक्ट असेसमेंट हे वेगळ आहे. त्याचे वेगळे सल्लागार असतात. स्टॅन्डिंगमध्ये ह्याचे प्रस्ताव आले होते.

गिता जैन :-

क्लस्टर सल्लागार जे आणले आहे बिल्डींगचे क्लस्टर एखादा बिल्डर घेणार ते क्लस्टर होणार ती गोष्ट वेगळी. पण आपल्या शहरामध्ये असाही एक पार्ट आहे तिथे फक्त चाळ आहेत ती जमिन कोणाची आहे कोणालाच माहित नाही. वर्षानुवर्ष झालेल्या चाळी आता आपण सांगतो ते लिगल झाली पण ते लिगल कशाप्रकारे झाली आहे आणि त्या चाळीला रिडेव्हलपमेंट करायची असेल तर होत नाही असे जे चाळ आहेत म्हणजे आपले काशिमिरा, मुन्शी कम्पाऊंड, पेणकरपाडा असो त्या भागाला तुम्ही क्लस्टर कसे करणार? जोपर्यंत त्याचा सल्लागार नेमत नाही आपल्याला बघायचे असेल ठाण्याला



क्रिश् नगर वगैरे रिडेव्हलपमेंटमध्ये जाते. ते सभागृहाला दाखवावे ते क्लस्टर काय आणि तिथे राहणाऱ्याला त्याचा काय फायदा होतो. मी त्यादिवशी त्या मिटींगला होती त्यावेळी माझी मंत्रिमंडळाला रिक्वेस्ट होती की आमच्याकडे क्लस्टर योजनेचा कन्सेप्ट आला पाहिजे. नाहीतर ह्या एरियाचे कधीच भले होणार नाही. आपले नवघर वगैरे एरिया आहेत त्यांना आपण क्लस्टरमध्ये सामावून घेत नाही तोपर्यंत रिडेव्हलपमेंट होणार नाही. जोपर्यंत सल्लागार आपल्याला सूचना करत नाही एक एक बिल्डींगला एकत्र आणायचे आणि त्यांना क्लस्टर त्यांना समजवायचे त्यापेक्षा एक सल्लागार असेल त्यांनी ते एक आराखडा तयार करून दिला ह्या भागाला तुम्ही क्लस्टरमध्ये घेऊन जा तर त्या त्या जुनी बिल्डींगचे मला वाटते आता वेळ आलेली आहे. 1-1 बिल्डींग पडत चालली आहे. आमच्या भाईदर वेस्टमध्ये जर मला वाटते 5-6 बिल्डींग पडून झालेली आहेत. जर तिथे क्लस्टर आणायचा असेल तर मॅडम त्यासाठी सल्लागार पाहिजेच मला वाटते शहराची गरज आहे. तुम्हाला नेमायचा असेल एक इनप्लान्ट असेसमेंट सर्व्हेअर वेगळा नेमा माझा त्याबद्दल काही म्हणणे नाही पण सत्ताची खेळ करून असे काही करू नका की आपण गोषवारा काय आणि ठराव काय अस प्लीझ करू नये.

प्रशांत दळवी :-

आपण सल्लागाराशिवाय हा रिपोर्ट कसा तयार करू शकतो?

दिनेश नलावडे :-

महापौर मॅडम संपूर्ण भाईदर ईस्ट हा 30-40 वर्षा पूर्वीच्या बिल्डींग आहेत. आज प्रत्येक बिल्डींग धोकादायक होत चाललेली आहे आणि कमीत कमी 700 ते 800 बिल्डींग अशा आहेत. त्या बाबतीमध्ये रिडेव्हलपमेंट आज प्रत्येक बिल्डींगची मिटींग चालू आहे मी देखील अध्यक्ष आहे त्याठिकाणी सर्व बिल्डींगच्या मिटींग घेत आहेत. रिडेव्हलपमेंटसाठी केव्हा काय होईल अपघात घडेल याचे निश्चित शाश्वती देता येणार नाही. आज नवघर रोडला काय बिल्डींग झालेल्या आहेत रिडेव्हलपमेंटच्या त्याच्यासाठी काही रस्ते सुटलेले नाहीत. एफ.एस.आय. दिलेले आहेत, पार्किंगची जागा नाही. अशा अवस्थेत पुन्हा तेच ये रे माझ्या मागल्या जी आजची अवस्था आहे तीच पुढे जाऊन होणार आहे. आपण जो विषय आणलेला आहे, हा फार महत्वाचा आहे आणि जसे कमिश्नर साहेब बोलले की आपण फार उशीर केलेला आहे ह्याबाबतीमध्ये महापौर मॅडम ह्याविषयावरती रिडेव्हलपमेंट फार लवकरात लवकर निर्णय आपल्या महासभेने घ्यावा कारण 1-2 वर्षांमध्ये अनेक बिल्डींग पडण्याचा धोका निर्माण झालेला आहे ह्याच्यावरती रिडेव्हलपमेंट, आपला क्लस्टर डेव्हलपाच्या हिशोबाने प्लन जर तयार झाला तर आजच्या दिवसामध्ये सर्व बिल्डींग एकत्र येतील आणि नविन बिल्डींगला सुरुवात करतील. कृपया करून हा विषय लवकरात लवकर घेऊन रिडेव्हलपमेंटच्या बाबतीमध्ये महापौर मॅडम विचार करण्यात यावा.

प्रशांत दळवी :-

महापौर मॅडम, इम्पॅक्ट असेसमेंट रिपोर्ट हा जर सल्लागार नेमला नाही तर होऊ शकतो का?

गिता जैन :-

ते टाऊन प्लानिंगचा कामच आहे. रिडेव्हलपमेंट करून द्यायचं.

मा. महापौर :-

हा सर्व्हे झालेला आहे.

प्रशांत दळवी :-

त्याचबरोबर हे जे 18 कामे सुचवलेली आहेत.

गिता जैन :-

मॅडम इम्पॅक्ट असेसमेंट रिपोर्ट हे त्यासाठी आपल्याला सल्लागार नेमायची गरज नाही. पण आपल्याला आता जे शहराची गरज आहे क्लस्टर मी परत सांगते बिल्डींगचा प्रॉब्लेम होणार नाही. जरी ते सिंगलमध्ये जाणार तरी त्यांना लॉस होणार आहे.

मा. महापौर :-

मिरा भाईंदर शहराच्या हिताने आपल्याला विचार करायचा आहे. म्हणून आपण जो ठराव करतो त्यामध्ये सुधारणा करता येत असेल तर पहा.

मा. उपमहापौर :-

महापौर मॅडम, समाविष्ट करण्याच्या अगोदर माझी ह्यामध्ये सुचना आहे समजून घ्या. प्रत्येकाची मागणी जी होती क्लस्टर आणि रिडेव्हलपमेंट मी ही छोटा मोठा एक विकासक आहे. मला टाऊन प्लानिंग अधिकाऱ्याने सांगावे की जिथपर्यंत हा बनवतो आहे त्याशिवाय सोडून काम आपण रिडेव्हलपमेंट करू शकत नाही किंवा क्लस्टर करू शकत नाही असे आहे का? महापौर मॅडम असे काहीच नाही. क्लस्टर ही करू शकतात आणि रिडेव्हलपमेंट ही करू शकतात. ह्यासाठी थांबणार नाही हा माझे व्यक्तीगत मत आहे. दुसरा विषय ह्यामध्ये जे लिहिलेले आहे 18 मुद्दे ज्या हिशोबाने धृवकिशोर पाटील यांनी सांगितले सदस्य महोदयने की इम्पॅक्ट असेसमेंट रिपोर्ट काढणे गरजेचे आहे. शंभर टक्के काढणे गरजेचे आहे. हे जे 18 पॉईंट दिलेले आहेत हे पूर्ण पॉईंट सगळे दिड कोटीमध्ये होणार आहेत का? हे कन्फर्मेशन द्याव त्या अगोदर खर्च होणार नाही का? हे कन्फर्मेशन द्यावे व टाऊन प्लानिंगचे असे लिखित द्यावे की हे जिथपर्यंत होणार नाही तिथपर्यंत रिडेव्हलपमेंट होणार नाही तिथपर्यंत क्लस्टर होणार नाही. तर लवकर करा. आजच करा.

हेमंत ठाकूर :-

महापौर महोदयांच्या परवानगीने बोलतो की क्लस्टर डेव्हलपमेंटची जी आपली संकल्पना आहे सगळ्यांनी जसे सांगितले की ठाणे महानगरपालिका तसेच उल्हासनगर महानगरपालिका आणि कल्याण डोंबिवली महानगरपालिका यांनी जसं क्लस्टर डेव्हलपमेंटमध्ये जशी प्रोग्रेस केलेली आहे आपण त्यांच्या बरेच मागे आहोत तर मेनली क्लस्टर डेव्हलपमेंटचा उद्देश असा आहे की जसं मगाशी सभागृहाची चर्चा मी मगाशी ऐकली तर त्याच्यामध्ये असे आहे की, आपल्या बऱ्याचशा ज्या बिल्डींग आहेत त्या सरकारी जागा किंवा सी.आर.झेड वगैरे याच्यामध्ये ज्या अनधिकृत जे बांधकाम झालेली आहेत किंवा वाढलेली मोडकळीस आलेल्या इमारती आहेत झोपडपट्टी आहे यांचा एकात्मिक पध्दतीने एकत्रित विकास करणे हा याचा मागचा उद्देश आहे आता यू.डी.सी.पी.आर जे आहे हा आपला 2020 ला 3 डिसेंबर 2020 ला लागू झालेला आहे. त्यामध्ये आपण जास्तीत जास्त त्या रिडेव्हलपमेंटमध्ये जास्तीत जास्त आपण 4.8 पर्यंत एफ.एस.आय जाऊ शकतो. रोड वेटप्रमाणे पण यामध्ये असे मगाशी गेल्या आठवड्यामध्ये आपण प्रेझेंटेशन आपल्या गटनेत्यांना पण दर्शविलेले आहे, महापौर महोदयांना पण दाखवलेले आहे तर ह्यामध्ये 4 हा बेसिक एफ.एस.आय आहे आणि त्याच्यावर 60 टक्के पर्यंत आपण जे आहे कॉन्सलरी देऊन 6-4 हा मॅकझीमम एफ.एस.आय. आपण देऊ शकतो. ह्या प्रकारणामध्ये आणि याच्यामध्ये क्लस्टर डेव्हलपमेंटमध्ये आपण रिझर्व्हेशन नो डेव्हलपमेंट झोन वगैरे ह्या सगळ्यांची रिअर्रेंजमेंट करू शकतो. त्याच्यानंतर ज्या बिल्डींग आहेत अनधिकृत त्या देखील आपल्या याच्यामध्ये रेग्युलर होऊ शकतात आणि रिडेव्हलपमेंट मध्ये मेन प्रॉब्लेम असा येतो की, आपल्याकडे ज्या नगरपालिका कालावधीत ज्या बांधकाम झालेली आहेत म्हणजे मेनली खारीगाव, भाईंदर (प.) आणि इतरत्र ज्या बिल्डींग झालेल्या आहेत त्या याच्यामागे रेग्युलर होणार आहेत. हा या मागचा उद्देश आहे.

अनिल सावंत :-

याच्यामध्ये उपमहापौरांनी प्रश्न विचारला त्याचे उत्तर नाही.

मा. उपमहापौर :-

महापौर मॅडम जो मी प्रश्न विचारला त्याचे एकही उत्तर दिले नाही. परत विचारतो टाऊन प्लानिंगने असे उत्तर द्यावे की हे जिथपर्यंत रिपोर्ट होणार नाहीत तिथपर्यंत क्लस्टर होणार नाही. तिथपर्यंत रिडेव्हलपमेंट होणार नाहीत का? याचे उत्तर पाहिजे. दुसरं तुम्ही जे 18 मुद्दे दिलेले आहेत

याच्यामध्ये त्या 18 मुद्द्यांमध्ये फक्त दिड कोटी मध्ये काम होणार आहे का? त्याला भविष्यात पुढे पैसे द्यायची गरज लागणार आहे का? आणि लागणार आहे तर किती लागणार आहे?

हेमंत ठाकूर :-

याच्यामध्ये हे जे 18 काम याच्यामध्ये गोषवाच्यामध्ये आपण आणलेले आहेत. त्यामध्ये फक्त कन्सल्टंट म्हणजे कन्सल्टंटला दिड कोटी रुपये आपण यामध्ये देत आहोत.

मा. उपमहापौर :-

माझे प्रश्नाचे उत्तर अजून आले नाही. माझा प्रश्न असा आहे की, दिड कोटी जे आपण देतो त्याच्यामध्ये काम पूर्ण होणार किंवा हे सोडून अजून द्यावे लागेल आणि द्यायला लागेल तर किती द्यायला लागेल प्लस दुसरा विषय असा आहे हे जे दिड कोटी रुपये आपण देणार आहोत कशासाठी देणार आहोत आणि भविष्यात याच्यामध्ये अजून पैसे लागणार आहेत का लागत असतील तर किती लागणार आहेत.

हेमंत ठाकूर :-

हे आपण जे 18 काम गोषवाच्यामध्ये शामिल आहेत भुषविलेले काम त्याच्यामध्ये दिड करोडमध्ये समाविष्ट आहे.

मा. उपमहापौर :-

माझे उत्तर अजून भेटलेले नाही. दिड कोटी आपण देणार आहोत ते पूर्ण होणार आहेत की अजून लागणार आहेत आणि लागणार असतील तर किती लागणार आहेत ह्या 18 कामाचे.

मा. आयुक्त :-

मा. महापौरांच्या परवानगीने बोलतो, सन्मा. उपमहापौर आपण उल्लेख केला की आपले ए.डी.टी.पी. काय सांगत आहेत 1 ते 18 काम आहेत ते सल्लागारांच्या हे जे बेसिक तुमचे माहिती तयार करण्याचे काम आहे त्याची कॉस्ट दिड कोटी आहे. आपण असे प्रश्न विचारत असता की दिड कोटीत अख्खे क्लस्टर उभे राहणार आहे का असे त्याचे उत्तर होत नाही. हे सल्लागाराचे ते आहे. सल्ला दिल्यानंतर त्याने सांगितले सपोज तुमचे डिटेल्स प्रेझेंट करा जसजसे आपले पुढे टप्पे जातील तसे तसे प्रत्येक कामात आहेत हा सल्लागाराचा स्कोप ऑफ वर्कमध्ये काम येते त्यामध्ये 1 ते 18 मध्ये नमुद केलेल्या कामाचे तुम्हाला सल्ला देण्याच्या आधी रिपोर्ट तयार करण्याचे काम येते. परंतु आपण असे काही त्यात मेन्शन करत आहोत फॉर एक्झामपल इम्पॅक्ट असेसमेंटचा रिपोर्टचा विषय आहे तो प्रशासनाने ऑलरेडी केलेला आहे. काही नसेल आपल्याला क्लस्टरवर आम्ही गोषवारा दिला आहे. क्लस्टरवर आपण येस नो म्हणणं तुम्ही इम्पॅक्ट असेसमेंट रिपोर्ट आमच्या याच्यात शब्द नाही. तर तो एक बेस होतो दुसरी गोष्ट दोन विषयातले प्रश्न तिसऱ्याच काहितरी करून विचारला जात आहे. सिम्पल आहे क्लस्टर डेव्हलपमेंट ह्या शहरात आणण्यासाठी ह्या शहरात मोडकळीस आलेल्या इमारती आहेत त्यांचे पुर्नवसन करण्यासाठी सरकारी जागेत ज्यांनी अतिक्रमण केलेले आहे किंवा गरजेपेक्षा जास्त एफ.एस.आय वापरला आहे किंवा सी.आर.झेड मध्ये आहेत अशा मोडकळीस आलेल्या इमारतींना पुर्नजीवित करण्यासाठी हा क्लस्टरचा गाभा आहे बेस आहे आणि क्लस्टर सुरु करताना त्यात काय करावं लागेल तर 1 ते 18 जे मुद्दा गोषवारा दिला आहे. नमुद केले आहेत त्याच्यात तुम्हाला ह्या मुद्द्यावर तो सल्लागार आपल्याला डॉक्युमेंट तयार करून देणार आहे. आपण असे विचारात आहात की, 1 ते 18 मुद्देनिहाय सगळेच काम होणार आहेत का ह्या शहराचे क्लस्टर योजना जर खरोखर अंमलात आणायची असेल तर ह्या टप्प्यानंतर पुढे जो कॉन्ट्रॅक्टर येईल जे काम होईल त्या त्या टप्प्यात त्या त्या याच्यात त्याचे पैसे लागत जातील. हे सल्लागाराला स्पेसिफीक काम आहे. तर आपल्याला सल्लागाराकडूनच सगळ कामाशी अपेक्षा कस करतो उद्या आपण असे नाही म्हणायला पाहिजे की हे सल्लागाराने क्लस्टर डेव्हलपमेंट बांधुन द्यायला पाहिजे दिड कोटीत क्लस्टर तयार करून देते का असे नाही होत.

मा. उपमहापौर :-

आयुक्त महोदय धन्यवाद आपण जी माहिती दिली हे तर आता कन्फर्म झाले आहे की हे फक्त दिड कोटी जे आपण देत आहोत म्हणजे जो आपण अपॉईंट करत आहोत कन्सलटंसीसाठी फक्त त्यासाठी देत आहेत मी मान्य करतो. मला फक्त ही माहिती पाहिजे आणि प्रत्येक सदस्याला ती माहिती हवी आहे की भविष्यात या विषयावर अजून किती खर्च होणार आहे अंदाजे मी हे बोलत नाही की एवढा खर्च होणार. किती खर्च होणार आहे आणि त्या खर्चामध्ये काय काय समाविष्ट होईल हे 18 मुद्दे समाविष्ट होणार आहे की अजून काही लागणार आहे हे आपल्याला माहिती पाहिजे. प्लस सर तुम्ही आम्हाला जी माहिती दिली की एखादी रिडेव्हलपमेंट करण्यासाठी ज्या अनधिकृत बिल्डींग आहेत ते याच्यामध्ये समाविष्ट होणार आहेत म्हणजे ते लिगली होणार आहेत का प्लस आज ज्या रिडेव्हलपमेंटमध्ये बिल्डींग येतात त्या टाऊन प्लानिंगमध्ये त्यामध्ये असे आहे का की ही अनधिकृत बिल्डींग आहे त्याला आपण रिडेव्हलपमेंट देणार नाही किंवा क्लस्टर देणार नाही. ज्याप्रमाणे धृवकिशोर पाटील साहेबांनी सांगितले की क्लस्टरमध्ये आजही तरतूद आहे. क्लस्टरला आजही कोणी विकासक येऊ शकतात आणि क्लस्टरमध्ये देऊ शकतात. ठाकुर साहेब हे खर आहे की खोट आहे? व असा करू शकतात ना आज पण की नाही?

हेमंत ठाकुर (सहा. संचालक नगररचना) :-

इंडीव्ह्युज्वल तो रिडेव्हलपमेंटला येऊ शकतो. पण त्याच्यामध्ये त्याची ओनरशीप पाहिजे सर आता याच्यामध्ये कसं आहे की ही सरकारी जागेवर समजा अनधिकृत बांधकाम असेल ना तर तो येऊ शकत नाही आपल्याकडे तर आपण त्याला ओनरशिपचे कागदपत्र मागतो. मला हे सभागृहापुढे मांडायचे होते की आपण प्रशासकीय ठराव मागतो. याच्यामध्ये आता निविदा निघणार आहे आणि निविदा निघून तो ती कोटा करणार आहे अमाऊंट.

मा. उपमहापौर :-

सर माझा प्रश्न तो नाही.

अनिल सावंत :-

क्लस्टर योजना के लिए उनका सिम्पल क्वेशन है क्लस्टर योजनेसाठी सोशियल इकॉनॉमिकल सर्व्हे गरजेचा आहे का? राज्य शासनाने तुमच्या नविन डिसीजनप्रमाणे तुम्हाला मोडकळीस दिलेली आहे की तुम्ही क्लस्टर करा आता त्याच्यासाठी हा सर्व्हे करणे गरजेचा आहे का? हा सिम्पल क्वेशन आहे.

हेमंत ठाकुर (सहा. संचालक नगररचना) :-

आहे ना इतर त्याच्यात ते आपले क्लस्टर यू.डी.सी.पी.आरमध्ये.....

अनिल सावंत :-

ठाकुर साहेब काय झाले आहे ह्या शहराला सल्लागाराने गहाळ करून टाकले आहे. सल्ला देऊ देऊन सिव्हेरेज 2008 साली आम्ही टंडन असोसिएटला सल्लागार म्हणून नेमला. अंडर ग्राऊंड सिव्हेरेज सिस्टीम त्यावेळी त्याने सांगितलं. पूर्ण शहरामध्ये ही योजना कार्यान्वित होणार आणि आज 2022 आहे. म्हणजे 14 वर्षांमध्ये तो पैसे घेऊन गेला. टंडन असोसिएट होता त्याने डी.पी.आर बनवला सगळं बनवले आणि गेला पळून. आता परिस्थिती काय आहे तशाप्रकारे ह्यांनी सर्व्हे रिपोर्ट बनवला तर आपल्या शहरामध्ये फिजीबीलीटी किती आहे. आज आपली पॉप्युलेशन जवळ जवळ 12 लाख झालेली आहे. 2011 साली साडे आठ लाख होती. आज 2022 साली पॉप्युलेशन पकडली तर 15 लाखाच्यावरती गेलेली आहे. त्यांना आपण इन्फ्रास्ट्रक्चर देऊ शकणार आहोत का? आज केवढी बॉंबाबॉंब आहे पाण्यासाठी. तुम्हाला एस.एम.एस जर आम्ही दाखवले लोकप्रतिनिधींनी व्हाट्स अप मॅसेज दाखवू तर अक्षरशः आम्ही कंटाळून गेलेलो आहोत. रोडचा प्रश्न आहे, कचऱ्याचा प्रश्न आहे, अंडर ग्राऊंड सिव्हेरेज सिस्टीमचा प्रश्न आहे आणि आपली 790 स्क्वेअर फिट किलो मीटर फक्त

एरिया आहे. त्याच्यामध्ये फक्त 30 टक्के डेव्हलप करायचे आहे. ऑलरेडी आपण ओव्हर लोडेड झालेलो आहोत. 8 लाख पॉप्युलेशन आपण सहन करू शकतो आणि ही फिजीबिलीटी आहे दुसऱ्या रिपोर्टमध्ये पण आपले ठेकेदार असतील पर्यावरण रेनबोर्ड आहेत. तुमचा माझी वसुंधरासाठी जो काही सर्व्हे वगैरे केला असेल मग त्यानंतर ह्या शहरामध्ये फिजीबिलीटी किती आहे? आता हा सोशियल इकॉनॉमी रिपोर्ट बनविल्यानंतर ती फिजीबिलीटी बदलणार आहे का? हे सर्व मुद्दे आहेत. महाराष्ट्र गव्हर्नमेंटने जो युनिफाईड डिसी रूल तुम्हाला दिला त्याच्यामध्ये कुठेही असे म्हटलेले नाही तुम्ही क्लस्टर योजना लागू करा. त्याचे नॉर्म्स आहेत त्याच्यासाठी तुम्ही सोशियल इकॉनॉमिक्ससाठी कन्सल्टंट नेमा हे असे कुठे नाही. पालिका नेमतात तो त्यांचा प्रश्न आहे. पण आमच्या शहरामध्ये ह्या सल्लागारांचा इतिहास फार वेगळा आहे. फक्त सल्ला देऊन गहाळ करतात आणि आम्ही गार पडतो आणि शेवटी भोगावे कोणाला लागते लोकप्रतिनिधींना ह्या सर्व गोष्टींचा विचार करा आणि आपल्याला चांगले आयुक्त मिळालेले आहेत त्यांचे पण मत माझे असेच असेल ह्या शहराला ओव्हर पॉप्युलेटेड करू नका.

स्नेहा पांडे :-

महापौर मॅडम, मेरा टाऊन प्लानिंग से क्वेशन है की क्लस्टर डेव्हलपमेंट के बारे में हम बहुत सारे सदस्यों को पुरी जानकारी नहीं है की उसके लिए क्या पेपर लगेंगे सोसायटी के लेकिन अभी जैसे उन्होंने बताया की इल्लिगल कोई बांधकाम है तो उसका ओनरशीप पेपर उसके पास है नहीं तो वो क्लस्टर डेव्हलपमेंट में आ नहीं सकता तो इसी तरह की हजारो बिल्डींग मिरा भाईदर में है जिसके पास ओ.सी. नहीं है और कन्वेन्स नहीं हो रहा है।

मा. उपमहापौर :-

सदस्य महोदय, उन्होंने ऐसा नहीं कहाँ आपको थोडा बता देता हूँ, उन्होंने यह कहाँ की कोई सरकारी जगह पर अगर कोई अनधिकृत बांधकाम है वो हमारे ध्यान में नहीं आता इसके लिए हम उसके लिगल पेपर मांगते हैं। बाकी जो अगर किसी की प्रॉपर्टी है उसमें बढ़ाके किया हो तो वह रिडेव्हलपमेंट आज भी आ रहे हैं और फाईल पुटअप हो रही है। ठाकुर साहेब बरोबर है ना?

हेमंत ठाकुर (सहा. संचालक नगररचना) :-

बरोबर आहे.

स्नेहा पांडे :-

अब जो हजारो बिल्डींग ऐसी है जिनके पास ओ.सी. नहीं है और उनका कन्वेन्स नहीं हो रहा है तो उन सोसायटी के नाम पे लैंड है नहीं तो वो क्लस्टर डेव्हलपमेंट में आने के बाद उनको भी उतना एफ.एस.आय. मिलेगा या उनको किस तरीके से डेव्हलप किया जाएगा और दुसरी एक चिज जो सी.आर.झेड में है चालीया बनी है बिल्डींग बनी है आज उनको रेग्युलराईज करने के लिए उनको क्या ऑथोरीटी क्या क्या पेपर उनको लगेंगे जबतक यह सारी चिजे नहीं मालुम रहेगी तो कैसे डेव्हलपमेंट कर सकते हैं और सल्लागार को अभी अभी सावंत साहबने जैसा बताया की अपन ने सिव्हेरेज के लिए सल्लागार किया था तभी बहुत अच्छी रिपोर्ट आयी थी लेकिन आज ऐसी स्थिती है की मिरा भाईदर ईस्ट में नवघर रोड हो गया केबीन रोड हो गया, आर.एन.पी. पार्क इन सब एरिया में आजतक भी नहीं हो पाया और बोलते हैं आगे यह हो भी नहीं सकता सिवरेज भाईदर ईस्ट में तो ऐसे स्लागार के उपर भी हम कुछ नियंत्रण रखे, सल्लागार आए और अपना चार्ज ले और निकल जाए बाद में हमारी योजना आधी लटका रहता है तो यह सारी चिजे सलाह लेके ही किया जाए और क्या-क्या पेपर्स लगेंगे बिल्डींगो के यह जरा जानकारी हम सब सदस्यो को रहेगा तो अच्छा रहेगा।

मा. उपमहापौर :-

महापौर मॅडम अजून माझे प्रश्नाचे उत्तर आलेले नाही.

मा. महापौर :-

उपमहापौर साहेबांनी प्रश्न विचारलेला आहे. त्याचे जरा उत्तर द्या. 7 वाजता आपल्याला सभागृहाचे कामकाज बंद करावे लागेल 15 मिनिट बाकी आहेत. तोपर्यंत हा विषय संपवायचा आहे.

गिता जैन :-

महापौर मॅडम, विषय येत आहेत एक विचारते आम्हाला पेपर कुठले पाहिजे, ओ.सी. पाहिजे का तो विषयच वेगळा आहे. दुसरं रिडेव्हलपमेंट होते हे ही खर आहे पण रिडेव्हलपमेंट कस चालले आहे ते तरी त्यांना विचारा. सिंगल बिल्डींग जी रिडेव्हलपमेंटमध्ये जाते मला वाटते धृवजीना पण एक रिडेव्हलप केले आहे. तर आपण त्यांच्याकडून भाडे तर ते देत नाही जाऊ द्या आपण त्यांच्याकडून कन्स्ट्रक्शन कॉस्ट घेतो. त्यांना घर छोटे देतो कारण ते नियमात आहे. त्यांनी जरी 4 एफ.एस.आय. वापरले तरी आता आपल्याला 2.5 प्लस अॅन्सलरी की जे काही भेटत असेल ते भेटत असेल. म्हणजे जेवढे आहे तेवढं घर आपण देऊ शकत नाही छोट घर देतो. त्यांनी दिले आहे एका बिल्डींगमध्ये धृवकिशोर बोला आपण बिल्डर तर आहेत मॅडम हे सगळ तेव्हाच संपू शकते ओ.सी. आहे की नाही जेव्हा क्लस्टरचा निर्णय घेतला जातो तेव्हा त्या बिल्डींगला ओ.सी. आहे की नाही मायने राहत नाही. त्या बिल्डींगला त्याचे कन्हेन्स झाले की नाही हे मायने राहत नाही. एकदा एखादी एजन्सीने जर क्लस्टर डेव्हलपमेंटसाठी एखादा एरिया घेतला मी ठाण्याचे बघुन आली आहे त्यामुळे मी वारंवार आपल्याला बोलत आहे. तर त्या एरियाच सगळ काही त्या एजन्सीला आता ठाण्याला सिडको करत आहेत. मग ती सगळी जबाबदारी त्या विकासकाची त्या त्या एजन्सीची राहते मग ते घर त्यांना जे राहत आहेत त्यांना ते घर मिळते आणि आहे त्यापेक्षा केवढ मोठ देऊ शकता येईल तोच एक विषय राहतो. बाकीचे विषय त्यात राहत नाही. जस ठाकूर साहेबांनी ज्या एरियाचे नाव घेतल त्या त्या एरियातली बिल्डींग जर सिंगल बिल्डींग रिडेव्हलपमेंटमध्ये गेली तर बिल्डींगमध्ये परत तेच होणार आहे त्यांना मार्जिंग नाही जसा आता प्रॉब्लेम आहे तिथे पार्किंग नाही मार्जिंग नाही जशी बिल्डींगला एक स्कुटर उभी करायची जागा नाही आणि दोन बिल्डींगमध्ये कुठेही स्पेस नाही जर ते सगळ आपल्याला सुधारवायचं असेल त्याचे लाईफ स्टायल थोडस चांगल करायचं असेल तर मला वाटतं क्लस्टर डेव्हलपमेंट शिवाय काही पर्याय राहत नाही आणि त्यासाठी त्या त्या एरियाचे अलांखन करुन कुठल्या एरियात आपण ते आणु शकतो त्यासाठी सल्लागाराची गरज आहे.

मा. महापौर :-

मला असे वाटते भरपूर चर्चा झालेली आहे ह्या विषयावरती ठराव ही आलेला आहे आणि मिरा भाईंदर शहराची परिस्थिती पाहता क्लस्टर योजना ही शहरामध्ये येणे अत्यंत गरजेचे आहे ह्यासाठी मी सुध्दा आहे त्याच्यामुळे आता जो ठराव झालेला आहे त्यामध्ये फक्त एक गोष्ट अशी नमुद केली आहे की इम्पॅक्ट रिपोर्टच्या संदर्भामध्ये तर प्रशासनाने त्या संदर्भामध्ये.....

धृवकिशोर पाटील :-

मॅडम एक मिनिट, युनिफाईड डी.सी. रूलमध्ये अंडर सेक्शन 14.....

गिता जैन :-

मॅडम 7 वाजायला आले नाही तर तुम्ही रुलिंग द्या नाहीतर सांगा की आम्हाला हा विषय घ्यायचा नाही. संपवायचा नाही.

भगवती शर्मा :-

महापौर मॅडम इतनी जलदी क्या है?

(सभागृहात गोंधळ)

गिता जैन :-

मॅडम युनिफाईड डी.सी. रूल वाचायचे आता काही कारण नाही. मॅडम युनिफाईड डी.सी. रूलवर चर्चाच नाही.

(सभागृहात गोंधळ)

मा. महापौर :-


या विषयावरती आजची ही महासभा तहकुब करण्यात येत आहे. पुढील दोन दिवसांमध्ये लगेच महासभा लावून निर्णय घेण्यात येईल.

(सभा तहकुब झाल्याची वेळ सायं. 7 वा.)

सही/-

महापौर

मिरा भाईंदर महानगरपालिका

  
(वासुदेव शिरवळकर)  
नगरसचिव  
मिरा भाईंदर महानगरपालिका